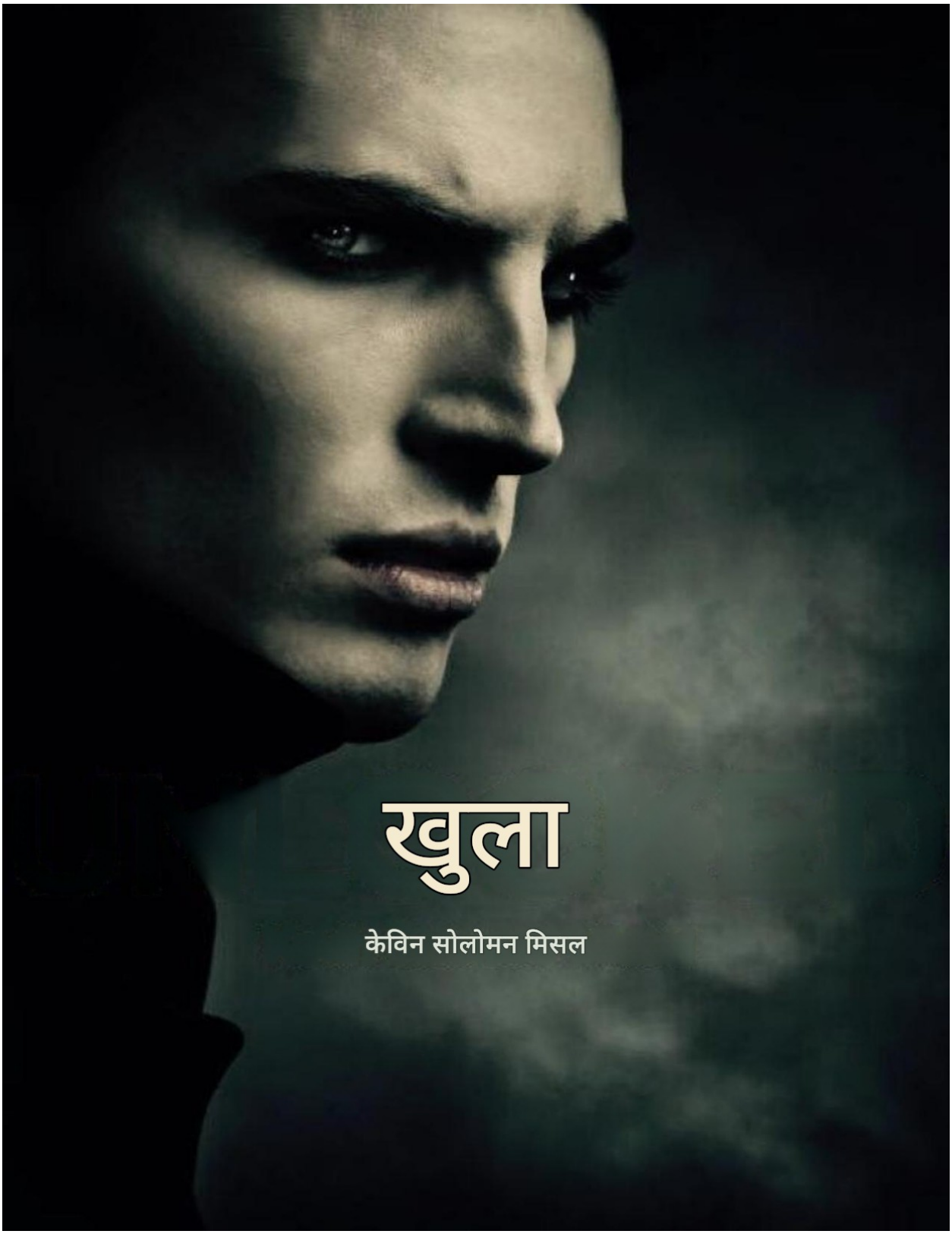
खुला
केविन सोलोमन मिसल

Table of Contents

जहाज के मलबे
राख में
नृत्य स्वप्न
विषम
फिर वे तीन हो गए
खून बहने वाली रात
नरक का राजकुमार
हिम्मत है तो मुझे पकड़ो
दर्द
यह सब मनोरंजन के बारे में है माइकल का संदेशवाहक
रीयूनियन
आत्माओं की भूमि
मुस्कुराता हुआ खून
परिणाम
दफ़न
वर्जिल का इकबालिया बयान ओबेरॉन का प्रस्ताव
पापियों
तनाव
एक लंबा सज्जन
ओरेकल
दो दुनियाओं
शैतान की खाई
बिना आवाज़ वाली फुसफुसाहट खुलासे
आईना

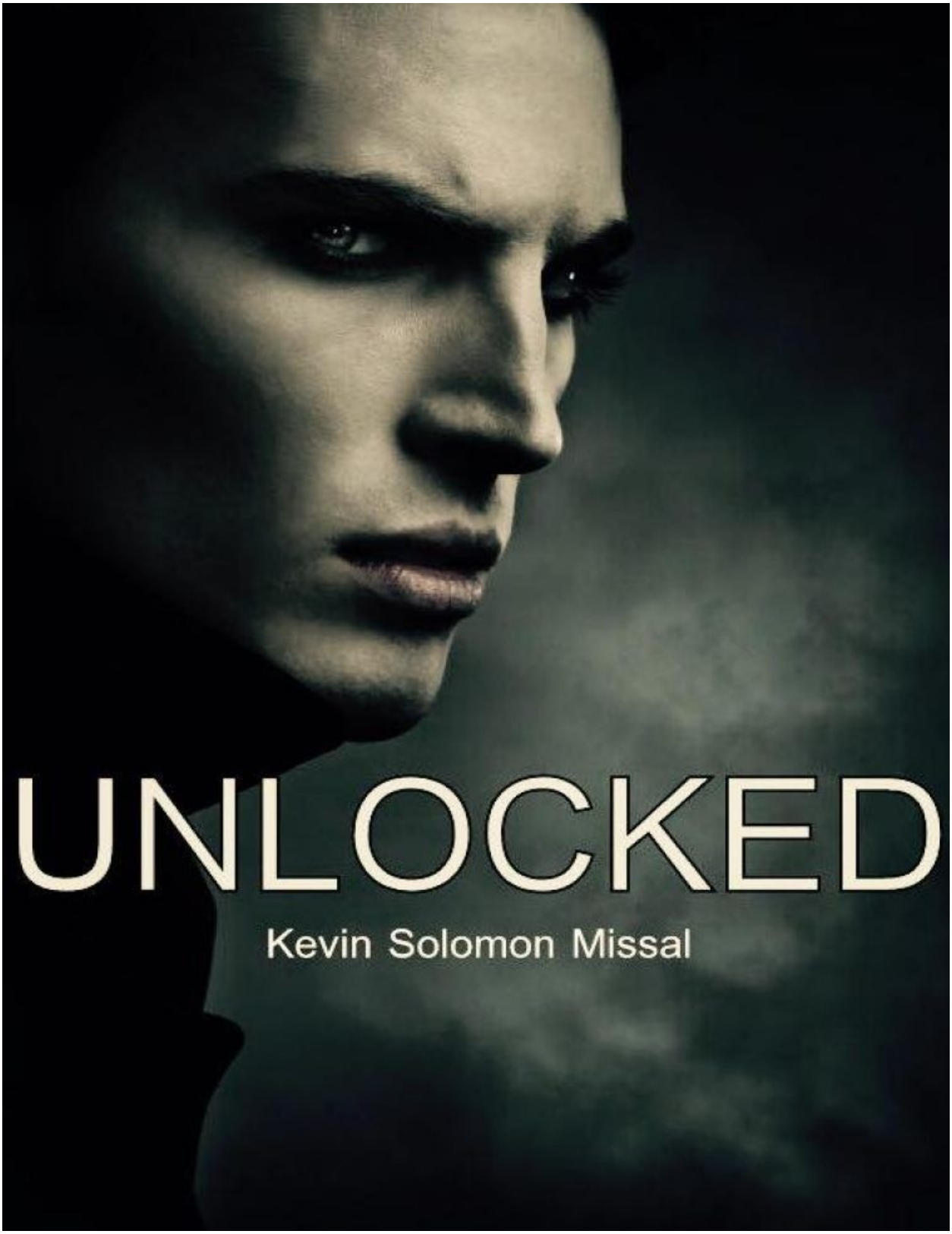
UNLOCKED
Kevin Solomon Missal

□□□□ □□□□□□ □□□□□

□□□□

स्वीकृतियाँ

सबसे पहले, मैं ईश्वर को धन्यवाद देना चाहता हूं।

अगर मेरे माता-पिता, लेस्ली और ज्योत्सना मिसल, जिन्होंने हमेशा मुझ पर विश्वास किया और मेरा समर्थन किया, न होते तो मैं अपना उपन्यास पूरा नहीं कर पाता।

मैं अपने भाई रयान मारियो कार्डोज़ा को धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने न केवल मेरी मदद की
मेरे उपन्यास के लेखन में मुझे न केवल लिखने के विषय के बारे में विचार मिले, बल्कि इससे मुझे निर्णय लेने में भी मदद मिली।

इसकी भरपाई करो।

मैं विशेष रूप से पवन पांडे को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने उपन्यास को आकार देने और उसमें मौजूद कमियों को खोजने में मेरी मदद की।

मैं अपने दोस्तों को भी हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

बर्बाद

अगर कैस्पर सुकरात ने कुछ नहीं किया तो उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाएगी।
उसका चेहरा सफ़ेद पड़ गया था और उसकी कांस्य जैसी आँखें पीली पड़ गई थीं।
उसने अपने ज़ख्मी होंठों को काटा और अपनी छाती की निचली पसली पर दबाव डाला जहाँ एक लंबे घाव से गाढ़ा, मांसल और गहरा खून बह रहा था।
जहर... चाकू को जहर में डुबोया गया था, इससे पहले कि वह उसके डायफ्राम को भेदकर हड्डियों और मांस को झुलसा दे।

मुझे जहर दिया गया है, उसने सोचा।
उसे सदमा और भय नहीं लगा। अब एक गहरी सुन्नता छा गई थी। यह सुन्न सच्चाई कि जीवन उसके शरीर की नश्वर सीमाओं को पार कर रहा था।
उसने अपना ट्रेंच कोट उतारा और टी-शर्ट सिर के ऊपर से सरका दी, जिससे उसकी नंगी छाती दिखाई दी। घाव में धागे लगे थे और खून बह रहा था। लेकिन उसका ध्यान उस गहरे घाव पर नहीं गया। उसकी निगाहें अपनी छाती पर फैली लंबी, घूमती हुई नीली रेखाओं पर टिकी थीं। वे एक भयंकर जहरीली नदी की तरह उसके गले की ओर ऊपर की ओर मुड़ रही थीं। जहर उसकी हर कोशिका को संक्रमित कर रहा था।
उसके पास कोई इलाज नहीं था। और न ही उसे यह पता था कि क्या करना है।

सिवाय... सिवाय... वह सोच में डूब गया और उसकी आँखें सिकुड़ गईं। हाँ! हाँ! मुस्कुराते हुए उसकी नाक थोड़ी फूल गई। एक हाथ से घाव को दबाए हुए, वह किताबों की अलमारी की ओर बढ़ा और दूसरे हाथ से धीरे-धीरे चमड़े की जिल्द वाली किताबों को टटोलने लगा। उसने माथे से पसीना पोंछा और हताशा से भर गया। उसे कहीं न कहीं कोई धर्मग्रंथ जरूर मिला होगा।

दस मिनट। बस इतना ही समय उसके पास था, इससे पहले कि नीली लताएँ उसके दिमाग तक पहुँचकर उसके सारे तरल पदार्थ को अपनी भयानक कोख में सोख लें। फिर वह एक गहरी, मौत भरी नींद में डूब जाएगा।
चांदी के धागे से बंधे पीले रंग के कागजों को दोहरी जिल्द वाली डिक्शनरी में रखा गया था। कांपती उंगलियों से उसने उन्हें बाहर निकाला और उसमें चौथे घुड़सवार, मृत्यु, के आह्वान का अनुष्ठान पाया।

सात मिनट।

क्या कोई मुझे थोड़ा और समय उधार नहीं दे सकता? व्यथित होकर कैस्पर ने शाप दिया।
उसे धर्मग्रंथों के पन्नों में वह मिल गया जिसकी उसे तलाश थी। खून की कुछ बूँदें उसकी कमर पर फैल गईं। उसने अपनी दो उंगलियाँ घाव में डालीं और धीरे- धीरे, बड़ी कुशलता से और बिना किसी झिझक के, तेल से सनी दीवार पर चिन्ह उकेरा। उसने खुद को पीछे खींचकर अपनी रचना को देखा। अब उसके सामने कई प्रतीकों के बीच एक पंचकोण बना हुआ था, जिसके चारों ओर तारे थे।
छह मिनट।
उन्होंने लैटिन में जप करना शुरू किया। “कम एपेरुइससेटसिगिलम क्वार्टुमाउडिविवोसेमक्वार्टी एनिमलिसडिसेंटम: वेनि! बहुत बढ़िया पैलिडस; नोमेन्सेडेबैट मोर्सेट इन्फेरुस्सेक्यूबेटुमा टर्गो। डेटा इस्ट इलिस
पोटेस्टासुपरक्वार्टम पार्टेमटेरेइंटरफाइरेग्लाडियो फेमीट पेस्ट, एट ए बेस्टीस्टरे।"
कुछ नहीं हुआ। सेकंड बीतते गए। जहर फैलता जा रहा था।
हल्की नीली धारियाँ मोटी होती जा रही थीं। बस जादू के असर के खत्म होने का इंतजार था।
सही।
उसने दोबारा चिन्ह को देखा कि कहीं कुछ गड़बड़ तो नहीं हुई। सब कुछ
सब कुछ एकदम सही था। पंचकोण को नश्वर रक्त से बड़ी बारीकी से उकेरा गया था।
प्रतीक चिन्ह और शैतान का चिह्न बिल्कुल वैसे ही थे जैसे होने चाहिए थे।

यहाँ तक कि उसने लैटिन में जो मंत्र पढ़ा था, वह भी सटीक था, भले ही उच्चारण थोड़ा अटपटा था। फिर भी, क्या गड़बड़ थी?

चार मिनट।
लानत है!
"यह वाकई महत्वपूर्ण होना चाहिए, नश्वर प्राणी," उसके पीछे से एक धूर्त, धमकी भरी आवाज गूंजी।
उसने पीछे मुड़कर देखा तो एक लंबा, दुबला-पतला स्कॉटिश मूल का आदमी उसे घूर रहा था। उसका चेहरा नुकीला और कसा हुआ था, उसकी गोल, अंडाकार पन्ना जैसी आँखें आईलाइनर से घिरी हुई थीं। उसके बाल गहरे भूरे रंग के थे जिनमें काले रंग की झलक थी, जो बिजली की तरह ऊपर की ओर उठे हुए थे। उसकी छाती नंगी थी और उसने एक बड़ा सफेद ओवरकोट पहना हुआ था जिसका रंग राख से हल्के हरे रंग में बदलता रहता था, साथ ही उसने बरगंडी रंग की पैंट और अपने लंबे पैरों में सफेद चप्पलें पहनी हुई थीं। उसके शरीर पर प्राचीन मिस्र के चित्रलिपि के टैटू और पियर्सिंग के निशान थे।
कैस्पर ने मृत्यु की छड़ी पर एक नज़र डाली। यह लंबी, चौड़ी और सोने की परत चढ़ी हुई थी। छड़ी की लंबाई और हल्का सा तीखा मोड़ देखकर उसे कुछ याद आया। उसने इस तरह की आकृति कहीं देखी थी, हालांकि उसे याद नहीं आ रहा था। जल्द ही वह याद उसके दिमाग में एकदम स्पष्ट हो गई। यह एक राजदंड के आकार की थी। फर्क सिर्फ इतना था कि मुड़े हुए हैंडल के सिरे पर एक सफेद रत्न जड़ा हुआ था।
सच कहूँ तो, उसे उम्मीद नहीं थी कि मौत के चेहरे पर पियर्सिंग और आईलाइनर होगा। जहाँ तक उसे पता था, मौत इस ब्रह्मांड में अब तक का सबसे पुराना प्राणी था। समय से भी पुराना। उसे पता था कि उसे उस समय मौत के बारे में नहीं सोचना चाहिए था। उसके सामने और भी ज़रूरी काम थे।

“मैं मरने वाला हूँ!” वह दर्द से कराह उठा।
“मैं देख सकता हूँ, हे नश्वर,” मृत्यु ने भावहीन स्वर में उत्तर दिया। उसकी नज़रें भयभीत करने वाली थीं। “इसका मुझसे क्या लेना-देना है?”
मुझे जीना है।

मृत्यु के चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ गई। "ऐसा कहने वाले तुम पहले व्यक्ति नहीं हो।"

कैस्पर हिचकिचाया। शायद दर्द की वजह से, जो उसे अपनी बात कहने से रोक नहीं पा रहा था। ज़ोर और गुस्से से उसके होंठों से शब्द फूट पड़े: "मैंने... सुना है..." वह ज़ोर से खांसा। "आप ही एकमात्र... व्यक्ति हैं जो मेरी मदद कर सकते हैं।"
“बेशक,” मृत्यु ने मन ही मन सोचा। “आखिरकार, मैं ही तो मृत्यु हूँ।”
“तुम क्या चाहते हो? मैं तुम्हें भेंट के रूप में क्या दूं?” कैस्पर ने अधीरता से गुर्राते हुए कहा।
“मैं कोई मूर्ख जानवर नहीं हूँ।” मृत्यु आगे बढ़ी, उसके पतले होंठ मजे से फड़क रहे थे। “क्या तुम...? खैर... तुम कैस्पर सुकरात हो, है ना?”
"हाँ।"
“मैंने तुम्हारे बारे में सुना है।” उसे आभास हो गया कि मृत्यु कुछ करने की योजना बना रही है। मृत्यु की हरी आँखें चमक रही थीं और उसके होठों पर एक शरारती मुस्कान थी। “ठीक है। मैं मदद करने के लिए तैयार हूँ।”
कैस्पर ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। एक मिनट। जहर की नीली धारियाँ उसके गालों पर दौड़ती हुई ठुड्डी से होते हुए माथे तक फैल गईं। वह घुटनों के बल गिर पड़ा, हाथ काँप रहे थे, होंठ थरथरा रहे थे।
“क्यों – अचानक बदलाव –
क्या विचार है? "क्या आप सुनना पसंद करेंगे?"
क्या आप लाइव से बेहतर स्पष्टीकरण चाहते हैं? "ठीक है। आगे बढ़िए।" कैस्पर ने आत्मसमर्पण कर दिया। वह समझ नहीं पा रहा था कि मृत्यु के अचानक उसे जीवित रहने देने के पीछे क्या छल-कपट था, लेकिन उसे इसकी परवाह नहीं थी। फिलहाल तो बिल्कुल नहीं। उसे बस इस बात का दुख था। वह मरना नहीं चाहता था। कम से कम अभी तो बिल्कुल नहीं।
इससे पहले कि मैं आपकी मदद करूं, मुझे यह जानना आवश्यक है कि आप एक अनुबंध का पालन करेंगे।
मैं तुम्हें पुनर्जन्म दूंगा और बदले में मुझे तुमसे कुछ चाहिए होगा। मैं अभी आपको नहीं बताऊंगा, लेकिन आपके उद्धार के बाद आपके सवालों के जवाब मिल जाएंगे। इसलिए,
पहले

क्या तुम सचमुच जीना चाहते हो? तो सोच समझकर फैसला कर लो, क्योंकि तुम्हें मृत्यु से समझौता करना होगा।
“हाँ, मुझे यकीन है।” कैस्पर को लगा जैसे उसकी नसें फट रही हों, उसका दिल टूट रहा हो। “मैं चाहता हूँ कि…”

रहना।"

पांच सेकंड। चार। तीन। दो।
“अच्छा,” मृत्यु ने अपने नीले सूजे हुए माथे को छुआ। “क्योंकि आपको एक सौदा करना होगा, श्रीमान सुकरात, मुझे कहना चाहिए…” वह रुका। उसकी आँखों की चमक फीकी पड़ गई और उसकी दुर्भावना का खोखलापन स्पष्ट दिखाई देने लगा। “हर चीज़ की एक कीमत होती है।”
बिना कुछ सोचे-समझे, कैस्पर वहीं गिर पड़ा।

***

कैस्पर की आँखें खुल गईं। उसके शरीर से असहनीय दर्द गायब हो गया था।
उसे पता नहीं क्यों और कैसे, लेकिन वह काफी ऊर्जावान महसूस कर रहा था। उसने खुद को खींचकर खड़ा किया।
उसके पैरों को घूरते हुए, उसने उसके पीले पड़े हाथों को देखा, जो उसके गालों, गर्दन, होंठों, नाक और कानों को छू रहे थे।
अविश्वास के साथ। खुद को वहाँ जीवित खड़ा पाना अविश्वसनीय रूप से अजीब था।
और ठीक है। उसका हाथ उस जगह पर फिरा जहाँ घाव था। उसने अपने हाथ को छुआ।
त्वचा को धीरे-धीरे सहलाते हुए, गर्म, नरम मांस की तलाश में। इसके बजाय, उसे कोमलता मिली।
उसके ठंडे शरीर का।
उसकी नज़र अपने बूट पहने पैरों के पास पड़े एक शव पर पड़ी। वह उसे अच्छी तरह जानता था। भला क्यों न जानता हो? आखिर वहाँ उसका अपना ही शरीर पड़ा था, जो उसकी नसों में दौड़ रही जहरीली नीली स्याही के कारण तड़प रहा था और ऐंठन से भरा हुआ था।
उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि उसका मृत शरीर उसके सामने पड़ा हुआ है।

आँखें। वह मर चुका था। फिर भी वह आत्मा के रूप में वहाँ खड़ा था। उसने कभी आँखों का इस्तेमाल नहीं किया।
रोना तो था, लेकिन अभी, उसकी मृत्यु हो जाने के कारण, उसे इस बात की परवाह नहीं थी कि कुछ आंसू बह भी जाएं।
उसकी आँखों से।
“तुम तो बिल्कुल डरपोक हो,” मृत्यु ने जवाब दिया, उसकी आवाज़ ने उसकी बात काट दी।
विचार। वह मृत्यु की ओर मुड़ा। वह हमेशा की तरह अपने विचारों में डूबा हुआ था।
चमकदार बाल और
चमकीली हरी आँखें। "तुमने कहा था कि मैं नहीं मरूँगा!" उसकी कांस्य रंग की त्वचा दमक रही थी और वह झल्लाते हुए बोला।
“अरे, चुप रहो, नश्वर!” उसने जवाब दिया और उन्नीस वर्षीय लड़के को धीरे से धक्का दिया, मानो कोई पिता उसे थपथपा रहा हो। “तुम मरे नहीं हो। तुम बस चले गए हो। खैर... तुम एक तरह से कोमा में हो। तुम न तो मरे हो, न ही जीवित।” कैस्पर ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। इसे लिम्बो कहते हैं, एक ऐसी अवस्था जो न तो मृत है और न ही जीवित। लिम्बो उन लोगों से संवाद करने का एक तरीका है जिनकी मृत्यु हो चुकी है और जिनकी आत्माएँ और परछाइयाँ पृथ्वी पर विचरण करती हैं, अपनी मृत्यु से असंतुष्ट और असंतुष्ट। वे पृथ्वी पर ही रहना चाहती हैं।

इसका मत । । ।
वह खिड़की के पास गया और उसने देखा कि कुछ लोग सड़कों पर बेतरतीब ढंग से घूम रहे हैं। वे बहुत सारे थे, लगभग बीस, एक-दूसरे को देखते हुए, उदास और टूटे हुए से।
“ये सभी हैं…”
“हाँ, मुझे पता है। वो जो न तो मरे हैं, न ही जीवित,” मृत्यु ने व्यंग्य किया। कैस्पर ने मृत्यु के चंचल भाव को देखा। “मेरे जैसा। उबाऊ!” उसने फुसफुसाया।

भौंहें चढ़ाते हुए। "तो यह सब क्या है?"

“अरे, तुम्हें ज़हर दिया गया था। तुम लगभग मर ही गए थे। वो ज़हर बहुत दुर्लभ था। उसका इलाज ढूंढना मेरे लिए मुश्किल था, लेकिन मैंने ढूंढ लिया। मैंने तुम्हारा इलाज कर दिया है, हालांकि ठीक होने की प्रक्रिया थोड़ी...धीमी है। जब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तुम एक तरह की अनिश्चित अवस्था में हो।” वह सोफे की ओर बढ़ा और आराम से बैठ गया। “और हाँ, चूंकि हमारे पास थोड़ा समय है, तो क्या हम अपने अनुबंध की औपचारिकताओं पर चर्चा कर लें? यह मज़ेदार होगा, है ना?”

कैस्पर ने अपने घने, घुंघराले बालों में हाथ फेरा। उसने किसी ऐसी चीज़ के लिए 'हाँ' कह दी जिसके बारे में उसे कुछ भी पता नहीं था। लेकिन फिर, मौत की मदद के बिना वह मर ही जाता। उसे किसी का एहसानमंद होना पसंद नहीं था। न ही उसे किसी का एहसानमंद होना पसंद था। आज का दिन वैसा ही था।
"अनुबंध के विरुद्ध जाना शायद बिल्कुल व्यर्थ होगा, ऐसा मेरा मानना है?" “तुम मौत को धोखा नहीं दे सकते।” वह मुस्कुराया और व्यंग्य करते हुए बोला, “मैं चुटकी बजाऊंगा और तुम धूल में बदल जाओगे।”
मैंने देखा। जब आप... तो आप इस बात से कुछ हद तक खुश थे।
उसने अपनी पतली, सुनहरी आँखों को सिकोड़ा और कैस्पर को 'पहचान लिया'। मृत्यु
मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा, "दोषी।" उन्होंने हाथ हिलाते हुए कहा, "मैंने अफवाहें सुनी हैं।"
आपके अतीत के बारे में

ये प्रयास मुझे वाकई बहुत आकर्षित करते हैं।
“अफवाहें?” कैस्पर ने गुस्से में यह शब्द कहा।
घृणा। "क्या?"
"अफवाहें जहर की तरह होती हैं," कैस्पर ने बुदबुदाते हुए कहा।
मृत्यु की मुस्कान ठंडी और उदासीन हो गई। उसने अपनी जेब से एक छोटा सा, धुंधला सा, नीले रंग का पत्र निकाला। उसने उसे कैस्पर को देते हुए कहा, “यह अनुबंध है। अंत में आपको इस पर हस्ताक्षर करने होंगे।”
“मैं हस्ताक्षर नहीं करूँगा!” कैस्पर ने जवाब दिया। “जब तक तुम मुझे यह नहीं बताओगे कि इसमें क्या लिखा है।” “तुम मेरे उत्तराधिकारी बनोगे और पृथ्वी पर मेरे लिए कर्तव्य निभाओगे।”
संक्षेप में, आपको आवश्यक जीवों को ढूंढना और उनका शिकार करना होगा। आप ही होंगे
"समस्या सुलझाने वाला।" कैस्पर को वह हिस्सा समझने में मुश्किल हो रही थी जहाँ वह था
होने वाला है
समस्या सुलझाने वाला। हालांकि, उसे यह बात समझ में आ गई थी कि वसीयत के निष्पादक का क्या काम होता है। "मैं पहले से ही यह काम करता हूँ। शिकार

करना। आप मुझसे वह काम क्यों करवाना चाहते हैं जो मैं पहले से ही करता हूँ?"
“अरे नहीं, लड़के,” मृत्यु ने उत्तर दिया। “यह कोई साधारण शिकार नहीं होगा।”
आप। इसमें क्रैकन जैसे 'पौराणिक प्राणी' शामिल होंगे, जिन्हें आप इसी नाम से पुकारते हैं।
अनुबिस। इसमें अंधेरे में रहने वाले और दूसरे लोकों से आने वाले क्रूर जीव शामिल होंगे। लेकिन भूत-प्रेत और ममी बने ज़ॉम्बी नहीं होंगे।
मृत्यु का आकलन करते हुए उसकी आँखों में प्रकाश की चमक थी। वह धीमी आवाज़ में गुनगुना रहा था, उसके मन में कड़वे विचार दौड़ रहे थे और वह सोच रहा था कि क्या कहे। वह पीछे हटकर मर सकता था, लेकिन वह ऐसा नहीं चाहता था। अभी नहीं।
कोई और विकल्प न होने पर, उसने मृत्यु के हाथों से कलम छीनकर अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए। उसने यह नहीं पूछा कि मृत्यु उसे अपने लिए काम करने के लिए क्यों जीवित रहने दे रही है। हालांकि, वह कारण जानना चाहता था। आखिर वह जिज्ञासु तो था ही। फिर भी, उसने चर्मपत्र पर अपने हस्ताक्षर कर दिए। मृत्यु ने उसका निरीक्षण किया और उसे एक कठोर, ठंडी मुस्कान दी। "अच्छा, यह है..."
हो गया।” कैस्पर चुप रहा। इस समय चुप रहना ही सबसे सही था।
मृत्यु, एक के साथ
उसके चेहरे पर बेचैनी के भाव थे, उसने अपनी रत्नजड़ित छड़ी के सहारे खुद को ऊपर उठाया। "तुमने कारण क्यों नहीं पूछा?"
"क्योंकि मुझे पता है कि तुम मुझे एक नहीं दोगे," कैस्पर ने जवाब दिया। “तुम इस बारे में गलत हो। मैं तुम्हें क्यों न बताऊँ?” मृत्यु ने आँख मारी। “चूँकि अब तुम मेरे दाहिने हाथ हो, इसलिए मैं तुम्हें सब कुछ बताने के लिए बाध्य हूँ।” उसने कैस्पर की मजबूत छाती पर नज़र डाली। “तैयार हो जाओ। हम मेरे महल जा रहे हैं।”

"किस लिए?"
“इसीलिए, बेटा! मेरा एक मकसद है!” उसकी आँखों में कोमलता झलक रही थी।

रूखापन। "आपको पता होना चाहिए कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूँ, क्योंकि अगर आपको नहीं पता,
मेरे लिए आप जो कुछ भी करेंगे, वह आपके लिए ज्यादा मायने नहीं रखेगा। जैसे मेरा
मेरे इरादे हैं, मुझे किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जो मेरे साथ उस उद्देश्य को साझा करे, भले ही वह
उसकी इच्छा के खिलाफ़।"
कैस्पर ने नीली रेशमी कमीज और कोट पहना और सामने के बटन बंद कर लिए।
यह आश्चर्य की बात थी कि वह आत्मा के रूप में भी कपड़े पहन सकता था। फिर भी वह अधोलोक में था।
और इसी वजह से किसी तरह उसकी आकृति में एक भौतिक स्पर्श आ गया। उसने अपने बालों को संवारने के लिए।

“हर काम के पीछे एक मकसद होता है। हर किसी का होता है,” मृत्यु ने कहा। “मेरा नहीं,” कैस्पर ने जवाब दिया। “हम दोनों जानते हैं कि यह पूरी तरह सच नहीं है।” उसकी चुलबुली, चालाक मुस्कान में कोई भावना या हास्य नहीं था। यह एक खोखला इशारा था। “तुमने जीवों का शिकार किया। इसके पीछे कोई कारण है। हर पागलपन का एक अतीत होता है, जैसे तुम्हारा भी।” वह कैस्पर की ओर बढ़ा, अपनी सांस रोककर और जबड़े भींचकर उसने अपने डर को अंदर समा लिया।
“कुछ तो है...कुछ तो है। तुमने इसे बखूबी छुपा रखा है। उस ठंडे बाहरी रूप के पीछे, लड़के, तुम्हारा दिल एक बच्चे जैसा है। किसी चीज़ ने तुम्हें ऐसा बना दिया है। उसी ने तुम्हें वो करने पर मजबूर किया है जो तुम अभी कर रहे हो। अंधेरा भी गहरा है।” कैस्पर की कठोर निगाहों के बावजूद, मौत की पुतलियाँ झिलमिला उठीं और उसकी निगाहें अडिग रहीं।
“तुम्हारा अतीत...अंधेरा है। उलझन भरा है।” मौत पीछे हटकर ज़ोर से हँसी। “लेकिन क्या हर किसी का अतीत डरावना नहीं होता? तुम्हारा अतीत बस...ज़्यादा डरावना है, बस इतना ही।”
कैस्पर के होंठ सिकुड़कर एक रेखा बन गए। उसने अपने हाथ पीठ पीछे बांध लिए और कहा, "मैं तैयार हूँ। तुमने कहा था कि तुम मुझे बताना चाहते हो कि तुम सब ऐसा क्यों कर रहे हो, तो चलो इस बात को निपटा लेते हैं।"
मृत्यु उसकी दृढ़ता से प्रसन्न होकर मुस्कुराई। "ओह, हाँ। हाँ, मेरे पीछे आओ।"

***

मौत अपनी साइकिल साथ नहीं लाई थी। जब वह पलक झपकते ही एक जगह से दूसरी जगह नहीं भागता था, तो वह हमेशा अपनी सफेद स्टिकर वाली साइकिल का इस्तेमाल करता था। लेकिन आज, वह उसके पास नहीं थी। घुड़सवार होने के नाते, साइकिल उसके घोड़े की तरह थी, एक इंजन वाली साइकिल।

मृत्यु ने कैस्पर को बताया कि उसका महल अधोलोक में स्थित है। वह एक निर्जन स्थान था। वह स्थान जहाँ आत्माएँ शांति से विश्राम करती हैं। वह मृत्यु की जन्मभूमि, उसका महल, उसका शाश्वत राजवंश था।
बैंगनी रंग के भंवर में खुद को झोंकते हुए, मृत्यु ने अपना रास्ता बनाया। एक द्वार की ओर बढ़ते हुए उसने कैस्पर को अपने पीछे आने का इशारा किया। द्वार ऐसा लग रहा था मानो वह भयानक रंगों से बना हो, जिनमें से प्रत्येक एक दूसरे का पीछा कर रहा हो। उसमें प्रवेश करते ही उसने खुद को एक अंधेरे और चमकदार मार्ग में पाया, जहाँ केवल नीचे की ओर ही जाना था। ऊपर जाने का कोई रास्ता नहीं था।
जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते गए, मृतकों की गूँज सुनाई देती रही। चीखें, गालियाँ और दर्द भरी सिसकियाँ थीं। कैस्पर मृत्यु के पीछे-पीछे सावधानी से कदम गिनते हुए चल रहा था। दूसरी ओर, मृत्यु प्राचीन यूनानी कवियों की कविताएँ सुना रही थी।
“आत्माओं के लिए खेद है,” मृत्यु ने कहा। “वे हमेशा ही बहुत... तुम्हें पता है, उह... परेशान रहती हैं।”
“ओह, यह बिल्कुल ठीक है,” कैस्पर ने भारी स्वर में उत्तर दिया।
व्यंग्य। सीढ़ियाँ खत्म हो गईं और कैस्पर ने ठंडे फर्श पर कदम रखा।
लंबा गलियारा।
मृत्यु मंद-मंद परिवेश में चुपचाप आगे बढ़ती रही, चलते-चलते अपनी छड़ी को थपथपाती रही। हॉल के अंत में पहुँचकर कैस्पर को जल्द ही एहसास हुआ कि वह किसी दूसरी ही जगह पर आ गया है। वह चारों ओर व्याप्त आभा को महसूस कर सकता था। यह कठोर और परेशान करने वाली थी क्योंकि यह उसके चेहरे पर फैल रही थी। वह जगह किसी गुफा जैसी लग रही थी, एक विशाल गुफा। उसके कोनों और किनारों पर खोपड़ियाँ बिखरी पड़ी थीं, जिनके जबड़े खुले हुए थे और उनसे दुर्गंध आ रही थी। गुफा के अंत में हड्डियों से बना एक सिंहासन था। कई सूट पहने पुरुष और महिलाएं धनुष झुकाए और हाथ जोड़े खड़े थे। वे सभी औपचारिक, साफ-सुथरे और सख्त दिख रहे थे और आपस में एक शब्द भी नहीं बोल रहे थे। कुछ पल के लिए कैस्पर सोचने लगा कि वे कौन हैं।

जैसे मानो उसने उसके मन की बात पढ़ ली हो, मृत्यु ने कहा, "ये फसल काटने वाले हैं। मेरे मजदूर।" "तुम गुफा में क्यों रहते हो?"
“यह एक महल है। यह आपके देखने के नजरिए के अनुसार अपना रूप बदलता है। दूसरे शब्दों में, आप वही देख रहे हैं जो आप देखना चाहते हैं। अभी आप एक गुफा देख रहे हैं। मेरे लिए, यह विशाल खंभों और चमकदार फर्शों वाला एक सफेद, हरा-भरा महल है। हर किसी की देखने की दृष्टि अलग होती है, है ना?”
कैस्पर ने कुछ नहीं कहा। उसकी आँखें सिकुड़ी हुई थीं और वह अपने चारों ओर सब कुछ ध्यान से देख रहा था, उसके हाथ उसकी पीठ पर थे। मौत ने उसे अपने पीछे आने का इशारा किया और गुफा में और अंदर जाकर एक और भूमिगत मार्ग पार करने लगी। वह उसके पीछे-पीछे धीरे-धीरे चलने लगा, ध्यान रख रहा था कि कहीं ठोकर न लग जाए। वे एक छोटे से कमरे में पहुँचे। दूसरे कमरे के विपरीत, इसका फर्श चिकना था और प्रवेश द्वार को छोड़कर यह चारों ओर से बंद था। दो तनी हुई पीली त्वचा वाले यमदूत प्रकट हुए, बिल्कुल शांत, दीवारों को खाली निगाहों से घूरते हुए।
मौत कैस्पर को साथ लेकर कमरे में दाखिल हुई। उसे किसी की उम्मीद नहीं थी। वहाँ आश्चर्य की बात है। फिर भी, बीस फुट ऊँची रेत घड़ी के सामने खड़े होकर आश्चर्य होता है।
इतना कोमल शब्द कि फुसफुसाकर भी कहना मुश्किल था। यह ऊपर से नीचे तक सोने से जड़ा हुआ था।
इसके अंदर कांस्य रंग की रेत थी। रेत धीरे-धीरे टपक रही थी, हालाँकि वहाँ इसकी आभा में कुछ असामान्य था। कैस्पर ने उसमें बन रही दरारों पर ध्यान दिया।
रेत घड़ी के चारों ओर।
“मेरे दायरे में यही एक ऐसी चीज है जो सबको एक जैसी दिखती है। मेरी यह छोटी सी चीज मानवीय धारणा से प्रभावित नहीं हो सकती।”
“मेरा जन्म समय के अस्तित्व में आने से पहले हुआ था। मैं मर नहीं सकता, कैस्पर, क्योंकि
दिन के अंत में, आप अपने कर्मों का फल नहीं भुगत सकते। यहाँ, इसे देखो।” उसका सिर घूम गया।
रेत घड़ी की दिशा में। "यही मेरा सार है," उसने धीमी और उदास आवाज़ में कहा।

खोखला, फिर भी भयभीत, मानो कुछ बुरा होने वाला हो। "मुझे लगता है कि तुम अब तक तो रेत घड़ी के आसपास की दरारें दिख जानी चाहिए थीं। ये मेरी सोच है।
धीरे-धीरे नष्ट हो गया।

ये दरारें मेरे अस्तित्व को नष्ट कर रही हैं। आप जानना चाहेंगे कि कैसे? ये दरारें मेरे अस्तित्व पर कैसे पड़ रही हैं?
उसने धैर्यपूर्वक कैस्पर के उत्तर की प्रतीक्षा की। लेकिन कैस्पर ने कोई उत्तर नहीं दिया। इसके बजाय, वह वहीं खड़ा रहा, मृत्यु को एक कठोर निगाह से देखता रहा, एक शब्द भी बोलने में असमर्थ।
“ये आत्माएँ – वो निर्धन आत्माएँ जो मेरे सार को चूर-चूर कर देती हैं... देखो, आत्माएँ सबसे शक्तिशाली वस्तु हैं, मुझसे भी अधिक शक्तिशाली। ये दरारें इसलिए पड़ रही हैं क्योंकि ये असंतुष्ट आत्माएँ, अपनी मृत्यु के बाद, मेरे क्षेत्र में प्रवेश करती हैं और मेरे सार को हिला देती हैं, जिससे ये दरारें उत्पन्न होती हैं। लिम्बो वह स्थान है जहाँ न तो मृत और न ही जीवित लोग जाते हैं। वे पृथ्वी पर ही रहते हैं, लेकिन जो यहाँ नहीं आते वे अपना सारा क्रोध मेरे सार पर उंडेल देते हैं। वे असंतुष्ट, दुखी और प्रतिशोधी होते हैं।”
"क्या मैं पूछ सकता हूँ कि वे इतने परेशान क्यों हैं?"
“उनकी मृत्यु व्यर्थ है। देखो, मृत्यु दो प्रकार की होती है, शांतिपूर्ण मृत्यु और अराजक मृत्यु। शांतिपूर्ण मृत्यु में रोग, संक्रमण, बुढ़ापा, दुर्घटनाएँ शामिल हैं। इसमें आत्मा की कोई गलती नहीं होती। यह तो बस उनका भाग्य होता है। अराजक मृत्यु वे होती हैं जैसे हत्याएँ, पिशाच का शिकार बनना, या राक्षसों का शिकार होना। जब वे इन कारणों से मरते हैं, तो वे यहाँ आकर मुझे नष्ट करना शुरू कर देते हैं।”

इस सबमें मेरी क्या भूमिका है?
“आपका काम उन आत्माओं की मदद करना है। उस दायरे में रहने वाली आत्माओं की नहीं, बल्कि उन आत्माओं की जो...
ऊपर।” उन्होंने छत की ओर उंगली उठाई। “मैं तुम्हें अनुबंध दे दूंगा।”
और मैं आपको बताऊँगा कि आपको किसे बचाना है। ध्यान रहे, हर किसी को नहीं। मैं आपको बताऊँगा।
उन आत्माओं को बचाने के लिए जो महत्वपूर्ण हैं। उन आत्माओं में कमजोर करने की शक्ति है।
मेरा सार।"

"आपको स्पष्ट रूप से बताने की क्या आवश्यकता है?"
क्योंकि आत्माओं की कई श्रेणियां होती हैं। कुछ मजबूत होती हैं। कुछ कमजोर होती हैं।
कमजोर आत्माओं में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि वे मुझे नुकसान नहीं पहुंचा सकतीं। लेकिन बलवानों में...
तथापि,

ये वो लोग हैं जो मुझे असुरक्षित बना सकते हैं। ये महत्वपूर्ण हैं। इन आत्माओं को बचाना ज़रूरी है।” मृत्यु ने उसे एक टेढ़ी मुस्कान दी। “तुम्हें लोगों के साथ-साथ उनकी आत्माओं को भी बचाना होगा।”
"ठीक वैसा
शिकार
"केवल
ज़्यादा बुरा,"
कैस्पर ने गहरी साँस ली। "मुझे पसंद है
बदतर।" मौत ने अपने कर्मचारियों को सूचित किया।
उत्साह से।
“अगर रेत घड़ी टूट जाए तो क्या होगा?” कैस्पर ने पूछा। “तुम मर नहीं सकते, इसलिए इसका कोई मतलब नहीं बनता। मृत्यु का अर्थ मृत्यु नहीं हो सकता।” मैं गहरी नींद में सो जाऊंगा। हमेशा के लिए।

मुझे ऐसा लग रहा है जैसे आप लोग मेरा इस्तेमाल अपने स्वार्थ के लिए कर रहे हैं।
मैंने कुछ समय पहले ही ऐसा कहा था। कम से कम आप पृथ्वी को बचा रहे हैं। क्या इससे आपको अच्छा महसूस नहीं होता?
कैस्पर ने हैरानी से अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "तुम्हें बचाकर मैं पृथ्वी को कैसे बचा रहा हूँ?"
“मैं मृत्यु हूँ। मैं फसल काटता हूँ। यदि फसल काटने वाला गहरी नींद में सो जाए,
तब..." "लोग नहीं मरेंगे क्योंकि उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं होगा।" उनकी आत्माएँ।
व्यवस्था भंग हो जाएगी और अराजकता फैल जाएगी। क्या मैं सही कह रहा हूँ?” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “बिल्कुल! मैं व्यवस्था संभालता हूँ और व्यवस्था मुझे संभालती है।” “तुम्हारे पास ये तुम्हारे कत्लखाने तो हैं, लेकिन...?” “वे... खैर, वे मुझसे जुड़े हुए हैं। अगर मैं चला गया, तो वे भी चले जाएँगे।” उसने अपने कंधे पर छड़ी रखते हुए हथेलियों को आपस में रगड़ा। “अब, अगर आपके सभी सवालों के जवाब मिल गए हैं, तो मुझे उम्मीद है कि आप अपने शरीर में वापस जाना चाहेंगे। इस जगह पर हर भटकती आत्मा एक बेचैन पागल है।”

"□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□," □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□

राख में

घने जंगल नरक के मुकाबले कुछ भी नहीं थे, फिर भी उनमें नरक जैसी भयावहता झलक रही थी। घुमावदार रास्तों पर बहता और चट्टानों से टकराता पानी अपनी कपटी कोमलता से चमकती चांदनी में चांदी जैसी आभा बिखेर रहा था।
पहियों की चरमराहट की आवाज़ अचानक रुक गई, जिससे गीली मिट्टी पर छींटे पड़ गए। दरवाज़ा खुला। ड्राइवर की सीट से एक दुबला-पतला आदमी उतरा, जिसकी नाक थोड़ी अंदर की ओर झुकी हुई थी, मानो त्वचा के बाहर खोपड़ी हो। अंधेरे ने उस व्यक्ति का चेहरा और उसका अधिकांश रूप छिपा रखा था। चमकीले बूट और एक लंबे ढीले ओवरकोट पहने वह आदमी जंगल के किनारे-किनारे चलता हुआ, अपने बूटों से मिट्टी झाड़ता हुआ एक विशाल गॉथिक हवेली के पास पहुँचा, जो झाड़ियों और पत्तों से ढकी हुई थी।
दरवाजे चमकीले और परावर्तक थे। हवेली में एक रहस्यमय भव्यता का अहसास था, जो प्रवेश द्वार की रक्षा करते हुए आमने-सामने खड़ी दो मूर्तियों के कारण और भी आकर्षक लग रहा था।
उस आदमी के बाल पीछे से कटे हुए थे, थोड़े नुकीले और तीखे जैसे।
कांटों से ढका हुआ, और चांदी की तरह चमक रहा था। वह दरवाजे के सामने रुक गया।
गार्ड का हाथ उसकी छाती को छू गया। उसने मुस्कुराने के अलावा कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।
जो उसके पतले होठों से निकल आया। अंधेरे के आवरण के नीचे, उस आदमी का खून से सना हुआ
असंख्य कीड़े-मकोड़ों से भरे मसूड़े दिखाई दे रहे थे और मुड़े हुए थे। उसके शंकुनुमा नुकीले दांतों के बीच घृणास्पद रूप से। वे गार्ड को विचलित करने के लिए काफी थे।
एक कदम पीछे हटकर अविश्वास भरी निगाहों से उसकी ओर देखो।
“तुम कौन हो?” गार्ड ने घबराते हुए पूछा। “मैं बिन बुलाया मेहमान हूँ।”

एक अन्य गार्ड ने साहसपूर्वक आगे बढ़कर कहा, “यह निजी ज़मीन है। आप यहाँ नहीं आ सकते…” वह हकलाते हुए वाक्य पूरा नहीं कर पाया।
“वहाँ जो कार्यक्रम हो रहा है, वह वास्तव में निजी नहीं है, है ना?” उसके मुँह से हँसी की एक हल्की सी आवाज़ निकली। “यह तो एक तरह का... सार्वजनिक कार्यक्रम है, है ना?”
“त-त- तुम क्या हो?” गार्ड ने पूछा।
“ज्यादातर,” निर्मम हंसी जोर से सुनाई दी, “मैं...आप कैसे कहेंगे? कुछ नहीं, बस आपका बुरा सपना!”
उसने चुटकी बजाई। पहरेदार राख और खून के छींटों में बदल गए। उसने कंधे से दरवाजा खोला और अंदर चला गया। उसकी धँसी हुई आँखें, जिनमें आग सी जल रही थी, आम सभाघर में जमा भीड़ की ओर मुड़ते ही भड़क उठीं। वह चुप रहा, हाथ कोट की जेबों में डाले, शरीर झुका हुआ और सिर कंधों की ओर झुका हुआ।
सभी पुरुष और महिलाएं शोकग्रस्त मुद्रा में खड़े थे, उनके चेहरे पर निशान थे और वे भयभीत दिख रहे थे। उनकी आंखें निर्जीव और त्वचा ठंडी थी। आग चटक रही थी और नारंगी रोशनी बिखेर रही थी, जो दीवारों पर बने भयानक भित्तिचित्रों पर पड़ रही थी। बैठने के लिए कोई जगह नहीं थी, बस एक खाली कमरा था जिसमें एक तरफ लकड़ियां रखी थीं।
कमरे के सामने एक दानव खड़ा था, जिसे उसके चेहरे पर बने भयानक टैटू और जटिल रूप से गुंथे हुए प्रतीकों से आसानी से पहचाना जा सकता था। उसकी पुतलियाँ गहरे नीले रंग की थीं, जिससे उसके आसपास का वातावरण असामान्य रूप से प्रभावित हो रहा था।
एक अंधेरे कोने में छिपा हुआ वह आदमी एक शब्द भी नहीं बोला। कभी-कभार उसे खांसी आ जाती थी। वह सतर्क था, कहीं भीड़ का ध्यान उस पर न चला जाए। हालांकि, भीड़ अपनी चर्चाओं में इतनी मशगूल थी कि उन्होंने उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

"हम यहां अपने संगठन पर आई एक दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हुए हैं," राक्षस ने कहा, उसकी ठंडी निगाहों में क्रोध की झलक दिखाई दे रही थी।
उस व्यक्ति ने देखा कि वे पुरुष और महिलाएं ऐसे दिख रहे थे मानो वे
वे वास्तव में पिशाच, वेयरवोल्फ, दानव या अन्य जीव थे।
जादूगरों। उनका मानवीय रूप उन लोगों को दूर रखने के लिए एक आवश्यक मुखौटा मात्र था।
उनकी दुनिया से बाहर, उन्हें घेर लिया गया है।
“यह महान संगठन, जिसमें नरक के सभी प्रतिष्ठित सदस्य शामिल हैं – अबाडॉन, अज़ाज़ेल, लेविथान, नरक के अन्य राजकुमार, और हर प्रकार के दानव, जिनमें पिशाच, जादूगर, वेयरवोल्फ और हमारे साथी शामिल हैं, गंभीर खतरे में है। मॉस्को में हमारे संगठन के महापुजारी, पिशाच वोरलोक, न्यूकैसल के एक शिकारी द्वारा मृत पाया गया।”
क्रोध और हताशा में पिशाचों ने अपने नुकीले दांत दिखाए।
"हमने इस सेना, इस आदेश का गठन संतुलित स्थिरता बनाए रखने के लिए किया है।" हमारे राज्य हमारे लिए बंद हो जाने और लंबे समय तक भुला दिए जाने के बाद, पृथ्वी ग्रह पर।
इस आदेश के तहत हमने उन विश्वासघातियों से लड़ने के लिए एक समझौते में एकजुट रहने की कोशिश की।
हमारे ऊपर निर्दयी प्राणी
– उन इंसानों की वजह से। अब, हमारे सपने के पीछे का मुख्य उद्देश्य नश्वर प्राणियों की साजिशों से चकनाचूर हो गया है।
“हम हार रहे हैं। हमारे लोगों का शिकार किया जा रहा है। हमारे पास उन इंसानों का सामना करने का कोई रास्ता नहीं है जो संख्या में कहीं अधिक हैं और शिकारी हमें तब तक मारते रहेंगे जब तक हम अपनी आखिरी सांस नहीं ले लेते। एक-दूसरे के चेहरे को फिर से देखो, क्योंकि तुम्हें नहीं पता कि तुम उन चेहरों को फिर कब देख पाओगे।”
सभी ने एक-दूसरे की ओर देखा। विलुप्त होने का भय उनके मन में व्याप्त था। पीले चेहरे, ठंडी ज़ुल्में हर एक की यातनापूर्ण क्रूरता को और बढ़ा रही हैं।

[illegible]
[illegible]
[illegible]

वेयरवोल्फ की नई नस्ल, पिशाच का नया शरीर, नवजात जादूगर की संतान, और उसने यह सब याद कर लिया।
उन्हें डर था कि उनका कत्लेआम कर दिया जाएगा, उनके सिर काट दिए जाएंगे और उंगलियां चीर दी जाएंगी। शिकारी इस धरती पर जादू का कोई निशान नहीं छोड़ेंगे, यहां तक कि अपने बच्चों पर भी नहीं, जो अभी छोटे थे और जिन्हें वश में किया जा सकता था। वे उन्हें भी बिना किसी अपराधबोध और दया के मार डालेंगे।
“अरे, अरे! कोशिश किए बिना उम्मीद छोड़ देना एक कमजोर मूर्खता है,” कुछ क्षण बाद उस व्यक्ति ने मुस्कुराते हुए कहा, उसके साफ-सुथरे चेहरे पर मुस्कान तैर रही थी।
“क्या तुम नए सदस्य हो?” राक्षस ने गंभीर स्वर में पूछा। “अगले मेहमान की तरह,” उसने ठंडे, विचित्र स्वर में उत्तर दिया।
“हमने उन बदमाशों के खिलाफ अपनी पूरी ताकत लगा दी। हम सफल नहीं हुए।” “सफलता खून-पसीने से मिलती है।” वह अंधेरे से बाहर निकला और
वह राक्षस की ओर बढ़ा। पुरुष और महिलाएं उसे रास्ता देने के लिए एक तरफ हट गए।

"आप कौन हैं?"
“मेरा नाम मैनफ्रेड क्रॉफ्ट है,” उन्होंने कहा। “और मेरे इतिहास का बाकी हिस्सा इस समय के मामलों से ज़्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। अब जो मायने रखता है, वह यह है कि आप जैसे दीवाने लोगों में खोई हुई उम्मीद को फिर से कैसे जगाया जाए।” बोलते हुए वे सदस्यों की ओर मुड़े।
"और तुम हमारी उम्मीद कैसे फिर से जगाओगे?" तराशे हुए जबड़े वाले टैटू वाले राक्षस ने पूछा।
“आशा कभी दोबारा नहीं मिलती। आशा हमेशा जीती जाती है।” वह रुका। “युद्ध में,” वह पागलों की तरह ज़ोर से हँसा। “मैं ऐसा कर सकता हूँ। मैं तुम्हारे लिए, संगठन के लिए आशा जीत सकता हूँ।”

भीड़ में हैरानी भरी आहें सुनाई दीं। सब स्तब्ध दिख रहे थे। जादूगरों ने सिर हिलाया जबकि पिशाचों ने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। वेयरवुल्फ्स ने हवा को सूंघा और अपनी नाक सिकोड़ी। बाकी जीव थोड़े भ्रमित लग रहे थे।
और आप ऐसा कैसे करेंगे?
“नहीं, नहीं, नहीं! यह गलत सवाल है, बेवकूफ!” वह हँसते हुए कुछ पल के लिए ताली बजाने लगा।
“मैं, अबाडॉन, विनाश का दानव, तुम्हारी इस पागलपन को यहाँ बर्दाश्त नहीं कर सकता। देवियों, इसे काल कोठरी में ले जाओ! मैं इसे स्वयं मार डालूँगा।” “यह एक बुरा विचार है, देखो। उस व्यक्ति को मारना जो तुम्हें लूसिफर मॉर्निंगस्टार को पालने में मदद करने वाला है,” मैनफ्रेड ने जवाब दिया। कमरे में खौफ का सन्नाटा छा गया, फिर वह टूट गया।
अविश्वास भरी आहों के साथ। जानकार और भ्रमित, दोनों ही इसे महसूस कर सकते थे।
किसी कठोर, किसी शापित चीज़ का आभास। वे इस विचार को सहन नहीं कर सकते थे कि
मैनफ्रेड क्रॉफ्ट, एक बाहरी व्यक्ति, एक बहिष्कृत व्यक्ति, नरक से शैतान को जगाएगा।
नरकलोक, वह आंतरिक पिंजरा जहाँ लूसिफ़र को बांधा गया था। क्या वह सचमुच उन्हें तोड़ सकता था?
पिता, उनके सृष्टिकर्ता, क्या वे स्वतंत्र हैं?
“तुम झूठे हो!” किसी ने फुफकारते हुए कहा। “तुम यहाँ इतनी हिम्मत करके आए हो और सोचते हो कि हम तुम्हारे इस घिनौने झूठ पर विश्वास कर लेंगे?”
"तुम मुझे जान से मारने का जोखिम उठा सकते हो और फिर इस अपराधबोध के साथ जी सकते हो कि तुम्हारे पास मौका था।"
मेरे जैसे किसी व्यक्ति के साथ, जो आप सभी को बनाने वाले का पालन-पोषण कर सकता था।"
उसने सहजता से कहा और अपने सफेद, नुकीले नाखूनों को सबके सामने दिखाते हुए बोला, "या फिर तुम।"
मेरी मदद कर सकते हैं।

“हमें कैसे पता चलेगा कि आप झूठ नहीं बोल रहे हैं?” दूसरे ने पूछा।

□□□□□□□□□ □□□□□□ “□□□ □□□□□□□! □□□□□ □□-□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□”
□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□…□□□ □□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□
□□ □□□□□ □□□
□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□, □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□?
□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□? □□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□
□□□□□? □□□□,
□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□

“हाँ, मुझे तुम पर विश्वास है,” अबाडॉन ने शरमाते हुए फुसफुसाया। “ल्यूसिफर को जीवित करने के बारे में नहीं, बल्कि यहाँ किसी के भी हाथों मारे जाने के बारे में, खासकर मेरे हाथों।” तभी दूर से एक महिला की चीख सुनाई दी और वह उसे पकड़ने के लिए आगे बढ़ा।
“हम उनकी मदद ले सकते हैं!”
“हाँ, हम कर सकते हैं,” दूसरे ने कहा।
कहा।
अबाडॉन ने भीड़ का जायजा लिया। “हमारे पास यहाँ कोई विकल्प नहीं है, है ना? मुझे पता है कि हमें किसी अजनबी पर भरोसा नहीं करना चाहिए, लेकिन क्या हममें से हर व्यक्ति एक अजनबी नहीं है?”
“हाँ, हाँ, अगर वह हमारी मदद नहीं करता है, तो मैं उसे मार डालूँगा,” एक जादूगर ने आश्वासन दिया। “मैं उसकी गर्दन तोड़ दूँगा। लेकिन कम से कम हमें उसे आज़माकर देखना चाहिए।”
अबाडॉन ने दांत पीस लिए। उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि भीड़ अजनबी का साथ दे रही है। फिर भी वह जानता था कि उसके पास कोई विकल्प नहीं है। जादूगर ने सही कहा था। उसे वहीं होना था जहाँ भीड़ रहती थी।
“ठीक है!” एबडॉन के उंगली उठाते ही मैनफ्रेड हँस पड़ा। “लेकिन मुझे इसका जवाब दो, धूर्त। तुम ऐसा क्यों कर रहे हो? लूसिफर के उदय से तुम्हें क्या मिलेगा?”
“अराजकता।” मैनफ्रेड ने अपने खून बहते होंठों को चाटा। “कुछ लोगों के कार्यों के पीछे कोई कारण, कोई उद्देश्य नहीं होता। कुछ लोग... खैर, वे बस दुनिया को तबाह होते देखना चाहते हैं।”
भीड़ के बीच से एक पिशाचनी ने मधुर और रेशमी आवाज़ में चिल्लाकर कहा, “तुम हमारे पिता का पालन-पोषण कैसे करोगी?” उसके शोकग्रस्त चेहरे पर एक बनावटी मुस्कान फैल गई। फिर भी, उसे उम्मीद की किरण दिखाई दी।
“जिज्ञासा पर सवाल उठाने की कोशिश मत करो। क्योंकि तब उसका अर्थ ही खत्म हो जाएगा,” मैनफ्रेड ने जवाब दिया।

पिशाच की मुस्कान फीकी नहीं पड़ी, बल्कि और चौड़ी हो गई। "हमारे पिता को पुनर्जीवित करने के हर तरीके को आजमाया जा चुका है, है ना? वे तो हमेशा के लिए नरक में कैद थे, जहाँ से निकलने का कोई रास्ता नहीं था।"
मैनफ्रेड ने इस पर हल्की सी मुस्कान दी। उसने अपने चांदी जैसे बालों में कांपती उंगलियों से सहलाया। "हर आलसी व्यक्ति काम करने के आसान तरीके ढूंढ लेता है," उसने एक चिकनी आवाज में कहा, उसकी ठंडी हंसी पूरे हॉल में गूंज उठी।

नृत्य स्वप्न

कैस्पर ने चारों ओर देखा, यह याद करने की कोशिश करते हुए कि वह एक भोजनालय में कैसे पहुँच गया।
वह स्थान अपने बेटों और बेटियों को हथकड़ी पहनाने वाले पुरुषों और महिलाओं से भरा हुआ था।
उनके लिए खाना, नाश्ता और पेय पदार्थ खरीदना। वे अपने-अपने कामों में व्यस्त दिख रहे थे।
छोटी-छोटी दुनियाएँ, बातें कर रही हैं।
सभी लोग अपने-अपने काम में मग्न थे। एक गर्भवती वेट्रेस ऑर्डर लेते समय इस्तेमाल की हुई गंदी ट्रे और प्लेटें टोकरी में डाल रही थी। शेफ अपने फ्राइंग पैन में गुलाबी फूल वाला स्टेक भून रहा था। गंजे सिर और सुस्त आँखों वाले आदमी हाथों में बीयर के कैन लिए बैठे आने वाले फुटबॉल मैच पर चर्चा कर रहे थे। परिवार एक साथ बैठे फुसफुसाते हुए बातें कर रहे थे ताकि कोई और उनकी गपशप न सुन सके।
कैस्पर इस जगह को नहीं जानता था। उसे नहीं पता था कि वह कहाँ है। वह अभी- अभी यहाँ पहुँचा था, लेकिन कैसे? कोई चीज़ उसकी याददाश्त को अवरुद्ध कर रही थी और उसे अतीत देखने नहीं दे रही थी।
वह दरवाजे की ओर बढ़ा और उसे ज़ोर से खोल दिया। सामने रेगिस्तान के अंतहीन विस्तार फैले हुए थे।
उसकी नजर उस दृश्य पर पड़ी और वह दंग रह गया। वहाँ सिर्फ एक साधारण, धूल भरी सड़क ही दिखाई दे रही थी।
रेगिस्तान की एकरसता में एक पेट्रोल पंप के साथ-साथ कई कारें भी अलग से नजर आ रही थीं।
गाड़ियाँ पास ही खड़ी थीं। रेगिस्तान की शुष्कता और गर्मी से परेशान होकर वह जल्दी से अंदर लौट आया।
दमनकारी था।

वह वेट्रेस के पास गया और पूछा, "माफ़ कीजिए, मैं कहाँ हूँ?"

"हैप्पी डिनर में," उसने अपने चौड़े, स्वागत करने वाले दांत दिखाते हुए कहा।

मुस्कुराया।
“नहीं। मेरा मतलब है, मैं कहाँ हूँ? कौन सा रेगिस्तान? मैं यहाँ कैसे आ गया?” उसकी आँखें फटी हुई थीं, उसकी गंभीर आवाज़ धमकी भरी थी।
"आप अजीब हैं, महोदय।"
उसने महिला का कंधा पकड़ा और तीखी निगाहों से उसकी आँखों में देखा। उसने कभी किसी महिला को ज़बरदस्ती नहीं छुआ था और न ही उसका ऐसा कोई इरादा था। फिर भी कुछ अजीब था। वह रेगिस्तान के बीचोंबीच एक ढाबे में अचानक प्रकट हो गया था, उसे पता ही नहीं था कि वह कहाँ है। उसे यह जानने की सख्त ज़रूरत थी कि वह कहाँ है।
“यह कौन सा रेगिस्तान है?” उसने फिर पूछा।
वह झिझकी। उसकी आँखों में भय था, उसकी खूबसूरत भूरी आँखों की गहराई में आँसू चमक रहे थे। उसने एक पल के लिए उसके चेहरे को हल्के से घेरे हुए भूरे घुंघराले बालों पर ध्यान दिया। उसे लड़कियाँ कभी पसंद नहीं थीं। वे स्वार्थी और असहिष्णु प्राणी होती थीं, लेकिन किसी तरह यह स्त्री - यह लड़की, एक अलग ही एहसास दे रही थी।
“तुम गर्भवती हो!” उसने धीमी आवाज़ में कहा और उसके कंधों को छोड़कर माफी मांगते हुए सीधा खड़ा हो गया। “मैं...उम...” उसके लिए माफी मांगना मुश्किल था, क्योंकि उसने कभी किसी से माफी नहीं मांगी थी, यहां तक कि अपने माता- पिता से भी नहीं।
"क्षमा मांगना?"

“हां, वही शब्द।”
कैस्पर ने गले में अटके हुए दर्द को किसी तरह निगल लिया। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं थे, लेकिन उसकी सुनहरी, सिकुड़ी हुई आंखें उसके पिछले कृत्य की असहजता को दर्शा रही थीं।
आप विनम्रता से पूछ सकते थे।

उसने दांत पीसते हुए, होंठ सिकोड़कर और गुस्से से भरे दांत छुपाते हुए मुस्कुराने की कोशिश की। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे और अचानक बोल पड़ा, "कृपया बताइए, यह कौन सी मिठाई है?"
“बस…टॉम के मुझे छोड़ने के बाद…” उसने ऐसे साँस ली जैसे उसने टॉम की एक भी बात न सुनी हो। उसने अपनी कहानी शुरू की। “मैं पूरी तरह निराश हो गई थी। वो ऐसा कैसे कर सकता है? मतलब, पहले तो उसने मुझे शादी का प्रस्ताव दिया, मुझसे अपने प्यार का इज़हार किया और फिर अचानक मेरी प्रेग्नेंसी के बारे में सुनकर मुझे छोड़ दिया।”

कैस्पर ने आंखें घुमाईं। वह उसकी दुर्दशा पर सहानुभूति नहीं दिखा सका। "भगवान के लिए, महोदया। आप इस बारे में मुझसे बात करना बिल्कुल नहीं चाहेंगी।"

“क्या...?” वह हकलाते हुए बोली।
“ओह, हाँ, अपना बेवकूफी भरा मुँह खोलो और बेवकूफी भरी बातें बोलो। मुझे परवाह नहीं कि टॉम या क्लॉस ने तुम्हें छोड़ दिया है। मुझे बिल्कुल परवाह नहीं। तुम इतनी मूर्ख थी कि पहले उससे प्यार कर बैठी। तुम्हारी गलती। पूरी तरह से तुम्हारी गलती। लेकिन अब मुझे लगता है कि मुझे पता है कि उसने तुम्हें क्यों छोड़ा। मुझे बिल्कुल पता है कि उसने तुम्हें क्यों छोड़ा।” “क्यों?” उसका चेहरा एकदम बदल गया था।
सफेद। "तीन शब्द - तुम मुझे परेशान करते हो।"
लोग।"
महिला ने एक शब्द भी नहीं कहा। कैस्पर उसकी गुस्से से भरी चौड़ी आँखों को घूरता रहा, उसका चेहरा एकदम सख्त था। वह उसकी तरफ देखे बिना ही चली गई। "तुम किसी मेडिकल शो के अपाहिज किरदार की तरह हो," उसने कहा।
“उनका नाम डॉ. ग्रेगरी हाउस है। अगर आप मेरा मजाक उड़ाना चाहते हैं, तो कम से कम थोड़ी रिसर्च तो कर लें,” उन्होंने मजाक उड़ाते हुए कहा।
राहत की सांस लेते हुए कैस्पर ने चारों ओर देखा। वह हताश और घबराया हुआ था, लेकिन वह अपनी भावनाओं को काबू में रखना जानता था। उसने चारों ओर नज़र घुमाई और अपने परिवेश का जायज़ा लिया। भोजनालय के गलियारे के अंत में चुपचाप खड़ा एक प्राणी था - पुराने जूतों में लिपटा हुआ, उसके पतले शरीर पर उभरे हुए नैन-नक्श थे। कंधों से नीचे वह साधारण दिखता था, लेकिन उसका चेहरा बकरी जैसा था। उसका जबड़ा लंबा था, होंठ पतले और खिंचे हुए थे, और उसकी लाल आँखें खून से लथपथ थीं, जो अजीब तरह से भावहीन थीं। उसके लंबे सींग थोड़े झुके हुए थे और उसके लंबे, खुरदुरे कानों से दूर-दूर थे। उसके माथे पर एक छोटा सा चमकता हुआ पंचकोण बना हुआ था।
कैस्पर के शरीर में सदमे की लहर दौड़ गई और वह असंतुलित महसूस करने लगा। उसकी आँखें विस्मय और श्रद्धा से चौड़ी हो गई थीं, उसके पीले चेहरे पर आश्चर्य और विस्मय फैल गया था।
चेहरा। वह

समझ नहीं आ रहा था कि क्या प्रतिक्रिया दे। बकरे के सिर वाला सूट पहने आदमी स्थिर खड़ा था, बिना हिले-डुले और बिना पलक झपकाए। वह उत्सुकता से कैस्पर को घूर रहा था।
“सब लोग...भागो!” कैस्पर चिल्लाया।

किसी ने उसकी बात नहीं सुनी। सब उसे ऐसे घूर रहे थे मानो वह पागल हो।
उसने भोजनालय के आखिरी छोर की ओर इशारा करते हुए चीखकर कहा, “क्या तुम आदिम बंदरों को वहाँ बकरी के सिर वाला वह राक्षस खड़ा नहीं दिख रहा? क्या तुम उसे देख नहीं सकते?”
सबने उस दिशा में सिर घुमाया जिस ओर वह इशारा कर रहा था, लेकिन किसी ने भी उसे नहीं देखा।
“क्या तुम ठीक हो, प्यारी?” गुलाबी रंग की टोपी पहने एक हमदर्द बूढ़ी औरत ने पूछा।
रूमाल

पूछताछ की।
कैस्पर ने कोई जवाब नहीं दिया। उसने अपना सिर पकड़ लिया। उसे असहनीय दर्द हो रहा था, मानो कोई उसे गर्म धातु से छेदने की कोशिश कर रहा हो। उसने चारों ओर देखा। सभी चिंतित लग रहे थे। कुछ ने उसे यह कहकर भगा दिया कि वह पागल है, जबकि अन्य अपने काम में लग गए। उसने छत की ओर देखा। क्या यह सचमुच उसका अवचेतन मन उसकी दृष्टि के साथ खेल रहा था या यह सब सच था?
बकरे के सिर वाला दानव वहीं खड़ा रहा, उसे थकी हुई निगाहों से देखता रहा। कैस्पर को ठीक से पता नहीं था, लेकिन उसे लगा कि दानव के चेहरे पर हल्की सी मुस्कान दिखाई दी।
तुम कौन हो? कैस्पर ने इशारे से पूछा।
राक्षस ने अपना सिर हिलाया। "मेरी दुनिया में आपका स्वागत है," राक्षस ने टेलीपैथिक रूप से जवाब दिया।

विषम

आरोन भोजन की तलाश में था। यॉर्कशायर में बारिश हो रही थी, पानी की बूँदें काली, तैलीय नालियों में रिस रही थीं। बादल टिमटिमाते चाँद की धुंधली छवि को ढक रहे थे, लोग उसकी सुंदरता को देखने की कोशिश कर रहे थे। दुर्भाग्य से, बादलों के आवरण ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया था।
जिस पब की ओर आरोन जा रहा था, वह एक सुनसान जगह थी, जहाँ भिखारी चबूतरे के पास बैठे अमीर कार मालिकों द्वारा दिए गए पैसों को गिन रहे थे। सड़क संकरी थी, लगभग किसी धूल भरी गाँव की पगडंडी जैसी। खंभों पर लगी बत्तियाँ अशुभ ढंग से टिमटिमा रही थीं, लेकिन उन पर शायद ही किसी का ध्यान जाता था। एरोन हुड पहने, हाथ जेब में डाले हुए चल रहा था। वह पब में दाखिल हुआ और दरवाजा बंद कर लिया। हुड हटाकर उसने चारों ओर देखा। जगह छोटी थी, लकड़ी से बना एक बार था और उसके सामने कुछ स्टूल रखे थे। ऊपर लगे बल्बों से हल्की रोशनी आ रही थी। उसे चारों ओर बीयर की तेज़ गंध आ रही थी।
चुपचाप वह बार के पास पहुँचा और बैठ गया। वहाँ तीन और लोग उसके पास बैठे थे। एक कॉर्पोरेट अधिकारी जैसा लग रहा था, जिसने ढीली टाई पहनी हुई थी। दूसरा निश्चित रूप से नशेड़ी था, जिसके बाल गुंथे हुए थे और आँखें झुकी हुई थीं। तीसरे ने इतना लंबा ट्रेंच कोट पहना हुआ था कि उसका पूरा शरीर ढका हुआ था। इसमें कोई शक नहीं था कि वह आदमी बुरी तरह नशे में था।
उसने थोड़ी राहत पाने की उम्मीद में बीयर मंगवाई। अत्यधिक काम करने के कारण उसका शरीर अकड़ा हुआ और थका हुआ था।
एक बोतल
बियर। दो
बोतलों की
बियर।

तीन बोतलें
बियर। चार।
पाँच।

छह।

और इस तरह यह समाप्त हुआ।
उसकी आँखें धुंधली थीं। मेज को कसकर पकड़े होने के बावजूद उसे ऐसा लग रहा था मानो उसका शरीर थोड़ा असंतुलित हो गया हो। उसने अपना सिर हिलाकर भ्रम दूर किया और अपने सीधे काले बालों में हाथ फेरा।
“काफी बुरी बात है, है ना?” ट्रेंच कोट पहने आदमी ने पूछा। “क-आपका क्या मतलब है?”
“मेरा मतलब…” उसने कहना शुरू किया। “बीयर पीने से इंसान कांपने लगता है, है ना?” “बिल्कुल,” आरोन ने खांसते हुए कहा और मुस्कुराया।
उस आदमी ने हल्की सी हंसी हंसते हुए कहा, "क्या है?"
समस्या?” “तुम्हारा क्या मतलब है?” एरॉन ने नशे में धुत्त होकर मुस्कुराते हुए पूछा।
“तुम यहाँ आए। तुम बहुत शराब पीते हो। इसके पीछे कोई न कोई कारण जरूर होगा, कोई न कोई समस्या जरूर होगी। तुम्हारी समस्या क्या है?”
"काम।"

“अरे, यह तो आम समस्या है,” उस आदमी ने हंसते हुए कहा।
“नहीं, नहीं, ये काम नहीं है,” आरोन ने खुद को सुधारते हुए कहा। “ये...” वो मुस्कुराया। “बस मुझे लगता है कि कोई मेरा पीछा कर रहा था।”
“इसमें आपकी कोई गलती नहीं है। हर कोई यही सोचता है।”
वह,” “लेकिन मेरा तो डी – डी – था
अलग,"
ठीक है, ठीक है। आपका फॉलोअर कैसा रहा?
“देखने में… कैसा है?” आरोन हिचकिचाया। “यह… बस…
यह जाना-पहचाना सा लग रहा था।

“परिचित? वाह, यह तो अच्छी बात है। किस तरह का परिचित? यह किससे मिलता- जुलता है?”
“तुम,” आरोन हांफते हुए बोला।
उस आदमी ने अपनी धुंधली आँखों को सिकोड़ते हुए कहा: "मैं? क्या आप निश्चित हैं?"
“हाँ...उम...मुझे जाना होगा।” उसे ऐसा लगा जैसे उसकी नशे की हालत
सूखा हुआ।
आरोन उठा और तुरंत पब से बाहर भागा। बत्तियाँ टिमटिमा रही थीं। भिखारी गायब हो चुके थे। गली सुनसान लग रही थी। वह तेज़ी से चल रहा था, बीच-बीच में पीछे मुड़कर देख रहा था कि कहीं ट्रेंच कोट वाला आदमी उसका पीछा तो नहीं कर रहा। अंधेरी गली में वह अकेला था, सिवाय कौवों की कर्कश आवाज़ के जो उड़ते हुए दिखाई दे रहे थे।
उसे अपने पीछे कदमों की आहट सुनाई दे रही थी, जो कीचड़ भरे पानी में धमाचौकड़ी मचा रही थी। उसने पीछे मुड़कर देखा। वहाँ कोई नहीं था। वह सीने को पकड़कर और सिर पर हुड खींचकर आगे बढ़ा। अब कदमों की आहट तेज़ हो गई थी। वह पीछे मुड़कर देखने से डरते हुए भागने लगा।
एरोन रुक गया और गहरी सांस लेने लगा। सड़क बहुत करीब थी। बस कुछ ही गज की दूरी पर!

आओ आओ।
जैसे ही वह अपनी दौड़ फिर से शुरू करने वाला था, वह रुक गया। उसके सामने, एक धुंधली सी छाया में, एक परछाई हिलती हुई दिखाई दी। उसकी आँखें उस परछाई की आकृति पर टिक गईं और उसका खून जम गया। उसे विश्वास नहीं हो रहा था। उसे अपनी आँखों पर यकीन ही नहीं हो रहा था। यह एक जानवर की परछाई थी।
उसने पलटकर उसे देखा। वह दरिंदा वहीं खड़ा था, उस पर मुस्कुरा रहा था। भय से कांपता हुआ आरोन ईंटों की दीवार के पास शरण लेने चला गया। उसके पास छिपने या भागने के लिए कोई और जगह नहीं थी। उसे पूरा यकीन था कि उसकी मृत्यु उससे बस कुछ ही इंच दूर थी।

***

कैस्पर ने अपनी आँखें खोलीं और चारों ओर देखते हुए उठ खड़ा हुआ। वह वापस आ गया था। वह खुश था। उसकी मुस्कान उसकी खुशी को दर्शा रही थी। वह जल्दी से रिकॉर्ड प्लेयर के पास गया और बीथोवेन सिम्फनी 3 बजाई। गुनगुनाते हुए वह बाथरूम में गया और कपड़े उतार दिए।
शावर का गर्म पानी उसके नंगे शरीर पर धीरे-धीरे पड़ रहा था।
उसकी सारी चिंता और थकान धीरे-धीरे दूर हो रही थी। धीरे-धीरे, वह कमजोरी, जो उसके शरीर में थी
उस पर हावी हो गया, धीरे-धीरे गायब होने लगा और जल्द ही उसका कोई निशान नहीं बचा। वह बाहर निकल गया।
शावर में, उसने तौलिए से अपने घुंघराले बालों को रगड़ा और फिर धीरे-धीरे खुद को भिगोया।
उसकी त्वचा से बचा हुआ पानी।

वह दर्पण के सामने खड़ा हुआ और उसने अपने चेहरे का धुंधला प्रतिबिंब देखा। कैस्पर ने एक अलग ही व्यक्ति को देखा। वह उन्नीस साल के लड़के को नहीं, बल्कि उभरे हुए जबड़े, कांस्य जैसी आँखों, काले बालों, ऊँची गाल की हड्डियों, सुंदर घुमावदार होंठों और नुकीली नाक वाले एक आदमी को देख रहा था। उसके ठंडे व्यवहार से उसे खतरा महसूस हुआ और उसकी आँखों में डर झलक रहा था। बगल के कमरे में जाकर वह चमड़े के सोफे पर बैठ गया और एक पैर दूसरे के ऊपर रख लिया। कमरे में ठंडी हवा का झोंका आते ही कैस्पर थोड़ा काँप उठा। यह एक सामान्य प्रवृत्ति थी, बल्कि एक तरीका था, जिसे कैस्पर अक्सर इस्तेमाल करता था। नग्न अवस्था में, मनुष्य के मस्तिष्क की सोचने की क्षमता काफी बढ़ जाती है। कम से कम कैस्पर का यही अनुमान था। यह सच था या नहीं, उसे परवाह नहीं थी। वह बस इतना जानता था कि इससे उसे मदद मिलती थी। वहाँ बैठे-बैठे उसने बाहर देखा। विशाल आकाश बादलों के सैलाब से ढका हुआ था, जो गरज के बीच इकट्ठे होकर उमड़ रहे थे। कारखाने की चिमनी से निकल रहे प्रदूषित धुएँ के बीच पक्षी उड़ रहे थे।
उसके दिमाग में अनुबंध और सौदे को लेकर तरह-तरह के विचार उमड़ रहे थे।
उसने बनाया था। यह सोचकर उसका पेट मचलने लगा कि अब वह गुलाम बन चुका है।
चौथा

प्रलय का घुड़सवार। उसे यह पसंद नहीं था, लेकिन अब वह कुछ नहीं कर सकता था।
वह अपनी शपथ से बंधा हुआ था, चाहे वह जीवित रहे या मर जाए।

***

“अरे, क्या आप...? आप कैस्पर सुकरात हैं, है ना?” मृत्यु ने प्रकट होते हुए पूछा।
कैस्पर द्वारा बुलाए जाने से वह अत्यंत प्रसन्न था। वह अच्छी तरह जानता था कि वह कौन है और क्या करता है। यही कारण था कि उसने अपने आदेशों का पालन करने के बदले में उसे जीवित रहने की अनुमति देकर एक अपवाद बनाया था। कैस्पर को मृत्यु द्वारा उसे काम पर रखने के लिए दोष देना उचित नहीं लगा।
वह अपनी बुद्धि और फुर्ती से जीवों का शिकार करने के लिए कुख्यात था। वह पल-पल जीता था और शिकार के रोमांच का भरपूर आनंद लेता था।
मैंने आपके पिछले प्रयासों के बारे में सुना है। वे मुझे वास्तव में बहुत आकर्षित करते हैं।
उसके कारनामों ने मृत्यु को रोमांचित कर दिया। उसके मन में, वही एकमात्र व्यक्ति था जो उसे बचा सकता था। कैस्पर को यह स्वीकार करना पड़ा कि वह इस बात से खुश था कि मृत्यु उस पर निर्भर थी।

हे भगवान! कुछ पहनोगे क्या?
सोफे के सामने वाली मेज से टेक लगाकर वह मृत्यु को घूर रहा था। वह पलक झपकते ही कहीं से प्रकट हो गया। वह अपने झुर्रीदार ओवरकोट में खड़ा था, उसके पास उसकी छड़ी नहीं थी।
और मुझे ऐसा क्यों करना चाहिए?
वह?” “क्या तुम नहीं हो?”
शर्मिंदा?"
“जब कोई व्यक्ति दूसरों की राय की परवाह करता है तो उसे शर्म आती है। वहीं, मुझे इसकी बिल्कुल परवाह नहीं है,” कैस्पर ने कहा।
मौत ने आंखें घुमाईं। "मैं भूल ही गया था कि तुम कितने अज्ञानी हो।"

कैस्पर ने अपनी आँखें सिकोड़ीं और होंठ भींच लिए। उसकी नाक फूल गई और उसने कहा, "क्या बात है, मृत्यु? तुम यहाँ मुझे यह बताने तो नहीं आई हो कि मैं कितना अज्ञानी हूँ?"
“जल्द ही एक युवती तुम्हारे पास आएगी। उसका एक मामला है जिसे तुम्हें सुलझाना है। वह अनोखा काम जिसकी तुम मुझसे उम्मीद कर रहे थे, वह यहाँ है।” इससे आप पर क्या असर पड़ेगा?

"जिस आत्मा का दांव लगा है, वह विनाशकारी है।"
“अच्छा, समझ गया।” सोचते हुए उसने अपनी उंगली होठों पर रखी। “ठीक है। वह कितने बजे आएगी?”
दरवाजे पर अचानक दस्तक हुई।

कैस्पर का ध्यान दरवाजे की ओर गया। "अंदर आ जाओ," उसने कहा।
दरवाजा खुला। उसने चुपके से उस जगह पर नज़र डाली जहाँ कुछ पल पहले मौत खड़ी थी। वहाँ कोई नहीं था। मौत बस गायब हो गई थी।
लाजरस, उसका बटलर, उसके सामने खड़ा था। उसकी लंबाई लगभग सात फीट थी। इसी वजह से, सीधे खड़े होकर उसके लिए अधिकांश दरवाजों से अंदर जाना मुश्किल होता था। वह हमेशा थोड़ा झुककर ही अंदर जाता था, जैसा कि वह अभी कर रहा था। वफादार और उम्रदराज लाजरस उसे अपने बेटे की तरह प्यार करता था। कैस्पर उसे पिता समान मानता था, जिसके कंधे पर वह रो सकता था और अपने दिल की बातें बाँट सकता था, जिन्हें वह कभी भी सबके सामने ज़ाहिर नहीं करना चाहता था। सभी नौकरों और दासियों में से लाजरस ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति था जिसे उसके अध्ययन कक्ष में जाने की अनुमति थी। हालाँकि, उसे इस बात का पता नहीं था कि कैस्पर उसकी नाक के नीचे किस तरह के गुप्त जादू-टोने करता था।
अपने हाथों को सामने जोड़ते हुए उसने कहा, "मास्टर कास्पर, आपसे मिलने कोई आया है।" कास्पर के नग्न होने पर उसे आश्चर्य नहीं हुआ। उसने सुकरात को कई मौकों पर इसी तरह नग्न देखा था।
“उसे अंदर लाओ,” उसने निर्देश दिया।

"क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं कहूँ कि आपको कुछ पहनना चाहिए, महोदय?"

मुझे आपत्ति है।

“यह एक लड़की है। उसे असहज महसूस होगा।”
“मैं समझ गया।” कैस्पर ने सिर हिलाया। “तो फिर एक काम करो, लाजरस। उसे इसके बारे में चेतावनी दो।”
यह।” लाजरस ने कोई बहस नहीं की। उसने विनम्र व्यक्ति की तरह दरवाजा बंद कर दिया।
वह एक बटलर था।
कैस्पर अपने मेहमान के आने का इंतज़ार कर रहा था, उसे अपने नग्न शरीर की कोई परवाह नहीं थी। दरवाज़ा
दरवाजा फिर खुला और उसके सामने सोलह साल की एक घबराई हुई लड़की खड़ी थी। उसने स्कूल यूनिफॉर्म पहनी हुई थी और गले में एक छोटा सा झुमका था, जो उसकी छाती पर चमक रहा था। उसने अपना बैग कंधे पर टांगा और अपनी उंगलियों से अपने भूरे बालों को संवारा। उसने उसे उस नज़र से देखा, जिस नज़र से उसने कभी किसी जासूस को देखने की कल्पना भी नहीं की थी।

“हे भगवान!” वह चीखी। “उम…”
“मुझे लगता है कि यहाँ आते समय मेरे बटलर ने आपको चेतावनी नहीं दी थी? नहीं”
मामला।” “उम…” उसने घबराकर निगलते हुए बगल में देखा।
छोटे धब्बे रंग

उसके गालों पर फैल गया।

"तो...मुझे अपने मामले के बारे में बताएं।"
उसके नग्न अवस्था के कारण उसे ऐसा करना मुश्किल लग रहा था। कहीं और देखते हुए उसने कहा, "मैंने सुना है कि आपने जादू-टोना किया है जिससे आपको कुछ अज्ञात प्राणियों का ज्ञान और शक्ति प्राप्त हुई है। मैं उन्हीं में से एक प्राणी के बारे में बात करने आई हूँ।"
“अरे, ज़रा सीधी बात पर आओ। तुम एक चुड़ैल हो। जब तुम अंदर आई थीं, तभी मैंने यह देख लिया था। तुम्हारे गले में जो पुखराज का हार है, उसके चारों

ओर एक शक्तिशाली आभा है। सिर्फ़ वही चुड़ैलें जो चोट लगने से डरती हैं, अपने गले में पुखराज पहनती हैं ताकि उन्हें कोई फंसा न सके, तोड़ न सके और आम तौर पर उन्हें कोई चोट न लगे।” वह रुका, उस पल का आनंद लेते हुए। “तो, निष्कर्ष यह है कि तुम यहाँ इसलिए हो क्योंकि तुम्हारी जान को किसी से या किसी चीज़ से खतरा है।”
उसका चेहरा पीला पड़ गया और होंठ सिकुड़कर एक पतली रेखा बन गए। उसने अपनी उंगलियों को आपस में फंसाया और विनम्रता से सिर हिलाया। "आपने सही अनुमान लगाया है।"
वह खुशी से ताली बजाने लगा। "मुझे सही होना बहुत पसंद है!"
लेकिन दूसरा भाग गलत है। मेरी जान खतरे में नहीं है, बल्कि कुछ इंसानों की जान खतरे में है।
हैं।" "आह, यह तो घटनाओं का एक नया मोड़ है।" एक घमंडी मुस्कान फैल गई। उसका चेहरा।

"आगे बढ़ना।"
“मैं जादू-टोने वाले परिवार से थी। मैंने जादू-टोने की कला सीखने और उसमें महारत हासिल करने के लिए एक जादूगरनी समूह में दाखिला लिया था। शुरुआत में सब ठीक चल रहा था। मेरी साथी जादूगरनियां बहुत प्यारी और सीधी-सादी थीं। फिर एक व्यक्ति, एक ग्राहक, मदद मांगने हमारे समूह में आया। उसने कहा कि वह तंत्र-मंत्र के ज़रिए स्प्रिंग हील्ड जैक को वापस लाना चाहता है। उस समय हमारे समूह को पैसों की ज़रूरत थी, जो उसने हमें देने का वादा किया था। हम मान गए। स्प्रिंग हील्ड जैक को कल ही जीवित किया गया और उस पर बंधन लगाए गए। हमने उसे उस व्यक्ति को सौंप दिया, जिसने हमें पैसे दिए,” उसने शर्मिंदा होते हुए कहा।

"अगर सब कुछ ठीक रहा तो आप यहां क्यों आए?"
“क्या आपके पास अखबार है?” उसने पूछा। “उसमें लिखा है कि आरोन नाम के एक लड़के को नोंच-नोंचकर मार डाला गया है।” गहरे तनाव से उसके होंठ कांपने लगे। दर्द असहनीय था। “कुछ तो गड़बड़ थी। मुझे पता है। वह आदमी कोई मदद मांगने वाला नहीं था। वह उससे कहीं बढ़कर था। मैं और हत्याएं नहीं चाहती!”

वह फूट-फूट कर रो पड़ी, उसकी लाल गालों पर आंसू बहने लगे। “मैं नहीं जानती। इसीलिए मैं चाहती हूं कि तुम मेरे जादूगरों के समूह को रोक दो। उनके पास स्प्रिंग हील्ड जैक से संबंधित जानकारी है। अगर तुम उस जानकारी को नष्ट कर दोगे, तो स्प्रिंग हील्ड जैक भी नष्ट हो जाएगा और मौतें रुक जाएंगी।” “मैंने आपका नाम नहीं सुना,” कैस्पर ने कहा।
अचानक। "फ्रैन।"
"फ्रैन...यह अजीब बात है कि तुम, एक चुड़ैल होकर, अपने ही समूह के साथ विश्वासघात कर रही हो।"
“मुझे परवाह नहीं कि मैं अपने समूह के साथ विश्वासघात कर रही हूँ। मैं बस और हत्याएँ नहीं चाहती।” कैस्पर ने नकाबपोश आँखों से उसे देखा। “ठीक है, फ्रैन,” उसने मान लिया।
"आज रात इसी जगह मुझसे मिलो। अगर तुम सचमुच उन्हें रोकना चाहते हो, तो तुम्हें मेरे साथ आना होगा। लेकिन अभी के लिए, अलविदा।"
कमज़ोरी से और उसकी ओर देखे बिना, उसने सिर हिलाया। वह कमरे से बाहर चली गई, लेकिन फिर एक बार फिर अंदर आ गई। इस बार, उसने सीधे कैस्पर की तीखी, कांस्य जैसी आँखों में देखा, जो पॉलिश किए हुए पत्थरों की तरह चिकनी थीं।

“धन्यवाद, श्रीमान सुकरात,” उसने कहा।

कैस्पर चुप रहा। फ्रैन बिना कुछ कहे चली गई।

तब वे तीन थे

“कपड़े! कपड़े! कपड़े!”
कैस्पर ने अलमारी को ज़ोर-ज़ोर से पटका और अपने सारे कोट-शर्ट बिखेर दिए। वह पहनने के लिए कुछ उपयुक्त ढूंढने की कोशिश कर रहा था। उसकी नज़र कोने में रखी एक चीज़ पर पड़ी।

बैंगनी शर्ट!
उसने उसे खींचकर निकाला और पहन लिया, बटन लगा दिए। फिर उसने एक डेनिम पैंट ढूंढी।
“बेहद दिलचस्प,” उसने धीरे से कहा।
उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि उन्होंने अपनी अलमारी में एक जोड़ी पैंट छिपा रखी है। उन्होंने उन्हें पहन लिया। फिर उन्होंने पहनने के लिए उपयुक्त कोट ढूंढने के लिए अपने कोटों के संग्रह में से एक कोट ढूंढना शुरू किया।

कोट। फ्रॉक कोट। स्वैडल कोट। टेल-कोट। वेस्ट-कोट। इनमें से कोई भी उपयुक्त नहीं था।

उसे।
उस सारी अव्यवस्था के बीच, उसे एक ट्रेंच कोट मिला – ऊनी, सिला हुआ और फिटिंग वाला। यह सादा और साफ था, न धूल थी, न ही रेशे चिपके हुए थे। उसने अपनी बाहें उसकी आस्तीनों में डालीं और अपनी इस खोज से प्रसन्न हुआ।
बहुत बढ़िया, उसने सोचा। यह उसके लिए एकदम सही था। उसने अपने पहनावे को पूरा करने के लिए दाग लगे बूटों की एक जोड़ी ढूंढी और जल्द ही तैयार हो गया।
उसने अध्ययन की मेज पर रखे थैले की ओर हाथ बढ़ाया। जैसे ही उसने हाथ बढ़ाया, उसकी नज़र परिधि के किनारे पर किसी चमकदार चीज़ पर पड़ी। उसने मुड़कर देखा तो उसे एक लंबी छड़ी दिखाई दी। उसका हैंडल 'S' के आकार का था, जो शायद सुकरात का प्रतीक था। वह उसके पास गया और उसे अपने हाथों में कसकर

पकड़ लिया। उसके कोनों पर सोने की परत चढ़ी हुई थी और ऊपर एक सोने का घुंडी लगा हुआ था। हैंडल पर एक छोटा सा कार्ड पड़ा था। उसने उसे उठाया और पढ़ना शुरू किया।
प्रिय कैस्पर सुकरात,
यह मेरी तरफ से एक उपहार है। मैंने इसे असीरिया में बनवाया है। जरूरत पड़ने पर यह आपके काम आएगा। और नहीं, मैंने इसे अमेज़न या कहीं और से नहीं मंगवाया है।

से,

मृत्यु से प्रेम करना;)

कैस्पर ने कार्ड को कसकर पकड़ लिया। वह मुस्कुराया।

***

"यह हमारा बेस है," फ्रैन ने फुसफुसाते हुए कहा।
घर जंगल के पास स्थित था और टहनियों और घनी लताओं से ढका हुआ था। छतरीनुमा विशाल छतरियों ने चांदनी को ढक रखा था। ऊपर धुंधले आसमान में बादल गरज रहे थे, जिससे आसपास का वातावरण रहस्यमय लग रहा था। हवा में गंधक की तीखी, सड़ी हुई गंध फैली हुई थी, जिससे कैस्पर और फ्रैन को मतली हो रही थी। कौवे कांव-कांव करते हुए चारों ओर मंडरा रहे थे और बीच-बीच में छोटी-छोटी लताओं पर बैठ रहे थे।
उनके चारों ओर पत्तियाँ सरसरा रही थीं। कैस्पर के लिए घर को देखना मुश्किल था। वह केवल इतना ही देख सका कि वह ईंटों से बना था और जगह-जगह से टूटा हुआ था, प्लास्टर उखड़ रहा था। चिमनी से अचानक धुआँ निकला।
"धुआँ जादू-टोने और तंत्र-मंत्रों का मिश्रण है जो उबल रहा है..."
कड़ाही।” “तुम सही कह रही हो,” उसने पूरी हैरानी से बुदबुदाते हुए कहा। “कैसे
क्या तुम्हें पता चला?"

वह मुस्कुराया। “लोग अक्सर पहले सीखी हुई बातें भूल जाते हैं। लेकिन मैं, ऐसा कभी नहीं करता।”
“तो, आपको एक बात जान लेनी चाहिए। प्रवेश द्वार पर दो गोलेम पहरा दे रहे हैं। सामने के दरवाजे से घुसपैठ करना मूर्खता होगी। आपको पीछे के दरवाजे से आना होगा। मैं अंदर जाकर पीछे के दरवाजे के पास लगे मंत्रों को निष्क्रिय करने की कोशिश करता हूँ।”
कैस्पर ने सिर हिलाया। "खिड़की के रास्ते," वह रुका। "मुझे एक संकेत दो ताकि मुझे पता चल जाए कि अंदर जाना सुरक्षित है।"
वह चुप रही जबकि वह पिछले दरवाजे की ओर बढ़ा और एक बड़े पत्थर के पीछे छिप गया। वह जल्दी से प्रवेश द्वार की ओर दौड़ी और दरवाजे पर तीन बार दस्तक दी। वह रुकी और फिर एक बार तीन बार दस्तक दी।
दरवाजा खुला। दो आदमी उससे कुछ इंच की दूरी पर खड़े थे। वे देखने में मिट्टी के बने हुए लग रहे थे। उनकी आँखें किसी शंकु के आकार की चीज़ से छेदी हुई प्रतीत हो रही थीं और उनके चेहरे पर एक पथरीली मुस्कान थी। वे लंबे थे, लगभग आठ फीट लंबे, और विशाल, भारी-भरकम और चौड़े थे। उनका शरीर असमान और बेडौल भी था। गोलेम के शरीर चमक रहे थे, प्रकाश कई उभरे हुए पैटर्न में इधर-उधर लहरा रहा था।

“स्वागत है, स्वामिनी,” उन्होंने अभिवादन किया।
फ्रैन के लिए सामान्य व्यवहार करना मुश्किल हो रहा था। वह जानती थी कि उसे ऐसा दिखाना होगा जैसे उसका वहाँ होना रोज़मर्रा की बात हो, लेकिन यह मुश्किल था। अगर कुछ भी गड़बड़ हो जाती, तो सब कुछ खत्म होने के बाद वह राख के सिवा कुछ नहीं रह जाती।
धीरे-धीरे चलते हुए वह कॉमन रूम में दाखिल हुई। दो चुड़ैलें उसके पास से गुज़रीं और उसे झुककर प्रणाम किया। उसने भी बदले में प्रणाम किया। उसने चारों ओर देखा कि वहाँ कोई और तो नहीं है और सावधानी से हॉल के अंत में स्थित कमरे की ओर चल पड़ी।

गलियारा लंबा और संकरा होता जा रहा था, और वह कई कमरों से गुज़री। उसका सीना चिंता और तनाव से भर गया, ऐसी चीज़ जिससे वह कभी ठीक से निपट नहीं पाती थी। हर कमरे के कोनों में, उसे चुड़ैलें बातें करती, बैठी हुई या जादू का अभ्यास करती हुई मिलीं। चुड़ैलों के समूह की मुखिया, डेलीरियम, कहीं नज़र नहीं आ रही थी।
वो कहाँ थी? दरवाज़ा अब नज़दीक लग रहा था। बस कुछ ही कदम... वो उससे बस कुछ ही गज दूर थी। चलो। चलो!
वह हड़बड़ी में कमरे में घुसी और हांफते हुए दरवाज़ा बंद कर लिया। उसे किसी ने नहीं देखा था। फिलहाल वह सुरक्षित थी। चारों ओर देखते हुए उसने हवा में दो चिंगारियां देखीं। ये जादू थे। वह उन तैरती हुई चिंगारियों के पास गई। उन्होंने पूरे कमरे को रोशन कर दिया।
“Ego vos ad deactivate,” उसने फुसफुसाते हुए कहा और उंगलियां चटका दीं। चिंगारियां बुझ गईं और फर्श पर गिर गईं, क्योंकि कड़वे पाउडर में बदलने से पहले वे केवल गेंदें मात्र रह गई थीं।

ठीक है। ठीक है। मैं यह कर सकता हूँ।
खिड़की की ओर मुड़ते ही, उसने देखा कि वहाँ कोई खड़ा है, जिसकी उसे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी, और वह आश्चर्य से हांफ उठी। "क्लैरी!" ये शब्द उसके होंठों से धीरे-धीरे निकले। "तुम यहाँ क्या कर रही हो?"
क्लैरी आश्चर्यचकित और स्तब्ध दोनों थी। उसके चेहरे के भाव थे...
अस्थिर। वह आगे आई, उसकी सुनहरी चोटी हिल रही थी और उसकी चमकदार नीली आँखें।
अंधेरे, उदास कमरे में उसकी आँखें चमक उठीं। वह गोरी, सुंदर और आकर्षक थी।
कभी-कभी बेहद मददगार, लेकिन अब उसकी नज़र अविश्वास और अविश्वास से भरी थी।
अनिश्चितता।
“तुमने मंत्र क्यों बंद कर दिए?” उसने पूछा और पाउडर की ओर इशारा किया।
“तुमने ऐसा क्यों किया?”

फ्रैन ने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसा होगा। क्लैरी कब से कमरे में थी? उसके माथे से पसीना टपक रहा था और सीने में भारीपन महसूस हो रहा था। वह अब और बर्दाश्त नहीं कर सकती थी। बिलकुल नहीं!
“हम लोगों को मार रहे हैं!” फ्रैन चिल्लाई। “हम उन्हें मार रहे हैं।” “तुम क्या कह रही हो?”
आपको याद है ना
ग्राहक? “जी हाँ। श्रीमान।”
शूस्टर।"
“उसने ऐसा कुछ किया जिससे एक निर्दोष की जान चली गई।”
मानव।" "यह सच नहीं है।"
“मैंने अखबार पढ़ा, क्लैरी। मैंने उसमें लिखी बातें देखीं। डॉक्टरों ने कहा कि किसी तेज धार वाली चीज ने उसकी छाती पर खरोंचें मारी थीं, जिससे उसकी मौत हो गई।”
"यह महज एक संयोग हो सकता है।"
“नहीं। नहीं, ऐसा नहीं था। स्प्रिंग हील्ड जैक के आज़ाद होने के ठीक दो घंटे बाद उस इंसान की हत्या कर दी गई थी। आपने स्प्रिंग हील्ड जैक के बारे में सुना ही होगा, है ना? उसके हाथों की जगह पंजे हैं। तो फिर उसे किसने मारा होगा? क्या यह महज़ एक संयोग था?”
क्लैरी ने अपना सिर हिलाया, मानो खुद को यह यकीन दिलाने की कोशिश कर रही हो कि उसकी साथी चुड़ैल जो कह रही थी वह सच नहीं था। धीरे-धीरे, ग्राहक का भ्रामक रूप, बदबूदार चेहरा और रहस्यमय पहचान, जो उसने उन्हें दिखाया था उससे कहीं अधिक प्रतीत होने लगी। किसी तरह, बात समझ में आने लगी थी। “फ्रैन, पुराने समय में इंसानों ने कई चुड़ैलों को मार डाला था। वे हमें सिर्फ इसलिए जला देते थे क्योंकि हम उनसे अलग थे।”
“पुरानी चुड़ैलों ने भी कुछ भयानक काम किए थे। उन्होंने अपनी जादूई शक्तियों का दुरुपयोग किया। कभी-कभी वे इसका इस्तेमाल सिर्फ मनोरंजन के लिए करती थीं। हर कर्म का फल होता है। यह उनकी गलती थी।”

क्लैरी स्तब्ध रह गई। उसने बहस करने के लिए मुंह खोला, लेकिन वह कुछ कह नहीं पाई। फ्रैन को महसूस हो गया कि क्लैरी उसकी तरफ आ रही है।
आपकी योजना क्या है?
"मैं एक जांचकर्ता को इस दरवाजे से अंदर आने दे रहा हूं ताकि वह स्प्रिंग हील्ड जैक से जुड़े स्रोत का पता लगाने में हमारी मदद कर सके।"
क्लैरी ने सिर हिलाया। फ्रैन की बात सही थी। वह धीरे-धीरे उसके पास गई और उसे दिलासा दिया। "ठीक है। मैं तुम्हारी मदद करूंगी।" उसके हाथों ने धीरे से फ्रैन के बालों को सहलाया। "चिंता मत करो।"
मुझे उसे अंदर आने का इशारा करना होगा।
“फ्रैन, ये बहुत गलत हो सकता है।” क्लैरी ने अपने होंठ चाटे; वो जिस योजना को अंजाम देने वाली थी, उससे वो बहुत डरी हुई थी। “कुछ भी करने से पहले, मैं एक बात कहना चाहती हूँ। मैं तुमसे प्यार करती हूँ।”
फ्रैन असमंजस में थी। उसका मतलब क्या था?
क्लैरी, फ्रैन के होठों की ओर झुकी, लेकिन फ्रैन तुरंत पीछे हट गई। "तुम क्या कर रही हो, क्लैरिसा?"
“मैं तुमसे प्यार करता हूँ। जब से मैंने तुम्हें पहली बार देखा था, तब से ही मैं तुमसे प्यार करता हूँ। तुम्हें वो दिन याद है ना? जब हम यहाँ मिले थे, हमारे हाथ हल्के से छू गए थे और हमने एक-दूसरे की आँखों में देखा था।” फ्रैन की धड़कन तेज़ हो गई। आवेग में आकर उसने कहा, "हम यहाँ कभी नहीं मिले। हम अपने घर पर मिले थे, जब तुम मुझे यहाँ ले जाने आए थे..."
“तो मैं माफी मांगती हूं,” उसने कहा।
लेकिन वो क्लैरी की आवाज़ नहीं थी। वो किसी और की आवाज़ थी।
फ्रैन का दिल ज़ोर से धड़कने लगा। टूटा हुआ सिर लिए शरीर नीचे गिर पड़ा, कुछ
कुछ ही कदमों की दूरी पर।

***

कैस्पर को इशारा मिल गया। किसी ने खिड़की से उसे हाथ हिलाकर इशारा किया।
वह दौड़कर खुले मैदान से बाहर निकला और दरवाजे तक पहुंचा। दरवाजा थोड़ा खुला हुआ था। वह अंदर घुस गया और पीछे से दरवाजा बंद करने के लिए मुड़ गया। जैसे ही वह हिला और अपने सामने फैले दृश्य को निहारा, उसकी पुतलियाँ फैल गईं।
लाश ज़मीन पर पड़ी थी। कमरे में जगह-जगह खून के धब्बे बिखरे हुए थे। लाश का सिर शरीर से अलग हो गया था, आँखें खुली थीं और त्वचा सीमेंट की तरह पीली पड़ गई थी। उसने लाश को पहचान लिया। उसने उसे अच्छी तरह पहचान लिया। यह फ्रैन थी, जिसका बेरहमी से सिर धड़ से अलग कर दिया गया था। उसने ऊपर देखा, उसकी उंगलियाँ छड़ी को कसकर पकड़े हुए थीं। पास ही सुनहरे बालों वाली एक लड़की खड़ी थी। उसके होठों पर हल्की सी मुस्कान थी।
“मैं उसे मारना नहीं चाहता था। वह खूबसूरत थी, लेकिन उसने विरोध किया, इसलिए मुझे...जो जरूरी था वही करना पड़ा।”
"आप कौन हैं?"
सुनहरे बालों वाली लड़की का रूप धीरे-धीरे बदलने लगा। उसके शरीर में बदलाव आने लगा।
उसका चेहरा एक सूट पहने हुए, लंबे और पतले, नुकीले सफेद नाखूनों वाले आदमी में बदल गया।
राख जैसी पीली त्वचा रिसती हुई, टैटू से ढके खंडहरों में बदल गई।
सुनहरे बाल खुरदुरे और छोटे हो गए, कांटों की तरह, चांदी जैसे रंग से पीछे की ओर खींचे हुए।
इसके माध्यम से बह रहा है।

“मैनफ्रेड!” कैस्पर फुफकारा।
“कैस्पर,” उसने उपहास उड़ाते हुए कहा। “क्या हम फिल्मों की तरह नाटकीय ढंग से एक-दूसरे का नाम पुकार रहे हैं?”
“आप ही वो ग्राहक थे, है ना? जिन्होंने स्प्रिंग हील्ड जैक को चाहा था,” मैनफ्रेड ने मुस्कुराते हुए कहा। “स्पॉइलर।”
“तुम्हें संहारक दानव की आवश्यकता क्यों होगी? किसलिए? मारने के लिए? नहीं। किसी बड़े उद्देश्य के लिए। किसी बहुत बड़े उद्देश्य के लिए। बस यही बात है, है ना?”

क्या मैं वाकई उन खलनायकों में से एक दिखता हूँ जो पूरी बात समझा देंगे? विश्व पर प्रभुत्व स्थापित करने की साजिश? उसने मुस्कुराते हुए कहा। "तुम यहाँ स्रोत जानने आए हो, है ना?"

"हाँ,"
दुर्भाग्यवश। यह यहाँ नहीं है। यह अब मेरे पास है।
“तुम लोगों को मारना जारी नहीं रख सकते। तुम्हें पता है
वह।"
“बस चार। मैं सिर्फ चार लोगों को मारने जा रहा हूँ। एक मर चुका है। तीन बचे हैं। जब काम पूरा हो जाएगा, तो मैं तुम्हें खुद दानव भेंट करूँगा, अगर तुम्हें इतनी इच्छा हो तो।”

"आपको ऐसा क्यों करना होगा?"
“एक बार फिर, क्या मैं पुराने जमाने का दिखता हूँ?”
खलनायक, है ना?” “लड़की सही थी। तुमने इसका इस्तेमाल किया था। चुड़ैलें।"
वह हँस पड़ा। "मैंने उनका इस्तेमाल किया? बिलकुल नहीं। वे भी वही चाहते हैं जो मैं चाहता हूँ।"
उसने ताली बजाई। “ठीक है, ठीक है, तुम तो बड़े जिज्ञासु हो! कितने प्यारे हो! अच्छा तो फिर, मैं
और भी स्पॉइलर देने चाहिए। वह नई थी। उसे नहीं पता था कि मैं नहीं हूँ। ग्राहक तो नहीं, लेकिन इस समूह की एक स्थायी सदस्य जैसी। उसे लगा कि मैंने उसे
मैंने उनसे स्प्रिंग हील्ड जैक को बुलाने के बदले में पैसे मांगे, लेकिन मैंने नहीं मांगे। उसकी बहनों
वे पहले से ही मेरे लिए काम कर रहे थे।
दरवाजा खुला और लगभग बीस चुड़ैलें कमरे में ऐसे दाखिल हुईं मानो उन्हें बुलाया गया हो। उन्होंने जंगली निगाहों से कैस्पर को घूरना शुरू कर दिया। “तुम और तुम्हारी चुड़ैलें क्या चाहती हैं?”
मैनफ्रेड ने एक शब्द भी नहीं कहा। इसके बजाय वह चुड़ैलों की ओर मुड़ा।
"मेरी एक मदद करो,"

लड़कियों, उसे मत मारो। उसे फंसाकर भूखा मार डालो। मैं उससे मिलने फिर आऊँगी, लेकिन जब मैं लौटूँ तो वह ज़िंदा होना चाहिए।
"लेकिन मिस्टर क्रॉफ्ट, वह हमारे लिए एक अच्छा नाश्ता होंगे," चुड़ैलों में से एक ने हताशा से अपने होंठ चाटते हुए कहा।

मैनफ्रेड कठोर भाव से चुड़ैल के पास पहुँचा। उसकी निगाहें उस पर टिकी हुई थीं। "प्रिय, अगर तुमने मेरी बात नहीं मानी तो..." चुड़ैल कांपने लगी। "तुम भाप बनकर उड़ जाओगे... ऐसे।"
उसने चुटकी बजाई। चुड़ैल का शरीर धीरे-धीरे राख और धुएं में बदलने लगा। कुछ ही सेकंड में वह स्त्री गायब हो गई और राख ऐसे बिखर गई मानो वह कभी अस्तित्व में ही न रही हो।
"यदि कोई श्री सुकरात को हानि पहुँचाता है, तो मैं उस पर कोई दया नहीं दिखाऊँगा।"
घोर घृणा से भरी चुड़ैलें गुर्राईं, उनके नुकीले दांत हवा को चीरते हुए निकले। मैनफ्रेड की ठंडी निगाहें उन सभी पर घूम पड़ीं। वह कमरे के उस पार चला गया, कैस्पर के पास से गुजरा, जो चुपचाप खड़ा रहा।
“तुम मुझे मार क्यों नहीं देते?” कैस्पर ने कांपते होंठों से पूछा। “क्योंकि फिर मजा नहीं आएगा।”
उसकी हल्की-सी हंसी गूंज उठी। "छुट्टियों का आनंद लें!" उसने कैस्पर की नजरों से ओझल होने से पहले कहा।

खून बहने वाली रात

एक दिन बीत चुका था। कैस्पर की पुतलियाँ अब रंगहीन हो चुकी थीं। उसके होंठ उसका चेहरा सफेद पड़ गया और जीभ का स्वाद खत्म हो गया। उसके अंदर एक तीखी खट्टी सी महक फैल गई।
जब भी वह अपने होंठ चाटता, वह उसे देखता। उसने अपने धूल भरे और थोड़े से चिपचिपे बाल।
कोठरी में कोई रोशनी नहीं थी। वह एक अंधेरी और एकांत कैद थी। हवा उसकी दीवारों में बनी दरारों से आती थी और प्रकाश की एक किरण उसके लिए किसी जादू से कम नहीं थी।

मैनफ्रेड क्रॉफ्ट।

उसे देखे हुए कई दिन बीत चुके थे। फिर भी उसे यकीन नहीं हो रहा था।
उसके जिज्ञासु स्वभाव ने उसे सोचने पर मजबूर कर दिया। वह वहाँ क्यों था? उसका मकसद क्या था? क्या वह मानवता के अनंत सुख को भ्रष्ट करने की कोशिश कर रहा था?
वह मैनफ्रेड को जानता था। उसे अच्छी तरह जानता था। लेकिन उसे यह समझ नहीं आ रहा था कि उसने एक आम इंसान को क्यों मारा। उसने एरॉन की जान लेने के लिए एक दानव का इस्तेमाल किया, जबकि यह काम कोई दूसरा इंसान भी कर सकता था। मैनफ्रेड का कोई मकसद था और वह उसे जानने के लिए बेताब था। निर्मम अंधेरे में, मरे हुए चूहों की बदबू से भरी कोठरी में बैठे हुए, ठंडी हवा ही उसे इस समय एकमात्र राहत दे रही थी।
पागलपन उस पर हावी हो गया। दीवारों को नोचते हुए, उसने बाहर निकलने की कोशिश की।
इस उम्मीद में कि शायद वह पानी की ध्वनि का स्वाद ले सके, लेकिन खुरदरी ईंटें और
उनके स्टार्चयुक्त स्वाद ने उसकी जीभ को खुरचकर सुखा दिया। वह अपना शरीर नहीं देख पा रहा था।

एक कोठरी में धीरे-धीरे निर्जलीकरण हो रहा था। उसने मौत के साथ वहाँ मरने का सौदा नहीं किया था।
प्यास और भूख से।
उसे अपनी हड्डियों का हर एक हिस्सा दर्द करता हुआ और घुटता हुआ महसूस हो रहा था।
उसे बोझ लग रहा था। उसके गाल कठोर ज़मीन से टकरा रहे थे, उसकी आँखें धीरे-धीरे बंद हो रहा है।
उसका हथियार रखने वाला थैला छीन लिया गया, साथ ही असीरिया से मौत द्वारा दिया गया उपहार भी। उसे कोठरी में, आखिरी स्नान के बाद पहने हुए कपड़ों में, ठंड से कांपते और अकेले छोड़ दिया गया। उसके जीवन की कुछ झलकियाँ उसके सामने आईं - उसका परिवार, उसकी बहन, उसका कुत्ता। याद करते हुए वह मन ही मन मुस्कुराया। उसके चेहरे पर शायद ही कभी दिखने वाली खुशी की एक झलक थी।

***

“पंपकिन, अंदर आ जाओ। बहुत गर्मी है। और जेसी को भी अंदर ले आओ।”
“माँ, मैं जेसी के साथ खेलना चाहता हूँ। दुर्घटना के बाद से वो आखिरकार थोड़ा सक्रिय हो गया है।” “मुझे परवाह नहीं। तुम्हें दिल का दौरा पड़ जाएगा। अब अंदर आओ, बेटा।”
“आह!” छोटा लड़का उदास होकर रिट्रीवर के सिर पर थपथपाने लगा। “चलो बेटा। माँ गुस्सा हो जाएगी।”
“वूफ़!” रिट्रीवर कुत्ते ने भौंका और उत्साह से अपनी पूंछ हिलाई।

***

दरवाजा खुला। रोशनी कैस्पर पर पड़ी। झुंझलाहट के एक झटके के साथ,
वह दीवार के सहारे पीछे गिर पड़ा और निराशा की चकाचौंध भरी रोशनी से छिपने की कोशिश करने लगा।
अगर इससे उसकी त्वचा जल जाती, तो वह उसे रोकने के लिए अपने हाथों को अपनी आँखों के सामने रख लेता। उसने कोशिश की...

जितना हो सके इससे दूर रहो। उसके लिए उस तीव्र स्थिति का सामना करना कठिन था।
प्रकाश की किरण।
"यह लो, नश्वर प्राणी," एक कर्कश आवाज ने उत्तर दिया और उसके स्वामी ने पानी का एक कटोरा उसकी ओर बढ़ा दिया।
वह कटोरे की ओर रेंगता हुआ गया और सावधानी से अपने हाथ उसमें डुबोए।
दर्द से उसके होंठ कांप रहे थे। उसने पानी को अपने होठों, आंखों और शरीर पर छिड़का।
नाक से पानी सूंघा और भीतर तक ठंडक का एहसास हुआ। यह एहसास बेहद आनंददायक था। उसने कटोरा पकड़ा और प्यास बुझाने की उम्मीद में पानी गटक लिया।

“इसे वापस दे दो,” आवाज ने आदेश दिया।
कटोरे में थोड़ा पानी बचा था, शायद किसी और के पीने के लिए। उसने उसे वापस परछाई की ओर धकेल दिया। कुछ हाथ कटोरे की ओर बढ़े। कैस्पर ने उस व्यक्ति का हाथ पकड़ लिया। वह मिट्टी का बना था। थोड़ी ही देर में गोलेम ने कैस्पर की पकड़ से अपना हाथ छुड़ा लिया। उसने कैस्पर की कलाई पकड़ने की कोशिश की, क्योंकि यह सबसे स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। उसे इस बात का एहसास नहीं था कि कैस्पर उससे यही करवाना चाहता था। यह हरकत दिखावा थी।
एक लात ज़ोर से गोलेम पर पड़ी। वह प्राणी लड़खड़ाकर पीछे हट गया, जिससे कैस्पर की कलाई छूट गई। वह लड़खड़ाते हुए कोठरी से बाहर निकला और मुस्कुराया। वह बाहर आ गया था और आज़ाद हो गया था। आखिरकार।
चूहे संकरे गलियारे में इधर-उधर भाग रहे थे। छत की कई दरारों से पानी रिस रहा था। पत्थर की दीवारों पर लंबे कवच और अलग-अलग लंबाई की तलवारें लटकी हुई थीं। जानवरों की बलि, कड़ाही में करतब दिखाती चुड़ैलें, शंकु के आकार की टोपी पहने महिलाओं के सामने घुटने टेकते गोलेम, और एक लंबे लाल रंग के आकृति (संभवतः शैतान) से निपटती चुड़ैलों के चित्र बिखरे हुए थे।
गोलेम को होश आया। उसकी छेदी हुई आँखों ने कैस्पर की ओर कठोर निगाहों से देखा, मानो वह जानना चाह रहा हो कि क्या हुआ है। आश्चर्यजनक फुर्ती से उसने हमला किया। उसका हाथ उस पर ज़ोर से वार करने के लिए आया, ठोस और कठोर, लेकिन कैस्पर ने हमले को रोक दिया, हालाँकि दर्द से वह काँप उठा।
उन्हें गोलेमों के बारे में पता था। वे सबसे ताकतवर जीवों में से एक थे।

[illegible] [illegible] [illegible] [

कैस्पर साधारण लोगों में से नहीं था। वह जानता था कि मुक्के और लात से कोई नुकसान नहीं होगा और बचाव करना कोई विकल्प नहीं था।
उसके दिमाग में अचानक एक विचार आया। पानी!
गिरे हुए थोड़े से पानी को नज़रअंदाज़ करते हुए वह कटोरे की ओर झपटा। कटोरे में अभी भी थोड़ा पानी बचा था, इसलिए वह मुस्कुराया। तभी गोलेम के हाथ ने उसकी पीठ पर वार किया और वह लुढ़क गया। वह ज़मीन पर गिर पड़ा। कटोरा उससे बस कुछ ही इंच दूर था। वह रेंगते हुए कटोरे की ओर बढ़ा और उसे पकड़ लिया, लेकिन तुरंत पीठ के बल पलट गया। एक बड़ा सा पैर सीधे उसके चेहरे की ओर बढ़ रहा था।
कैस्पर ने पानी का कटोरा अपनी आँखों के सामने खींच लिया। टकराते ही गोलेम का पैर गलने लगा। पानी धीरे-धीरे अंदर रिसने लगा और मिट्टी को कीचड़ में बदल दिया। प्राणी का संतुलन बिगड़ गया और वह धड़ाम से ज़मीन पर गिर पड़ा। कैस्पर झट से उठ खड़ा हुआ।
गोलेम मरा नहीं। न ही वह पूरी तरह घुल गया। पानी बस इतना ही था कि वह कुछ समय के लिए निष्क्रिय हो गया।
कैस्पर के पेट से गुड़गुड़ाहट की आवाज़ आई, मानो वह खाने के लिए पुकार रहा हो। उसने अपना सीना पकड़ लिया और धीरे-धीरे अपनी उंगलियाँ पेट पर फेरने लगा। वह कमज़ोर था। गोलेम को हराने से वह और भी कमज़ोर हो गया था। साँस लेने की कोशिश करते हुए वह धीरे-धीरे हाँफने लगा। बिना कुछ सोचे-समझे वह दौड़ पड़ा।

***

जैसे ही वह कई लोगों के पास से भागा, उसे जल्द ही एहसास हुआ कि वह एक तहखाने में है।
बंद कोठरियों में। वह अंदर बंद प्राणियों की जम्हाई और गुर्राहट सुन सकता था।
वे दरवाजे। तहखाने के अंत में पहुँचते ही उसे सीढ़ियाँ दिखाई दीं।
उन्होंने यह भी महसूस किया कि

तापमान में अचानक बदलाव आया। अब असहनीय ठंड हो गई थी। खुद को गर्म रखने के लिए वह हथेलियों को आपस में रगड़ने लगा।
“पीएसएसटी!” एक कर्कश आवाज सुनाई दी
अचानक। कैस्पर घबरा गया और
उसने चारों ओर देखा। “यहाँ, दोस्त, यहाँ।
आपका बायां!
उसने मुड़कर देखा तो उसे एक धातु का पिंजरा दिखाई दिया जिसमें से दो सफेद आंखें झांक रही थीं। उन्होंने पलकें झपकाईं। एक बार। दो बार।
“मेरी मदद करो,” उस प्राणी ने कहा।
उसने फुफकारते हुए कहा, "मैं ऐसा क्यों करूँ?"
“मैं तुम्हें इस जगह से भागने में मदद कर सकता हूँ। तुम वही इंसान बच्चे हो, है ना? मुझे पता है तुम्हारा सामान कहाँ रखा है। तुम्हारी छड़ी और तुम्हारा वो थैला।”
कैस्पर ने अपनी भौंहें उठाईं। उसे अपने सामान की ज़रूरत तो थी ही। उसके थैले में कई ज़रूरी चीज़ें थीं और छड़ी भी काम आ सकती थी। इसके अलावा, उसे किसी की मदद की भी ज़रूरत थी। आख़िरकार, भूख के कारण वह थोड़ा कमज़ोर हो गया था।
वह भी बदला लेना चाहता था। बदला इसलिए क्योंकि उन्होंने उसे एक कोठरी में कैद कर दिया था जहाँ पोषण के स्रोत के रूप में केवल पानी ही था। वह उस छत के नीचे रहने वाली हर चुड़ैल को जान से मारने की तीव्र इच्छा से जल रहा था। प्रतिशोध की प्यास ने उसे वश में कर लिया था।
भावनाएँ।
वह ताले की ओर बढ़ा और अपनी कोहनियों से उसे तोड़ने की कोशिश की। यह मुश्किल था, लेकिन आखिरकार ताला खुल गया। उसने अपने बूटों का इस्तेमाल करके ताला पूरी तरह तोड़ दिया और दरवाजा खोल दिया। हालाँकि उसे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, उसने उस जीव के टखने में बंधी जंजीर तोड़ दी। वह पीछे हटकर उस प्राणी के सामने खड़ा हो गया जिसे उसने अभी-अभी बचाया था। अप्रत्याशित प्राणी अपनी कोठरी से बाहर निकल आया। कैस्पर को एक अप्रत्याशित प्राणी की उम्मीद थी।
विशालकाय ट्रोल या कोई अन्य जानवर। इसके बजाय, उसे एक बड़ा गार्गोयल मिला।

[illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]

पंखों की बदौलत वे आसानी से हवा में लटक सकते थे। लंबे नुकीले कान, शंकु के आकार की नाक और माथे पर हमेशा बनी रहने वाली frown, जो उन्हें काफी परेशान दिखाती थी। गार्गोयल से मरे हुए चूहों की गंध आ रही थी। कैस्पर ने अनुमान लगाया कि शायद वह अपने पिंजरे के अंदर के चूहों को खा रहा था।
“यह तो राहत की बात है। उस गड्ढे के अंदर घुटन होने लगती है,” गार्गोयल ने चुटकी लेते हुए कहा।
कैस्पर ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। "तुम एक नन्हे गार्गोयल हो, है ना?" "मैं एक बूढ़ा गार्गोयल हूँ।"
झूठ मत बोलो। मुझे पता चल जाता है जब कोई झूठ बोलता है।
“हम्म।” उसने अपनी बाहें मोड़ लीं। “वैसे, मेरा नाम बाल्थाज़ार है।” कैस्पर ने गार्गोयल का पंजा वाला हाथ पकड़ा और उसे हिलाया। “कैस्पर सुकरात।” “मुझे लगता है, लुई, यह एक खूबसूरत दोस्ती की शुरुआत है।”

"फिल्मों के डायलॉग मत बोलो, बेवकूफ। अब बताओ, मेरा थैला और मेरा सामान कहाँ है?"

बेंत?

बाल्थाजार ने इशारा करते हुए कहा, "यह पहली मंजिल पर है।"
कैस्पर बाल्थाज़ार को साथ लेकर सीढ़ियाँ चढ़ गया। उसने सावधानी से दरवाज़ा खोला। वह एक संकरे गलियारे में पहुँचा, जो टिमटिमाती रोशनी से हल्का-हल्का जगमगा रहा था। वह चुपचाप आगे बढ़ा। गलियारे में ओक की लकड़ी लगी थी जिस पर झिलमिलाते पैटर्न बने थे, और डिज़ाइन में जगह-जगह जले हुए छोटे-छोटे निशान थे। शायद इसका कारण यह था कि जादू की किरणें अपने लक्ष्य के अलावा अन्य स्थानों पर पड़ रही थीं।

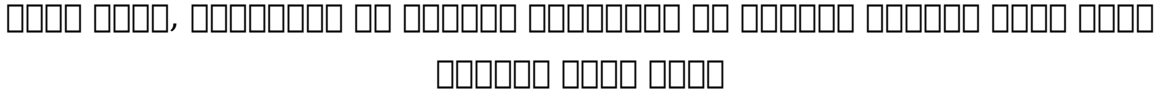

वे काले जादू में लिप्त रहते हैं, जिससे उन्हें शक्ति का संचार करने में मदद मिलती है।

इतनी शक्तिशाली और इतनी घातक कि कभी-कभी वे विस्मृति में विलीन हो जाती हैं। चुड़ैलें
मानव जाति की शुरुआत से ही अस्तित्व में थे और हेरफेर करने के तरीकों का इस्तेमाल करते थे।
चुड़ैलों ने मनुष्यों को एक-दूसरे को मारने के लिए उकसाया। लोककथाओं और कहानियों में चुड़ैलों की व्यापक रूप से आलोचना की गई और वे विश्व भर में जानी जाती थीं। हालांकि, चुड़ैल के वास्तविक लक्षण कभी पूरी तरह से ज्ञात नहीं हो सके। किताबों, टेलीविजन या फिल्मों में इसका कोई जिक्र नहीं था। चुड़ैलें सचमुच सुंदर, चिकनी त्वचा और चमकती आँखों वाली नहीं होतीं। वे तंत्र-मंत्र और जादू का अभ्यास करने वाली विकृत प्राणी होती हैं। अपने असली रूप में वे आमतौर पर बदसूरत और निर्जीव त्वचा वाली होती हैं। यह केवल बाहरी सुंदरता है जो उनकी विकृतियों को छुपाती है, जिन्हें वे मंत्रों और जादुई ताबीजों से ढकती हैं।
“यह वहीं है।” बाल्थाजार ने अपना सिर दरवाजे की ओर झुकाया।
कैस्पर ने दरवाजा खोला और अंदर चला गया, बाल्थाजार अभी भी उसके पीछे-पीछे चल रहा था। उसे वहां कई हथियार दिखाई दिए, जिनमें छड़ियां, लाठियां, युद्ध की तलवारें और रत्नजड़ित कटारें शामिल थीं। कुछ हथियार रस्सियों से लटके हुए थे, जबकि कुछ कांच की अलमारियों में रखे थे। कुछ दीवार पर टंगे थे। कमरा तेज रोशनी से जगमगा रहा था, जिससे हथियारों में स्टील जैसी चमक आ रही थी। उसकी नजर उस मेज पर पड़ी जहां उसका थैला और छड़ी रखी थी।
उसने उन्हें उठाया और थैले को तिरछे अपने सीने पर इस तरह बांधा कि वह उसकी कमर से सट जाए। उसने छड़ी उठाई, बाल्थाज़ार को एक खंजर दिया और कमरे से बाहर निकल गया, दरवाज़ा सावधानी से बंद कर दिया।
“इस टोली का सरदार कहाँ है?” उसने लगभग फुसफुसाते हुए पूछा। “तुम्हारा मतलब क्या है?”
“नेतृत्वकर्ता। हर जादूगरनी समूह की एक स्वामिनी होती है जो यहाँ किए गए जादू का मूल्यांकन और अनुमोदन करती है। वह कौन है? उसका नाम क्या है?” "बेहोशी," गार्गोयल ने स्वतः ही उत्तर दिया।
“ओह। हम्म... सुनो, बाल्थाज़ार, मैं तुम्हें ठीक से नहीं जानता, लेकिन जब तुम

यहां से निकल जाओ, क्या तुम मेरा बाहर इंतजार कर सकते हो? यह घर एक के बगल में है।
यह जंगल फ्लाईओवर के पास तक फैला हुआ है। आपको फ्लाईओवर पर रुककर इंतज़ार करना होगा।
मेरे लिए वहीं। अगर मैं आधे घंटे के भीतर नहीं आता, तो आपको मेपल जाना होगा।
गली में जाओ और सुकरात को ढूंढो

हवेली। वहाँ आपको मेरा बटलर, लाजरस मिलेगा। आपको उसे बताना होगा कि मैं नहीं आ रहा हूँ और मैं मर चुका हूँ।
मैं ऐसा नहीं करने वाला। मैं पागल नहीं हूँ।
“गार्गॉयल्स मेरी संपत्ति हैं। मैंने तुम्हारी सहायता की है। अब तुम पर मेरा पूर्ण नियंत्रण है। तुम्हें एक दिन के लिए मेरे आदेशों का पालन करना होगा। यही वह दायित्व है जिसका पालन गार्गॉयल्स को अपने रक्षक के प्रति करना चाहिए, अन्यथा उनकी आत्माएं शांति की भूमि पर नहीं जाएंगी।”
“हर गार्गोयल अंधविश्वासी नहीं होता और यह नहीं मानता कि अपने संरक्षक द्वारा बताए गए कर्तव्यों का पालन करने से उन्हें शांति की भूमि मिलेगी।” वह रुका। “लेकिन मैं उन असंतुष्टों में से नहीं हूँ।” उसने आह भरी। “तुम क्या करोगे?”

उसने आँख मारी। "मैं उस सवाल का जवाब जल्द ही पता लगा लूंगा।"

***

अठारहवीं शताब्दी के आरंभ में डेलीरियम एक नौसिखिया थी। इस जादूगरनी समूह में वह अब स्वामिनी थी। हरे बालों और नीली आँखों के पीछे, बुढ़ापे को छुपाने के लिए पहने हुए मुखौटे के पीछे, एक टूटी हुई आँख वाली एक झुर्रीदार बूढ़ी औरत छिपी थी। उसका दुबला-पतला शरीर, मधुर आवाज़ और तीखी निगाहें थीं।
वह कभी भी मैनफ्रेड की साजिशों का हिस्सा नहीं बनना चाहती थी, लेकिन वह उसके पास कोई विकल्प नहीं था। मॉर्निंगस्टार के समय उसे अपने जादूगरों के समूह की दृढ़ता की आवश्यकता थी।
उसे रिहा कर दिया गया। परिणाम चाहे जो भी हो, उसे मैनफ्रेड की मदद करनी ही थी।
जो वह चाहता था।
उसके आने को अभी दो दिन ही हुए थे। उसने स्पष्ट किया था कि वह
दानव संहारक स्प्रिंग हील्ड जैक को बुलाने की आवश्यकता थी। बदले में, मॉर्निंगस्टार अपना आशीर्वाद देगा। उन्होंने उसकी मदद की थी, नए खिलाड़ियों को अपने पास रखकर।

इस बारे में अंधेरे में

आसपास क्या हो रहा था, इसके बारे में उन्हें गलत जानकारी देना। फिर भी, वह सोचती थी कि क्या ऐसे कार्य विवेकपूर्ण थे।
करवटें बदलते-बदलते उसे नींद नहीं आ रही थी। अपनी चमकीली पोशाक पहनकर वह कॉमन रूम की ओर चल पड़ी। वहाँ उसकी नज़र एक लंबे, दुबले-पतले, कांस्य रंग की आँखों वाले लड़के पर पड़ी, जो ट्रेंच कोट पहने हुए, अंगीठी के पास खड़ा था और जलती हुई लपटों से खेलने की कोशिश कर रहा था।
“हेलो, डेलीरियम,” कैस्पर ने ठंडे स्वर में कहा और मुड़कर उसकी ओर देखने लगा।
चुड़ैल। "तुम कैसे बच निकली?" वह चौंकी नहीं, लेकिन उसने ऐसा किया। आश्चर्यचकित होने की आवाज।
“इससे आपको कोई मतलब नहीं है।” उनकी नाक फूल गई। “आपको इस बात की चिंता करनी चाहिए कि आप गलत आदमी से पंगा ले रहे हैं।”
डेलीरियम ने गहरी सांस ली। "मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि मैनफ्रेड कितना बुरा है।"
“वह दुष्ट नहीं है, डेलिरियम। वह स्वयं दुष्ट है,” उसने उत्तर दिया। “तुम्हें जरा भी अंदाजा नहीं है कि तुम किससे निपट रही हो। कृपया मुझे बताओ, उसे एक दानव संहारक की आवश्यकता क्यों थी?”
वह मॉर्निंगस्टार को उदय करेगा और अपना राज्य पृथ्वी पर स्थापित करेगा। भूमि और समुद्र। हमारी कृतज्ञता के बदले में, वह हमें पुरस्कार और बहुत कुछ प्रदान करेगा।
शक्तियां।"
वह इसे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है
शैतान?” “हाँ।”

उसने सोचा, यह बात समझ में आती है।
उसने मुट्ठी भींची और फिर खोल दी। वह डेलीरियम की ओर बढ़ा और उसके पास से गुजर गया। डेलीरियम थोड़ी हैरान होकर उसकी ओर मुड़ी।
दरवाजे के पास पहुँचते हुए उन्होंने कहा, "आपने मुझे जो महत्वपूर्ण जानकारी दी है, उसके लिए धन्यवाद।"
प्रलाप बिना उंगली हिलाए अपनी जगह पर अड़ा रहा। वह कर सकती थी।

वो चुटकी बजाकर उसे दीवार से चिपका सकती थी। वो उसे जिंदा जला सकती थी। फिर भी उसने कुछ नहीं किया।
“और एक बात और, डेलीरियम। मुझे फिर कभी फंसाने की कोशिश मत करना।” उसकी आवाज़
यह तीखा और ठंडा था। "यदि आप अपने अस्तित्व को महत्व देते हैं, तो आपको यह याद रखना चाहिए।"
वह।"

नरक का राजकुमार

बाल्थाज़र फ्लाईओवर पर इंतज़ार कर रहा था। यह ज़मीन से ऊपर उठा हुआ एक लंबा और संकरा सफ़ेद रंग का रास्ता था, जिसके दोनों ओर सुरक्षा के लिए ग्रिल लगी हुई थीं। अंधेरा उस गार्गोयल को घेरे हुए था, जो हवा में लटका हुआ था और उसके चेहरे पर नाराज़गी का भाव था।
घने जंगल के बीचोंबीच उसे बड़ा सा घर और उसकी चिमनी दिखाई दे रही थी। उसे ठीक से पता नहीं था कि कितना समय बीत चुका है। शायद तीस मिनट पूरे हो गए थे, उसने अनुमान लगाया। उसे मेपल स्ट्रीट जाना होगा। अचानक सदमे की एक लहर ने उसे झकझोर दिया और वह मुड़ गया।
लकड़ी के घर की जगह उसे आग का एक बड़ा गोला दिखाई दिया। लकड़ी, सीमेंट – यहाँ तक कि पत्थर भी जल रहे थे। दरवाजों, फर्नीचर और धातु के तख्ते नीचे गिर रहे थे।
बेहद ऊँचाई पर। पागलपन जारी रहा। औरतें खिड़कियों से कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश कर रही थीं, उनके चेहरे पर जादू का असर धीरे-धीरे कम हो रहा था। चुड़ैलें दरवाजों से बाहर भाग रही थीं, आग बुझाने की नाकाम कोशिश कर रही थीं और राख में बदल रही थीं।
"नज़ारा बहुत अच्छा है," एक कर्कश आवाज़ सुनाई दी।
उसके पीछे। वह कैस्पर था।
“क्या तुमने ये किया?”
“यह मैं नहीं था। यह खरगोश था,” उसने कहा।
जवाब दिया, "आपने यह कैसे किया...?"
“उनके पास जिलेटिन और कनस्तरों में विस्फोटक थे। मैंने उन सबको जला दिया।” “ओह।”
“तुमने इंतज़ार किया? अच्छा। मुझे अब जाना होगा।”

बाल्थाज़ार ने अपने कठोर होंठ सिकोड़ लिए। "हाँ, ठीक है। आप जानते हैं, मैं आपकी मदद कर सकता हूँ। आपने मुझे बचाया है, इसलिए एक अंधविश्वासी गार्गोयल होने के नाते, मुझे तब तक आपकी मदद करनी होगी जब तक आप मुझे इस कर्तव्य से मुक्त नहीं कर देते। तो, आप जानते हैं...उह...क्या आपको एक गार्गोयल की मदद की ज़रूरत होगी?"
कैस्पर अपनी छड़ी के सहारे चलने लगा। उसने पीछे मुड़कर देखा तो पाया कि हैरान-परेशान गार्गोयल उसके जवाब का इंतज़ार कर रहा है। "मुझे एक अतिरिक्त हाथ की ज़रूरत है। आख़िरकार, मैं दुनिया को बचाने जा रहा हूँ।" उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि कुछ गार्गोयल खुद को अदृश्य कर सकते हैं। बाल्थाजार उनमें से एक था। सुबह के लगभग छह बजे, वे शहर की परिवहन ट्रेन में चढ़े और मेपल स्ट्रीट की ओर चल पड़े। कैस्पर ट्रेन के आखिरी छोर पर बैठा था, कुछ ऐसे लोगों से दूर जो नशे में धुत और हैरान-परेशान लग रहे थे। ट्रेन लगभग खाली थी।
जैसे ही सुरंग रुकी, लोग एक-एक करके बाहर निकलने लगे, अंत में केवल कैस्पर और बाल्थाजार ही रह गए। बाल्थाजार रसेल पीटर्स के कुछ चुटकुले सुनाकर उसका मनोरंजन करने की कोशिश कर रहा था। दुर्भाग्य से, वह अपनी छड़ी के सहारे बेचैन महसूस कर रहा था। वह अपना समय खिड़की से बाहर सुरंगों के अंत को देखते हुए बिता रहा था।

"लगता है तुम्हारा एक दोस्त है?"
आवाज जानी-पहचानी थी। कैस्पर और बाल्थाजार ने मुड़कर मृत्यु की ओर देखा।
वह उनके सामने बैठा था, उसकी पतली सी बांह आराम से सीट पर लिपटी हुई थी।

वह मेरा सहायक है।

“मैं सहायक नहीं हूँ!” बाल्थाजार ने बहस की।
“तुम्हें याद तो होगा ना कि मैंने एक चुड़ैल का अड्डा जला दिया था?” बाल्थाजार ने उसे अनिश्चित मुस्कान दी।
"सहायक ही सही।"
“अरे वाह, कितना प्यारा! पति-पत्नी घर के झगड़ों पर लड़ रहे हैं!” मौत ने बुदबुदाया। “सुनो, स्नूप डॉग, क्या तुम्हें अपने इस आदमी पर भरोसा है?”

कैस्पर बाल्थाज़ार को घूर रहा था, जो ट्रेन में अकेलेपन के कारण अब दिखाई दे रहा था। दोनों ने एक-दूसरे को देखा, मानो कैस्पर उसे परखने की कोशिश कर रहा हो। क्या बाल्थाज़ार वफादार था? क्या वह भरोसेमंद था? या नहीं? गार्गोयल की आँखों की तीखी चमक से संकेत मिल रहा था कि वह कोई परेशानी नहीं खड़ी करेगा। वह कोई दखलंदाजी नहीं करेगा।

"मैं करता हूं,"
“तुम हो कौन? तुम्हें मुझ पर शक करने की क्या ज़रूरत है?” बाल्थाज़ार उसने उपहास उड़ाते हुए कहा, "हम्म। मैं ही तय करता हूँ कि तुम जिओगे या नहीं।"
मृत्यु ने कहा
ठंडे स्वर में। "मैं मृत्यु हूँ।" आकलन करते समय उनके चेहरे पर क्रोध का भाव था।
गार्गोयल। “मृत्यु? ओह, मृत्यु! तुम मृत्यु हो, है ना? यह...मैं हूँ
माफ़ करना। तुम्हें पता है,
मुझे...बहुत...बहुत अफ़सोस है। हाई फाइव – इसमें क्या बुराई है, है ना?” उसने गले में अटकी बात को किसी तरह निगल लिया। “प्लीज़, मत...प्लीज़ – प्लीज़ मुझे मत मारो। मेरा इरादा किसी का अपमान करने का नहीं था।”
“मुझे यही सुनना था। अच्छा।” उसने अपनी हथेलियों को आपस में पटका, मानो उन्हें गर्म करने के लिए रगड़ा। उसने कैस्पर की ओर देखा। “तुमने काम पूरा कर दिया। शाबाश। जादू का अभ्यास करने वाली निराश महिलाओं से भरे घर को जलाना शानदार था, लेकिन एक और बात सामने आई है। मुझे तुम्हें और तुम्हारे छोटे दोस्त को अपने साथ ले जाना है। मुझे तुम्हें किसी से मिलवाना है।”

“मैं नहीं कर सकता,” कैस्पर ने आपत्ति जताई। “मुझे कुछ और करना होगा।” मैनफ्रेड क्रॉफ्ट - उसे उन तीन लोगों को मारने से पहले ही उसे रोकना था जिनका उसने ज़िक्र किया था। हालाँकि उसे यह नहीं पता था कि अपनी खोज कैसे शुरू करे। उसके पास एक विचार था, लेकिन वह नहीं चाहता था कि कोई भी उसकी योजनाओं में बाधा डाले। यहाँ तक कि वह व्यक्ति भी नहीं जो उसकी आत्मा ले सकता था।

“मैं अभी आपके और कोई काम नहीं कर सकता। कुछ ऐसा काम आ गया है जिसे मैं निपटाना चाहता हूँ।”
“मैं जानता हूँ कि तुम किसके बारे में बात कर रहे हो, कैस्पर। मैनफ्रेड” क्रॉफ्ट।” कैस्पर ने अपना अगला जवाब गुस्से से निगल लिया, वह आग बबूला था। नफरत।

“आपको उसके बारे में कैसे पता चला?”
“जो हमसे मिलने वाला है, वह मैनफ्रेड के बारे में कुछ जानता है। जितना हम जानते हैं, उससे कहीं ज़्यादा। अगर आपको उससे कोई दुश्मनी है, तो आप उसे पूरा कर सकते हैं। वह आपको जो महत्वपूर्ण जानकारी देने वाला है, उसका लाभ उठाएँ।”
उसका रास्ता साफ होता चला गया। वह अपनी खोज की शुरुआत चाहता था और उसे तुरंत वह मिल गई।
“ठीक है, हम किससे मिलने वाले हैं?” कैस्पर उत्साह से मुस्कुराया। डेथ ने चारों ओर देखा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आसपास कोई नहीं है। उसने एक अनेक रंगों से गुंथी हुई एक द्वारनुमा आकृति प्रकट हुई। कई भजन गूंज रहे थे। मृत्यु, कैस्पर और बाल्थाजार के साथ, द्वार से सबसे पहले गुजरी। तीनों के दूसरी ओर पहुंचते ही द्वार धुएं के गुबार में तब्दील हो गया।
संकरी सीढ़ियों की जगह अब वे एक अपार्टमेंट में थे। यह कैस्पर को अपने अपार्टमेंट की याद दिलाता था, हालांकि यह अच्छी तरह से सजा हुआ था। उसने दीवारों पर टंगी पुरानी पिस्तौलें देखीं। फर्श चमकीला और पॉलिश किया हुआ था। एक चिमनी जल रही थी, जिसकी लोहे की ग्रिल लपटों को रोके हुए थीं। उसके सामने एक लाल सोफा रखा था। सोफे की भुजाओं से कुछ ही इंच की दूरी पर दो लैंप रखे थे और पूरे फर्श पर एक फ़ारसी कालीन बिछी थी।
पीले रंग की लपटों के पास एक कंकाल जैसी आकृति मंडरा रही थी, जिसने गहरा सूट पहना हुआ था। वह आकृति मुड़कर आगंतुकों की ओर देखने लगी। कैस्पर को आश्चर्य हुआ कि उस प्राणी की त्वचा थी, हालांकि वह लगभग उसकी कच्ची हड्डियों के अंदर ही थी। उसकी आँखें सॉकेट से बाहर निकली हुई थीं और उसके बाल तेल लगाकर पीछे की ओर इस तरह चिपकाए गए थे मानो उसकी पीठ पर चिपकाए गए हों। उसे ठंड लग रही थी। उसके चारों ओर का वातावरण इतना ठंडा था कि कैस्पर की गर्दन के बाल खड़े हो गए।

“नमस्कार, मृत्यु,” उसने भावहीन स्वर में कहा। लहजा स्पष्ट और कठोर था। “तुम श्री सुकरात को लाए हो और…” बाल्थाज़ार पर नज़र पड़ते ही उसकी आँखें सिकुड़ गईं। “तुम कौन हो?”
“आपका विनम्र सेवक, बाल्थाजार।” गार्गोयल ने अपना सिर झुकाया, हालाँकि वह जानता था कि वह कभी किसी का विनम्र सेवक नहीं था।
“यह अच्छी बात है। मुझे उम्मीद है कि श्री सुकरात ने अपने लिए एक पालतू जानवर रखने की इच्छा की होगी।”
बाल्थाजार ने अपनी अरुचि को दबाते हुए उसे एक टेढ़ी मुस्कान दी।
उत्साह से भरा हुआ

उसके अंदर।
कैस्पर आगे बढ़ा और बोला, "आप मैनफ्रेड के बारे में क्या जानते हैं?" क्रॉफ्ट?” “सीधी-सादी बात है, मैं समझ गया। मृत्यु, शायद आपने उससे कोई सौदा किया हो।
सही

व्यक्ति।"
सोफे की ओर बढ़ते हुए मृत्यु के चेहरे पर एक रहस्यमयी मुस्कान फैल गई। कैस्पर उसके पीछे-पीछे गया, जबकि बाल्थाजार अपनी जगह पर अविचल खड़ा रहा। कैस्पर सोफे पर बैठ गया, जबकि मृत्यु नाचती हुई ज्वालाओं के पास खड़ा रहा। बूढ़े व्यक्ति ने कैस्पर की ओर हाथ बढ़ाया। “मैं हूँ”
कैपरनम।” “वह एक दानव है,” मृत्यु ने आगे कहा। “उनमें से एक।”
अति-राक्षस,
“अति-राक्षस? मुझे लगा कि वे तो बस नरक के सात राजकुमार हैं।”
नरक के शासक सात राजकुमार थे: मैमन, लेविथान, शैतान और लूसिफर।
और इसी तरह।
“खैर, मुझे आठवें व्यक्ति के रूप में गिन लीजिए। लुसिफर अब राजकुमार नहीं रहा। वह अब राजा है। एक ऐसा राजा जो नरक में फंसा हुआ है,” उसने कहा। “लेकिन मुझे लगता है कि हम यहाँ उस आधिकारिक मामले पर चर्चा करने के लिए नहीं हैं।”

कैस्पर अपनी छड़ी पर झुक गया, उसकी आँखों में क्रोध उमड़ रहा था। "मेरा धैर्य
कफरनम, यह थोड़ा पतला है। इसलिए अगर आपको कुछ कहना है, तो मुझे अभी बता दीजिए, क्योंकि
मेरे पास आपसे गपशप करने का समय नहीं है।” उसने चारों ओर देखा। “और अगर आप चाहें तो...”
चैट, कम से कम अपने घर का माहौल तो बेहतर बनाओ। तुम्हारा घर तो कुछ और ही लगता है।
एक मुर्दाघर।
“वह तो ऐसे ही पैदा हुआ है,” मृत्यु ने समझाया। “इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।”
“मुझे उम्मीद है।” कैपरनम की निगाहें तीखी और घातक थीं। “श्री सुकरात चिढ़ रहे हैं, इसलिए हम सीधे मुद्दे पर आते हैं।” उन्होंने गहरी सांस ली और अपने शब्दों पर ध्यान से विचार किया। “मैनफ्रेड क्रॉफ्ट लुसिफर को जगाने की कोशिश कर रहा है।”

“उबाऊ!” कैस्पर उछलकर खड़ा हो गया। “मुझे पहले से ही पता है।”
"शायद आपको यह पता न हो कि वह किस तरह लुसिफर मॉर्निंगस्टार को नरक से, उसके शाश्वत पिंजरे से बाहर निकालने की कोशिश कर रहा है।"
बाल्थाजार ने अपना हाथ उठाया। सबका ध्यान उसकी ओर गया। उसने घबराते हुए पूछा, "मुझे लगा था कि लुसिफर को जगाने के सभी संभव तरीके या तो त्याग दिए गए हैं या भुला दिए गए हैं?"
“ऐसा होने की संभावना नहीं है, गार्गोयल।” कैपरनम ने आँखें घुमाईं। “टेम्पलर ऑर्डर के सदस्य के रूप में, मुझे मैनफ्रेड के इरादों के बारे में शुरू से ही पता था। बाद में मुझे पता चला कि वह निषिद्ध मार्ग का उपयोग कर रहा है, जिसके बारे में हममें से केवल कुछ ही लोग जानते हैं।”
मृत्यु का चेहरा पहले से ही पीला था, लेकिन अब वह और भी हल्का हो गया था। उसकी आँखें थकी हुई थीं, कमरे की परछाइयों में थोड़ी धुंधली दिख रही थीं, क्योंकि वह स्थिति पर विचार करने की कोशिश कर रहा था। कैस्पर ने उसकी बेचैनी को भांप लिया।

कैस्पर की आंखें सिकुड़ गईं और सांप की पलकों की तरह दिखने लगीं। "तुम इसके बारे में जानते हो ना, मृत्यु?"
मृत्यु शांत रही, लेकिन उसकी आँखों ने बहुत कुछ कह दिया।
“क्या मैं पूछ सकता हूँ, वह निषिद्ध मार्ग क्या है?” बाल्थाजार ने पूछा। “मुझे पता होना चाहिए था!” कैस्पर ने उत्तर दिया।
"यह क्या है?"
“चार जिन्न रूपांतरणों के तत्वों को एक ताबीज में संयोजित किया गया है,” कैपरनम ने समझाया। “फोरलॉक, इफ्रित, मारिद और कुफल के।”

“अब क्यों? अगर यह बात कुछ ही लोगों को पता थी, तो उन्होंने बहुत पहले ही लूसिफर को वापस लाने के लिए उनका इस्तेमाल क्यों नहीं किया?” बाल्थाजार ने पूछा।
“क्योंकि धैर्य ही शक्ति की जननी है,” कैस्पर ने कहा। “ऐसा हो चुका है।” वह बाल्थाजार से नहीं, बल्कि खुद से बात कर रहा था। "मैनफ्रेड ने सही रास्ता चुना।"
समय। जिन्न लगभग विलुप्त हो चुके थे। लोग...हाँ! मुझे पता होना चाहिए था! ऐसा होना चाहिए था! जिन लोगों को हम इंसान समझते थे, वे असल में
वे जिन्न जिन्होंने विलुप्ति की अवधि के बाद अपनी शक्तियां और ऊर्जा खो दी, इसलिए
उन्होंने मानव जाति के रीति-रिवाजों का अनुसरण किया, उनके बीच रहते हुए और उनके समान व्यवहार किया।
वे आखिरी थे।
“एरोन, जिसे सब कॉलेज का लड़का समझते थे, असल में कुफल या मारिद वंश का था। शायद वो बाकी दो में से एक था, लेकिन...लेकिन...” उसने गुस्से में उंगली उठाई। “लेकिन वे अपनी प्रजाति के आखिरी बचे हुए थे। अगर उनकी बची हुई शक्ति को एक साथ मिलाकर एक छोटे से पत्थर में संघनित कर दिया जाए, तो लूसिफर का उदय हो सकता है।”

“हां, आपने बिल्कुल सही कहा,” कैपरनम ने जवाब दिया।
मृत्यु स्तब्ध रह गई। उसके होंठ काँपने लगे। उसके आकर्षक बाल अब पहले जैसे घने नहीं रहे और वह गहरी सोच में डूब गई। “इस निषिद्ध मार्ग के बारे में केवल सर्वनाश के चार घुड़सवार ही जानते थे। एक दिन मैंने गलती से कफरनम को यह सच बता दिया, इसलिए वह भी जानता है।”
“गलती से?” कैस्पर ने संदेह से अपनी भौहें उठाईं। “मुझे लगता है, शायद, कफरनम भी दूसरे लोगों के सामने फिसल गया है,” उसने दृढ़ता से उत्तर दिया।

"आप क्या कहना चाह रहे हैं, श्रीमान सुकरात?"
“मेरा मतलब यह नहीं है। मैं कह रहा हूँ कि तुम गद्दार हो सकते हो।” “तो फिर तुम गलत हो।”

“□□□□ □□□?” □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ “□□□□ □□□□, □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□?”
□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□

मुझे यकीन है कि वे कारण हो सकते हैं
खुलासा हुआ। मुझे नहीं लगता कि वे कर सकते हैं।
होना।"
“चुप रहो!” मौत दहाड़ उठी, आग की लपटें तेज हो रही थीं। “हम एक ही तरफ हैं, इसलिए मूर्खों जैसी हरकतें मत करो।”
कैस्पर ने खुद को शांत करने के लिए गहरी सांस ली। खून का बहाव बनाए रखने के लिए उसने अपना हाथ हिलाया और अपनी छड़ी को ढीले ढंग से पकड़ लिया। "इस तरह की रोकथाम के पीछे आपका क्या कारण है?" उसने झुंझलाहट से पूछा।
“मैं खुद को बचाने की कोशिश कर रहा हूँ,” कैपरनम
उत्तर दिया, “अपनी ही जाति के साथ विश्वासघात करके?”
“ल्यूसिफर कोई दानव नहीं है। वह दानवों का निर्माता है, लेकिन स्वयं दानव नहीं है। वह एक देवदूत था, एक प्रधान देवदूत, श्री सुकरात। वह ईश्वर से प्रेम करता था। ईश्वर उससे प्रेम करता था। उसे... उसे हम जैसे दानवों की परवाह नहीं है। उसे मेरे भाई लेविथान या मेरे अन्य भाइयों की भी परवाह नहीं है। फिलहाल, वह हमारा इस्तेमाल कर रहा है।”
“आप शायद जानते होंगे कि लुसिफर बुराई से नफरत करता था, लेकिन अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए वह राक्षसों को मोहरे की तरह इस्तेमाल कर सकता है और बाद में बिना किसी पछतावे के उन्हें फेंक सकता है। मैं ऐसा नहीं होने देना चाहता। राक्षस, अति-राक्षस, मेरी इस सोच को नहीं समझेंगे, लेकिन बाद में, वे मेरी पूजा करेंगे क्योंकि मैं कुछ ऐसा करूंगा जो मैं उन्हें प्रेरित करेगा। मैं भविष्य के अनुसार चलता हूं, श्रीमान सुकरात। और भविष्य में, लुसिफर के उदय के बाद मुझे नरक का भविष्य खतरे में दिखाई देता है।”
“वाह, क्या ज़बरदस्त भाषण है!” बाल्थाज़ार ने चुटकी लेते हुए कहा।
उसने सन्नाटे को तोड़ते हुए कहा, "ऊप्स। सॉरी। मेरा मतलब ऐसा नहीं था... आप जानते हैं।"

इससे मेरा संदेह भी दूर हो गया। जानकारी के लिए धन्यवाद। मुझे अवश्य ही

जा रहा है।"
“नहीं, रुको।” मृत्यु ने सोचते हुए अपना माथा पकड़ लिया। उसने हाथ फेरा।

□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□, “□□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□”
□□□□□□□ □□ □□□

मर चुका है। अनुष्ठान करने से पहले केवल एक ही बचा है। मुझे चाहिए कि तुम आखिरी जिन्न को ढूंढो। तुम्हें मैनफ्रेड क्रॉफ्ट को रोकना होगा, इससे पहले कि वह इस दुनिया की पूरी व्यवस्था को नष्ट कर दे। तुम्हें आखिरी जिन्न को बचाना होगा।
कैस्पर ने बाल्थाजार की ओर देखते हुए उत्तर दिया, "मैं यहाँ नया हूँ, लेकिन मैं इसी ग्रह पर रहता हूँ और मुझे लुसिफर को जगाने का विचार बिल्कुल पसंद नहीं है ताकि वह पृथ्वी पर मुझे मिली शांति को भंग न करे। इसलिए, चाहे मैं अंधविश्वासी हूँ या नहीं, मैं तैयार हूँ।"
“ठीक है,” कैस्पर ने हल्के से मुस्कुराते हुए कहा। “क्या मैं जान सकता हूँ कि आखिरी जिन्न कहाँ है?”

***

यह बाफोथेम था, वही बकरे के सिर वाला जिसे उसने कुछ समय पहले ही देखा था। मुझे इस बात का पूरा यकीन था। उस भोजनालय में कुछ गज की दूरी पर बाफोथेम खड़ा था।
कई संस्कृतियों में शैतान समझे जाने वाले मूर्तिपूजक देवता। उसने उम्मीद से सिर हिलाया।
कि यह सब एक सपना था। लेकिन वह जानता था कि वह उस दानव से बच नहीं सकता क्योंकि वह चुपचाप
वह रेंगते हुए उसकी ओर बढ़ा।

मेरी दुनिया में आपका स्वागत है? इसका क्या मतलब है?
क्या वह किसी ऐसी समानांतर दुनिया में था जहाँ एक भोजनालय वास्तव में पृथ्वी का मानवीकरण है और मनुष्य उसके अवचेतन मन की कल्पनाएँ हैं, जो उसे बहला-फुसलाकर भ्रमित कर रही हैं? यह सब वास्तविक लग रहा था। हद से ज़्यादा वास्तविक।
उसने अपने गालों को रगड़ा जो गर्मी से गुलाबी हो गए थे। उसके पास यह था जब भी वह घबराया हुआ या डरा हुआ होता था, तो उसकी यही आदत थी। सादे आनंद से वह अपनी बांह खुजलाता था।

उसके गाल, उसका माथा और उसके होंठ। उसे यकीन था कि यह घबराहट नहीं थी, बल्कि
बल्कि हैरानी।
लोग उसे अजीब नजरों से देख रहे थे। कुछ ने उसे नजरअंदाज कर दिया। कुछ वे टीवी पर मैच देखते रहे। कैस्पर पीछे मुड़ा, यह सोचकर कि वे... उसकी कल्पनाओं

कल्पना। जैसे ही उसने मुड़कर देखा, उसे वहाँ कोई नहीं मिला। बकरे के सिर वाला राक्षस गायब हो गया था।
यह उसके लिए असहनीय था। इसे देखने वाला केवल वही था। लेकिन अब उसे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। यह उसकी अपेक्षा से कहीं अधिक था। उसने पहले कभी इतने रहस्यमय प्राणी को नहीं देखा था।
उसके दाहिनी ओर का बूथ खाली था। वह उसके पास गया और बैठ गया। उसने अपना सिर मेज पर तब तक झुकाए रखा जब तक उसे नींद नहीं आ गई। यह एक अजीब बात थी, क्योंकि उसे कभी भी पल भर में नींद आने की आदत नहीं थी। जब वह जागा, तो उसने देखा कि क्षितिज सूर्य की सुंदर किरणों से जगमगा रहा था, मानो नारंगी रंग की कोई परी सुनसान पहाड़ों पर चमक रही हो। जल्द ही रात का घना अंधेरा छा गया और धुंधले बादल उस सुनसान भोजनालय पर अपनी गर्जना बिखेरने लगे।
वहाँ बस कुछ ही लोग बचे थे। परिवार जा चुके थे और उनकी जगह अजीबोगरीब व्यवहार वाले पुरुष और समूहों में बैठी महिलाएँ खड़ी थीं जो लगातार अपने नेल पॉलिश और मेकअप के बारे में बातें कर रही थीं। स्टेक की खुशबू अब गायब हो चुकी थी, लेकिन बेकन की महक अभी भी बाकी थी।
“अगर आप कुछ ऑर्डर नहीं करेंगी, तो मुझे माफ़ करना, लेकिन मुझे आपको बाहर निकालना पड़ेगा।” गर्भवती महिला उसके सामने खड़ी थी। “अरे नहीं, मुझे माफ़ नहीं करना, क्योंकि मैं माफ़ी मांग ही नहीं सकती।” उसने गुस्से से आँखें घुमाईं।
“मैं… मैं…” उसने उससे मेनू कार्ड लिया और जल्दी से उसे देखा। “चीज़बर्गर… मुझे चीज़बर्गर चाहिए।”
"यह भोजनालय चौबीसों घंटे खुला नहीं रहता, इसलिए बेहतर होगा कि आप जल्द से जल्द यहां से निकल जाएं।"
कैस्पर ने मेनू पर नज़र डाली और फिर गर्भवती महिला की ओर देखा। अगर उसका पेट उभरा हुआ न होता, तो उसे कैस्पर से खूब डांट पड़ती, लेकिन उसने अपने मन में ही कुछ कह दिया।

“मैंने कुछ ऑर्डर किया था,” उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा। “एक कहावत है, ग्राहक को वही दो जो वह चाहता है। अभी तो मुझे ऐसा नहीं लगता कि आप ग्राहक को – मुझे – वह दे रहे हैं जो मैंने मांगा है।”
उसके गाल लाल हो गए। उसने कुछ नहीं कहा, लेकिन कैस्पर उसकी कोमल त्वचा पर उसके दिल की तेज़ धड़कन महसूस कर सकता था। वह पीछे मुड़े बिना काउंटर की ओर बढ़ गई।
कैस्पर का बर्गर थोड़ी देर में आ गया। दो बन के बीच पनीर और एक स्टेक, किनारों पर टमाटर, क्रस्ट के ऊपर अचार, और वह खाने लगा। पता नहीं क्यों, उसे भूख लग रही थी। उसने अपनी उंगलियां चाटीं, उंगलियों से केचप हटाने की कोशिश की और धीरे-धीरे गुनगुनाया।
“हम्म, हम्म। यह अच्छा है,” उसने रसोइए की ओर जोर से कहा, जो उसे खाली निगाहों से देखता रहा।
उसने बर्गर खत्म किया और प्लेट हटा ली गई। तभी उसे कई घंटियों की आवाज़ सुनाई दी, जो केवल उसे ही सुनाई दे रही थीं, लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि वे कहाँ से आ रही हैं। चारों ओर देखते हुए उसकी नज़र एक ऐसे प्राणी पर पड़ी जो एक मोटे आदमी के सामने खड़ा था और अपने मानव जैसे हाथों को उस आदमी के ऊपर उठाए हुए था। कैस्पर के चेहरे पर गंभीर भाव आ गए क्योंकि वह यह समझने की कोशिश कर रहा था कि बकरे के सिर वाला वह आदमी आखिर कर क्या रहा है।
वह खड़ा हुआ और आगे बढ़ा। दानव ने उस पर ध्यान नहीं दिया। उसने कैस्पर की ओर सिर भी नहीं घुमाया। वह बस वहीं खड़ा रहा, उसका हाथ उस मोटे आदमी के ऊपर मंडरा रहा था जो अपना तैलीय भोजन खाने में व्यस्त था। कैस्पर उन दोनों पर नज़र रखे हुए था, आगे क्या होने वाला है, इसके लिए तैयार था। हालांकि, उसे यह पक्का नहीं पता था कि दानव क्या करने वाला है।
यह दिलचस्प था। दरअसल, उसे इस रहस्य को सुलझाने में मज़ा आ रहा था कि वह कैसे इस स्थिति में पहुँचा।
वह अंततः वहाँ पहुँच गया, और यह भी कहना जरूरी है कि वह वहाँ मौजूद हर किसी के प्रति कितना निर्दयी था।
भोजनालय। इसके अलावा, एक राक्षस भी था जिसका सिर बकरी जैसा था और लंबे बाल थे।
आपस में गुंथे हुए सींग थे

केवल उसे ही दिखाई देता था। यह मज़ेदार था, लेकिन साथ ही साथ, वह परायेपन महसूस कर रहा था। वह वहाँ का नहीं था। उसे धरती के हरे-भरे मैदानों से निकालकर रेगिस्तान की दुर्गमता में फेंक दिया गया था।
कैस्पर ने जो नहीं देखा, वह यह था कि दानव अपने आसपास की ऊर्जा को सोख रहा था। एक चमकदार, पाउडर जैसा पदार्थ हवा में तैरता हुआ उस मोटे आदमी से निकला और दानव की हथेलियों में समा गया। छोटे-छोटे कण मुश्किल से दिखाई दे रहे थे। दानव की आँखें थोड़ी धुंधली हो गईं और उसने अपना हाथ नीचे कर लिया। वह उस आदमी के करीब आया और गहरी साँस लेकर पाउडर को अपनी नाक में खींच लिया। कैस्पर ने पैनी नज़र से देखा कि वह आदमी बेहोश होने वाला था। उसकी आँखें झुक रही थीं, हाथ कमज़ोर पड़ रहे थे, बर्गर और फ्रेंच फ्राइज़ उसके हाथ से गिर रहे थे। उसके होंठ काँप रहे थे, मुँह सूखने लगा था और गाल पीले पड़ गए थे। राक्षस ने कैस्पर की ओर देखते हुए खुद को पीछे खींच लिया। उसकी आँखों में एक दुष्ट चमक थी, मानो कह रहा हो, 'अगला नंबर तुम्हारा है।'
कैस्पर डरा नहीं था। उसकी भौंहें दृढ़ संकल्प से तन गईं और जबड़े की एक मांसपेशी फड़क उठी। उसने कुछ पल रुककर उस दानव का जायजा लिया। उसके कंधे चौड़े नहीं, बल्कि झुके हुए और कमजोर थे। उसने गहरी सांस ली और मुंह फेर लिया। उसने कैस्पर की ओर ध्यान नहीं दिया। इसके बजाय, उसकी आभा तनाव से भर गई और फिर वह गायब हो गया।
उसने मोटे आदमी की ओर देखा। उसकी आँखें चौड़ी खुली हुई थीं और उसका मुँह वह कांप उठा। उसने केचप से भरी प्लेट पर हाथ मारा और ऐसा लग रहा था मानो वह बेसुध होकर फर्श को घूर रहा हो। उसकी नब्ज़, उसकी धड़कन - सब थम गई थी। वह मर चुका था।
गर्भवती महिला उसके बगल में खड़ी थी और चीख पड़ी, "ओह, धिक्कार है!" सबका ध्यान उनकी ओर मुड़ गया।
“उसने किया! उसी ने उस आदमी को मारा है,” उसने चिल्लाते हुए कैस्पर की ओर उंगली उठाई।

हिम्मत है तो मुझे पकड़ो

कैस्पर ने एक नदी देखी, जिसके ऊपर एक विशाल हवेली थी। वह नीले आकाश और चारों ओर पत्तों से घिरे एक खुले मैदान में खड़ा था, और धीरे-धीरे ज़मीन की ओर उतर रहा था। कबूतरों के झुंड आकाश में बिखरे हुए थे, जो परिदृश्य में फड़फड़ा रहे थे। नदी किनारों पर लहरें मार रही थी, टेढ़े-मेढ़े रास्तों से बह रही थी, और
चट्टानों पर छपछपाहट।
उसने बंदरों को एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर कूदते देखा। रास्ते में बाल्थाज़ार लगभग एक बंदर के काटने से बाल-बाल बचा। दुर्भाग्यवश, गार्गोयल के चट्टानी शरीर में धंसने की कोशिश में उसके दांत टूट गए। उसे कई तरह की मक्खियाँ और कीड़े मिले जो उसे काटने की कोशिश कर रहे थे, साथ ही डंक मारने वाले बिच्छू भी। कैस्पर अपनी छड़ी ऊँची करके उसके आगे चल रहा था।
उसे अब भी नहीं पता था कि उस छड़ी का क्या काम था। क्या वह कोई हथियार थी या... बस... एक छड़ी? अपनी मंज़िल की ओर जाते हुए वह हिप्पियों से भरी एक बस में था। उसने कई तरह की चीज़ें आज़माईं, लेकिन छड़ी को किसी और चीज़ में बदलने के लिए कोई बटन या कोई यांत्रिक अंग नहीं था। हैंडल की जगह बस एक बड़ा सा 'S' बना हुआ था।
बाल्थाज़ार को अपने साथ लेकर वह नदी के पास आया और किसी के आने का इंतज़ार करने लगा। कफरनम ने ज़िद की थी कि उसका शिष्य, एक नेफिलिम (यह अजीब था कि एक दानव का शिष्य आधा मनुष्य, आधा देवदूत हो), उनके साथ आए। उसे किसी मदद की ज़रूरत नहीं थी। वह कभी ऐसा व्यक्ति नहीं था जिसे किसी की मदद की ज़रूरत हो। उसे खुद भी नहीं पता था कि क्यों। उसे बस उन लोगों की संगति नापसंद थी जिन्हें वह नहीं जानता था, हालाँकि बाल्थाज़ार इसका अपवाद था। कुल मिलाकर, उसे नए लोगों से कोई खास लगाव नहीं था।

वह धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करता रहा। धैर्य। यह एक ऐसी चीज़ थी जिसे वह नापसंद करता था। अगर धैर्य सचमुच कोई व्यक्ति होता, तो वह उस पर थूक देता। फिर भी, धैर्य के कारण ही मैनफ्रेड जल्द ही लूसिफर को वापस लाने में सक्षम होगा। धैर्य महत्वपूर्ण था!
यह एक आसान योजना थी। इस मारिद को बचाना था। मारिद जिन्नों की सर्वोच्च श्रेणी होते हैं। वे जल से बने होते हैं और सभी जिन्नों में सबसे शक्तिशाली होते हैं। उन्हें उसे कफरनम के घर ले जाना था जहाँ सुरक्षा सर्वोच्च थी। यहाँ तक कि मैनफ्रेड भी वहाँ प्रवेश नहीं कर सकता था, जब तक कि वह किसी तरह अपनी प्रतिकृति न बना ले, जो कि लगभग असंभव था।
अगर नेफिलिम जल्दी आ जाते तो सब कुछ ठीक हो जाता। फिर भी वह अपना समय ले रहा था। समय की पाबंदी से गड़बड़ी नहीं होती। यह कास्पर का सिद्धांत था। सही समय पर सही जगह पर मौजूद रहने से आप भगवान बन सकते हैं। जैसे-जैसे वह वहाँ इंतज़ार कर रहा था, उसका मन भटकने लगा।

***

“वह बहुत प्यारी लड़की है,” उन्होंने कहा।
उसने कहा, "मुझे यकीन है कि वह है।"
सेलेना ने जवाब दिया, "क्या आपको लगता है कि..."
मैं सुंदर हूँ?"
“मुझे लगता है कि तुम सबसे खूबसूरत भाई हो जिसका कोई भी सपना देख सकता है।” उसने आंखें घुमाईं। “मजाक मत करो।”
“मैं सच कह रहा हूँ। तुम्हारी आँखें सुनहरी हैं। ये तो वाकई बहुत आकर्षक हैं।” “ओह, मुझे पता ही नहीं था। सुनहरी आँखें आजकल फैशन में हैं या क्या?” “तुम तो किसी प्यारी सी नन्ही पिशाचनी जैसी लग रही हो।”
मुझे लगा था कि पिशाच मीठे नहीं होते।
सभी।" "जाहिर तौर पर, काल्पनिक उपन्यास भिन्न होते हैं।"
अप से।"

मुझे पिशाच पसंद नहीं हैं। वे मुझे डराते हैं।
“एक दिन, मेरे प्यारे भाई, वे तुमसे डरेंगे।” और फिर, उसने उसे गले लगा लिया।

***

बाल्थाजार ने उसका कंधा हिलाया और कैस्पर होश में आ गया। "तुम्हारा ध्यान कहाँ भटक रहा था?"
“इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं!” कैस्पर झल्लाकर बोला और आगे बढ़ा। “हे भगवान, ये नेफिलिम कहाँ है? बाल्थाज़ार, तुम्हें पता है मुझे सबसे ज़्यादा परेशान करने वाली बात क्या है?”

“अगर मैं मना भी कर दूं, तो भी तुम मुझे बताओगे। तो…”
“एक अनजान व्यक्ति, जिससे मैं कभी नहीं मिली, हमारी मदद करने जा रहा है और यह बात मुझे परेशान करती है। मैंने एक बात सीखी है और वह यह है कि किसी भी व्यक्ति पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। खासकर उस व्यक्ति पर जिसकी त्वचा दिखाई देती हो।”
"तो फिर तुमने मुझ पर भरोसा क्यों किया?"
कैस्पर अस्पष्ट रूप से कुछ बुदबुदाया। बाल्थाजार ने उसकी बात सुनने के लिए कान पास किए, लेकिन उसे कुछ समझ नहीं आया। शायद वे गालियाँ थीं, शायद नहीं।
मुझे आपकी बात समझ नहीं आई।

“तुम नहीं कर सकते। तुम्हारे हाथ बहुत छोटे हैं।”
“मेरा मतलब वो नहीं था – अरे छोड़ो भी! बस मुझे जवाब दो, तुमने मुझ पर भरोसा क्यों किया?”
“तुम पत्थर के बने हो, त्वचा के नहीं,” कैस्पर ने जवाब दिया। “तुम मूर्ख भी दिखते हो।” “माफ़ कीजिए?”
“बिल्कुल नहीं!” वह हांफते हुए आगे बढ़ा। “उस बेवकूफ को आने में कितना समय लगेगा?”

कैस्पर ने अपने गले में मफलर लपेट लिया। गर्मी इतनी ज़्यादा थी कि मफलर पहनना ठीक नहीं था, पर उसे कोई फ़र्क नहीं पड़ता था। वह इसे शुभ प्रतीक की तरह पहनता था। यह उसे किसी ऐसे व्यक्ति की याद दिलाता था जिसे वह जानता था, जिसके वह बहुत करीब था। उस व्यक्ति ने इसे खास उसके लिए बुना था। उसकी माँ... ऐसा लगता था जैसे बहुत समय बीत गया हो।
एक अप्रत्याशित आवाज ने उसकी तल्लीनता भंग कर दी। "तो तुम कास्पर सुकरात होगे और यह...वह प्राणी है?"
“बाल्थाजार।”
"उम...हाँ।"
कैस्पर के आश्चर्य के लिए, चीजें पूरी तरह से अप्रत्याशित निकलीं।
यह एक लड़की की आवाज़ थी। उसने सोचा था कि यह किसी लड़के की आवाज़ है जो नेफिलिम रहा होगा, लेकिन ऐसा नहीं था।
एक लड़की थी।
वह जंगल से बाहर निकली। वह बेहद खूबसूरत थी। यह सोचकर वह चौंक गया। उसे कभी कोई लड़की खूबसूरत नहीं लगी थी। वह सीधा-सादा था, लेकिन विपरीत लिंग में उसकी कभी कोई खास दिलचस्पी नहीं रही। वह उन्हें महज़ एक ऐसी चीज़ समझता था जो कभी-कभार दिल तोड़ सकती है और आपको सड़क पर रोने के लिए छोड़ सकती है। इसका मतलब यह नहीं था कि वह उन्हें आकर्षक नहीं मानता था। वह मानता था। बस महिलाओं के मामले में वह खुद को थोड़ा संभलकर रखता था।
जब उसने उस नेफिलिम को देखा, तो वह उसे बेहद आकर्षक लगी। शायद उसकी सूरत ही ऐसी थी - धूर्त, चंचल, शरारती और बेबाक। या शायद उसके कामदेव जैसे गोल-मटोल चेहरे की वजह से, जिस पर हल्की सी लाली थी। उसके होंठ एकदम सलीके से मुड़े हुए थे और उन पर हल्की लाल लिपस्टिक लगी थी। उसकी बड़ी-बड़ी गहरी आँखें उसे मछली की आँखों की याद दिला रही थीं। उसके बाल करीने से गुंथे हुए थे, जिनमें गांठें और गुंथे हुए हिस्से थे। वह लंबी थी, लेकिन उतनी नहीं जितनी वह था। उसकी लंबाई मात्र छह फुट तीन इंच थी।
नेफिलिम खतरनाक नहीं थी। कम से कम, वह खतरनाक नहीं दिखती थी।
वह बार्बी की मॉडल जैसी दिखती थी; प्यारी, फिर भी मजबूत। उसने भूरे रंग की पोशाक पहनी थी।
चमड़े का जैकेट

उसने अपनी टांगों पर टैंक टॉप और शॉर्ट्स पहन रखे थे। उसकी बेल्ट पर एक चिकनी नक्काशीदार कटार टंगी थी, जो उसकी जांघों से लटक रही थी।
उसने उसकी ओर हाथ बढ़ाया। "मैं आइवी हूँ।"
कैस्पर स्तब्ध रह गया। उसे यह तय करने में कठिनाई हो रही थी कि वह क्या चाहता है।
वह शरमाने या शर्माते हुए हंसने वालों में से नहीं था। उसकी नज़र में ऐसा करना घोर पाप था।
फिर भी उसे अपने गाल गर्म होते महसूस हुए। उसने इस एहसास को नजरअंदाज करने की कोशिश की, लेकिन यह एक
करना थोड़ा मुश्किल है।
“अहा, मैं समझ गया,” उसने उसके हाथों को घूरते हुए कहा, जिन्हें उसने उसके सामने रखा हुआ था। “क्या आप कोई ज्योतिषी हैं? क्या आप मेरा भविष्य बता रही हैं?”
“अरे नहीं, नहीं। मुझे तो धूल और कीचड़ दिख रहा है। कीटाणु। इस मिशन पर जाने से पहले मैं अपने हाथों पर कीटाणु नहीं लगने देना चाहता।”
“ओह, हाँ। ज़रूर। आप जैसे व्यक्ति से ऐसी बात सुनना बिल्कुल सामान्य है।” वह मुस्कुराई और अपना हाथ पीछे खींच लिया।
“क्या...? क्या मैंने व्यंग्य सुना?” उसने पूछा।
“ब्लाह-ब्लाह,” उसने उसके सवाल को अनसुना करते हुए जवाब दिया। “तो, योजना क्या है?” वह भौंहें चढ़ाकर बोला। “क्या—क्या उसने अभी-अभी मुझे ‘ब्लाह’ कहा?”
"अंदर जाओ। मारिद को पकड़ो और उसे कफरनम वापस ले आओ," बाल्थाजार ने उनके बीच उत्पन्न तनाव को कम करने की उम्मीद में कहा।
"क्या मारिद को हमारे बचाव अभियान के बारे में पता है?"
“नहीं, ऐसा नहीं है। वे किसी से संपर्क नहीं करते। वे अपने घरों में रहते हैं और काम करते हैं।”
कुछ अजीबोगरीब जादुई चीज़ें। उन्हें धरती पर किसी और की परवाह नहीं है। इसलिए हम
शायद करना पड़े

. . .”

उसका अपहरण कर लो।
“कुछ हद तक। उसे पता नहीं है कि उसके साथ क्या होने वाला है। हम उसे मनाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन फिर भी इस बात की संभावना बहुत कम है कि वह हमारी बात सुनेगा।”

आइवी ने नाक सिकोड़ी। “यह तो बुरा है। फिलहाल हम दूसरा विकल्प आजमाएंगे। अगर वह नहीं मानता, तो हमें उसे मजबूर करना पड़ेगा।”
"मैं यहाँ का कप्तान हूँ," कैस्पर ने हवेली की ओर रवाना होने से पहले अपनी नाक हवा में उठाते हुए जवाब दिया।
“ठीक है, कप्तान महोदय? आपकी योजना क्या है?” आइवी ने मुस्कुराते हुए पूछा। “हम वही करेंगे जो आपने कहा। अब चलिए!” वह आगे बढ़ा।
आगे बढ़ते हुए, धीरे-धीरे चलते हुए

जंगल के और अंदर।

***

महल का दरवाजा कैस्पर के सामने था। आइवी और बाल्थाजार भी दृढ़ता से उसे घूर रहे थे। कैस्पर ने बाल्थाजार को खुद को अदृश्य करने का निर्देश दिया ताकि जिन्न नाराज न हो जाए।
“अगर उसे पता चल गया कि मैं नेफिलिम हूँ और हवा में एक अदृश्य गार्गोयल है, तो वह हमें अंदर नहीं जाने देगा?” आइवी ने गुस्से में कहा। “फिर हम यह कैसे करेंगे?”
“बस मेरे पीछे-पीछे चलो,” उसने जवाब दिया। “और रवाना होने से पहले एक बात और, जान जोखिम में मत डालना!”
उसने अपने साथियों को सिर हिलाकर अभिवादन किया और दरवाजे पर दस्तक दी। वह इंतजार करता रहा। कोई नहीं आया।
एक ने जवाब दिया। उसने फिर से दस्तक दी, इस बार अपनी छड़ी से। किसी ने झाँका।
चाबी के छेद से झाँकती हुई एक आँख, जिसकी पलकें सफ़ेद थीं, एक बूढ़े आदमी की नज़रें गड़ाए हुए थीं।
उन्हें वापस।

“तुम बच्चों को क्या चाहिए?” आवाज एक निराश अस्सी वर्षीय व्यक्ति की थी।

आदमी।

“नमस्ते!” कैस्पर ने खुशी से कहा। आइवी और बाल्थाजार आश्चर्यचकित होकर देखने लगे।
उसके लहजे और व्यवहार में अचानक आए बदलाव से। "मेरा नाम कैस्पर सुकरात है।"
और ये मेरी मंगेतर आइवी है। हमारी कार सड़क पर खराब हो गई। हम वापस आ रहे हैं।
यहां कोई सिग्नल नहीं है।
हमने आपका घर देखा और सोचा कि आपसे मिलने आ जाएं। मुझे फोन करके दखलंदाजी के लिए माफी मांगनी है। इसमें बस एक मिनट लगेगा, महोदय।
आँख ने कई बार पलकें झपकाईं। उसने कैस्पर के मुस्कुराते चेहरे को संदेह भरी निगाहों से देखा। "सिर्फ़ एक फ़ोन कॉल?" बूढ़े आदमी ने पूछा।
“जी हां,” उसने उत्तर दिया।
आइवी ने उसे अपनी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया। मुस्कुराते हुए। "ठीक है।"
आँख गायब हो गई। उन्हें कई चटकने की आवाज़ें और किसी चीज़ के सरकने की आवाज़ सुनाई दी। दरवाज़ा खुला और एक आदमी दिखाई दिया जिसकी कमर झुकी हुई थी और चेहरे पर लाल धब्बे थे। उसने उन्हें आगे आने का इशारा किया और धीरे- धीरे उनके पीछे चलने लगा।

“फोन यहीं है,” उसने कहा। “अपना फोन करो और निकल जाओ।”
“अजनबियों के साथ ऐसा बर्ताव करना वाकई बहुत कठोर है,” कैस्पर ने मुस्कुराते हुए कहा। “जी हाँ, वैसे भी आप अजनबी ही हैं,” बूढ़े आदमी ने जवाब दिया।
“अजनबी जो तुम्हें जानते हैं।” कैस्पर की खिलखिलाती मुस्कान और हंसमुख स्वभाव पल भर में गायब हो गया। वह आगे बढ़ा, उसकी सुनहरी आँखें ठंडी थीं। “मैरिद।”
बूढ़े आदमी का मुंह अविश्वास से खुला रह गया। "तुम लोग कौन हो?" "सामने आओ, बाल्थाजार।"
बाल्थाज़ार प्रकट हुआ। बूढ़ा आदमी पीछे हट गया और हवा में लटके हुए गार्गोयल को घूरने लगा। वह जो देख रहा था उससे विस्मित था। "तुम...उम...तुम एक गार्गोयल हो!"

“बुढ़िया, मूर्ख बनने की कोशिश मत करो। हम जानते हैं कि तुम जिन्न हो,” कैस्पर ने रूखेपन से कहा।
“ठीक है, ठीक है!” बूढ़े आदमी ने जवाब दिया। “मैं...मैं आखिरी बचा हूँ।” मारिद की।” उसकी काली आँखें धीरे-धीरे गायब हो गईं। सफेद पुतलियाँ तेज़ी से चमक उठीं। “तुम
दोस्तों...आप एक हैं

शिकारी। अब मुझे याद आया। मैंने आपके बारे में सुना है।” उसकी आवाज़ बदल गई और थोड़ी बचकानी हो गई। “कहाँ? कहाँ? कहाँ? अरे हाँ! आप ही हैं वो मशहूर शिकारी।”
उसकी झुर्रीदार त्वचा, जो मुड़े हुए कागज जैसी दिखती थी, बदलने लगी। रेखाएं और निशान मिटने लगे और उसकी जगह कोमल, गोरी त्वचा आ गई।
"तुम यहां क्यों हो?"
उसके धब्बेदार गंजे सिर पर घने, बड़े-बड़े बाल उग आए। बूढ़े आदमी से लड़के में बदलने की प्रक्रिया समाप्त हो रही थी। उसकी टेढ़ी कमर सीधी और सुडौल हो गई। उसकी जैकेट, कमीज़ और नीची पैंट की जगह लालटेन वाली टी-शर्ट, भूरी जींस और आरामदायक चप्पलें आ गईं।
आइवी आगे आई, उसका हाथ ऊपर उठा हुआ था, आत्मसमर्पण का संकेत देते हुए। "हमें आपसे बात करनी है। कुछ गड़बड़ चल रही है।"
“तुम लोगों ने मेरे भाइयों को मार डाला।” मारिद का चेहरा शांत था, फिर भी उसकी सफेद आँखों में क्रोध उबल रहा था। “तुम ही हो जिन्होंने उनकी हत्या की।”
बाल्थाजार हँस पड़ा। "तुम गलत समझ रहे हो। यह हमने नहीं किया।" “तुम्हें लगा कि तुम मेरे सामने आकर मुझे मार सकते हो! मैं तुम्हें याद दिला दूं। मैं एक मारिद हूं। मेरे भाइयों के पास शक्तियां नहीं थीं। वे कमजोर और दयनीय थे। लेकिन मैं? मेरे पास अभी भी कई भूली हुई शक्तियां हैं और मैं चमत्कार कर सकता हूं।”
“शानदार!” कैस्पर ने सोचा। “हम सभी को तीन वरदान चाहिए, जिन्न। क्या आप हमें ये वरदान दे देंगे?”
“क्या आप मेरा अपमान करने की कोशिश कर रहे हैं?”
“अपने बचाव में, मेरे बेटे, मैं तुम्हें कभी सम्मान नहीं देता था।” उसने अपनी छड़ी आगे बढ़ाई और उसे अपने सामने इस तरह पकड़ा जैसे वह कोई हथियार हो।
जिन्न ने और कुछ नहीं कहा। वह पीछे हट गया, मानो हमला करने के लिए तैयार हो रहा हो।
कैस्पर। उसके होंठ कुछ शब्द, कुछ अक्षर बुदबुदा रहे थे। यह लैटिन भाषा थी।
उसे पूरा यकीन था।

बाल्थाजार और आइवी ने एक-दूसरे की ओर देखा। उसने देखा कि आइवी ने एक नीलम और एक माणिक निकाला।
खंजर। वह थी

वह आने वाली स्थिति के लिए खुद को तैयार कर रही थी। वह शांत भाव से खड़ा था, उसके हाथ में केवल एक छड़ी थी, और उसके पास कोई हथियार नहीं था। उसे अभी भी यह नहीं पता था कि इसका उपयोग अपने फायदे के लिए कैसे किया जाए।
मारिद के चारों ओर एक चिंगारी घूम रही थी, तभी एक भंवर बन गया। शायद वह कोई प्रकाश था। शायद हवा में तैरती कोई नन्ही परी। फिर भी, कैस्पर समझ गया कि वह क्या था। इससे पहले कि वह कोई उचित स्पष्टीकरण दे पाता, मारिद धीरे-धीरे भंवर में विलीन हो गया, सूर्य के प्रकाश में उसका चेहरा धुंधला पड़ गया।

“वह टेलीपोर्ट कर रहा है। मेरे पीछे आओ,” उसने कहा और आगे की ओर छलांग लगाई।
बाल्थाज़ार के पंजे उसकी टखने में गड़ गए, जबकि आइवी गार्गोयल से चिपकी हुई थी। टेलीपोर्टेशन के बहुरंगी भंवर उसकी आंखों को चकाचौंध कर रहे थे, मानो उसका दम घुट रहा हो। उसने अपनी आंखें बंद कर लीं। उनके चारों ओर हवाओं की गति धीमी पड़ने लगी। उसे टेलीपोर्टेशन के खत्म होने का एहसास हुआ। वह ज़मीन पर गिर पड़ा। बाल्थाज़ार उसकी पीठ से टकराया और कांप उठा। आइवी बाल्थाज़ार के ऊपर जा गिरी।
कैस्पर ने उन्हें धक्का देकर दूर किया और अपनी छड़ी के सहारे खड़ा हो गया। उसने उस छोटे जिन्न की तलाश में चारों ओर देखा। उसने अपने आसपास के माहौल को समझने की कोशिश की। बाल्थाज़ार को सिकुड़ने और तैरने में कुछ समय लगा। आइवी ने अपने टैंक टॉप और जैकेट से धूल झाड़ी। वह कैस्पर के बगल में आकर खड़ी हो गई और उसी दिशा में देखने लगी जिधर वह देख रहा था। वह शांत और प्रभावशाली था। उसके पीले होंठ आपस में दबे हुए थे। उसकी नुकीली गाल की हड्डियाँ थोड़ी लाल थीं। उसकी चिड़िया जैसी चोंच हवा को सूंघ रही थी, मानो जिन्न की गंध पहचानने की कोशिश कर रही हो।

"तो हमें क्या करना चाहिए?"
पास ही कदमों की आहट सुनाई दी। कैस्पर जानता था कि उसे क्या करना है। उसने आइवी और बाल्थाजार को अपने पीछे एक गली में आने का आदेश दिया। वहाँ उसे एक बड़ा सा बोर्ड दिखाई दिया जिस पर लिखा था...
उस पर 'बार' शब्द लिखा हुआ था। उसने किसी को प्रतिष्ठान में प्रवेश करते देखा और

□□□ □□□□ □□□□ □□ □□

परछाई जानी-पहचानी थी। वह बार में दाखिल हुआ। बाल्थाजार बाहर ही रुका रहा, कहीं जिन्न भागने की कोशिश न करे।
बार में अंधेरा था। लोग अंदर आ-जा रहे थे, कुर्सियों पर बैठ रहे थे, हाथों में बीयर लिए बातें कर रहे थे। कुछ लोग काउंटर पर बैठे थे जहाँ बारटेंडर उनके लिए कॉकटेल बना रहा था। बहुत सारे लोग थे और रोशनी कम थी। उस अंधेरे में सफेद आँखों वाले लड़के को ढूंढना किसी के लिए भी नामुमकिन होता। वायुमंडल।
कैस्पर को जिन्न को ढूंढने में थोड़ी परेशानी हुई। नशे में धुत और बेखबर इंसानों के बीच, मारिद एक लड़की के साथ मेज पर बैठा बातें कर रहा था और उससे छेड़छाड़ कर रहा था। उसकी मुस्कान क्रूर और निंदनीय थी। लड़की उससे उम्र में बड़ी थी, लेकिन कुछ ऐसा था जो उसे मारिद की ओर खींच रहा था। अलौकिक शक्तियों का यही तो सबसे अच्छा पहलू था। आप आसानी से इंसानों के दिमाग को प्रभावित कर सकते थे, क्योंकि उनका दिमाग अभी भी आदिम अवस्था में था। दूसरी ओर, कैस्पर ने किसी को भी अपने दिमाग में घुसने न देने की कला में महारत हासिल कर ली थी।

वह मेज के पास आया और मारिद की पीठ थपथपाई। "नमस्ते।"

मारिद ने ऊपर उसकी ओर देखा। वह वहीं जम गया, उसके चेहरे पर हैरानी के भाव थे।

चेहरा।

“चली जाओ,” कैस्पर ने लड़की से कहा।
उसकी टकटकी ने उसे हरकत में ला दिया और वह झट से भाग गई। वह वापस मुड़ा और मारिद को घूरने लगा, जिसने उसे एक बनावटी मुस्कान दी। कुछ ही क्षणों बाद आइवी प्रकट हुई और पहले से खाली कुर्सी पर बैठ गई।
“तुम्हें लगता है कि हम तुम्हारे दुश्मन हैं,” उसने कहा। “हम नहीं हैं। हम तो वो लोग हैं जो तुम्हारी मदद करने के नेक इरादे रखते हैं।”
मैं तुम पर कैसे भरोसा कर सकता हूँ?

हम ऐसी जानकारी देंगे जो आपके संदेह और शंकाओं को दूर कर देगी।

आइवी ने जिन्न को यह महत्वपूर्ण जानकारी देकर मोहित कर लिया कि वे वहाँ क्यों आए थे और किसने उसके सभी भाइयों की हत्या करके उसकी वफादारी हासिल करने की कोशिश की थी। “राक्षस संहारक, स्प्रिंग हील्ड जैक, किसी भी समय आकर तुम्हें ले जा सकता है और तुम्हारी आत्मा प्राप्त करने की उम्मीद में तुम्हारी हत्या कर सकता है। इसके लिए तुम्हें हमारे साथ चलना होगा, ताकि हम तुम्हारी उससे रक्षा कर सकें। हमें मैनफ्रेड को तुम्हारी आत्मा प्राप्त करने से रोकना होगा ताकि उसका अनुष्ठान सफल न हो सके।”
कैस्पर मेज के पास खड़ा था और किसी की तलाश में इधर-उधर देख रहा था। संदिग्ध। कोई भी स्प्रिंग हील्ड जैक हो सकता है। पूरे समय संगीत बजता रहा। कमरा और टिमटिमाती रोशनी नाच रही थी। लोग अपने शरीर को हिला रहे थे, पसीना बहा रहे थे।
उनके थके हुए माथे से पानी टपक रहा था। उनके शरीर के हिलने-डुलने से उनके बाल गीले हो गए।
एक दूसरे के साथ।
नाचती भीड़ के बीच, सुनहरे बालों वाला एक लड़का धीरे-धीरे चल रहा था, जिसके बाल उसकी आँखों पर बिखरे हुए थे। उसके होंठ धीरे-धीरे मुड़ते गए, कदम दर कदम, तभी उसे एहसास हुआ कि वह मारिद की ओर बढ़ रहा है। कैस्पर ने बिना किसी झिझक के अपनी छड़ी उसके सीने पर मारी। मारिद दर्द से कराह उठा, जब कैस्पर उसे बार के उस पार खींचकर बाहर बाल्थाजार की ओर बढ़ा, जो सिगार पीने में व्यस्त था।
“यह तुम्हें कहाँ से मिला?” कैस्पर
पूछा। “बस... तुम्हें पता है, यहाँ और
वहाँ।"
कैस्पर ने और कुछ पूछने की ज़हमत नहीं उठाई। उसने सुनहरे बालों वाले लड़के को दीवार से सटा दिया और उसकी कलाइयों को उसके सिर के ऊपर कसकर पकड़ लिया। उसने उसे एक बार मारा।
फिर से। इससे पहले कि वह कुछ बोल पाता, टूटे हुए जबड़े के कारण लड़के ने खून थूक दिया।
“तुम मेरे साथ ऐसा क्यों कर रहे हो?” वह रोते हुए बोला, उसकी आँखों से आँसू बह रहे थे। कैस्पर ने अपनी उंगली लड़के के खून से सने दाँतों पर फेरकर देखा तो पाया कि वह...

प्लास्टिक के नुकीले दांत पहने हुए। उसे अफसोस के साथ एहसास हुआ कि वह स्प्रिंग हील्ड जैक नहीं था। वह एक नकली पिशाच था। "तुम पिशाच बनने की कोशिश क्यों कर रहे थे?"

“लड़कियों को ये पसंद आता है,” उसका बस यही जवाब था। “वैम्पायर वाली किताबों के बाद, तुम्हें पता ही है, लड़कियाँ जानबूझकर पब और बार में जाती हैं, ताकि...उम्म...वैम्पायर को ढूँढ सकें। मैं असली वैम्पायर होने का नाटक करके उन्हें बेवकूफ बनाता हूँ।”
“जो तुम नहीं हो।” कैस्पर ने दांत पीसते हुए उसे वहीं दीवार से सटकर रोते हुए छोड़ दिया। “और ये क्या है?” उसने अपनी उंगलियों पर कुछ चिपचिपा पाया। “चमकदार मेकअप... क्या तुमने ग्लिटर लगाया है?” उसने घृणा से पूछा। “पिशाच चमकते हैं और लड़कियां इसे पसंद करती हैं।”
भी।" "क्या आप पूरा देखना चाहते हैं?"
बेवकूफ़?"
कमजोर लड़के ने ऐसा नहीं किया
उत्तर। “देखो
आईना।"
लड़का बिना किसी देरी के एक गली में भाग गया। बाल्थाजार एक बार फिर दिखाई दिया।
"यह तो... बहुत कठोर था," उसने सिगार को नीचे फेंकते हुए और अपने छोटे पैरों से उसे कुचलते हुए कहा।
“क्या उन्होंने कभी पिशाच देखा है? वे नहीं... खैर, वे उस बच्चे की तरह गॉथिक पोशाक नहीं पहनते। और जहाँ तक मुझे पता है, वे चमकीली चीज़ें भी नहीं लगाते। पिशाच खतरनाक होते हैं और उनके बड़े-बड़े पंजे और पंख होते हैं जिनसे वे उड़ते हुए अपने शिकार को पकड़ते हैं, न कि मोहक तकनीकों से। यह तो सरासर बेतुका है!”
“ओह, हाँ, मैं सहमत हूँ।” उसने हाँफते हुए कहा। “एक बात जो मुझे समझ नहीं आ रही है, वह यह है कि मैंने सुना है कि स्प्रिंग हील्ड जैक किसी स्रोत से जुड़ा हुआ है। वह स्रोत यहाँ नहीं है। तो अगर वह आ जाए तो तुम उसे कैसे मार पाओगे?”
“स्प्रिंग हील्ड जैक को मारने का आसान तरीका तो उसके स्रोत को ही नष्ट कर देना है। मुश्किल तरीका यह है कि...”

"उसे बुरी तरह पीटकर!"
दरवाजा खुलते ही मारिद प्रकट हुआ। उसके पीछे आइवी दिखाई दी।
वह उसे मनाने की पूरी कोशिश कर रही थी। मारिद का चेहरा क्रोध और निराशा से भरा हुआ था।
उसने न तो किसी टेलीपोर्टेशन तकनीक का इस्तेमाल किया और न ही फोर्स विंड्स का। वह बस वहीं खड़ा रहा।
आइवी ने अपना पक्ष रखा।
आपको हमारे साथ आना होगा।
"अगर आप हेरफेर कर रहे हैं तो क्या होगा?"
मुझे?"
कैस्पर ने आह भरी। उसे यह सब पसंद नहीं था। यह हद से ज़्यादा था। हर पल मायने रखता था। हर मिनट। मारिद मामले को लंबा खींचने की कोशिश कर रहा था, आइवी से कुछ आश्वासन हासिल करने की कोशिश कर रहा था। जिस तरह से आइवी मारिद से उसकी बात सुनने, उस पर विश्वास करने की विनती कर रही थी, वह अजीब था। शुरू में, उसने सोचा था कि वह एक कुशल योद्धा है जिसका निशाना सटीक है। फिर भी वह जानता था कि हर कोई अपने असली स्वभाव को छिपाने के लिए मुखौटा पहनता है। वह यह इसलिए जानता था क्योंकि वह खुद भी मुखौटा पहने हुए था।
“तो फिर हमें तुम्हें मजबूर करना पड़ेगा।” इस बार वह गिड़गिड़ा नहीं रही थी। उसकी आवाज़ आदेशात्मक और थोड़ी कर्कश थी।
"तुम नहीं करोगे।"
जिन्न ने टेलीपोर्ट करने के लिए भंवर बनाने की जहमत नहीं उठाई।
इसके बजाय, वह तेजी से भाग निकला। उसका यह प्रयास अप्रत्याशित था, लेकिन कैस्पर ने पहले ही अनुमान लगा लिया था।
जिन्नों के बारे में। जब उनकी शक्तियां अधिक समाप्त हो जाती हैं, तो वे कमजोर हो जाते हैं जैसे कि
मनुष्य। यह अच्छी बात थी। जिन्न को लाने में कम ऊर्जा लगेगी।
कैपरनम।
सुंदर प्रकाश में गली का दीपक जगमगा रहा था, फिर अचानक अंधेरा छा गया।
अचानक हुए इस विस्फोट से सब चौंक गए। कैस्पर लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ा तो देखा कि जिन्न दौड़ना बंद कर चुका था। उसके चेहरे पर मुस्कान नहीं थी।
उसका भाव बदल गया था। वह मृत्यु के भाव से भरा हुआ था।

“□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□, □□□ □□? □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□,” □□□□□□□□□ □□□□□

आइवी ने सिर हिलाया। "उसे बस यही लगता है कि हम ये सब साजिश रच रहे हैं। इसके लिए कैस्पर सुकरात का शुक्रिया, क्योंकि उसे हम पर यकीन नहीं है।" "मैं ही क्यों?" कैस्पर ने आइवी की ओर देखते हुए हैरानी से पूछा।
“तुम शिकारी हो। तुम जीवों का शिकार करते हो। तुमने पहले ही बहुतों को मार डाला है। तुम मशहूर हो गए हो। वह सोचता है कि तुम हत्यारे हो। बहुत-बहुत धन्यवाद, श्रीमान सुकरात,” वह गुर्राई।
"मुझे खुशी हुई।"
जिन्न मुस्कुराते हुए मुड़ा। उसके दो जोड़ी पंजे चीरते हुए आगे बढ़े। जिन्न की छाती से होते हुए, सीधे उसके दिल से गुजरते हुए, सड़क को भिगोते हुए
गहरा लाल खून, हवा में तैरते रिबन की तरह गाढ़ा टपक रहा था। पंजे फाड़ रहे थे।
मांस और हड्डियों को चीरते हुए, उन्हें पूरी तरह से टुकड़े-टुकड़े कर दिया। खून की गंध...
कई गज दूर से भी इसकी गंध महसूस की जा सकती है।
बाल्थाज़ार अपने चमकीले पंजों के साथ मंडराती हुई परछाई की ओर उड़ गया।
कैस्पर ने अपने थैले से एक तलवार निकाली। उसने छड़ी और थैला एक तरफ फेंक दिया क्योंकि वे उसके युद्ध की गति में बाधा डाल रहे थे। शव उनके सामने पड़ा था, लेकिन परछाई गायब हो चुकी थी। उसने निराशा से उसे देखा। बाल्थाज़ार ने सूंघा।
“उसने हमारी बात नहीं मानी!” कैस्पर ने कहा। “और अब उसे देखो। वह बुरी तरह से घायल होकर पड़ा है।”
पंजे प्रकट हुए, मानो कैस्पर के कोट को जकड़ने के लिए तैयार हों। आइवी ने अपने खंजर से उनकी हरकत को रोकने की कोशिश की। वह लुढ़क गई और राख जैसे दिखने वाले दानव के पैर पर पीछे से लात मारी। पंजे उसकी कल्पना से कहीं अधिक भयानक थे। लंबे और दांतेदार, उन्होंने आइवी के बालों पर वार किया। लाल धारियाँ चमक उठीं। कैस्पर ने इस मौके का फायदा उठाकर अपना खंजर दानव के शरीर में घुसा दिया।
तलवार का उस पर कोई असर नहीं हुआ। दानव कराह उठा और उसने अपने कंधे उचका दिए।

आइवी को पीछे धकेलने की उम्मीद में अपने कंधों को ऊपर उठाया। स्प्रिंग हील्ड जैक अपने हुक लेकर आया।
उसके पास, उसके नाखून हल्के से चमक रहे थे। बाल्थाजार ने लात मारी और दानव को घायल कर दिया।
इसकी पीठ पर।

कैस्पर ने अपनी छड़ी को इस प्रकार कसकर पकड़ रखा था मानो वह उसका अपना हृदय, उसकी अपनी आत्मा हो।
वह इसे कभी नहीं छोड़ेगा। वह दानव शक्तिशाली था, बाकी सभी से कहीं अधिक शक्तिशाली।
जिन राक्षसों का उसने सामना किया था। वह तलवारों और जादू से अप्रभावित था।
उसकी आँखें
छड़ी पर गोली मारी गई।

जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल करें।
खैर, अब उसे इसकी ज़रूरत थी। मौत को उसे इसका इस्तेमाल करने का तरीका बता देना चाहिए था। इसके अलावा, जब वे कफरनम के घर पर थे, तब उसे उससे पूछ लेना चाहिए था। अफसोस, वह भूल गया था। अब वह इस बात पर अफ़सोस नहीं कर सकता था। पहले ज़्यादा ज़रूरी मामलों को सुलझाना था और छड़ी का इस्तेमाल करना अब तक उसकी प्राथमिकता नहीं थी।
उसे ठंडी फुसफुसाहटें सुनाई दे रही थीं जो उसे पुकार रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो स्वर्ग से देवदूत हाथ फैलाकर नीचे उतरे हों और कैस्पर का नाम पुकार रहे हों।
हमारे पास आओ! हमारे पास आओ!
नहीं! नहीं! वह एक बार मर चुका था। वह दोबारा मरना नहीं चाहता था। मरने का एहसास बहुत भयानक होता है।
एस।
इसमें 'एस' का कुछ न कुछ संबंध ज़रूर था। उसे पूरा यकीन था। यह सिर्फ़ सुकरात का प्रतीक नहीं था। इस छड़ी का एक उद्देश्य था। उसे बस यह पता लगाना था कि वह उद्देश्य क्या था। उसने उसे खींचा, धकेला और घुमाया। उसने हर संभव कोशिश की। छड़ी के पंजों के आपस में टकराने की आवाज़ ने सन्नाटा तोड़ दिया।
जैसे ही कैस्पर छड़ी से खेलने लगा, वह विकृत होने लगी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि ऐसा कैसे हुआ। शायद उसने छड़ी का हैंडल घुमा दिया था। उसने ज़रूर कोई छिपा हुआ तंत्र सक्रिय कर दिया होगा। छड़ी तेज़ी से चमकने लगी, जिससे कैस्पर ने अपनी आँखें ढक लीं। चमक से उसकी आँखें चौंधिया गईं। वह पीछे हट गया, उसे समझ नहीं आ रहा था कि आखिर हुआ क्या है।

गन्ने का निचला हिस्सा धीरे-धीरे जलने लगा, मानो वह किसी मशाल की तरह जल रहा हो।
कुछ-कुछ। उसने अपनी आँखें खोलीं। छड़ी हल्की-हल्की चमक रही थी और वह देख सकता था कि
छड़ी का आकार और आकार बदल गया था। अब उसमें रबर जैसी चमड़े की मूठ लगी हुई थी।
एक लंबे, मुड़े हुए ब्लेड से जुड़ा हुआ, जिसका आकार प्रश्नचिह्न जैसा था। छड़ी में
एक शॉटेल बनो।
यह किसी मूठ से जुड़ी एक बड़ी सारस जैसी दिखती थी। उसने तलवार के किनारे से कुछ टपकता हुआ देखा और उसे छुआ। पानी, या शायद चांदी जैसा खून, गर्म और चिकना था। कैस्पर ने इस तरह का खून पहले भी देखा था। यह तलवार किसी देवदूत के खून, हड्डियों और मांस से बनी थी। इसका मतलब था कि यह हथियार किसी भी प्रकार के दानव से लड़ सकता था और उसे खा सकता था।
स्प्रिंग हील्ड जैक को लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ने में ज्यादा समय नहीं लगा।
कैस्पर। इस बार वह हमले के लिए तैयार था। दानव के पंजे खटकने लगे।
जैसे ही वह कैस्पर के पास पहुँचा, छुरा का सिरा उसकी छाती में जा घुसा।
जैसे ही काले खून को ब्लेड की धार पर फैलाया गया, वह और भी चमकदार हो गया।
राक्षस पीड़ा से कराह उठा।
राक्षस के चारों ओर धुआँ घना होकर एक छोटे बवंडर में तब्दील हो गया। धुंध छा गई और कुछ ही सेकंड में राक्षस कागज़ जैसी सफेद राख में तब्दील हो गया।
सड़े हुए खून की गंध से उसे चक्कर आने लगे और उसका पेट मचलने लगा।
आह भरने से बचते हुए, उसने मुस्कुराते हुए अपने साथियों को पुकारा, "क्या तुम

ठीक है?"
बाल्थाजार का सिर कूड़ेदान से बाहर निकला। "मैं बेहोश हो गया था। मैंने क्या-क्या मिस किया?"
कैस्पर जोर से हँसा। उसे आइवी की हल्की हँसी भी सुनाई दी।
ध्वनि थी
कोमल और सौम्य। दीवार के सहारे झुककर, उसने खुद को पैरों पर खड़ा किया।

उसने अपना हाथ अपने पेट के चारों ओर रखा। उसने अपनी छोटी पिस्तौल पकड़ी और उस पर 'एस' का निशान घुमा दिया।
यह पहले की तरह चमक नहीं रहा था। शॉटेल सिकुड़कर छड़ी बन गया।
एक बार फिर। वह घायल आइवी की ओर बढ़ा, इस बात से चिंतित था कि वह असमर्थ है।
हिलना डुलना।

बाल्थाज़ार के टखने, घुटने और कोहनी पर कुछ चोटें और खरोंचें आई थीं। वे धीरे-धीरे ठीक होने लगीं। गार्गॉयल होने का यही सबसे अच्छा पहलू था। आपको कभी कोई स्थायी क्षति नहीं होती थी।
चांदनी में कांपती आइवी के बगल में कैस्पर घुटनों के बल बैठ गया। उसके होंठ मोटे लग रहे थे और गाल पीले पड़ गए थे। त्वचा पर कई सूजे हुए निशान उभरे हुए थे। उसे एहसास नहीं था कि उसे इतनी बुरी तरह चोट लगी है। उसका थका हुआ और टूटा हुआ चेहरा देखकर उसे उस पर दया आ गई। उसके मन में बस यही ख्याल आ रहा था कि उसे गले लगा ले और उसके माथे पर चुंबन करे। लेकिन वह जानता था कि यह सुकरात का तरीका नहीं होगा। ऐसा करना उन सभी सिद्धांतों के खिलाफ था जिनके लिए वह खड़ा था।
“हमने उसे खूब हराया, दोस्तों।” उसने हल्की सी मुस्कान दी। उसके लिए मुस्कुराना मुश्किल था क्योंकि उसका जबड़ा, उसके दांत, यहाँ तक कि उसका पूरा चेहरा दर्द से भरा हुआ था। फिर भी, उसने हिम्मत जुटाकर अपने साथियों को इतनी मुश्किल परिस्थिति में भी आशा की किरण दिखाई।
“हे भगवान, आपको बहुत चोट लगी है।” कैस्पर दुखी नहीं था। वह चिंतित भी नहीं था। या शायद वह चिंतित न होने का नाटक कर रहा था? “अब, हम आपको अस्पताल नहीं ले जा सकते, क्योंकि फिर हमें डॉक्टर को इन चोटों के बारे में स्पष्टीकरण देना होगा।”
“सी – कैपरनम में कुछ उपचार संबंधी मंत्रों की किताबें और कुछ जड़ी- बूटियाँ और फूल भी हैं। मैं ठीक हो जाऊँगा।”
जब वे उसे उठाकर उसके पैरों पर खड़ा कर रहे थे, तब बाल्थाजार ने उसे सहारा दिया।
“हम जिन्न को नहीं बचा सके। हमने गड़बड़ कर दी। लुसिफर फिर से उठ खड़ा होगा।”
और...” वह रोने ही वाली थी, लेकिन उसने खुद को संभालने की पूरी कोशिश की।
आँसू वापस आ गए।

उसने गहरी सांस ली और अपनी भावनाओं को काबू में किया।

कैस्पर गलत था। आइवी एक मजबूत लड़की थी। उससे कहीं ज्यादा मजबूत।

दर्द

मृत्यु वहाँ नहीं थी। वह आया ही नहीं था। उसे कफरनम से मिशन की खबर मिली थी, लेकिन वह कास्पर से मिलने नहीं गया क्योंकि उसे कुछ काम करना था। आखिरकार, उसे आत्माओं की गिनती और संग्रह करना था।
कैपरनम ने जड़ी-बूटियों और ताजे फलों का पेस्ट बनाकर आइवी के घावों पर लगाया, जिससे वह ठीक हो गई। औषधि के प्रभाव से वह गहरी नींद में सो गई। वह जल्द ही ठीक हो जाएगी।
कैपरनम कमरे से बाहर निकला और दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया। उसकी आँखें उदास थीं। उसकी नाक पीली पड़ गई और कान बैंगनी हो गए। वह रूठा हुआ था। या शायद सूर्योदय की ठंडी ताज़ी हवा के कारण उसका चेहरा ऐसा लग रहा था। उन्होंने अपने चेहरे पर निराशा का भाव नहीं दिखाया, लेकिन वे निराश जरूर लग रहे थे।
निराश। कैस्पर डाइनिंग टेबल पर बैठा था, हाथ जोड़े हुए और
उसके अंगूठे उसके खुले होठों पर टिके हुए थे। बाल्थाजार पास ही खड़ा था। खिड़की से बाहर देखते हुए, उसके पंजे जलती हुई सिगार पर लिपटे हुए थे। राख धीरे-धीरे फर्श पर बिखर गया।
कैपरनम सन्नाटे में डूबा बैठा था, मानो बातचीत शुरू करने के लिए सही शब्द ढूंढ रहा हो। यह बातचीत उन्हें आते ही शुरू कर देनी चाहिए थी, लेकिन आइवी को ध्यान की ज़रूरत थी और वह बाकी सब चीज़ों से ज़्यादा ज़रूरी थी। "वहां क्या हुआ था?"
“मारिद बेकाबू था। वह बात नहीं मानता था। जब हमने उसे पकड़ने की कोशिश की, तो वह भाग निकला और मारा गया। फिर हमें उस राक्षस का सामना करना पड़ा।”

“आखिरी जिन्न भी चला गया। अब हम बड़े खतरे में हैं।”
“हमें यकीन नहीं है कि उसका सार निकाला गया था,” बाल्थाजार ने बीच में ही कहा। “ठीक है...उह...हमने उसके शरीर से कुछ भी निचोड़ा हुआ नहीं देखा।”

“खैर, ऐसा नहीं होता, गार्गोयल,” कैपरनम ने गुस्से से कहा। “जब कोई जिन्न मरता है, तो उसका सार उसे मारने वाले दानव में स्थानांतरित हो जाता है और वह...”
“मैनफ्रेड क्रॉफ्ट,” बाल्थाजार ने शर्मिंदगी से बुदबुदाते हुए कहा और आगे बढ़ा।
शांत। “यही कारण है। उसके पास वह स्रोत था जो होना चाहिए था।”
चुड़ैल में

सबसे पहले तो घर, ताकि वह एक-एक करके सार को समझ सके।"
कैस्पर को अचानक स्थिति का अहसास हुआ और धीरे-धीरे उसे समझ में आया, "क्योंकि जिसके पास भी स्रोत होता है, वही स्प्रिंग हील्ड जैक का मालिक बन जाता है।"
कैपरनम ने और कुछ नहीं कहा। आखिर कहने को था क्या? कैस्पर ने घबराहट में अपने घने बालों में हाथ फेरा। वे मैनफ्रेड से हार गए थे। उसे यकीन ही नहीं हो रहा था। मैनफ्रेड क्रॉफ्ट लूसिफर को जीवित करने वाला था।
जब बुराई का असली पुत्र धरती पर विचरण करेगा, तब नरक पृथ्वी और जल पर उंडेल दिया जाएगा।
कैस्पर ने लूसिफर के बारे में यह कहावत एक ऐसे दानव से सुनी थी जिसे उसने सोलह वर्ष की आयु में मार डाला था। तब वह मॉर्निंगस्टार को नहीं जानता था। लेकिन अब उसके सामने उसकी हर जानकारी मौजूद थी।
“ब्रह्मांड में बुराई का सृजन उसी ने किया है। वही शैतान है। अपने शरीर और हड्डियों से उसने नरक के हर हिस्से की रचना की है।”
कैस्पर उठ खड़ा हुआ। उसने देखा कि कफरनम निराशा भरे विचारों में डूबा हुआ है। वह दरवाजे की ओर बढ़ा और उसे खोला। मोमबत्तियों की सुखदायक सुगंध उसकी नाक में समा गई। चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था। उसने आइवी को देखा जो आँखें बंद करके लेटी हुई थी, चादर उसके शरीर पर लिपटी हुई थी। उसका चेहरा
वह परेशान लग रही थी, मानो उसे कोई भयानक बुरा सपना आ रहा हो। एक ऐसा सपना जिससे वह बाहर निकलना चाहती थी, लेकिन किसी न किसी कारण से निकल नहीं पा रही थी। उसके हाथों ने चादर को कसकर पकड़ रखा था। उसकी भौंहें तन गईं और उसके होंठ अचानक गुस्से से कांपने लगे।

वह उसके पास पहुँचा और उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गया। उसने इस मिशन के लिए अपनी जान जोखिम में डाली थी और लगभग मरते-मरते बची थी। उसके तमाम प्रयासों के बावजूद, वे सफल नहीं हुए थे। वह उसे ऐसे देख रहा था मानो वह कोई प्रयोगशाला का चूहा हो जो अपना रास्ता ढूँढ़ने की कोशिश कर रहा हो। वह तब तक उसे देखता रहा जब तक उसकी आँखें धीरे-धीरे खुलती रहीं और उसकी काली पुतलियाँ दिखाई देने लगीं।
“तुम यहाँ क्या कर रहे हो, बड़े होशियार?” आइवी ने कमजोर और मुश्किल से सुनाई देने वाली आवाज में कहा।
वह उसकी बातों को बेहतर ढंग से समझने के लिए आगे झुका। उसके चेहरे पर कोई नरमी नहीं आई। वह उसे सहानुभूति दे सकता था, लेकिन वह ऐसा करने से हिचकिचा रहा था। उसने अपने होंठ सिकोड़कर कहा, "कैसा महसूस कर रही हो?"
"किसी राक्षस द्वारा तुम्हारी पिटाई करने से तो यह कहीं बेहतर है।"
“एक बात मुझे समझ नहीं आती, आइवी,” उसने जवाब दिया। “तुम हर चीज़ में आशावाद क्यों ढूंढ लेती हो? तुम बाल-बाल बचीं, फिर भी मुस्कुराने की कोशिश की। मुझे पता है कि तुम अभी कितनी तकलीफ में हो, फिर भी मज़ाक करने की कोशिश कर रही हो। क्यों? अगर मैं होता, तो ज़रूर कुछ न कुछ करारा जवाब देता।” उसे अपने शब्दों पर यकीन नहीं हो रहा था, लेकिन यही सच था।
“यही तो तुममें और मुझमें फर्क है, बड़े होशियार। मैंने बस एक बात सीखी है…” उसे बोलने में मुश्किल हो रही थी। “जब तुम्हें पता है कि तुम्हारा जीवन छोटा है, तो अभी तुम्हारे पास जो छोटी-छोटी चीजें हैं, उनका आनंद क्यों न उठाओ?” वह रुकी, खाँसी और फिर बोलने लगी। “मैं एक नेफिलिम हूँ। मेरा जन्म युद्धों के लिए हुआ है, क्योंकि नेफिलिम यही करते हैं। वे लड़ते हैं।”
"उनका जीवन छोटा होता है क्योंकि वे ज्यादातर किशोरावस्था के दौरान ही मर जाते हैं।"
उनमें से कुछ जीवित रहते हैं, लेकिन यह केवल एक संभावना है। जो लोग अपने जीवन को लंबा खींच पाते हैं,
इन मामलों, इन अलौकिक मामलों में लिप्त न होकर अपना जीवन व्यतीत करना। उनकी मौतें और भी भयावह हैं क्योंकि वे आदेश के अनुसार नहीं हो रही हैं। एक नेफिलिम कठिन होता है

नौकरी। यह जीवन-मरण का सवाल है। मैं अभी जी रहा हूँ। मैं कभी भी मर सकता हूँ। तो क्यों न आपके पास जो छोटी-छोटी चीजें हैं उनका आनंद लिया जाए? कैस्पर ने बेपरवाही से नाक सिकोड़ी। "क्या? यह विचार तो बिलकुल बेतुका है।"
आइवी हंस पड़ी। कैस्पर ने देखा कि उसके गोल, कोमल गालों पर लालिमा छा गई थी। "तुम तो रोबोट जैसे हो।" वह कैस्पर के करीब आई, उसकी आंखें उस पर टिकी हुई थीं। "तुम इंसान हो। जहां तक मुझे पता है, तुम्हें अब तक स्नातक हो जाना चाहिए था। लेकिन तुम यहां एक आधे फरिश्ते से बात कर रहे हो जबकि कोई पागल शैतान को पाल रहा है। मेरे विपरीत, तुम एक सामान्य जीवन जी सकते हो, बच्चे पैदा कर सकते हो, परिवार बना सकते हो, पत्नी रख सकते हो और एक सामान्य जीवन जी सकते हो। तुम ऐसे क्यों हो? तुम ऐसा क्यों कर रहे हो? आखिर क्या बात है?"
आपका अतीत? आपकी कहानी क्या है?
“मेरा कोई अतीत नहीं था। न कभी होगा।” कैस्पर की आँखों में उदासी छा गई। “मैं एक ऐसा व्यक्ति हूँ जिसकी कोई कहानी नहीं है।”
“तुम झूठ बोल रहे हो।” उसने अपना सिर हिलाया, मानो एक भी शब्द पर विश्वास करने से इनकार कर रही हो।
उन्होंने कहा, “लोग यही तो करते हैं, आइवी। वे झूठ बोलते हैं।” उनके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ गई।
उसका चेहरा, लेकिन
उसमें न तो खुशी थी और न ही उदासी। बल्कि, उलझन थी। "क्योंकि यही चीज़ उन्हें मज़बूत बनाती है। यही चीज़ उन्हें उन भावनाओं को छुपाने में मदद करती है जिन्हें उन्होंने अब तक दबा रखा है, क्योंकि यही उनकी खासियत है।" उसने नम्र निगाहों से उसे देखा। “तुम खुद से क्यों छिप रहे हो?” उसने अपने हाथ उसके गाल पर रखे। वह ठंडा और दागदार था। “तुम मुझे यह क्यों नहीं बताते कि तुम असल में कौन हो?”
मैं भी मैनफ्रेड की तरह ही एक सनकी हूँ।
“नहीं, नहीं। नहीं, तुम नहीं हो। मैनफ्रेड दुष्ट है। तुम
नहीं हैं। "आपको इतना यकीन कैसे है?"
“कुछ नहीं। बस मेरी कुछ मान्यताएं हैं।”

“□□□□□□□□? □□! □□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□! □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□”

“तुम बुरे नहीं हो। तुम जन्म से बुरे नहीं हो। मुझे इस बात का पूरा यकीन है।”
उसके गालों पर उसकी हथेलियाँ और कस गईं। न जाने क्यों, वह उन्हें हटाना नहीं चाहती थी। वह अपने हाथों को वहीं रखना चाहती थी, उसे दिलासा देना चाहती थी, यह दिखाना चाहती थी कि कोई उसकी परवाह करता है और किसी तरह उसे सुरक्षित महसूस कराना चाहती थी।
“लोग बुरे पैदा नहीं होते, आइवी। समय उन्हें बुरा बना देता है।” उसने उसके हाथ पकड़े और धीरे से उन्हें बिस्तर पर लिटा दिया।
वह खड़ा हुआ और उसे देखने लगा, उसके बालों के सिरे लाल रंग से रंगे हुए थे। उसने मुस्कुराया नहीं। उसकी निगाहें मानो उम्मीद खो रही थीं। "मुझे लगता है कि अब तुम्हें आराम करना चाहिए। बाल्थाजार और मैं मैनफ्रेड को ढूंढने की कोशिश करेंगे और उम्मीद है कि हमें पता चल जाएगा कि वह अनुष्ठान कहाँ कर रहा है।"
“नहीं,” उसने कहा। “मैं जा रही हूँ।”

लोग अक्सर वही काम क्यों नहीं करते जो उन्हें करने के लिए कहा जाता है? “मेरी मदद के बिना तुम रस्म में नहीं आ सकते, बड़े होशियार। तो कमर कस लो, क्योंकि मैं पूरी तरह से तैयार हूँ।” वह उठी तो खुद को ढीले पजामे में पाया। “कपड़े बदलने के बाद, बेशक।” उसने शरमाते हुए नीचे देखा।
कैस्पर मुड़ा और जल्दी से दरवाजे की ओर भागा और उसे खोल दिया। “अपने कपड़े बदल लो। मैं बाहर तुम्हारा इंतजार कर रहा हूँगा।”
चेहरे पर शरारती मुस्कान लिए उसने कहा, "या फिर तुम यहीं रुककर मुझे कपड़े बदलते हुए देख सकते हो।" वह ज़ोर से हंसने से खुद को रोकने की पूरी कोशिश कर रही थी।

उसने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। "यह तो सरासर बेतुका होगा।"
"जब तुम वो आंखों वाला इशारा करते हो तो तुम बहुत प्यारे लगते हो," उसने शरारती हंसी के साथ कहा।
कैस्पर को समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे। क्या उसे जवाब देना चाहिए? नहीं।
उसे समझना नहीं चाहिए था। वह चुलबुली थी और उसके साथ खेलना पसंद करती थी।
उन्हें इस बात का पूरा यकीन था।

कमरे से बाहर निकलने से पहले उसने जवाब दिया, "आइवी, मैं छोटी-छोटी चीजों का आनंद कभी नहीं ले पाऊंगा, चाहे मुझे मौत का सामना ही क्यों न करना पड़े। मैं कभी नहीं ले पाऊंगा।"
उसने उसे एक जोशीली मुस्कान दी। "मुझे नहीं पता कि इस पर क्या कहूँ," उसने कहा।
“मैं तुम्हें तुम्हारे हाल पर छोड़ता हूँ। अभी के लिए अलविदा।” इतना कहकर उसने दरवाजा बंद कर दिया।

यह सब मनोरंजन के बारे में है

यह कब्रिस्तान बाकी कब्रिस्तानों से बिल्कुल अलग था। ऊपर आसमान में गहरे काले बादलों के पीछे लाल रंग की चमक थी। कब्रों की ओर मुख किए हुए बलूत के पेड़ झुके हुए थे, मानो वे अपने नन्हे बच्चों की देखभाल करने वाले स्नेही पिता हों। चारागाह और हरे-भरे खेत क्षितिज की ओर दूर-दूर तक फैले हुए थे और कब्रिस्तान के पास ही एक गिरजाघर था, जो बचे हुए खुले स्थान को ढक रहा था। मैनफ्रेड इधर-उधर घूम रहा था, उसके बाल हमेशा की तरह कांटेदार थे। उसका चेहरा राख जैसा था और
उसके चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कान थी। उसकी आँखें मानो गहरी धंसी हुई थीं। उसकी आँखों के सॉकेट में एक चमकदार चांदी का सूट था और उसके साथ एक काली टाई लटकी हुई थी।
उसकी गर्दन के आसपास।
उसके पीछे, लंबे झुके हुए कानों और आपस में गुंथे हुए टैटू वाले दो पंखों वाले राक्षस रक्षकों की तरह चल रहे थे। वे चारों ओर देख रहे थे, उनकी मुद्रा सीधी थी। मैनफ्रेड की चाल सहज थी और वह बिना किसी चिंता के स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ रहा था।
कुछ ही देर में उसने उस दानव को देख लिया। वह कब्र खोद रहा था, उसकी आँखें अनिश्चित भाव से झपक रही थीं। उसके बाल बिखरे हुए थे और उसके टैटू एनोकियन के नहीं थे। वे बस कुछ उलझे हुए प्रतीक थे जो ज्यादातर दानव विद्या में पाए जाते थे। उसने ढीले कपड़े, एक कोट और पैंट पहन रखी थी। जब उसने मैनफ्रेड को घूरते हुए देखा, तो वह दानव एक बेबस चूहे की तरह उसकी ओर दौड़ पड़ा। उसने अपने हाथों को अपने मुंह में ठूंस लिया, ताकि अपने चारों ओर फैली दुर्गंध को छुपा सके।
“मैजिस्टर मैनफ्रेड! मुझे आपसे ही उम्मीद थी।” उसने अपने हाथों को आपस में रगड़ा और उसके चेहरे पर एक लालची मुस्कान फैल गई। उसके खुरदुरे बाल उसके माथे पर गिर पड़े और पसीने से उसकी त्वचा पर जमी धूल गर्म हो गई। “लेकिन इतनी जल्दी भी नहीं।”
एक आकर्षक, डरावनी मुस्कान के साथ, उसने कहा, "मैं समय का पाबंद हूं।"
"वह व्यक्ति, इज़ीकिएल।" उसने चारों ओर देखा, बलूत के पेड़ों और स्याही जैसे काले आसमान को निहारा।

भूरी पृष्ठभूमि और संगमरमर से बना गिरजाघर। "यहीं हम हैं।" हम अपने मेहमान को ला रहे हैं।"

"मैजिस्टर अबाडॉन ने मुझे जो निर्देश दिए थे, उनके अनुसार, मैजिस्टर।
उन्होंने कहा था कि अनुष्ठान यहीं होगा।"
यहां बहुत बदबू आ रही है।

"उसके लिए क्षमा करें। मैं यह गंदगी साफ कर दूंगा, महाराज।"
“तुम्हें करना चाहिए, तुम्हें करना चाहिए।” मैनफ्रेड ने सिर हिलाया। “एबेडॉन एक अनिच्छुक व्यक्ति है, क्या तुम्हें ऐसा नहीं लगता, इजेकील?” उसने आंखें घुमाईं और उत्साह से उसके कान फड़कने लगे। "ओह जी हां, मजिस्ट्रेट, वह है। वाकई एक बड़ा आदमी है।"
मैनफ्रेड ने भौंहें चढ़ाईं। क्या ही अजीब प्राणी है? बल्कि, वह तो हताश और अविश्वसनीय लग रहा था। लेकिन फिर, वह यहाँ किसी अकेले दानव के साथ अपनी भावनाएँ साझा करने नहीं आया था, जिसके पास दानवों के ताबूत भरने के अलावा कोई काम नहीं था। वह एक ताबूत के पास गया और वहाँ उसे एक दानव मिला जिसकी त्वचा पर क्रॉस के निशान सिले हुए थे। उसकी आँखें बंद थीं और हाथ छाती पर बंधे हुए थे।
“आप अच्छा काम कर रहे हैं, मजिस्ट्रेट।”
“क्या?” उसकी सहज मुस्कान थोड़ी टेढ़ी थी। “तुमने क्या किया?”
“कहिए?” “अच्छा हुआ, महाराज।” दानव थोड़ा डरा हुआ था जब उसने यह बात सुनी। एक कदम पीछे।
“आप हमारे सृष्टिकर्ता, हमारे ईश्वर को प्रकट कर रहे हैं। हम... बहुत प्रसन्न हैं,” वह हकलाते हुए बोला। “हम सब हैं। हम आपको उस उद्धारकर्ता के रूप में देख रहे हैं जो हमारी इन प्राचीन भूमि को पुनः प्राप्त करने जा रहा है।”
मैनफ्रेड हँसा। “तुम काँप रहे हो, इज़ीकिएल। क्यों? ज़रा बताओ तो सही?” उसकी आवाज़ शहद और अमृत से भरी हुई सी मीठी थी।
“मैं बहुत उत्साहित हूँ, महाराज।”

“हम सब हैं। लेकिन हम सब इससे कांप नहीं रहे हैं।” वह फिर हँस पड़ा।

उसकी आँखें फड़क उठीं। “कुछ नहीं। बस तुम्हारा चेहरा...यह...” वह एकदम ठंडा पड़ गया।

“मेरा चेहरा?” उसने दस्ताने पहने उंगलियों से अपने चेहरे की ओर इशारा किया। “तुम जानना चाहते हो कि मुझे यह कैसे मिला, इजेकील। मुझे इस तरह का मुखौटा कैसे मिला?”
“यह मास्क है?” उसने मैनफ्रेड के सौम्य व्यवहार में आश्वासन पाने की कोशिश करते हुए पूछा।

स्वर।
“ओह, हाँ, ऐसा ही है। मेरा कोई चेहरा नहीं है। मेरे पास मुखौटे हैं, कई सारे। यह एक मज़ेदार कहानी है, बहुत ही मज़ेदार कहानी।” उसने ईज़ेकिएल का चेहरा पकड़ा और उसे कसकर थाम लिया। “क्या तुम्हें मज़ेदार कहानियाँ पसंद हैं, ईज़ेकिएल? क्या तुम्हें पसंद हैं? हैं? मुझे बताओ। तो तुम्हें पसंद हैं? क्योंकि मुझे तो नहीं।” उसकी मुस्कान गायब हो गई जब उसने ईज़ेकिएल को सोते हुए राक्षस के बगल में ताबूत में धकेल दिया। “क्या मैं पागल हूँ, ईज़ेकिएल?” वह कब्र के पास घुटनों के बल बैठ गया। “क्या मैं पागल हूँ?”

“नहीं, नहीं, नहीं। आप नहीं हैं, मजिस्ट्रेट।”
“तुम मुझे खुश करने के लिए ऐसा कह रहे हो, है ना?” “नहीं, खुश करने के लिए नहीं। सच कह रहा हूँ, महाराज।”
“मुझे मैजिस्टर कहना बंद करो!” मैनफ्रेड ने बेचैनी से अपने होंठ चाटे। “देखो, मैं दुनिया का सबसे बड़ा झूठा हूँ। सबसे बड़ा! और सिर्फ़ एक झूठा ही जानता है कि दूसरा झूठ बोल रहा है।” वह उठ खड़ा हुआ और फावड़ा उठा लिया। धीरे-धीरे, उसने कब्र में थोड़ी-थोड़ी मिट्टी डालना शुरू किया। “मैं तुमसे एक बात पूछना चाहता था, बस एक बात। जब हम राक्षसों को मारते हैं, तो वे राख बन जाते हैं। तो फिर वे यहाँ कैसे पहुँच जाते हैं?”
इज़ेकिएल रोया। उसकी आँखों से आँसू बहने लगे।
गाल। "मुझे बताओ!" मैनफ्रेड चिल्लाया।
“वे ऊपर मर जाते हैं। उन्हें यहाँ दफनाया जाता है क्योंकि वे ऊपर नहीं जा सकते।”

दोबारा।"

“□□□□□□□□□□□! □□□□ □□□□□□□”
“□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□, □□□□□□□□□□□? □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□?” □□□□□□□□ □□□□□ “□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□

□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□, □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□?

“□□□,” □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□
□□□□ □□□□ □□□□□ □□, □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□
“□□ □□□ □□□ □□□□□□□, □□□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□□□” □□□□ □□□
□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□, □□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□

माइकल का संदेशवाहक

कमरा अच्छी तरह से रोशन था। कैस्पर आग के पास बैठा था, उसकी आँखें चमक रही थीं। उसके होंठ खुले हुए थे। मौत अभी तक प्रकट नहीं हुई थी। कई घंटे बीत चुके थे और उसका कोई अता-पता नहीं था। शायद बहुत सी आत्माओं को समेटना बाकी था। या फिर वह कैस्पर के बुलावे को अनसुना करने की कोशिश कर रहा था? यह तो घिनौना है। मौत ऐसा कभी नहीं करेगी। कैस्पर को इस स्थिति में पहुँचाने वाला पहला व्यक्ति वही था।
कैपरनम गुप्त रूप से संगठन की बैठक में गया था ताकि अनुष्ठान के बारे में कुछ उपयोगी जानकारी मिल सके। उसे गए दो घंटे हो चुके थे। बाल्थाज़ार प्रसन्नता से टीवी देख रहा था, उसकी आँखें चमक रही थीं। वह हँसता और सोफे पर लोटता रहता, कभी-कभी अनजाने में अपने पंजों से चमड़ा फाड़ देता। हँसी रोकने की कोशिश में उसे पेट में अजीब सी बेचैनी महसूस होती।
आइवी डाइनिंग टेबल पर बैठी गुनगुना रही थी और कभी-कभी अपने कोने से झाँककर बाल्थाज़ार के देखे जा रहे शो देखती थी। बीच-बीच में वह कास्पर के कठोर, पत्थर जैसे चेहरे को निहारती रहती थी, जब वह वहाँ बैठकर सोच रहा होता था। उसने गौर किया कि गहरी सोच में डूबे होने पर वह अपनी एक उंगली होठों पर दबाए रखता था। शायद यह ध्यान केंद्रित करने का उसका तरीका था, क्योंकि पुरुषों की यही तो कमजोरी होती है।
“कैस्पर, तुम्हें यह देखना चाहिए। अरे यार, यह तो बहुत ही मज़ेदार है!” बाल्थाज़ार
उसने कहा और हँसा, जिससे कैस्पर के लिए यह समझना भी मुश्किल हो गया कि वह क्या कह रहा है।
कह रहा था।
कैस्पर ने कंधे उचकाते हुए कहा, "इसमें इतनी हंसी की क्या बात है?"
इसके बारे में? "एक कुत्ते और एक के बीच लड़ाई
बच्चा,"
“यह बात समझ में नहीं आती, है ना?” उसने पूछा। “आखिर एक कुत्ता एक बच्चे से क्यों लड़ेगा? यह तो सरासर बेतुका है।”

आइवी ने अपनी आँखें घुमाईं। उसके चेहरे के भाव स्पष्ट रूप से कह रहे थे, 'इतना परेशान मत हो।' "हाँ, मुझे पता है। ऐसा लग रहा है जैसे दुनिया खत्म होने वाली है, है ना?"
उनकी आंखें आश्चर्य से ऊपर उठ गईं। "क्या आप व्यंग्य कर रही हैं, महोदया?" "नहीं। मैं पुरानी यादों में खोई हुई हूँ।"
कैस्पर की भौंहें तन गईं। उसे किसी लड़की द्वारा उपहास किया जाना पसंद नहीं था। हाँ, वह एक नेफिलिम थी, लेकिन फिर भी वह एक लड़की ही थी। उसने उसे अनदेखा कर दिया, मानो उसने उसका पसंदीदा खिलौना छीन लिया हो और उसे वापस न दे रही हो।
तेज रोशनी वाली हेडलाइट्स वाली एक कार हवेली की ओर बढ़ी। चौंककर कैस्पर उछल पड़ा और दरवाजे की ओर भागा। आइवी के चेहरे के भाव बदल गए। बाल्थाजार ने कुछ नहीं किया।
बहुत कुछ। उसने पीछे मुड़कर देखा और कैस्पर के कुछ कहने का इंतज़ार किया। सुबह की धुंध में, उसने सूट पहने एक चमकते हुए कंकाल को दरवाजे की ओर भागते हुए देखा। कंकाल की वह विचित्र छवि तब गायब हो गई जब दरवाजा खुला और उसने कैपरनम को गीला और कीचड़ से सना हुआ पाया। कैस्पर ने कैपरनम को कंकाल समझ लिया था। यह एक अनजाने में हुई गलती थी।
उसने अपनी त्वचा पर पड़े गहरे खरोंचों और चोटों पर ध्यान नहीं दिया। उसकी आँखें सूजी हुई थीं और चेहरा आधा ज़ख्मी था। उसका कोट फटा हुआ और खरोंचों से भरा था, मानो किसी जगुआर या किसी अन्य खूंखार जानवर ने उसे नोचा हो। हालत भयानक थी। कुछ तो गड़बड़ हुई थी।
“उन्हें पता चल गया था,” कैपरनम ने धीमी आवाज़ में कहा। “उन्हें पता चल गया था कि मैं जासूस हूँ।”
संगठन के अंदर। मैनफ्रेड ने मुझे पकड़ लिया।
“यह कैसे संभव है? उन्होंने ऐसा कैसे किया?
क्या आप जानते हैं? "मैं नहीं जानता।"
कैस्पर ने कैपरनम को कभी क्रोधित होते नहीं देखा था। हालांकि वह भावहीन था, लेकिन कठोर था। फिर भी अब उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था, उसकी आंखें खून से सनी हुई थीं, और उनकी गहराई में क्रोध की चमक साफ दिखाई दे रही थी।

"मैं सचमुच मरना नहीं चाहता, लेकिन मुझे लगता है कि इसमें मौत का कुछ हाथ है," बाल्थाजार ने कहा।
नहीं, यह असंभव है।
“बिल्कुल सही बात है। एकदम सही बात है।” आइवी ने सिर हिलाया। “बार-बार फोन करने के बावजूद वह नहीं आ रहा है। वह कहाँ है? और तो और, वह क्या कर रहा है?” “भगवान के लिए, वह तो मौत है। सबको पता है कि वह क्या करने वाला है।” कैस्पर इस बात पर यकीन नहीं करना चाहता था, लेकिन जल्द ही चीजें स्पष्ट होने लगीं।

"तो फिलहाल हमें इसी धारणा के आधार पर आगे बढ़ना होगा।"
कैपरनम ने एक शब्द भी नहीं बोला। वह चुप रहा। उसकी आवाज़ में कोई बदलाव नहीं आया।
कैस्पर कड़वा लग रहा था, उसे याद आया कि कफरनम और मृत्यु का एक पुराना इतिहास था।
झूठ और पीड़ा।

"लेकिन अच्छी खबर भी है।"

आइवी का जबड़ा कस गया। "और आखिर वह क्या हो सकता है, महोदय?"
महोदय? कैस्पर जानता था कि वह कफरनम की शिष्या थी, जो नेफिलिम के तौर-तरीके, मंत्र, टैटू, राक्षसों, दुष्ट स्वर्गदूतों और लूसिफर, माइकल, गैब्रियल और राफेल - चार रक्त बंधुओं से संबंधित हर चीज़ सीख रही थी। फिर भी, कफरनम जैसे निर्मम राक्षस के लिए उससे 'प्रभु' की उम्मीद नहीं थी। मुझे पता चल गया है कि अनुष्ठान कहाँ हो रहा है। जहाँ मैनफ्रेड चारों जिन्नों की इच्छा का अभ्यास करने जा रहा है।
“ओह! वाह!” बाल्थाजार चिल्लाया, हालांकि उसकी आवाज में ऊब झलक रही थी। “यह आत्माओं की भूमि में है।”
“क्या यह वही. . .?” कैस्पर की आवाज धीमी पड़ गई।
“हाँ। वहीं पर माइकल और लुसिफर के बीच लड़ाई हुई थी। जहाँ माइकल था।” "ल्यूसिफर को नरक के पिंजरे में कैद करने में सक्षम, जिसे पर्गेटरी के नाम से जाना जाता है, ताकि उसे हमेशा के लिए दंडित किया जा सके।"

कैपरनम ऐसा लग रहा था मानो किसी बात से निराश हो। "उसने जानबूझकर इस जगह को चुना होगा क्योंकि यह नरक के करीब है।"
“क्या कोई मुझे इसके बारे में विस्तार से बता सकता है?” बाल्थाजार ने पूछा।
कैस्पर ने अनिच्छा से उसकी ओर देखा। “आत्माओं की भूमि एक ऐसी जगह है जहाँ राक्षसों की मृत्यु पर मृत्यु का कोई नियंत्रण नहीं है। यह राक्षसों का स्वर्ग है। पहले यह मृत राक्षसों के शरीरों का स्थान था। यह एक शांतिपूर्ण भूमि थी, जहाँ केवल प्रतिभाशाली आत्माओं को विश्राम करने की अनुमति थी। उस समय, नरक और स्वर्ग के बीच हुए सबसे बड़े युद्ध, ग्रेट होस्ट के दौरान, माइकल और लूसिफर वहाँ उतरे। वहाँ, माइकल ने अपनी हड्डियों से एक उत्तम पिंजरा बनाया और लूसिफर को उसमें कैद कर लिया। उसने इसे पर्गेटरी नाम दिया।”
“बाद में इसका नाम क्यों रखा? पिंजरा बनाते समय क्यों नहीं रखा? क्या यह बेहतर नहीं होता, क्योंकि इससे हड्डियाँ निकालते समय उसका ध्यान बँट जाता?” बाल्थाज़ार के चेहरे पर हैरानी के भाव थे।
आइवी हल्की सी मुस्कुराई। कुछ ही चीजें उसे इतनी हंसाती थीं। हालांकि, कैस्पर को इस स्थिति में कोई हंसी नहीं आई। बाल्थाजार ने जो कहा था, उसे उसकी जरा भी परवाह नहीं थी। वह अपनी ही दुनिया में खोया हुआ था।
“एक बात मेरी समझ से परे है। हम यहाँ राक्षसों को चूर-चूर करते हुए देखते हैं, तो फिर राक्षसों के शव वहाँ क्यों पड़े हैं?” बाल्थाजार ने प्रश्न किया।
"अगर यहां कोई दानव मरता है, तो हमें राख दिखाई देती है, लेकिन शव स्वचालित रूप से आत्माओं की भूमि में स्थानांतरित हो जाता है," कैपरनम ने कहा।
"यह समझ आता है,"

“हमें अभी जाना होगा,” कैस्पर ने जवाब दिया।

“यह अनुष्ठान आधी रात तक नहीं होगा। आज रात ग्रहण है।”

“तो वो कर सकता था... ओह, मैनफ्रेड, मैनफ्रेड, मैनफ्रेड!” वो मजे से मुस्कुराया और पैर पटकते हुए ताली बजाई। “ओह, तुम तो कमाल हो! तुम कमाल हो, मैनफ्रेड क्रॉफ्ट!”
आइवी ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। बाल्थाजार का मुंह खुला रह गया। वह जनता के सबसे बड़े दुश्मन को प्रतिभाशाली क्यों कह रहा था?
“क्या तुम्हें यह दिखाई नहीं देता?” उसने आइवी और फिर बाल्थाज़ार की ओर देखा। “तुम्हारे दिमाग... इनका तो कोई इस्तेमाल ही नहीं हुआ!” वह मुस्कुराया। “अगर मैं तुम्हारे दिमाग को बाज़ार में बेचूँ तो मुझे अच्छा पैसा मिल सकता है।”
“अरे, बदतमीज़ी मत करो!” आइवी ने झल्लाकर कहा।

"अगर मुझे सही याद है, तो मुझे लगता है कि मैं ऐसा करने में बहुत अच्छा हूँ।"
“क्या लोग सचमुच इस्तेमाल न किए गए दिमाग खरीदते हैं? मुझे तो ऐसा नहीं लगता।” बाल्थाजार की मुस्कान में थोड़ी सी व्यंग्यात्मकता थी।
कैस्पर ने गहरी सांस ली।

"हमें बताओ, वरना मैं तुम्हें चाकू मार दूंगी," आइवी ने चेतावनी दी।
“तुम नहीं जीतोगे।” कैस्पर ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। “मैं
पता है। "क्या आप अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं?"
“ठीक है। ग्रहण... उसने इस ग्रहण का दिन इसलिए चुना है क्योंकि जब लुसिफर का पुनरुत्थान होगा, तो उसकी खोई हुई शक्ति वापस आ जाएगी। हालाँकि प्राप्त शक्ति पहले जितनी नहीं होगी, लेकिन कई जिंदगियों को नष्ट करने के लिए पर्याप्त होगी,” कैस्पर ने झुंझलाहट से समझाया। “अब सवाल यह है कि हमें इसके बारे में क्या करना चाहिए?”

“हमें हड़ताल करनी होगी!” आइवी ने सुझाव दिया।
“नहीं, नहीं, नहीं, आइवी। सैकड़ों, बल्कि हजारों राक्षस अपने सृष्टिकर्ता की प्रतीक्षा कर रहे होंगे,” कफरनम ने उत्तर दिया। “यदि हम बिना किसी उपयुक्त रणनीति के उन पर हमला करते हैं, तो हम मूर्ख सिद्ध होंगे।”

कैस्पर आगे बढ़ा, उसके चेहरे पर संदेह के भाव स्पष्ट थे। एक तीखी चमक उसकी आँखों के कोनों में चमक आ गई। "जब भी तुम लूसिफ़र के बारे में बात कर रहे हो, तुम..."
‘उनके रचयिता’ शब्द का प्रयोग इस प्रकार किया जा रहा है मानो आप स्वयं को उन प्राणियों में से एक नहीं मानते हों।
"ल्यूसिफर ने इसे बनाया है।"
कैपरनम ने कोई जवाब नहीं दिया। उसका चेहरा ठंडा था और वह कैस्पर को घूर रहा था। "क्या हो रहा है? तुम हमारी मदद क्यों कर रहे हो और तुम क्यों..." "जिसने तुम्हें बनाया है, उसके खिलाफ साजिश रचोगे?" उसने क्रोधित होकर पूछा। शब्द इतनी ताकत और तीव्रता से निकले कि उनके आसपास सब कुछ हिल गया। "तुम खुद को दानव तो नहीं समझते, है ना?"
कफरनम ने एक शब्द भी कहने से इनकार कर दिया।
“मैं तुम्हारे प्रति तुम्हारी इस वफादारी पर सवाल उठा रहा हूँ। मुझे लगता है कि तुम हमें जाल में फंसा रहे हो।” कैस्पर ने अपनी छड़ी उठाई।
"क्या तुम पागल हो, कैस्पर? यह आदमी लगभग सात साल से मेरे साथ है और मुझे यकीन है कि अगर वह अविश्वसनीय होता, तो मुझे पता चल जाता।"

"अच्छे धोखेबाज कभी सुराग नहीं छोड़ते।"
कैपरनम ने गले में अटकी बात को किसी तरह निगल लिया। “खैर, मैं कोई धोखेबाज नहीं हूँ।” वह गुस्से में नहीं था। “श्री सुकरात, आपको मुझ पर भरोसा करना होगा। करना ही होगा। इसके बाद मैं आपको सब कुछ बताऊँगा, लेकिन अभी नहीं। हमें कई रणनीतियों पर विचार करना है और कई बातों पर चर्चा करनी है ताकि हम मैनफ्रेड की योजना को विफल कर सकें। हमें मिलकर काम करना होगा। मैं कसम खाता हूँ, सही समय आने पर मैं आपको बता दूँगा।”
“क्या मेरे पास कोई विकल्प है?” कैस्पर ने विलाप किया। उसे अभी तक कफरनम की वफादारी पर पूरा भरोसा नहीं था। वह इधर-उधर घूमता रहा, उसकी नज़रें घर के बाकी हिस्सों पर टिकी थीं। उसने सीटी बजाई और कहा, “तो फिर योजना क्या है?”
“हम उन्हें अपने पक्ष में नहीं कर सकते।” घायल राक्षस आगे बढ़ा।

□□□□ □□ □□□□ □□□, □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ "□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□? □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□"

“हम उसे कैसे प्राप्त कर पाएंगे?” बाल्थाजार ने पूछा।
“मुझे पता है। हाँ।” कैस्पर मुस्कुराया। “आखिर किसने चाहा कि लूसिफर नरक में जाए? उसे वहाँ किसने डाला?”
"क्या आप महादूत माइकल से संपर्क साधने के बारे में सोच रहे हैं?" आइवी ने थोड़ा आश्चर्यचकित होते हुए पूछा।
“नहीं। नहीं। मैं उससे मिलने की सोच रहा हूँ।” कैस्पर की मुस्कान और चौड़ी हो गई। “यही हमारा आखिरी मौका है।”
“वह सही कह रहा है। यह हमारा आखिरी मौका है। माइकल लूसिफर को रोकने के लिए कुछ भी करेगा।”

बढ़ रहा है।"
बाल्थाज़ार आगे बढ़ा और टेलीविजन कक्ष से कॉमन रूम की ओर चल पड़ा। उसके भारी-भरकम शरीर के मुकाबले उसके पैर अब बहुत छोटे लग रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो किसी कछुए को दो पैरों पर चलने के लिए मजबूर किया गया हो। जैसे ही उसे एहसास हुआ कि सब उसे घूर रहे हैं, वह हवा में तैरने लगा।
“मैं एक देवदूत को जानता हूँ। हो सकता है वह हमें माइकल से मिलवा सके,” कैपरनम ने उत्तर दिया।
“तो हम इंतजार करते हैं,” कैस्पर ने धीमी आवाज़ में कहा।

***

आइवी, कैस्पर और बाल्थाज़ार के बीच एक अजीब सी खामोशी छा गई। कैपरनम आराम करने के लिए अपने कमरे में चला गया था। आइवी की निगाहें गुस्से और चिड़चिड़ाहट से कैस्पर पर टिकी थीं, मानो किसी भी पल वह उससे पूछताछ करने वाली हो। बाल्थाज़ार माहौल को हल्का करने की उम्मीद में सीटी बजा रहा था। कैस्पर को मृत्यु पर भरोसा था। किसी कारणवश, वह इस बात को समझ नहीं पा रहा था कि...
मुझे लगा कि मृत्यु एक गद्दार है। इसे स्वीकार करना कठिन था, लेकिन इन नियमों के अनुसार
परिस्थितियों में, वह

यह मानना ही पड़ा कि इसकी संभावना बहुत कम थी। कफरनम के पास उन्हें यह बताने का समय था कि वह उनकी मदद क्यों कर रहा है, लेकिन वह इतना कमजोर था कि बोल भी नहीं पा रहा था। उसने उन्हें बताया कि कैसे दूसरों को उसके विश्वासघात का पता चला और उन्होंने उसका पीछा किया, उसे खरोंचा और जलाया, और वह बड़ी मुश्किल से बच पाया।
लेकिन कैस्पर के मन में सबसे बड़ा सवाल यही था कि क्या माइकल उनकी मदद करेगा? यह स्वाभाविक लग रहा था कि माइकल भी वही चाहता था जो कैस्पर चाहता था, लेकिन क्या वह इसके लिए कुछ करेगा? कोई निश्चितता नहीं थी। वह इस स्थिति के बारे में दुविधा में था क्योंकि वह जानता था कि फ़रिश्ते पेचीदा प्राणी होते हैं। वे राक्षसों से भी बदतर होते हैं। राक्षस धरती पर अपना राज चाहते हैं, लेकिन फ़रिश्ते – वे अच्छे होते हैं। इतने अच्छे कि वे अपने न्याय के लिए लाखों जिंदगियों का बलिदान कर देते हैं।
आइवी का चेहरा पीला और गोल था। उसके गालों पर गहरे घाव थे। उसकी नाक पतली और सुडौल थी, जिसके नीचे होंठ उभरे हुए थे। उसने अपनी बाहों को अपनी छाती पर बांध रखा था और आँखें चौड़ी करके बीच-बीच में कैस्पर की ओर देख रही थी।
“तुम एक बदतमीज़ हो,” उसने कहा।
अचानक। "मुझे इस बात की जानकारी है।"
तुम एक कमीने हो, निर्दयी हो, मूर्ख हो, बेवकूफ हो।
कमीने।” कैस्पर ने पलटवार नहीं किया। उसने सिर हिलाया।
बजाय।
आप ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं?
क्या तुम मुझे गाली दे रहे हो? "क्योंकि
मैं बेवकूफ नहीं हूँ।
बाल्थाज़र सीटी बजाता रहा और धीरे-धीरे उसकी आवाज़ तेज़ होती गई। वह खड़ी हो गई। "तो तुम मुझे एक कह रहे हो..."
बेवकूफ़?"

"हाँ।"

उसने अपना खंजर बाहर निकाला। "मुझे एक बार फिर उस नाम से पुकारो!"

“बेवकूफ,” उसने जवाब दिया और वाक्य पूरा होने से पहले ही उसे बीच में ही रोक दिया।
“आह्ह्ह्ह्ह!” अपनी उंगलियों के बीच खंजर को कसकर पकड़े हुए, वह कैस्पर पर झपटी।
उसने वार से खुद को बचाया और आइवी के पीछे जाकर उसे पकड़ लिया, एक हाथ उसकी गर्दन के चारों ओर और दूसरा उसके पेट के चारों ओर लिपटा दिया। एक अनोखी अनुभूति उसके शरीर में दौड़ गई, ऐसी अनुभूति जो उसने पहले कभी महसूस नहीं की थी। उसके गालों पर लाल रंग के हल्के धब्बे बन गए और उसे गर्मी महसूस होने लगी। उस पर उसकी पकड़ कमजोर पड़ गई और उसने इसका फायदा उठाया। आइवी मुड़ी और उसके पेट में लात मारी। वह गिर पड़ा और आइवी उस पर कूद पड़ी, उसका खंजर नीचे की ओर तेजी से चला गया।
उसने उसके हाथ पकड़कर कहा, "क्या तुम सच में मुझे मारना चाहती हो?" "बिल्कुल नहीं। मैं बस तुम्हें चोट पहुँचाना चाहती हूँ।"
“यह है
मूर्ख।"
"तुम हो
मूर्ख।"

“आखिर यहाँ क्या हो रहा है?” एक भारी आवाज ने पूछा।
उन्होंने मुड़कर देखा तो उनके सामने गोल चश्मे और सूट पहने एक गंजे सिर वाला आदमी खड़ा था। वह मुस्कुरा रहा था, लेकिन उसकी मुस्कान में कोई शालीनता नहीं थी।
“नमस्कार,” उसने कहा। “मैं ज़ेफिर हूँ, प्रधान देवदूत माइकल का दूत।” उसने उनके आश्चर्यचकित चेहरों को देखा। “क्या मैं किसी को परेशान कर रहा हूँ?” उसकी आवाज़ न तो गर्मजोशी भरी थी और न ही शांत करने वाली। “ध्यान रहे, मुझे परवाह नहीं।” उसने अपना चश्मा ठीक किया और आगे बढ़ा। “कोई मेरे पास आया और बताया कि एक दानव मुझसे मिलना चाहता है। यह बात समझ से परे है क्योंकि दानव कभी किसी देवदूत से मदद नहीं मांगते। वे जानते हैं कि अगर वे ऐसा करेंगे तो मौत उनका इंतज़ार कर रही है।”
"इस बार मामला गंभीर है," आइवी ने कहा।
“आह।” वह मेज के पास गया और एक गिलास उठाया। “तुम एक हो।”

नेफिलिम? मैं तुम्हें भली-भांति जानता हूँ।” उसने गिलास में थोड़ी शराब डाली।
“चीयर्स,” उसने कहा और

उन्होंने अपने पेय की एक घूंट ली। “मैं संदेशवाहक होने के साथ-साथ मुख्य व्यक्ति भी हूँ।”
नेफिलिम अकादमी। मुझे यकीन है कि मैंने आपको वहां कभी नहीं देखा। उसकी निगाहें
धमकी भरा था।
आइवी डरी नहीं थी। वह चुपचाप खड़ी रही और जवाब सोचने की कोशिश करने लगी। "क्योंकि मैं कभी जाना ही नहीं चाहती थी।"
तो आपको ये सब कहाँ से मिल रहा है?
प्रशिक्षण?” “यहाँ।”
क्या मैं पूछ सकता हूँ, आप किसके द्वारा हैं?
प्रशिक्षित? “कपरनाउम।”
“वह नीच!” ज़ेफिर ने गुस्से से भरी आवाज़ में कहा। फिर वह ऐसे शांत हो गया जैसे कुछ हुआ ही न हो।
कैस्पर को लगा कि वह उन्हें डराने की कोशिश कर रहा है और इसमें वह कुछ हद तक सफल भी रहा। "एक प्रतिभाशाली बच्चा एक दानव का शिष्य बन गया है," उसने मन ही मन सोचा। "यह तो कतई बेतुका है।"
वह रुका और अपने होंठ चाटे। “क्या तुम्हें पता है कि तुम क्या खो रहे हो, बच्चे? हम आधे फरिश्तों को अपनी संतान की तरह प्रशिक्षित करते हैं। हम उन्हें बुद्धि, शक्ति और ऐसी समझ देते हैं कि वे पतित लोगों से दूर रहें।” उसने शब्दों पर ज़ोर देते हुए कहा। “हम नेफिलिमों को गर्वित और शक्तिशाली बनाते हैं, कमज़ोर और मूर्ख नहीं, जैसे तुम अभी हो।”
कैस्पर आगे आया। उसके होंठ हल्के से फड़फड़ाए। "आप बिलकुल सही हैं। शायद मैं इसे वही अकादमी समझ बैठा होता जहाँ द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1945 में नाज़ी सैनिकों के राक्षसों में परिवर्तित होने के कारण अधिकतर नेफिलिम मारे गए थे। उनकी शिक्षा और युद्ध कौशल की कमी का तो जिक्र ही नहीं।"

देवदूत का जबड़ा कस गया। "वो 1945 की बात है, बच्चे।"
“ओह, ठीक है, ठीक है।” उनकी आवाज़ में हंसी झलक रही थी। “मुझे लगता है कि मैं फिर से गलत हूँ।”
आपकी अकादमी के बारे में हाल की अफवाहें। जब छात्र एक मिशन पर गए थे

[illegible]

जिन मनुष्यों के बीच घोंसला बना था। लेकिन फिर, यह बिल्कुल भी मूर्खतापूर्ण नहीं है, बल्कि पूरी तरह से बुद्धिमानी भरा है, क्या आप ऐसा नहीं सोचते?
आप यहां क्या साबित करने की कोशिश कर रहे हैं?
“कुछ नहीं। कुछ नहीं। बस सच बता रहा हूँ।” उसने ज़ेफिर के भावहीन चेहरे को घूरते हुए कहा। “ओह, ओह। ओह, मैं समझ गया, तुम्हें एक ईमानदार जवाब चाहिए था। खैर, सच कहूँ तो, तुम्हारा स्कूल बेकार है,” उसने आत्मविश्वास से कहा, उसके चेहरे पर एक बेपरवाह मुस्कान थी। “और वह यहाँ जो सीख रही है, वह वास्तव में तुम्हारी अकादमी से कहीं बेहतर है।”
उसने आइवी को आँख मारी, जिसने उसे हैरानी भरी नज़रों से देखा। वह प्रभावित लग रही थी। उससे कहीं ज़्यादा जितना उसने सोचा था।
ज़ेफिर ने गिलास को मेज पर पटक दिया। "और तुम कौन हो सकते हो?"
“कैस्पर सुकरात। मैं आपसे हाथ मिला सकता हूँ, लेकिन मैं अपने हाथ गंदे नहीं करना चाहता।” उसने अपनी बाहें ऊपर उठाईं और अपनी पीली, हड्डियों वाली उंगलियों को हिलाया। “मुझे तो किसी देवदूत की खुशबू लगने से त्वचा पर चकत्ते पड़ जाते हैं।”
“अरे बाप रे,” बाल्थाज़ार ने धीमी आवाज़ में कहा, इतनी धीमी कि ज़ेफ़िर को सुनाई ही नहीं दिया। “तुम्हें मरना पसंद है, है ना?” यह एक चेतावनी जैसा लग रहा था। ज़ेफ़िर
आगे बढ़ा, उसका गंजा
सिर चमक रहा था। "दरअसल, मैं
मैं इसी बात के लिए मशहूर हूं।
ज़ेफिर पीछे हट गया जब उसने देखा कि कैस्पर की कॉलरबोन पर एक चांदी की रेखा नाच रही है, जहाँ उसकी त्वचा पर एक बड़ा निशान बना हुआ था। यह निशान अंक के आकार का था। वह स्वर्गदूतों से पूरी तरह सुरक्षित था।
“श्रीमान सुकरात, मेरा दिल आपको मारने के लिए क्यों कह रहा है?” ज़ेफिर ने ठंडे स्वर में पूछा। “पता नहीं। शायद आपके दिल के पास इसका जवाब हो।” कैस्पर मुस्कुराया।

उसने अपने दांत चौड़े करके दिखाए और अपने चमकीले, सफेद दांत चमकाए।

"उसने तुम्हें परेशान किया?" कैपरनम ने प्रकट होते हुए पूछा।
किसी कारणवश, वह अधिक दुर्बल लग रहा था। उसने कमीज़ और ढीला पजामा पहना हुआ था, उसके बाल सिर पर बिखरे हुए थे। उसके चेहरे की त्वचा पूरी तरह से झुर्रियों से भरी हुई थी। ज़ेफिर ने दानव की ओर मुड़कर देखा और दोनों ने हाथ मिलाया।

"मुझे लगता है कि आपको एक बहुत ही बढ़िया आदमी मिला है।"

"मैं उन्नीस साल का हूँ, इसलिए मैं एक लड़के जैसा हूँ," कैस्पर ने बात सुधारते हुए कहा।
"उसे नजरअंदाज करो। मुझे लगता है कि तुम्हें मेरा संदेश मिल गया है, लेकिन मुझे माइकल कहीं नजर नहीं आ रहा है," कैपरनम ने कहा।
"वह नहीं आ रहा है," ज़ेफिर ने ठंडे स्वर में उत्तर दिया।

मैंने स्पष्ट किया था कि यह एक चेतावनी वाली स्थिति है।

तुम कब से यह सोचने लगे कि हम तुम्हारी बात सुनेंगे? तुम तो बिल्कुल ही पतित हो।

क्या कहता है?
“मुझे पता है कि तुम मुझसे नफरत करते हो क्योंकि मैं एक दानव हूँ, ज़ेफिर, लेकिन मैं बदला नहीं हूँ। मैं अब भी स्वर्गदूतों के साथ हूँ और उनके लिए काम कर रहा हूँ और लड़ रहा हूँ।”
हमें किसी दयनीय, बूढ़े राक्षस की मदद की जरूरत नहीं है।
“सुनो…” कैपरनम की आवाज़ कांप रही थी। “तुम्हें समझना होगा। हमें माइकल से तुरंत बात करनी है। यह बहुत, बहुत ज़रूरी है। अगर ज़रूरी न होता तो मैं फ़ोन नहीं करता।”
ज़ेफिर ने अपना गंजा सिर खुजाया। "अगर यह इतना ज़रूरी है, तो आपको मुझे बताना होगा। मैं संदेशवाहक हूँ और माइकल के अधीन सेनापति हूँ।"
"आप हमें माइकल से मिलने क्यों नहीं दे सकते?"

“आत्माओं की भूमि में हुए युद्ध के बाद वह कमजोर और बीमार है। तब से मैं उसकी तरफ से काम कर रहा हूँ। बस एक ही काम मैं नहीं कर रहा हूँ, वो है आदेशों का पालन करवाना। माइकल ये सब संभालता है। आप मुझे बताइए कि क्या गड़बड़ हुई है, मैं उसे माइकल के सामने रखूँगा। उसका जो भी जवाब होगा, मैं आपको जरूर बताऊँगा।”

“लगता है आपका प्रमोशन हो गया है?” कैपरनम थोड़ा हैरान था।
उन्होंने कहा, "क्योंकि मैंने वसीयत का पालन किया।"
इसमें कोई शक नहीं था कि कैपरनम और ज़ेफिर के बीच कुछ पुराना रिश्ता था। वे कैस्पर, आइवी और बाल्थाज़ार के सामने इसका कोई भी खुलासा नहीं करना चाहते थे। फिर भी, उन्होंने यह अनुमान लगा लिया था कि कैपरनम कभी ज़ेफिर का दोस्त रहा होगा।
कैपरनम ने ज़ेफिर को बिठाया और उसे सब कुछ समझाया।
मैनफ्रेड क्रॉफ्ट की योजना आधी रात को लूसिफर के उदय की रस्म रचने की थी।
ज़ेफिर ने एक शब्द भी नहीं कहा, केवल एक पक्ष की बातचीत का सम्मान करते हुए। खैर, यह सच था। स्वर्गदूतों में वाकई बहुत धैर्य होता है।
“यह बहुत बुरा हुआ,” ज़ेफिर ने कहा। “मुझे अभी माइकल से बात करनी होगी। लेकिन आपकी टीम, या जो भी यह है, उन्होंने एक भयानक गलती की है। उन्हें मदद के लिए पहले हमारे पास आना चाहिए था।”
“देवदूतों के बीच जासूस हैं। हम इस वजह से उसे सचेत नहीं करना चाहते थे, इसलिए हमने सोचा कि मामला बिगड़ने से पहले हम खुद ही इसे संभाल लें,” आइवी ने जवाब दिया।
"जिसमें तुम असफल रहे," ज़ेफिर ने झल्लाकर कहा।
शर्म से आइवी ने नज़रें फेर लीं, उसकी गहरी, काली निगाहों से नज़रें मिलाने में असमर्थ। उन्हें अलविदा कहे बिना, वह कमरे से बाहर निकल गया, तभी टेलीपोर्टेशन की एक चमक उठी और फिर गायब हो गई। ज़ेफिर जा चुका था।
“हो सकता है हमें कुछ सहयोगी मिल जाएं,” कैपरनम ने धीमी आवाज़ में कहा।
उसकी आवाज़ में खुशी साफ झलक रही थी। “हो सकता है हम मैनफ्रेड को हरा दें, क्या पता।” उसकी मुस्कान में आशा की झलक थी।
“मैंने उसके पंख नहीं देखे! फरिश्तों के पंख होने चाहिए!” बाल्थाजार ने कहा। उसका मुंह चौड़ा खुल गया और उसके नुकीले दांत दिखाई दिए।

पुनः संघ

मृत्यु एक विशाल मंडप में खड़ी थी, जो ग्रेनाइट के फर्श और संगमरमर के विशाल स्तंभों से सजा हुआ था। कांच की छत पर एक सुंदर रोशनदान बना हुआ था। ऊपर तारे और परछाइयाँ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं। जलपरियों, कामदेवों और विभिन्न जीवों की मूर्तियाँ हर कोने और खाली जगह में बिखरी हुई थीं। जहाँ वह खड़ी थी, वहाँ से पीले किनारे वाला एक लंबा, सूती कालीन सीढ़ियों की ओर फैला हुआ था। कमरा एक बड़े कांसे के दरवाजे पर समाप्त होता था, जो अब बंद था।
उसने चांद-तारों से सजे ओवरकोट, फटी हुई गहरे रंग की पतलून और लंबी चप्पलें पहन रखी थीं। गले में हरे रंग का एक रत्न भी था, मानो वह कोई लटकन हो। उसके बाल नुकीले थे और उसकी हरी आँखें परेशान लग रही थीं। जैसे ही पीतल के दरवाजे खुले, उसकी आँखों में लगा काजल और गहरा हो गया, और कमरे में एक विशालकाय जीव दाखिल हुआ।
उस प्राणी ने लाल रेशम का एक लंबा चोला पहना हुआ था जो ज़मीन तक लहरा रहा था। उसके गंजे सिर के ऊपर आग की लपटें उठ रही थीं। जैसे ही उसकी नज़र मृत्यु पर पड़ी, आग का रंग गहरा लाल हो गया। उसके चेहरे पर एक भूखी मुस्कान फैल गई और उसकी लाल आँखें धधक उठीं।
“कितना आश्चर्य!” युद्ध ने मृत्यु के पास आते हुए जवाब दिया, जिसका चेहरा शांत था। “कैसे हो भाई?” उसने उसे गले लगाया, लेकिन मृत्यु ने गले लगाने से इनकार कर दिया। उसके चेहरे पर एक तीव्र भाव था और वह जम गया था। “तुम अच्छे दिख रहे हो। मुझे लगता है, तुम्हें अपनी मानव त्वचा पसंद है।” वह रुका। मृत्यु का पत्थर जैसा ठंडा चेहरा न तो हिला और न ही मुस्कुराया। “तुम यहाँ क्यों हो?”
“मुझे यह साबित करने की कोशिश मत करो कि तुम नहीं जानते कि मैं यहाँ क्यों हूँ,” मृत्यु ने व्यंग्य करते हुए लाल लबादा ओढ़े आकृति को एक तरफ धकेल दिया। “मैं मूर्ख नहीं हूँ।”
“मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि तुम ऐसे होगे।” वॉर मुस्कुराया।

“युद्ध,” मृत्यु ने कहना शुरू किया, “यही है। मुझे अभी बताओ।”
युद्ध के चेहरे पर मुस्कान बनी रही। उसने मृत्यु की पीठ थपथपाई और कहा, "महामारी और अकाल भी वहाँ हैं। हम एक तरह का भोज मना रहे हैं। हम इस बारे में वहीं बात करेंगे।"
मृत्यु तेज़ी से कांस्य प्रतिमा की ओर बढ़ रही थी।
दरवाजे। "वे तुम्हारे क्षेत्र में क्या कर रहे हैं?"
हम एक मिलन समारोह आयोजित कर रहे हैं।
"और तुमने मुझे फोन करने के बारे में नहीं सोचा?" उसने थोड़ा व्यंग्य भरे लहजे में पूछा।
“तुम सांसारिक मामलों में लिप्त रहे हो। मुझे लगा था कि तुम आना नहीं चाहोगे।”
“तो फिर, तुमने गलत सोचा है,” मृत्यु ने उत्तर दिया।
मृत्यु ने स्वयं को एक विशाल हॉल में पाया जहाँ चांदी की परत चढ़े कवच पहने सैनिक अपने भाले सीने से कसकर पकड़े हुए थे। उन सभी ने दस्ताने, घुटने के पैड और एक बड़े लंबे सींग के आकार का हेलमेट पहन रखा था, जो सोने और कांसे की कलाकृतियों से भरे कमरे में जगमगा रहा था।
कमरे के मध्य में सैनिकों से घिरी एक गोल मेज रखी थी। पीले वस्त्र और काले लबादे में दो आकृतियाँ एक-दूसरे के बगल में बैठी थीं और धीरे-धीरे कुछ बुदबुदा रही थीं। वे सीनेट के सदस्यों में से एक लग रही थीं, लेकिन ऊपर से देखने पर उनके चेहरे धुंधले थे। एक के सिर के चारों ओर एक गोल पीली लौ थी, जबकि दूसरे के सिर के ऊपर एक काली लौ मंडरा रही थी। ध्यान से देखने पर पता चला कि काली लबादे वाली एक कुलीन महिला थी। उसका चेहरा धुएं रहित काली आग के बीच से दिखाई दे रहा था।
“देखो!” वॉर चिल्लाया। “कोई हमसे मिलने आया है।”

वे उसकी ओर मुड़े। महिला के चेहरे पर उदासी और गंभीरता छाई हुई थी। उस व्यक्ति ने उन्हें हल्की सी मुस्कान दी।
“मृत्यु,” महिला ने फुसफुसाते हुए कहा।

“अकाल,” मृत्यु ने धीमी आवाज़ में कहा। “और महामारी।”
प्लेग को कोई भी आसानी से पहचान सकता था, क्योंकि जब वह एक सेब को पकड़ता था, तो वह तुरंत सड़ने लगता था, उसके आसपास एक दुर्गंध फैलने लगती थी और मक्खियाँ और पतंगे अचानक कहीं से प्रकट होने लगते थे।
"आप यहां पर क्या कर रहे हैं?"
अकाल भयभीत लग रहा था। ऐसा लग रहा था मानो उसे मृत्यु का आगमन बिल्कुल पसंद नहीं था, क्योंकि उसे भोज में आमंत्रित नहीं किया गया था। महामारी ने चुपके से अकाल के पैरों पर थपथपाकर उसे चुप करा दिया। मृत्यु ने यह सब देखा, लेकिन कुछ नहीं कहा।

"बहुत समय हो गया है। बैठ जाओ," पेस्टिलेंस ने कर्कश आवाज में कहा। मृत्यु को और किसी आमंत्रण की आवश्यकता नहीं थी। वह बैठ गया, उसकी नंगी छाती दिखाई दे रही थी। उसकी त्वचा पर विभिन्न प्रकार के चिन्ह और प्रतीक बने हुए थे। उसका चेहरा निर्मल और पीला था, उसकी निगाहें अकाल पर टिकी थीं जो अब कांप रही थी। मृत्यु को देखकर उसकी लौ मंद पड़ गई। वह जानता था कि अकाल हमेशा बातों को गुप्त रखने में कमजोर थी। वह इस भावना को त्याग देगी।

"तुमने अपनी इंसानी खाल क्यों पहन रखी है?" प्लेग ने पूछा।
“मुझे यही पसंद है,” मृत्यु ने उत्तर दिया। “इसके अलावा, यह तुम्हारा असली रूप भी नहीं है।” “लेकिन यह हमारे वास्तविक रूप के काफी करीब है।”
“करीब? ये तो बस एक बहाना है।” उसने कुर्सी को ज़ोर से पीछे खींचा, जिससे उन दोनों के बीच छाई असहज चुप्पी टूट गई। उसने एक छोटे से रत्नजड़ित प्याले में शराब डाली और जल्दी से पी गया। “आह, हमेशा की तरह शानदार।” अकाल ने अपना प्याला उठाया और मृत्यु की आँखें सिकुड़ गईं। उसके हाथ
कप को होठों तक लाते हुए उसके हाथ कांप रहे थे और उसने एक छोटा सा घूंट लिया। उसने कप नीचे रख दिया।
ध्यान से। युद्ध,

अपनी चौड़ी, पशुवत मुस्कान के साथ, वह मृत्यु को ऐसे देखता रहा मानो वह कोई सर्कस कलाकार हो, जबकि महामारी सड़ा हुआ सेब खा रही थी।
“अकाल, मैं तुमसे पूछना चाहता हूँ…” मृत्यु की निगाहें थोड़ी शरारती थीं। “पृथ्वी पर क्या हालचाल चल रहा है?”
“ठीक है,” वह हकलाते हुए बोली और अपनी सुनहरी थाली की ओर देखने लगी। उसे झूठ बोलना बिल्कुल नहीं आता था और मौत जानती थी कि वह इसका फायदा उठा सकता है।

महामारी भड़क उठी। "वह ठीक नहीं है, भाई।"
“अरे, सच में?” मृत्यु ने अपनी पतली, छेदी हुई भौहें उठाईं। उसने अपने लिए और शराब डाली। “मुझे लगा कि वह मुझसे कुछ छिपा रही है, भाइयों।” उसने महामारी और युद्ध की ओर देखा। “तो मुझे यह समझना होगा कि मैं यहाँ क्यों हूँ। मैं तुम तीनों से इतनी घृणा करता हूँ कि अगर हो सके तो मैं तुम सबको अभी खत्म कर देना चाहता हूँ। मुझे तुमसे मिलने आने में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन हालात मुझे यहाँ ले आए हैं।”
“कठोर शब्दों से हमेशा अप्रत्याशित प्रतिक्रियाएँ मिलती हैं।” पेस्टिलेंस ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका।
“इसमें मज़ाक की कोई बात नहीं है, महामारी,” मृत्यु ने कर्कश स्वर में कहा। “हमारा एक ऐसा रहस्य था जिसके बारे में बोलना मना था, जिसे किसी और के हाथों में नहीं जाना चाहिए था। किसी को भी इसके बारे में पता नहीं चलना चाहिए था। किसी को भी नहीं!”
उसने अपने पेय की एक घूंट ली। “वह वर्जित रहस्य...उम...अच्छा, मैं इसे कैसे कहूँ? यह बहुत ही भयावह था। हमने एक शपथ ली थी।” उसकी हरी आँखें उनकी ओर घूमीं। “उस वर्जित बात को किसी को न बताने की शपथ। शपथ का अर्थ है कि वह पवित्र है और बातचीत के बाहर किसी से भी गुप्त रखी जाएगी। वह शपथ कुछ दिन पहले टूट गई। क्या शपथ का यही अर्थ होता है? है ना? मुझे बताओ!”
उसने मुट्ठी बांधकर मेज पर पटका। उसका गिलास पलट गया और
उसमें से गहरा लाल रंग बह निकला। वह धीरे-धीरे हिल रहा था, मानो कोई धागा शरीर पर लिपट रहा हो।
मेज़पोश।

वॉर के चेहरे पर एक स्थिर मुस्कान थी। "भाई, तुम क्या बात कर रहे हो? हमें कुछ भी समझ नहीं आ रहा कि तुम क्या कह रहे हो।"
“ओह, हाँ, हाँ। हम चारों को ही लुसिफर को दोबारा जीवित करने के निषिद्ध तरीके के बारे में पता था। मैंने मैनफ्रेड क्रॉफ्ट को कुछ नहीं बताया। तो यह आप में से ही किसी एक ने किया होगा।”
“मैनफ्रेड क्रॉफ्ट कौन है? कितना अजीब नाम है?” पेस्टिलेंस ने उपहास उड़ाते हुए कहा। “तुम क्या बकवास कर रहे हो? क्या तुम होश में हो?”
“मैं नहीं हूँ। नहीं। नहीं, मैं नहीं हूँ। लेकिन मुझे लगता है अकाल...” वह नुकीली नाक वाली महिला की ओर मुड़ा। “वह जानती है कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ।”
युद्ध की मुस्कान गायब हो गई। महामारी घबराहट में खांसने लगी। दोनों अकाल को घूर रहे थे, जो अपनी उंगली पर खुदी हुई अंगूठी घुमाती जा रही थी।
“यह – यह उसकी योजना थी!” वह हकलाते हुए बोली और वॉर की ओर इशारा किया। “बताओ ना बहन। मुझे बताने में कोई बुराई नहीं है।” उसकी मुस्कान हल्की और बनावटी थी। “बिल्कुल ठीक है। तुम मुझे बता सकती हो। मैं तुम्हारा बड़ा भाई हूँ और हम सबमें सबसे बड़ा हूँ, इसलिए तुम्हें मेरे छोटे भाइयों की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।”
“वॉर ने उसके साथ हाथ मिलाने का सोचा। मैनफ्रेड क्रॉफ्ट को वह जानकारी देने का सोचा जो वह चाहता था। पेस्टिलेंस मान गया और मैं भी... मैं भी मान गई।” अपनी बेचैनी के बावजूद, उसकी काली लौ तेज़ चमक रही थी। “मैंने सोचा था कि सब ठीक होगा... सब ठीक होगा। कि हम अपना लक्ष्य हासिल कर लेंगे।” मृत्यु असमंजस में थी। "यह लक्ष्य क्या है?" उसकी आवाज़ पूरे हॉल में गूंज उठी, साथ ही प्लेग और युद्ध के पतले कानों में भी सुनाई दी।
“अरे भाई, मान लो! तुम्हें पता है। जब भगवान ने पृथ्वी बनाई, तो उन्होंने ऐसा नहीं किया।”
हम लोभ, शक्ति, मृत्यु और उन सभी बुराइयों को चाहते हैं। हमने उसे देखा, उसने कैसे सृष्टि की रचना की।
पृथ्वी, उन्होंने अपने हाथों से आदम और हव्वा की रचना कैसे की। उन्होंने प्रेम किया।
पृथ्वी। यह विचार तब गायब हो गया जब पृथ्वी पूरी तरह से आपदा में तब्दील हो गई। परियोजना

□□□□□□ □□ □□□□□□ □□,

पूरी तरह से असफल। यह मेरे लिए निराशाजनक था और सौभाग्य से महामारी के लिए भी। अकाल भी यही सोचता है।
“तो तुम्हें लगा कि लुसिफर को जीवित करके तुम धरती को बदल दोगे? वो तो यहाँ नरक बना देगा!” उसकी ठुड्डी कस गई।
“हम यहाँ बेवकूफ नहीं हैं, भाई। हम जानते हैं कि इसके क्या परिणाम होंगे।” "जब लुसिफर उठेगा, हम सब जानते हैं। बस हम उस झंझट में नहीं पड़ना चाहते। जब वह उठेगा, तो वह मानवता को नष्ट कर देगा और फिर हम उसे नष्ट कर देंगे। हम पृथ्वी को आज से कहीं बेहतर बनाएंगे। यही योजना है, चाहे कुछ भी हो जाए, चाहे कोई भी दखल दे," प्लेग ने बेफिक्री से कहा।
“तुम लालची, पापी और पागल हो। तुम्हें लगता है कि तुम धरती को बेहतर बना पाओगे? हा हा! हज़ारों सालों में मैंने ऐसा बुरा लक्ष्य कभी नहीं देखा। अगर भगवान धरती को बदलना नहीं चाहते, तो हमें भी इसकी परवाह नहीं करनी चाहिए।”
“ईश्वर पृथ्वी पर ध्यान नहीं दे रहा है। वह व्यस्त है। लेकिन हम – हम हर दिन सबसे महत्वपूर्ण चीजों को देखते हैं और हमने लुसिफर को वापस लाने का संकल्प लिया है। जब वह सबको मार डालेगा, तो हम उसे भी मार डालेंगे।” मृत्यु हँसी, आने वाली बातों पर ध्यान देने से इनकार करते हुए।
युद्ध के मुख से निकली ये बात सुनकर मृत्यु निराश हो गई। जहाँ तक उसे याद था, उसने युद्ध की देखभाल की थी, उसकी विद्रोही प्रवृत्ति और अजीब व्यवहार के बावजूद। लेकिन अब, उसे एक राक्षस बनते देख, मृत्यु को उस पर केवल दया आ रही थी।
“मैं ही बुराई का प्रतीक था। मुझे हमेशा बुराई का प्रतीक माना जाता था,” मृत्यु ने बोलना शुरू किया। “क्योंकि मैं मृत्यु था और लोगों की मृत्यु के लिए मैं ही जिम्मेदार था। लेकिन अब... अब, मुझे लगता है कि मैं तुम जैसे दुष्टों से कहीं बेहतर था। मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि तुम तीनों वो बन जाओगे जिसका मुझे सदियों से डर था। अब तुम बेरहम राक्षस बन चुके हो!”

हम अपने तरीके से अच्छा काम कर रहे हैं।

"क्या किसी व्यक्ति को मानव सभ्यता को नष्ट करने में सहायता करके?"

“हर युद्ध में जान-माल का नुकसान होता है, भाई!” प्लेग चिल्लाया। “अराजकता से ही सब कुछ निकलता है।”

आदेश देना।"
“मैं यहाँ और अभी व्यवस्था से अराजकता को जन्म लेते हुए देख रहा हूँ।” उसने सीधे अपने दोनों भाइयों और अपनी बहन की ओर इशारा किया।
उसने गुस्से में अपनी कुर्सी दूर फेंक दी और सिर झुका लिया, उसकी आँखों से आंसू बहने लगे। उसे लगा जैसे उसके साथ विश्वासघात हुआ हो। वह कमरे के दूसरे छोर तक गया और पीछे मुड़कर देखा। तीनों घुड़सवार मेज पर बैठे थे और गुस्से से भरी निगाहों से उसे घूर रहे थे।
“मैं मृत्यु हूँ। सबको मरना है। एक दिन, कभी न कभी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि किसी को भी मारा जा सकता है। जब तुम्हारा समय आएगा, मैं तुम्हें लेने आऊँगा,” उसने वादा किया और अपने पीछे पीतल के दरवाजे बंद कर दिए। “ओह, मैं तुम्हें लेने जरूर आऊँगा!”

आत्माओं की भूमि

कैस्पर अपने कमरे में था और अपने थैले में बेहतरीन चाकू और अन्य सामान भर रहा था।
कैपरनम के महल के तहखाने में उसे खंजर मिले थे। कैपरनम के पास एक
उसके घर के नीचे हथियारों का गोदाम था। उसने अपनी छड़ी ऊपर उठाई और देखा। बाल्थाजार खुली खिड़की के पास बैठा था। चारों ओर बारिश की चादर बिछी हुई थी।
उसकी छाती के चारों ओर एक लंबी चमड़े की बेल्ट तिरछी बंधी हुई थी, जिसमें एक चाकू और दो
अन्य ब्लेड लगा दिए गए थे।

बाल्थाजार ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "इन हथियारों की वजह से मेरा वजन बढ़ गया है।"
कैस्पर ने उसे नम्रता से देखा और सिर हिलाया। उसने धुएँ के बम चमड़े के थैले में डाल दिए। दूसरे कमरे में हल्की हलचल की आवाज़ ने उसका ध्यान खींचा। वह उस ओर बढ़ा और दरवाज़ा खोलकर देखा तो ज़ेफिर स्कॉच पी रहा था और कफरनम से बातें कर रहा था। इस बार देवदूत का चेहरा न तो भयभीत था और न ही ठंडा। बल्कि, वह गंभीर और समर्पित था। वह और कफरनम आपस में फुसफुसा रहे थे। जैसे ही आइवी उपचार कक्ष से बाहर निकली, कैस्पर ने उसे पहली बार युद्ध की पूरी पोशाक में देखा। उसने सीने पर कांस्य-प्लेटेड कवच पहन रखा था और हाथों में धारदार दस्ताने बंधे हुए थे। उसकी पीठ पर एक लंबी तलवार लटकी हुई थी और दूसरी तलवार उसकी कमरबंद से बंधी थी। उसने अपने दाहिने कंधे पर लकड़ी और चमड़े से बंधा धनुष और बाणों का तरकश थाम रखा था।
बाल्थाज़ार ने अपने साजो-सामान पर नज़र डाली और फिर उसके साजो-सामान पर। दोनों में ज़बरदस्त अंतर था। उसने धीरे से आह भरी और सिर हिलाया। कैस्पर हैरान था। वह युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार थी। उसकी आँखें सूजी हुई थीं और दानव से हुई लड़ाई में लगे गहरे घाव उसके चेहरे पर साफ़ दिख रहे थे।
"मेरे सामने तुम लोग बिल्कुल नंगे लग रहे हो," आइवी खिलखिलाकर हंस पड़ी।

कैस्पर ने ऐसा दिखाया मानो उसने उसकी बात सुनी ही न हो। उसने मुड़कर देखा तो ज़ेफिर वहाँ से जा चुकी थी। कैपरनम पास ही खड़ा था, उसके चेहरे पर चौड़ी मुस्कान थी।
“देवदूत आत्माओं की भूमि पर आ रहे हैं। माइकल ने हमले का आदेश दिया है।” “यह तो बहुत बढ़िया है।” आइवी मुस्कुराई।
कैस्पर मुस्कुराया। “बहुत बढ़िया। मैं बाल्थाजार और आइवी को कुछ समय के लिए उधार लेने जा रहा हूँ।”

समय।"
उसने आइवी को एक तरफ खींच लिया, और पिछले कमरे में हैरान-परेशान कैपरनम को वहीं छोड़ दिया। उसने अपने पीछे दरवाजा बंद किया और एक अजीब से भाव के साथ आइवी की ओर मुड़ा। बाल्थाजार की आँखें सवालिया निगाहों से ऊपर उठ गईं। कैस्पर की मुस्कान गायब हो गई। वह इधर-उधर चहलकदमी करने लगा, मानो शुरुआत में सही शब्द ढूंढने की कोशिश कर रहा हो।
उनका ब्रिटिश लहजा और भी गाढ़ा हो गया, जिससे उनकी भारी आवाज थोड़ी और भारी लगने लगी।
कर्कश स्वर में: “हमारी एक अलग योजना है,” उन्होंने कहा। “जबकि स्वर्गदूत और
कफरनम के लोग विद्रोह में शामिल राक्षसों से लड़ने की कोशिश कर रहे हैं, हम कुछ और करना होगा।

हमें क्या करना होगा?
“हम मैनफ्रेड पर हमला करेंगे। वह चालाक है। उसके आस-पास कुछ पहरेदार जरूर होंगे। फरिश्तों को मैनफ्रेड के अभ्यास स्थल तक पहुँचने में कई दिन लगेंगे। इसीलिए हमें सीधे मैनफ्रेड के पास जाना होगा।”
आइवी और बाल्थाजार ने एक-दूसरे की ओर देखा। बाल्थाजार
उसने सिर हिलाया। "योजना अच्छी और तर्कसंगत भी लगती है।"
बाल्थाजार ने उत्तर दिया।
“मैनफ्रेड की जीत होगी चाहे फरिश्ते हमला करें या न करें। लेकिन हमारा क्या? उसे हमारी उम्मीद नहीं है। हम उस पर अचानक हमला करेंगे,” कैस्पर ने सोचा।

आइवी ने उसकी योजना पर विचार किया। कैस्पर जानता था कि उसने यह सीख लिया था कि प्रत्येक नेफिलिम, चाहे वह कोई भी हो
वह भाई, दोस्त या बहन जिससे वह मिली थी या जिसे वह जानती थी, वह होगा
युद्ध में आने वाले थे। उन्हें उसके साथ लड़ना होगा। यहाँ तक कि उसे जिस पर क्रश था, वो भी।
रयुन वहाँ होगी। अपने नेफिलिम समूह को छोड़ने के बारे में वह बात करने से कतराती थी।
“मुझे नहीं पता। मुझे यकीन नहीं है।” आइवी ने अपना सिर नीचे कर लिया। “मैंने...मैंने वादे किए हैं। बहुत से लोग वहां मेरा इंतजार कर रहे हैं।” “हमारा मुख्य उद्देश्य दोस्तों के बीच लड़ाई कराना नहीं है। बल्कि मैनफ्रेड को लूसिफर को जीवित करने से रोकना है,” कैस्पर ने सूक्ष्म लेकिन प्रेरक लहजे में कहा।
मैं उन्हें छोड़ नहीं सकता। प्रस्ताव के लिए धन्यवाद।
आइवी ने अपना सिर हिलाया। वह शर्मिंदा लग रही थी। उसने बाल्थाजार या कैस्पर की ओर देखने के लिए अपना सिर भी नहीं उठाया। बिना कुछ कहे, वह कमरे से चली गई।
“पता नहीं उसे हमारे साथ शामिल होने से क्या रोक रहा है,” बाल्थाजार ने टिप्पणी की। “तुम्हारी सांसों की बदबू,” कैस्पर ने जवाब दिया। “मुझे लगता है यही वजह है।”

***

कैस्पर ने आत्माओं की भूमि के बारे में केवल सुना और पढ़ा था। उसने उस जगह को कभी नहीं देखा था। उसकी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि वह जगह विचित्र लग रही थी। उसने कैपरनम, आइवी और ज़ेफिर को पीछे छोड़ दिया और उनसे पहले ही पोर्टल में प्रवेश कर गया। उसने कैपरनम से झूठ बोलकर उस स्थान का पता लगाया था कि वह और बाल्थाज़ार दरवाज़े पर इंतज़ार कर रहे होंगे।
आत्माओं की भूमि को रक्त की भूमि कहा जाना चाहिए था। आकाश से लेकर धरती तक सब कुछ लाल था, जगह-जगह घास के नुकीले धब्बे थे। दूर एक गिरजाघर खड़ा था, जिसके सामने राक्षसों की एक विशाल सेना जमा थी। वहाँ कोई व्यवस्था नहीं थी

और विभिन्न प्रकार के भयानक जीव एक अव्यवस्थित भीड़ में इकट्ठे थे। कुछ के पंख थे, जबकि कुछ के नहीं। कुछ का एक सिर था, जबकि

कुछ के पास दो थे। यह कैस्पर और बाल्थाजार दोनों के लिए एक अविस्मरणीय दृश्य था, जिनकी धुंधली आँखें आश्चर्य से चमक रही थीं।
वे नीचे झुककर कभी-कभी दौड़ते थे। राक्षस सीटी बजाते, गरगराते थे।
और टेढ़ी-मेढ़ी। उनके चारों ओर से अनेकों आवाज़ें उठ रही थीं।
दिशा। अगर उन्हें देख लिया गया तो उन्हें पीट-पीटकर कुचल दिया जाएगा।
उबले आलू।
कैस्पर ऐसा नहीं चाहता था। वह सावधानी से गिरजाघर के पिछले हिस्से की ओर बढ़ा और बाल्थाज़ार के साथ एक समाधि के पीछे छिप गया। दो राक्षस अपने हाथों में भाले कसकर पकड़े हुए पिछले दरवाजे की रखवाली कर रहे थे।
प्रत्येक के ऊपर एक गोला लटका हुआ था।
“हम ज़ेफिर की सेना का इंतज़ार कर रहे हैं, है ना?” बाल्थाज़ार ने पूछा। कैस्पर ने उसकी घबराहट भांप ली। “बिल्कुल नहीं,” उसने कहा। “मेरे पीछे आओ।” “मुझे हमेशा तुम्हारे पीछे क्यों आना पड़ता है? ये तो बहुत परेशान करने वाला है!”
कैस्पर उठ खड़ा हुआ। राक्षसों ने उसे देखा और तुरंत अपने गोलाकार भाले उसकी ओर तान दिए। उसने आत्मसमर्पण करते हुए अपने हाथ ऊपर उठा लिए, एक हाथ से उसने अपनी छड़ी पकड़ रखी थी। उसका थैला उसके कंधे पर ढीला लटका हुआ था। राक्षस आगे बढ़े, उनके चमकदार टैटू चमक रहे थे। उनके सिर मुंडे हुए थे और उनके मांसल शरीर पर काले टैटू बने हुए थे। कैस्पर को अपने सामने खड़ा देखकर वे भौंहें चढ़ा बैठे।

उनमें से एक ने पूछा, "पहचान बताइए।"
“कैस्पर सुकरात और बाल्थाजार।” उसने गार्गोयल की ओर हाथ हिलाया। राक्षसों ने एक-दूसरे को देखा।
“कैस्पर, यह सब क्या है?” गार्गोयल ने पूछा। “क्या यही तुम्हारी योजना है? कृपया, कृपया, कृपया, ऐसा मत कहो कि यही तुम्हारी योजना है।”
नहीं,
बिलकुल नहीं।
"धन्यवाद
ईश्वर।"

हम कैदी बनने जा रहे हैं।

“क्या!” बाल्थाजार हिल गया।
कैस्पर ने उसे घृणा भरी नज़रों से देखा। "अरे, बेवकूफ! अनुष्ठानिक महल में प्रवेश करने का यही एकमात्र रास्ता है।"
मुझे परवाह नहीं है। मैं तो बस ज़ेफिर की सेना के आने का इंतज़ार कर रहा हूँ, यार। मैं मैनफ्रेड क्रॉफ्ट के लिए भुना हुआ गार्गोयल नहीं बनना चाहता।
“ग्रिल्ड गार्गोयल?”
"मेरा विश्वास करो, वे हैं
स्वादिष्ट।"

एक राक्षस फुफकारते हुए बोला, "हमारे साथ आओ।"
दूसरे ने कैस्पर और बाल्थाजार को बांहों से पकड़ लिया। "तुम्हें बदतमीजी करने की ज़रूरत नहीं है, है ना?"
बाल्थाजार ने विलाप किया।
उन्हें आगे धकेलते हुए, राक्षस ने दरवाजा खोल दिया। यह एक अंधेरी गली में खुलता था, जहाँ बासी और खट्टी गंध फैली हुई थी। चूहे और कीड़े-मकोड़े इधर-उधर घूम रहे थे। उस गंध से किसी को भी उल्टी आ सकती थी। कैस्पर को एक ऐसी अशांत दुनिया में धकेल दिया गया, जिसका हिस्सा बनने के बारे में उसने कभी सोचा भी नहीं था। वह जानता था कि यह सिर्फ एक बार होगा। उसे अपने फैसले पर पछतावा नहीं होगा। यह उसके जीवन का हिस्सा था, उसके वर्तमान अस्तित्व का हिस्सा था, और भविष्य में वह जिस चीज का हिस्सा बनेगा, उसका हिस्सा था। उसके साथ, उसके परिवार के साथ, उसके कुत्ते के साथ जो कुछ हुआ था - सब कुछ इसी के लिए था।
गली खत्म हुई और उनके सामने एक विशाल मंच खड़ा था। वहाँ सीटों की एक कतार थी, जो टूटी-फूटी और चकनाचूर थीं, मानो किसी ने जानबूझकर उन्हें नष्ट किया हो। कतारों के ठीक सामने, एक गोल, छोटा पंचकोण चमक रहा था। मैनफ्रेड पास ही खड़ा था, हमेशा की तरह डरावना, अपने सनकी मुस्कान और चौड़ी, काली आँखों के साथ। उसने ऊपर देखा। कैस्पर को देखकर उसकी मुस्कान फीकी नहीं पड़ी, बल्कि और चौड़ी हो गई।
“तो, तो, तो। मूर्ख की तरह आए हो तुम?”
अकेले?” “मैं यहीं हूँ,” बाल्थाज़ार

□□□□□ □□□□□

“□□□! □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□!” □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□

दो राक्षस कैस्पर के पीछे खड़े थे, जबकि दो अन्य मैनफ्रेड के पीछे तैयार खड़े थे। कैस्पर उस पर हमला नहीं कर सकता था। यह असंभव था। अगर वह पलटवार करने के लिए उस पर झपटने की कोशिश करता, तो उसे पकड़ लिया जाता और पंजों से नोंचकर मार डाला जाता।
“मैं मॉर्निंगस्टार को पालने जा रहा हूँ, कैस्पर, मेरे प्यारे,” मैनफ्रेड ने जवाब दिया। “तुम इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते। लेकिन उसके बाद, मुझे यकीन है, हम कॉफी पीने जाएंगे और तुम मुझे मेरे बारे में सब कुछ बताओगे, कि तुम्हें मुझसे क्या नापसंद है। मैं कसम खाता हूँ, मैं बदलने की कोशिश करूँगा, प्रियतमा, सिर्फ तुम्हारे लिए।” वह व्यंग्यात्मक ढंग से हँसा। “तुम ऐसा क्यों कर रहे हो?” बाल्थाज़ार ने पूछा। उसकी आवाज़ सरल थी, फिर भी गुस्से से भरी थी। “ओह, ओह। कैस्पर को इसका जवाब पता है।” उसने कैस्पर के घुंघराले बालों को पकड़ा और
उसने उसे घुमाकर गार्गोयल के सामने कर दिया। “उसे बताओ, कैस्पर। मैं ऐसा क्यों कर रहा हूँ?” वह रुका। कैस्पर ने एक शब्द भी नहीं कहा। “यह घिनौना है। घिनौना, घिनौना, घिनौना। अपने पालतू को बताओ कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूँ। खैर, मैं तुम्हें बता देता हूँ, तुम्हारा जो भी नाम हो। मुझे खतरा पसंद है।”
बस इतना ही? क्या आपको अरबों लोगों के भविष्य की कोई परवाह नहीं है? लोग?” “नहीं, बिल्कुल नहीं।” उसने कैस्पर के बाल छोड़ दिए और चला गया। “तुम्हें देखो।”
बड़े ही अज्ञानी और नासमझ पत्थर के औलाद हो तुम, है ना? चिंता मत करो। तुम्हारा मालिक, यह बदमाश, कई रहस्य रखता है जो तुम्हें तब तक मनोरंजन प्रदान करेंगे जब तक मैं अपना उद्देश्य पूरा नहीं कर लेता।
बाल्थाजार ने असमंजस भरी निगाहों से कैस्पर को देखा। उसने उससे मिलने से इनकार कर दिया।
गार्गोयल की जिज्ञासु निगाहें। अपने जीवन में पहली बार, उसे कायरता का एहसास हुआ।
मैनफ्रेड पंचकोण के पास गया और घुटनों के बल बैठ गया। उसने एक पंख को एक तरफ रख दिया।
तारों के साथ-साथ एक झुकी हुई हड्डी, एक छोटा गोलाकार कम्पास, पुराना और बेरहमी से

यातना दी गई, और अंत में, खून बहा। फिर उसने एक गोल ताबीज नीचे रख दिया जिस पर एक चिन्ह अंकित था।
पंचकोण के केंद्र में प्रश्न चिह्न के आकार का चित्र। उसने चाक से जोड़ा।
रेखाओं और प्रतीकों से तब तक चमकता रहा जब तक कि वह तेज़ी से चमकने न लगा।
पंख में सार समाहित था।
एक कुफल का। झुकी हुई हड्डी में एक की तरह थी।

□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□

□□□□□□□

□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□, □□□-□□□□□ □□□□ □□ □□□

मुस्कुराता हुआ खून

राक्षसों के सामने इकट्ठा होने से चीख-पुकार मच गई।
हवेली। उनके बीच गुर्राहट, चीख-पुकार और रोने की आवाजें थीं। सबने सिर घुमाए।
प्रवेश द्वार की ओर। लंबे पंख और तलवारें और खंजर पकड़े हुए हाथ थे। खिड़की से दिखाई दिया। स्वर्गदूत आ गए थे। कैस्पर मुस्कुराया और बाल्थाजार
मुस्कुराया। मैनफ्रेड की मुस्कान में कोई बदलाव नहीं आया, बल्कि वह तीव्रता से चमक उठी।
हताशा।
“अच्छा कदम है, सुकरात, लेकिन तुम्हारे दोस्त देर से आएंगे।” “इतनी देर नहीं!” एक आवाज ने कहा।
आइवी अपनी दोधारी तलवार लेकर प्रकट हुई और राक्षसों की ओर दौड़ पड़ी। एक ही झटके में उसकी तलवार राक्षस के शरीर में धंस गई। जैसे ही राक्षस चूर-चूर हुआ, घना काला धुआं फूट पड़ा। फिर उसने हाथ के एक और झटके से तलवार की मूठ घुमाई और दूसरे राक्षस का सिर काट डाला। राख में लिपटे राक्षसों से गुर्राहट और दहाड़ें सुनाई दीं।
कैस्पर ने अपनी छड़ी के एस वाले हिस्से को एक राक्षस में घुसा दिया। राक्षस ने उसे लात मारकर दूर फेंक दिया।
और उसने देखा कि वह कमरे में इधर-उधर लुढ़कता रहा और अंत में एक कोने में जाकर रुक गया।
बाल्थाजार ने राक्षस पर कई चाकू फेंके, जिसके बाद वह पीछे गिर गया और विलीन हो गया।
राख और धुआँ। जब वे मैनफ्रेड की ओर मुड़े, तो उन्होंने पाया कि वह अपना काम पूरा कर चुका था।
अनुष्ठान।
कैस्पर ने अपनी छड़ी उसकी पतली त्वचा पर ज़ोर से मारी जिससे वह ज़मीन पर गिर पड़ा। मैनफ्रेड ज़ोर से हँसा, खुद पर गर्व महसूस करते हुए। उसने कॉलर पकड़कर उसे उठाया, उसका धूल से सना कोट उसके पीछे फड़फड़ा रहा था।

मैं इस अनुष्ठान को कैसे उलट पाऊंगा?
“कैस्पर, इसे पलटने का कोई तरीका नहीं है। तुम फिर से हार गए,” मैनफ्रेड ने कहा।
हंसते हुए उसके दांत किटकिटा रहे थे। "क्या तुम्हें कभी पता चला कि मुझे कफरनम के बारे में कैसे पता चला?"
था

गद्दार? उफ़... नीली घूमती डोरियाँ उसके गले में लिपट गईं। "क्या तुम्हें कभी आश्चर्य नहीं हुआ कि मुझे सब कुछ कैसे पता चला? ज़रा सोचो।"
कैस्पर ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। मैनफ्रेड की गर्दन पर उसकी पकड़ ज़रा भी ढीली नहीं हुई, उसका मन भटक रहा था। जब उसे कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं मिला, तो उसने अपनी उंगलियाँ और कस लीं और उसकी साँस रोक दी। "तुमने ज़रूर कोई घिनौनी साज़िश रची होगी।"
“गलत,” मैनफ्रेड ने जवाब दिया। “ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मैं तुम्हारे दिमाग में घुसने में कामयाब हो गया था।” आश्चर्य से उसका शरीर सुन्न पड़ गया। एक पल के लिए, उसने सोचा कि वह
उसे गलतफहमी हुई थी। शायद उसने मैनफ्रेड की बात गलत सुनी थी। उसने मैनफ्रेड की गर्दन से अपने हाथ हटा लिए।
मैनफ्रेड का चेहरा लाल और धब्बेदार हो गया था, और वह ज़ोर से खांसने लगा। "हाँ..." उसने खांसते हुए कहा। "यह वाकई चौंकाने वाला है, है ना? हाहाहा।" वह एक बार फिर ज़ोर से हंस पड़ा। "आप सोच रहे होंगे कि मुझ जैसा चिड़चिड़ा आदमी आपके दिमाग में कैसे घुस सकता है। खैर, यह वास्तव में बहुत आसान है। आप कभी-कभी अंदर घुस जाते हैं। हर बार नहीं, लेकिन अगर आप ध्यान केंद्रित करें, तो..."
उसने गले की सूजन कम करने के लिए मालिश की। “एक बार जब आप किसी व्यक्ति के अवचेतन मन के बारे में जान लेते हैं, तो आप उसके मन में प्रवेश कर सकते हैं। मैं ऐसा करने में सक्षम था। बस...उम...ठीक है, शायद पाँच सेकंड के लिए। और वो पाँच सेकंड...हे भगवान! वे अद्भुत थे!”
आइवी और बाल्थाजार सदमे की एक गहरी लहर के कारण अपनी जगह पर जड़वत खड़े रह गए।
उनके शरीर में एक अजीब सी सनसनी दौड़ गई। कैस्पर का चेहरा आश्चर्य से चमक रहा था।
अप्रत्यक्ष रूप से, वही व्यक्ति था जिसने मैनफ्रेड को जानकारी दी थी। कफरनम का विश्वासघात। इतने समय तक, उसे कफरनम पर भरोसा नहीं था, फिर भी जो उसने किया
उसे खुद पर भरोसा नहीं करना चाहिए था।
“वो पाँच सेकंड...उन्होंने मुझे दिखाया...” उसने अपनी कुंद उंगलियों को आगे बढ़ाया

कैस्पर की छाती से लगकर। "तुम्हारे छोटे शैतान दोस्त के बारे में और इस तथ्य के बारे में कि वह..."
ऊपर जा रहा है

हमारे खिलाफ, अपनी ही मूर्ख जाति के खिलाफ। यह बहुत बुरा, बहुत मूर्खतापूर्ण और बहुत हास्यास्पद था। सच में, यह शर्म की बात है।” वह हँसा। “तुमने मुझे बहुमूल्य जानकारी दी। तुम्हारे दिमाग में झाँकने का मतलब है तुम्हारे छोटे-छोटे रहस्यों को जानना। उनमें से एक रहस्य तुम्हारी खड़ी दीवार के पार चला गया और मैंने उसे पकड़ लिया। अब...अब...” उसने पंचकोण को घूरा। “तुम हार गए। फिर से। तुम्हें पागल बनाना, तुम्हें पागल के रूप में चित्रित करना, इसमें मज़ा आता है। कोई भी पागल हो सकता है, कैस्पर सुकरात। कोई भी हो सकता है, अगर उसके पास
एक बुरा दिन।"
पंचकोण चमक उठा। तेज रोशनी कांच की खिड़कियों से छनकर कैस्पर की आंखों में क्षण भर के लिए चकाचौंध पैदा कर दी। बाल्थाजार ने अपने हाथों से अपनी आंखें ढक लीं। आइवी ने भी अचानक तेज रोशनी से बचने के लिए अपनी आंखें ढक लीं।
मैनफ्रेड की आंखों में चमक आ गई। "यह अंत की शुरुआत है।"
कैस्पर आगे बढ़ा और उसने उसके चेहरे पर एक घूंसा मारा। उसकी नाक से काला चिपचिपा पदार्थ निकला।
मैनफ्रेड ने टूटे दांतों के बीच मुस्कुराते हुए कहा, “यह इतिहास है, कैस्पर। इतिहास खुद को दोहरा रहा है। मैं जीता, तुम हारे। बात इतनी ही सरल है। हमारी कहानी – बस दोहराई जा रही है। यह खत्म हो रही है और फिर शुरुआत में लौट रही है। हमारी कहानी।”
इसमें कोई बदलाव नहीं आया है।
“नहीं। नहीं। यह दोहराव नहीं है। यह अंत है। इस कहानी में, तुम्हारी मृत्यु होगी।” कैस्पर ने 'S' को घुमाते हुए कहा। छड़ी एक छुरी में बदल गई। एक ही झटके में उसने छुरी को मैनफ्रेड की छाती में घुसा दिया। “यह मृत्यु का उपहार है।”
मैनफ्रेड के मुंह से काला तरल पदार्थ बह निकला। वह मुस्कुराया और ज़मीन पर गिर पड़ा। उसके हाथ-पैर अलग-अलग दिशाओं में फैले हुए थे। उसकी क्रूर मुस्कान थोड़ी डरावनी थी। जैसे-जैसे उसकी पुतलियाँ धुंधली होती गईं, उसकी मुस्कान बनी रही। कैस्पर लाश को घूरता रहा। उसकी मृत्यु जैसी मुद्रा बेहद विचलित करने वाली थी।

“वह मर गया,” बाल्थाजार ने धीमी आवाज़ में कहा। “यह अच्छी बात है। अराजकता का अंत हो गया।”

कैस्पर का हाथ कांप रहा था जब उसने शॉटेल (चाकू) को छोड़ा और उसे अपने घुंघराले बालों में फेरा। सदमे की लहर उसके अंदर दौड़ गई। "नहीं, नहीं, नहीं," वह धीरे से बोला और पीछे हट गया। बिना कुछ कहे वह ज़मीन पर गिर पड़ा। उसकी आँखें पीली पड़ गईं।
“क्या हुआ?” आइवी ने उसके बगल में घुटने टेकते हुए और उसके ठंडे, बेरंग गालों को छूते हुए पूछा। “क्या हुआ? तुमने मैनफ्रेड को मार डाला। अब हमें...”
“नहीं।” कैस्पर ने आइवी की जिज्ञासु निगाहों से नज़रें मिलाने से इनकार कर दिया। इसके बजाय, वह मुस्कुराते हुए और बेजान पड़े शव को घूरने लगा। “नहीं!” वह चिल्लाया।
आइवी डर गई। “क्या हो रहा है? मैनफ्रेड मर गया है, कैस्पर। तुम इस बात से इतने हैरान क्यों हो रहे हो?”
कैस्पर ने बाल्थाजार और आइवी की ओर देखा। उसकी अपरिचित निगाहें बेचैन कर देने वाली थीं। उसके होंठ सफेद पड़ गए थे और उसकी कांस्य रंग की आंखें निराशा से उबल रही थीं।
“क्योंकि...वह कभी मर नहीं सकता!” उसने धीमी आवाज़ में कहा।
“लेकिन तुमने कहा था कि तुम उसे मार डालोगे!” बाल्थाजार ने भयभीत होकर हांफते हुए कहा। “मेरा मतलब सचमुच मारने से नहीं था। मैंने उसे चोट पहुँचाने के बारे में सोचा था, लेकिन वह... वह मर गया।” “तुम्हें इतना सदमा क्यों लग रहा है?”
“बुराई कभी मर नहीं सकती। यही तो असली बात है। बुराई कभी नहीं मर सकती।” कैस्पर उठ खड़ा हुआ और अपने बिखरे हुए कोट से धूल झाड़ी। वह लाश के पास गया और उसे एक बार फिर देखा। “वह सचमुच मर चुका है।”
धरती कांपने लगी। धरती में दरारें और छेद होने लगे। लड़खड़ाते और गिरते हुए, कैस्पर ने संभलने की पूरी कोशिश की। उसने अपना थैला और शॉटेल उठाया और बाकी लोगों को बाहर निकलने का आदेश दिया।
“ल्यूसिफर का उदय हो रहा है।”
तीनों ने दरवाज़े तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो उन्हें वहाँ लड़ाई चलती नज़र आई।
देवदूत और राक्षस। जबकि देवदूत अपने पंखों, भालों और हथियारों से लड़ रहे थे।

[illegible]

“[illegible],” [illegible] [illegible] [illegible] “[illegible] [illegible] [illegible]!”
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

“नहीं!” एक दानव फुर्ती से उसकी ओर झपटा। उसने अपनी पीठ झुकाई और अपनी तलवार उसके पेट में घोंप दी, फिर उसके शरीर को एक तरफ फेंक दिया। “अनुष्ठान पूरा हो गया है।”
रयुन की मुस्कान गायब हो गई। ज़मीन और तेज़ी से हिलने लगी। कैस्पर गायब हो गया। उसके पीछे दो राक्षस प्रकट हुए। स्थिति कठिन थी। वह एक नश्वर प्राणी था। वह युद्ध में कई कारगर रणनीतियों का इस्तेमाल करने के लिए जाना जाता था। आमने-सामने की लड़ाई उसके लिए आसान थी। लेकिन... यह उसके बस की बात नहीं थी। वह बेबस था। राक्षसों के पंजे हाथी के पंजे से भी ज़्यादा मज़बूत थे। फिर भी, उसने अपनी पूरी ताकत लगा दी। उसने एक राक्षस के गले में छुरी ठोक दी।
एक और दानव उसकी ओर बढ़ा, लेकिन उसके रास्ते को रोक दिया गया।
बाल्थाज़र ने अपने हाथों से मैदान को जकड़ लिया। कीचड़ उड़ने लगा और वातावरण में हलचल मच गई।
रंग फीका पड़ गया। कैस्पर को घुटन महसूस हुई, फिर भी उसने किसी तरह मुस्कुराने की कोशिश की।

***

“मुझे लगता है हम हार गए हैं,” रयुन ने आइवी का ध्यान अपनी ओर खींचते हुए जवाब दिया। “हम हार नहीं सकते,” आइवी ने कहा, और सबसे बुरी बात मानने से इनकार कर दिया।
“हाँ, हो गया। मैं मरने वाला हूँ।” उसने उसका ध्यान अपनी छाती पर लगे गहरे घाव की ओर दिलाया। “मैं बहुत कमजोर महसूस कर रहा हूँ।”
“नहीं, नहीं!” उसने उसे अपनी बाहों में भर लिया, उसकी काली आँखें गहराई से उसकी ओर देख रही थीं।

उसका।
“मैं बस...उह्ह्ह!” उसने घाव को पकड़ लिया। “मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि मैं तुम्हें पसंद करता हूँ। जब से मैंने तुम्हें पहली बार देखा है, तब से, हालाँकि मैं तुम्हें बताने से डरता था। लेकिन अब ये...” घाव के चारों ओर एक नीला निशान बनने लगा। “मुझे परवाह नहीं। मैं बस इतना कहना चाहता था।”

उसकी आँखों से आंसू बह रहे थे, होंठ कांप रहे थे और वह रयुन को सहारा देने की कोशिश कर रही थी। धीरे से उसने अपनी उंगलियाँ उसके सुनहरे बालों में फेर दीं। "क्या अब यह कहने में बहुत देर हो चुकी है?"
“मैं मर रहा हूँ, आइवी। मैं तुम्हें वो बात बताए बिना नहीं मरना चाहता जो मैं हमेशा से कहना चाहता था। मुझे इसका पछतावा होगा। यहाँ नहीं, बल्कि मृत्यु के बाद।”
"तुम एक मूर्ख हो," उसने नम चेहरे से मुस्कुराते हुए कहा।
उसकी मुस्कान उदास और कमजोर थी। उसका चेहरा पीला पड़ गया था। उसकी नीली चमकती आँखों की तीव्रता ने उसके भीतर एक ऐसी भावना उत्पन्न कर दी जिसे वह नियंत्रित नहीं कर सकी। "मुझे माफ़ कर दो।" उसने खून की उल्टी की। "मुझसे एक वादा करो, आइवी।"
“तुम मर नहीं रहे हो!”
“नहीं, नहीं।” उसने अपनी हथेलियों से उसके गालों को थाम लिया और कसकर पकड़ लिया। उसे ज़रूरत थी कि वह उसकी बात ध्यान से सुने। “मुझसे वादा करो... कसम खाओ... कि तुम लुसिफर को हराने का रास्ता खोजोगी। उस कमीने को हराने का रास्ता खोजो!”
“मैं…” शब्द उसके गले में ही अटक गए। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे। उसका दोस्त – उसका क्रश, उसकी बाहों में दम तोड़ रहा था।
“मुझसे वादा करो!” वह चिल्लाया और एक बार खांसा।
और भी। “ठीक है!” उसने मान लिया। “मैं – मैं
इच्छा।"
"अच्छा!"
आइवी झुकी और अपने होंठ उसके होठों से लगाकर उसे जी भर के चूमा। उसने भी उसे चूमा, उसके हाथ आइवी के लाल रंग से रंगे बालों में फिसल गए। धीरे-धीरे उसके हाथों की पकड़ ढीली हुई और वे ज़मीन पर गिर पड़े। आइवी को ऐसा लगा जैसे वह बर्फ के टुकड़े को चूम रही हो। वह चौंककर पीछे हटी और उसे आँखें बंद और होंठ खुले हुए वहाँ लेटा हुआ पाया। उसके होठों से साँस नहीं निकल रही थी। वह मर चुका था।

“तुम नहीं कर सकते,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “तुम नहीं कर सकते!”

एक बर्फीले ठंडे हाथ ने उसे पीछे से थाम लिया। उसका चेहरा आंसुओं से पूरी तरह भीगा हुआ था। ‘सब ठीक है। सब ठीक है,’ कोई कह रहा था। शब्द मानो दूर से आ रहे थे। मानो सारी संवेदनाएं मंद पड़ गई थीं।
“मेरी तरफ देखो,” किसी ने आदेश दिया। उसने मुड़कर देखा तो बिल्ली जैसी हरी आँखें उसे घूर रही थीं। “तुम्हें यहाँ से निकलना होगा।”
“तुम कहाँ थे, मृत्यु?” उसने मृत्यु के सहारे खड़े होते हुए पूछा। उसने चारों ओर देखा तो पाया कि देवदूत, राक्षस, नेफिलिम और अति-राक्षस आपस में लड़ रहे थे। “तुम कहाँ थे?”
“ये मेरे भाई-बहन थे। उन्होंने ही...उन्होंने ही अनुष्ठान के बारे में जानकारी दी थी। मैं उनसे मिलने गया था।”
हमें यहां आपकी मदद की जरूरत थी।
“मैं कुछ नहीं कर सकता, आइवी।” मौत का चेहरा पीला पड़ गया था। उसके चमकदार काले बाल उसके चेहरे से बिल्कुल अलग दिख रहे थे। “मैं ये नहीं कर सकता। मैं तो बस आत्माओं को इकट्ठा करता हूँ और गिनता हूँ। मैं किसी को नहीं मारता। लेकिन तुम कर सकती हो। तुम कर सकती हो और तुम करोगी भी। तुम अभी जाओ और कैस्पर और बाल्थाज़ार को ढूंढो और निकल जाओ। लूसिफ़र नरक से आ रहा है। वो ज़्यादा दूर नहीं है। मैं जाकर उसे रोकने की कोशिश करूँगा, लेकिन तुम अभी जाओ। बस जाओ!”
आइवी ने कुछ मिनटों तक उसे निहारा। वह उसकी इच्छा के विरुद्ध जाने में ज़रा भी संकोच नहीं करती। रयुन के शव को, जो ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर पड़ा था, एक आखिरी कठोर दृष्टि से देखने के बाद वह तेज़ी से भाग निकली।

***

कैस्पर और बाल्थाजार कंधे से कंधा मिलाकर, पीठ से पीठ मिलाकर खड़े थे, रक्षा करते हुए।
खुद। युद्ध में दिमाग मायने नहीं रखता, बल्कि ताकत मायने रखती है। कैस्पर का
नश्वर शक्ति एक साथ इतने सारे राक्षसों से लड़ने में सक्षम नहीं थी। बहुत ज्यादा। उसका शरीर

उसका शरीर दर्द से तड़प रहा था और दिल ज़ोर से धड़क रहा था। उसे अपने चारों ओर जमा राक्षसों की गुर्राहट और दहाड़ सुनाई दे रही थी। उनकी रबर जैसी त्वचा उसका सिर फोड़कर उसका दिमाग खाने की कोशिश कर रही थी। वह केवल अपनी छुरी का इस्तेमाल करके खुद का बचाव कर सकता था।
कैपरनम का कहीं कोई अता-पता नहीं था। वह कहाँ था? क्या वह लड़ रहा था? क्या वह स्वर्गदूतों से लड़ रहा था या राक्षसों से? वह एक राक्षस था, लेकिन वह ईश्वर की ओर था।
देवदूत। और देवदूत? वे एक विशाल दीवार के सामने कबूतरों के झुंड की तरह उड़ गए।
एक ऐसा प्राणी जिसका सिर सांप जैसा है और मुंह से जहरीले दांत बाहर निकले हुए हैं।
उसने अपनी चिपचिपी जीभ बाहर निकाली। कुछ के पंख काट दिए गए और वे जलकर गिर पड़े।
तीर उनके पार्श्वों में घुस गए। नेफिलिम, अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण आसानी से पहचाने जा सकते थे।
युद्ध सामग्री और चमकती आँखों के साथ, वे फुर्तीले और रक्षात्मक थे, लेकिन साथ ही साथ,
वे अधिकांश राक्षसों से कमजोर हैं।
वह सब कुछ देख सकता था। यहाँ तक कि कब्रों का वह लंबा धब्बादार मैदान भी।
वे
अनंत, क्षितिज की ओर फैला हुआ और इस भूमि के केंद्र में मिल रहा है।
लैंड ऑफ सोल्स सभी कब्रिस्तानों का चरमोत्कर्ष था। जले हुए कब्रिस्तानों में कब्रें बिखरी हुई थीं।
जगह-जगह घास जंगल की आग की तरह फैल रही थी। बलूत के पेड़ अपनी शाखाओं के साथ खड़े थे और
टहनियाँ टेढ़ी-मेढ़ी और टूटी हुई थीं, मानो वे इस युद्ध को नहीं चाहती थीं, मानो वे शांति चाहती थीं।
और सद्भाव।
अपने आस-पास का जायज़ा लेते हुए उसकी नज़र एक लड़की पर पड़ी। वह उसकी तरफ नहीं देख रही थी, जो युद्ध के मैदान में अकेला इंसान था। वह ऐसे चल रही थी मानो वह अपने परिवार के बगीचे में हो, मानो अपनी माँ को ढूँढ रही हो। वह

छोटी थी, लगभग पाँच साल की, उसने गहरे लाल रंग का कोट पहना हुआ था जो उसके लिए बहुत भारी और बड़ा था। उसने कोट का वज़न संभालने के लिए कॉलर ऊपर उठा रखे थे। एक बच्ची होने के बावजूद, उसका चेहरा भोला था, नीली आँखें और काले बाल थे। उसकी त्वचा फेंटे हुए मलाई की तरह गोरी थी। चलते-चलते लाल कोट पर कीचड़ के छींटे पड़ गए थे।
वह लड़की खेत के बीचोंबीच क्यों थी? वह क्या कर रही थी? क्या यह उसकी कल्पना मात्र थी? क्या वह लड़की सचमुच मौजूद थी? या वह उसके अवचेतन मन का हिस्सा थी, जिससे वह परिचित नहीं था? वह क्या करने की कोशिश कर रही थी?

सवाल आसानी से पूछे गए, सामान्य, उदासीन शब्दों से भरे हुए, जिनमें कोई सूक्ष्म अर्थ नहीं था। फिर भी, उन सवालों के जवाब ही समस्या की जड़ थे। उस लड़की में कुछ अलग था। कुछ ऐसा जिसे वह समझा नहीं सकता था। युद्ध के मैदान के बीच चुपचाप चलते हुए वह सामान्य लग रही थी, लेकिन उसका व्यवहार समझ से परे था। जब वह खिलते हुए गहरे नीले पौधे के पास घुटनों के बल बैठी, तो कैस्पर के मन में कुछ कौंध गया।
उसके चेहरे पर भय स्पष्ट रूप से झलक रहा था। न मुस्कान, न हंसी। बस उदासी और निराशा का भाव था। उसने पौधे को छुआ और वह धीरे-धीरे मुरझा गया, मानो उसके छोटे हाथों का स्पर्श उसे पसंद न आया हो। वह उदासी से उसे देखती रही, उसके फिर से जीवित होने का इंतजार करती रही। वह माफी मांगना चाहती थी, उसे छूकर सुलह करना चाहती थी। सबसे बढ़कर, वह युद्ध या लड़ाई नहीं चाहती थी। वह केवल शांति और सुलह चाहती थी।
उस लड़की ने कैस्पर को अपनी ओर आकर्षित किया, क्योंकि वह उसके भ्रम का अर्थ समझने की कोशिश कर रही थी। फिर भी, उसे यह संदेह होने लगा कि क्या यह वास्तव में एक भ्रम था। उसे यकीन नहीं था कि जो वह देख रहा था वह सच था। जो भी हो, वह जानता था कि उसने जो देखा उसमें उसे कुछ अर्थ मिल सकता है। उस लड़की और पौधे के प्रति उसके स्नेह में थोड़ी सच्चाई थी।
वह कांप उठा और मतिभ्रम से बाहर आ गया। जैसे ही उसके गालों से खून की धारें धीरे-धीरे बहने लगीं, उसकी रीढ़ की हड्डी में समझ की एक लहर दौड़ गई। उसका घुटना ज़मीन पर लगा और कीचड़ पर फिसल गया। उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। लड़की वहाँ नहीं थी। न ही पौधा। इसके बजाय, उसके सामने युद्ध और अंधकार का दृश्य था।
उसके कानों में धीमी फुसफुसाहट सुनाई दी। भजनों की तरह, वे गाने लगे; धीमी, गहरी आवाज़ें जो लगभग डरावनी थीं। वह अपने दिल की तेज़ धड़कन सुन सकता था। ऐसा लग रहा था मानो उसका दिल सीने से फटकर बाहर निकलना चाहता हो, त्वचा को चीरकर इस सारी पीड़ा से मुक्ति पाना चाहता हो। उसकी उंगलियां सुन्न हो गईं, मानो उनमें से सारा खून निकल गया हो।

उसका चेहरा ज़मीन पर पटक दिया गया, उसके सिर से लाल खून बह रहा था।
अनिश्चितता से उसके हाथ मिट्टी में मुट्ठी की तरह जकड़े हुए थे। उसकी आँखें खुलती और बंद होती रहीं, उसके सामने की छवि धीरे-धीरे धुंधली होती गई। उसकी दृष्टि अस्पष्ट हो गई और उसके सामने छोटे-छोटे बिंदु बनने लगे।
इन सबके बावजूद, एक चीज़ थी जो उसे असाधारण बनाती थी।

कैस्पर अपने बिस्तर पर लेटा हुआ मुस्कुरा रहा था।

अफ टर्मथ

“हैलो, मेरे दोस्तों। मैं लॉन्गहॉर्न डार्सी हूं और मैं मैट्रिक्स कॉर्पोरेशन का नया चेयरमैन हूं,” काले सूट पहने उस व्यक्ति ने कहा। उन्होंने पिन-स्ट्राइप वाला लंबा सूट पहना था, जिसके नीचे सफेद शर्ट पर छोटे-छोटे रंगीन डॉट्स बने थे और गले में मखमली टाई बंधी हुई थी। उनके जूते हरी रोशनी में चमक रहे थे।
“मैंने यह कंपनी इसके पिछले मालिक, श्रीमान मान से खरीदी थी। बड़े अच्छे इंसान थे। श्रीमान बूढ़े हो चुके थे और नहीं चाहते थे कि उनकी कंपनी उनके नाकाबिल वारिसों के हाथों में चले, इसलिए उन्होंने इसे मुझे बेच दिया।” वह मुस्कुराए। उनकी मुस्कान बेहद चमकदार और साफ थी। उनके हर शब्द में खुशी झलक रही थी, और उन्होंने जवाब दिया, “मुझे पता है कि मेरे साथ काम करने में आपको थोड़ी असहजता होगी। आप श्रीमान मान के तौर-तरीकों के आदी हो चुके हैं। मैं यह समझता हूँ। लेकिन चिंता मत कीजिए। मैं चाहता हूँ कि आप यह जान लें कि मैं एक समझदार बॉस हूँ।”
वह हँसा। सैकड़ों निगाहें उस पर टिकी थीं। “मैं आपका बॉस नहीं हूँ। कृपया, जब आप मुझसे मिलें, तो मुझे लॉन्गहॉर्न कहकर बुलाएँ। मुझे कोई औपचारिकता नहीं चाहिए।” वह मंच के बाईं ओर चला गया। “मुझे बस सफलता चाहिए।” उन्होंने मुट्ठी उठाई। “सफलता कोई ऐसी चीज़ नहीं है जो आपको मिलती है। यह कागज़ में लिपटा कोई उपहार नहीं है। सफलता वो है जो जुनून और कड़ी मेहनत से हासिल की जाती है। मुझे वही चाहिए। अगर आप मुझे वो देंगे, तो आप मैट्रिक्स के कर्मचारी बन जाएंगे, लेकिन अगर नहीं... तो कृपया मेरी बात सुनिए। अगर नहीं...” उन्होंने अपने कर्मचारियों की ओर उंगली उठाई, जो उन्हें हैरानी और हंसी के साथ देख रहे थे। “तुम्हें भुला दिया जाएगा। मैं सच कह रहा हूँ!” उन्होंने ऐलान किया। “मुझे सफलता चाहिए, अभी। आज से ही। अगर कोई सवाल हो, तो कृपया मेरे कार्यालय में मिलें।” वे रुके और अपना हाथ अपनी पैंट की जेब में डाला। “सवाल?”
किसी ने एक शब्द भी नहीं कहा। कमरे में सन्नाटा छा गया। कई लोगों ने अपने हाथ उठाए।

उन्होंने अपनी भौंहें चढ़ा लीं और होंठ सिकोड़ लिए क्योंकि वे वर्तमान परिस्थिति के लिए उपयुक्त प्रश्न खोजने की कोशिश कर रहे थे।
परिस्थिति।

लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। इसके बजाय, उन्होंने अपनी असुरक्षाओं को दूर भगा दिया और उन्हें जाने दिया। तभी भीड़ में से किसी ने बेहद अनुचित तरीके से ध्यान आकर्षित करने के लिए चिल्लाया।
“हाँ, मुझे एक मिला,” उस आदमी ने कहा। “क्या तुम इसके लिए योग्य भी हो?” अध्यक्ष महोदय?” सिर घुमाकर उसने एक मोटे आदमी को देखा जिसके हाथ में कॉफी का मग था।
उसके हाथ में।
वह बिना किसी कारण के मुस्कुरा रहा था। उसका रवैया कठोर था और उसकी एक आँख फड़क रही थी। "मैं इस सवाल का जवाब अपने दफ्तर में दूंगा, महोदय?" “हॉपकिंस। जैक हॉपकिंस।”
“श्रीमान हॉपकिंस, कृपया पांच मिनट में मुझसे मिलें। क्या आपके कोई और प्रश्न हैं? यदि कोई हों, तो मैं सहर्ष उत्तर दूंगा।”
जब कोई नहीं आया, तो वह मंच से गायब हो गया।

***

लॉन्गहॉर्न ने अपने दफ्तर का दरवाजा खोला तो अंदर एक और आदमी खड़ा था। वह बेदाग ढंग से कपड़े पहने हुए था और उसके बाल एकदम काले और करीने से कटे हुए थे, जो पीछे से तिरछे थे। उसका चेहरा नुकीला और सीधा था और उसकी भूरी आँखें जिज्ञासु थीं। लॉन्गहॉर्न ने मुस्कुराते हुए उसे अंदर कदम रखा और दरवाजा बंद कर दिया।

"तुम्हें देख कर मैं खुश हूँ।"
“तुम्हें भी, भाई,” लॉन्गहॉर्न ने हाथ मिलाते हुए कहा। “मुझे बहुत ताज़गी महसूस हो रही है।” उसने अपने हाथों को ऐसे देखा जैसे उन्हें पहली बार छुआ हो। “ये बेचारे परजीवी मेरी उम्मीदों से बिल्कुल अलग हैं।” उसने अपनी चिकनी त्वचा को छुआ। “देखो इसे। ये कितनी मुलायम है, कागज़ या घास जैसी। मैं अपनी भावनाओं को इसमें कैसे व्यक्त करूँ, समझ नहीं आ रहा।” वह हँसा। फिर वह अपनी कुर्सी की ओर बढ़ा और आराम से बैठ गया। “मैमन कहाँ है?”

"वह हमेशा की तरह महिलाओं की तलाश में बाहर निकला है।"
“नश्वर स्त्री... मुझे आश्चर्य होता है कि वे कैसी होती होंगी,” लॉन्गहॉर्न ने हंसते हुए कहा। “लेविथान, मुझे वह शक्ति क्यों नहीं महसूस हो रही जो मुझे होनी चाहिए? मैं लूसिफर मॉर्निंगस्टार हूं, सृष्टिकर्ता। फिर भी मुझे ऐसा महसूस नहीं होता।”
लेविथान उसके सामने बैठा और एक पैर दूसरे पर रखकर बैठ गया। उसकी मुस्कान यह अविस्मरणीय और सरल था। “आप मानव रूप में हैं, एक ऐसा रूप जो
यह राक्षसों और देवदूतों की शक्तियों को सीमित करता है। मनुष्यों में आमतौर पर इस तरह की शक्तियां होती हैं।
जिसका हम पर प्रभाव पड़ता है।"
“इसीलिए तो मैं उनसे नफरत करता हूँ, भाई।” लुसिफर मुस्कुराया। “मैंने सुना है कि किसी धूर्त या किसी शक्तिशाली प्राणी ने मुझे नरक से छुड़ाया है।” "ओह, हाँ, मैनफ्रेड क्रॉफ्ट।"
“मुझे तो उसे इतने नेक कर्तव्य के लिए उपहार देने चाहिए थे।” लुसिफर ने अपना सिर झुकाया और एक फ़ोल्डर उठाया। “बेचारा मर गया। लेकिन फिर मैं उठ खड़ा हुआ। हर पतन के बाद एक उत्थान होता है,” लुसिफर ने व्यंग्य किया। लेविथन मुस्कुराया। उसने चारों ओर देखा। दीवारों पर तस्वीरें टंगी हुई थीं। ज़मीन पर सुंदर, आलीशान संगमरमर रखे थे। मेज पर पोस्ट और डेली अखबारों के लेख बिखरे पड़े थे, जिनमें से एक की हेडलाइन थी, 'लॉन्गहॉर्न डार्सी मैट्रिक्स कॉर्पोरेशन के नए चैंपियन हैं।' एक अन्य लेख में लिखा था, 'लॉन्गहॉर्न डार्सी, दुनिया के दस सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक।'

"लॉन्गहॉर्न डार्सी क्यों?" लेविथान ने पूछा।

“तुम्हारा क्या मतलब है?” लुसिफर ने सोचते हुए अपनी उंगली अपने होंठों पर फिराई।
“आप किसी और का रूप, किसी और का आकार ले सकते थे। फिर भी आपने लॉन्गहॉर्न डार्सी का रूप धारण किया, जो सबसे कम उम्र के अरबपति हैं और जहां भी जाते हैं, सुर्खियों में बने रहते हैं।”
ल्यूसिफर ने गर्मजोशी से मुस्कुराया। वह अपने पैरों पर खड़ा हुआ और चलने लगा।

□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□
□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ "□□□□□□ □□
□□□□□ □□□□ □□□□□□

कुछ ही दिनों में प्रलय आने वाली है। उस समय तक, मैंने राजा की तरह ऐशो- आराम से जीने के बारे में सोचा। कितना मज़ा आएगा। आख़िरकार, उस मनहूस जगह पर मैंने कितना लंबा और उबाऊ समय बिताया था।
“इसमें कुछ हद तक समझदारी है,” लेविथान ने जवाब दिया। “लेकिन क्या इससे आपका ध्यान आपके मुख्य लक्ष्य से नहीं भटक जाएगा? आर्मागेडन से?”
“भाई, तुम्हें इसकी चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। तुम्हें क्या लगता है कि मैं इतने लंबे समय तक नरक में इधर-उधर सोने के अलावा और क्या कर रहा था? हा हा। मुझे पता है हमें क्या करना है। एक बात है…” उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और अपने पेय का एक और घूंट लिया, “तुम्हें एक काम करना है। मैमन या अबाडॉन को बुलाओ और पैगंबर को ढूंढने की कोशिश करो। उन्हें बहुत कुछ पता है। हमसे भी ज़्यादा। हमें उस जानकारी का इस्तेमाल करना चाहिए। मुझे उनसे कुछ पूछना है। यह ज़रूरी है। उन्हें हर हाल में मेरे पास लाओ।”
लेविथान खड़ा था। “सभी
ठीक है।” “तुमने मेरी बात सुनी।”
भाषण, भाई?” “का
अवधि।"
“तो अब तुम्हें पता चल ही गया होगा कि मुझे सफलता की कितनी परवाह है।” वह दूसरे नरक के राजकुमार के करीब आया और दबी आवाज़ में गुर्राया। “मैं नहीं चाहता कि तुम मेरे दफ्तर आकर मुझसे कहो, ‘माफ़ कीजिए, मैं आपकी बात नहीं मान पाया क्योंकि योजना में किसी तीसरे पक्ष ने दखल दिया।’ नहीं, नहीं, नहीं, नहीं!” उसने अपने दांत भींच लिए।
“अगर मैंने ये सुना, लेविथान, अगर मैंने ये सुना…” उसने दोहराया और लेविथान का चेहरा पकड़कर उसका सिर अपने कंधे पर टिका दिया। “अगर योजना के मुताबिक चीज़ें नहीं हुईं तो मैं कितना दुखी और निराश होऊंगा, ये तुम नहीं जानते। मैं कितना निराश हो जाऊंगा।” वो लगभग लेविथान के कान में फुसफुसा रहा था। “मैं ये भूल जाऊंगा कि तुम कभी मेरे भाई थे। समझे?”
“जी – जी,” लेविथान हकलाते हुए बोला।

अपने भाई को छोड़ते ही ल्यूसिफर के चेहरे पर एक खिलखिलाती मुस्कान आ गई। "उसके लिए माफ़ करना। मैं लोगों को डरा देता हूँ। मुझे पता है।" उसने लेविथान को कसकर गले लगा लिया, जो अभी भी अपनी जगह पर खड़ा था। "चलो।" उसने अपने सौतेले भाई के हाथ पर थपथपाते हुए कहा। "अच्छे बनो और मेरे लिए पैगंबर को बुला लाओ।"
लेविथन ने आदरपूर्वक सिर झुकाया। "जय हो, मॉर्निंगस्टार!" उसने उद्घोष किया। इतना कहकर वह विदा हो गया।
ल्यूसिफर ने अपनी आँखें सिकोड़ीं और गिलास से एक घूंट लिया। वह मेज पर झुककर चारों ओर देखने लगा। दरवाजे पर हुई तेज़ दस्तक ने उसका ध्यान खींचा। "अंदर आ जाओ," उसने अधिकारपूर्ण स्वर में कहा।
जैक हॉपकिंस अपने दफ्तर में दाखिल हुए। उनकी ढीली-ढाली शर्ट, जो पैंट के ऊपर खुली लटक रही थी, पर कॉफी का दाग लगा हुआ था। "यो, मैन।"
“यो? क्या ये हेलो कहने का नया तरीका है?” लुसिफर हँसा। “अंदर आओ और बैठो।” हालाँकि उसकी आवाज़ ठंडी या कठोर नहीं थी, लेकिन उसमें आदेश का भाव था। जैक बैठ गया। उसे डर नहीं था।
बिल्कुल भी नहीं। "तो...इसका जवाब क्या है?"
"तुम क्यों पूछ रहे हो?"
“क्योंकि आप युवा हैं और आप देखकर नहीं लगता कि आप यहां अध्यक्ष पद के लिए खड़े होंगे। श्रीमान एक बड़े और उम्रदराज व्यक्ति थे, जिनके हर शब्द में ज्ञान झलकता था। आप... खैर, आप तो बिलकुल बेकार दिखते हैं।”
ल्यूसिफर ने कुछ नहीं कहा। वह उस आदमी को मजे से घूरता रहा।
“देखिए, बुरा न मानें, आप मुझे नौकरी से निकाल सकते हैं। मेरी पत्नी मुझे और मेरे बेटे को छोड़कर चली गई है।
मुझे छोड़ दिया गया। मेरे माता-पिता मर चुके हैं और मेरा अपार्टमेंट गिरने वाला है।
मेरी ज़िंदगी पूरी तरह से बर्बाद है। मुझे परवाह नहीं कि आप मुझे नौकरी से निकाल दें। इन सब के बाद, मैं बस यही चाहता था कि...
कुछ ईमानदारी।"

ल्यूसिफर ने चौड़ी मुस्कान बिखेरी, धुंधली रोशनी में उसके छोटे-छोटे दांत साफ दिखाई दे रहे थे। "यह सुनकर अच्छा लगा। खोने को कुछ नहीं है।" वह बार के पास गया और अपने गिलास में और शराब भर ली। "मुझे आश्चर्य हो रहा है," उसने मन ही मन सोचा।
उसकी पीठ जैक की ओर थी। वह मुड़ा और उसे एक गिलास पकड़ा दिया। जैक ने गिलास को कसकर पकड़ा और पूरा गटक गया। "मुझे एक बात समझ नहीं आती। अगर खोने के लिए कुछ है ही नहीं, तो जीने का क्या मतलब है?"
जैक के हाथ में रखा गिलास फर्श पर गिर गया और लाखों छोटे-छोटे टुकड़ों में बिखर गया।

***

वह भागा। वह तब तक भागता रहा जब तक उसकी मृत्यु नहीं हो गई।
यह विचार दयनीय था। दौड़ने से वह थक जाएगा और ऊर्जा से भर जाएगा।
उसके फेफड़ों में असहनीय दर्द हो रहा था, लेकिन वह मरा नहीं। कफरनम ने उसे छू लिया।
पिसी हुई। यह एक ही समय में ठोस और नरम थी, मानो मिश्रण में सूक्ष्मता हो।
उसे ऐसा महसूस हो रहा था। उसने अपने माथे से टपकते पसीने को पोंछा, जिससे उसके माथे की झुर्रियाँ पड़ गईं।
उसकी हड्डियों वाले गालों की ओर।
जंगल में घना अंधेरा था। उल्लू तुरही की आवाज़ें निकाल रहे थे। टहनियाँ और लताएँ आपस में लिपटी हुई थीं। कई जगहों पर ऊँचे-ऊँचे चीड़ के पेड़ थे। घने कोहरे ने जगह को थोड़ा धुंधला बना दिया था। जैसे ही वह कीचड़ पर उतरा, उसका लंबा कोट उसके चारों ओर फड़फड़ाने लगा।
उसके चारों ओर कौवे मंडरा रहे थे। छिपे हुए कोनों से परछाइयाँ उभर रही थीं। वे बिलकुल भी शोर नहीं कर रही थीं। जैसे ही वह सीधा हुआ, उसके कान खड़े हो गए, उसने पीछे के पेड़ का सहारा लिया। उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था क्योंकि परछाइयाँ उसकी हर हरकत से बच रही थीं। उसने अपने होंठ चाटे और अपने पसीने का नमकीन स्वाद चखा। अब कदमों की आहट साफ़ सुनाई दे रही थी। हवा में एक नीली चमक फैल गई और तापमान गिर गया। उसके हाथ काँप रहे थे, लेकिन अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था।

एक नीची छुरी कैपरनम के कान पर सटा दी गई। इससे पहले कि हमलावर कुछ और कर पाता, कैपरनम ने उसका हाथ पकड़कर ज़ोर से मरोड़ दिया, मानो किसी खिलौने की तरह टुकड़े-टुकड़े कर दिया हो। उसने मुड़कर दूसरे दानव को देखा। उसने फैशनेबल कपड़े पहने थे, कोट पर शानदार कफ़, टाई और चमकीले जूते। कोट के सामने एक नेम टैग लगा था। कॉर्नेलियस ट्रम्पेट, मैट्रिक्स कॉर्पोरेशन। मैट्रिक्स कॉर्पोरेशन? एक प्रतिभाशाली व्यक्ति, लॉन्गहॉर्न डार्सी द्वारा संचालित कॉर्पोरेशन में राक्षस क्यों काम कर रहे थे? उसने डार्सी के बारे में सुना था। जिस तरह से वह शाही अंदाज में बात करता था, जिस खूबसूरत आँखों से वह जनता को ऐसे देखता था मानो लाखों लोगों की आत्माओं को घूर रहा हो, और हर साक्षात्कार के लिए वह जो शानदार सूट पहनता था।
एक और चाकू कफरनम के शरीर में घुसाया गया, लेकिन उसने झट से उसे बाहर खींच लिया। घाव से खून निकला और उसकी कमीज़ पर फैल गया। उसे दर्द नहीं हुआ। साधारण चाकू से लगने वाले छोटे-मोटे घावों या वार से दानवों को कोई फर्क नहीं पड़ता था। लेकिन अगर चाकू की धार किसी देवदूत के खून में डूबी होती, तो उन्हें फर्क पड़ता, पर यह बिल्कुल अलग बात थी।
उसने दानव की पिंडली और जांघ पर दो मुक्के मारे, उसका घुटना सीधे उसके पेट पर लगा। दानव कराह उठा। आवाज़ इंसानों जैसी थी। कफरनम ने उसे एक तरफ फेंक दिया और उसका शरीर पेड़ से टकराया, गिरते ही वह बेहोश हो गया। बिना कुछ सोचे-समझे वह भाग गया। उसने इस बात की परवाह नहीं की कि उसके फेफड़े जलती हुई आग से भर जाएंगे या उसके टखने में मोच आ जाएगी। उसे प्यास लगी थी, वह भोजन के लिए तड़प रहा था। दानव भी भूखे रहते हैं और पीते भी हैं। वे लगभग हर मामले में इंसानों जैसे ही होते हैं।
अगर दो राक्षस उसे मारने आए होते, तो और भी होते। क्या होता अगर
झाड़ियों या पेड़ों के पीछे, या कोहरे के पीछे छिपे हुए और भी लोग इंतजार कर रहे थे।
किसी संकेत की प्रतीक्षा में? उसे छिपने की जगह, एक सुरक्षित ठिकाना चाहिए था। वह बूढ़ा था। उसने
एक बूढ़े आदमी की खाल बहुत लंबे समय तक। जब कोई दानव या देवदूत किसी की खाल धारण करता है, तो वे
इसमें बने रहो

हमेशा के लिए। उसने वह जैकेट तब पहनी थी जब वह जवान थी और उसमें विश्व स्तरीय एथलीट के बराबर अपार शक्ति और ऊर्जा भरी हुई थी। अब वह जैकेट बूढ़ी और कमजोर हो चुकी थी।
दूर से एक विशाल, जर्जर मकान दिखाई दे रहा था। काफी समय से इसका इस्तेमाल नहीं हुआ था। खिड़कियाँ खुली हुई थीं, कुछ टूटी हुई और लटकी हुई थीं, जिनसे गिरे हुए पत्ते अंदर आ रहे थे। लकड़ी का यह ढाँचा तेज़ हवाओं का सामना करने में असमर्थ था। फिलहाल, वह इस जगह को आश्रय स्थल के रूप में इस्तेमाल कर सकता था।

ग्र्र्र्र्र!
उसके पीछे से एक आवाज़ गूंजी। वह मुड़ा, उसका कोट हवा में लहरा रहा था। उसके आसपास का वातावरण उजाला था, हालांकि कई जगहों पर अंधेरा छाया हुआ था। आसमान में धुंध के धब्बे बिखरे हुए थे। कोहरे से एक प्राणी निकला। वह कोई दानव नहीं था। कम से कम, कफरनम उसे पहचान नहीं पाया। वह नरक की सबसे भयानक खाई से निकला एक राक्षस था। उसके सामने एक वेयरवोल्फ खड़ा था।
घने काले फर और चांदी जैसी आंखों वाला वेयरवोल्फ अपने दोनों पैरों पर खड़ा था। लार टपकते मुंह से नुकीले दांत बाहर निकले हुए थे, और वह कैपरनम पर गुर्रा रहा था। उसके जले हुए पैंट और कमीज के बचे हुए हिस्सों पर भी फर उग आया था। उसके जूतों के तलवे पीछे से फटे हुए थे। उसके कान फड़फड़ा रहे थे। नुकीले और खून से सने नाखूनों वाले रोएंदार हाथ स्थिर थे। वह भारी-भरकम, चौड़ा और मजबूत था। वह कैपरनम की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा था।

रररर!
वह भयंकर रूप से गुर्राया, उसकी दुर्गंधयुक्त सांसें चारों ओर फैल गईं। कफरनम के लोगों को जंगल में वेयरवुल्फ के अस्तित्व का आभास हो चुका था। कई शव, जीवित और मृत, गायब हो गए थे। अखबारों ने कहा था कि यह एक जानवर है, लेकिन उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि यह मनुष्य और भेड़िये का मिश्रण है।
वेयरवोल्फ दोस्ताना नहीं होते। वे कभी नहीं होते। शायद इसका कारण यह है कि...
उनके पीड़ादायक अतीत के कारण, या अत्यधिक दबाव और निराशा के कारण

उनकी हिम्मत टूट जाती है। कारण चाहे जो भी हो, वेयरवुल्फ से लड़ना बेहद मुश्किल होता है।
उनके जीवनयापन का मुख्य स्रोत राक्षस थे। राक्षसों के मांस की कड़वी-मीठी सुगंध उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करती थी।
भेड़ियों को उत्तेजित करता है और उनकी भूख बढ़ाता है। वेयरवोल्फ का पिशाचों के साथ गठबंधन था, इसके विपरीत।
लोककथाओं में बिल्कुल अलग-अलग जानकारी दी गई थी। वेयरवोल्फ और वैम्पायर। वे एक ही पक्ष में हैं, क्योंकि दोनों का अंत एक जैसा ही होता है। वे रूप बदलते हैं, वे
वे खुद को ऐसी चीज में परिवर्तित कर लेते हैं जो वे नहीं बनना चाहते, और वे मांस और रक्त के लिए तरसते हैं।
70 के दशक में इनकी संख्या कम हो गई थी, लेकिन धीरे-धीरे बढ़ने लगी।
युद्धों के दौरान, अधिकांश वेयरवोल्फ हिरणों का शिकार करने की उम्मीद में जंगलों में ही रहते हैं।
रक्त या मानव रक्त।
यह वेयरवोल्फ भाग्यशाली था। आज के नाश्ते में उसे एक दानव का खून मिलेगा।
दूसरी ओर, कफरनम जानता था कि यह वेयरवोल्फ बिल्कुल भी भाग्यशाली नहीं था।

ठंड से कैपरनम की त्वचा सिकुड़ गई। "तुम मुझे डरा नहीं सकते।"
मैं तुम्हें डराने नहीं आया हूँ! अंग्रेज़ी! यह वेयरवोल्फ अंग्रेज़ी भाषा से परिचित था।
"भेड़िया मानव को बात करते देखना हमेशा अजीब लगता है।"
“हम जानवर नहीं हैं, दानव। हम इंसान हैं। हमारे अंदर भेड़ियों का डीएनए मौजूद है, बस इतना ही।” वेयरवोल्फ सावधानी से उस बड़े गोदाम की ओर बढ़ा, जो पास आने पर किसी प्रलय के बाद बने झोपड़े जैसा दिखने लगा।
“अरे, मुझे लगता है कि आप एक हैं
वैज्ञानिक।" "आनुवंशिकीविद्,"
वास्तव में,"
आपको ऐसा क्यों लगा?
यह?"
“प्रयोग,”

“काटा नहीं?”
“नहीं,” उस प्राणी ने निराशा से भरी आवाज में उत्तर दिया। “मैं
मैंने सरकार की वजह से खुद पर एक खतरनाक प्रयोग किया।
भविष्य के लिए तैयार।
कैपरनम ने अपनी भौंहें उठाईं। "मुझे लगता है तुम्हारा भविष्य तो कुत्ते जैसा ही था?" "मुझे उकसाओ मत, परजीवी।"
कैपरनम हँसा। “हम यहाँ इस बारे में चर्चा करने के लिए नहीं हैं। आप मुझे यह क्यों नहीं बताते कि आप यहाँ क्यों आए हैं?”
“मैंने राइज़ के बारे में सुना है।” वह रुका। “मेरा समूह ऐसी कल्याणकारी योजनाओं में दिलचस्पी नहीं रखता, लेकिन वैसे भी, मुझे समूह वाली बातों में कोई खास रुचि नहीं है। मैंने यह भी सुना है कि तुम अकेले ऐसे दानव हो जो स्वर्गदूतों की तरफ से लड़ रहे हो। शायद तुम इस अराजकता के बीच मुक्ति की तलाश में हो।”
आप ऐसा कह सकते हैं।
“मुझे यह पसंद नहीं है। मुझे 'द राइज़' पसंद नहीं है। लूसिफ़र शैतान है। मेरा पालन-पोषण कैथोलिक धर्म में हुआ है, इसलिए जन्म से ही शैतान के बारे में जानना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं इस ग्रह पर ऐसी अराजकता नहीं चाहता। इसीलिए मैं कहना चाहता हूँ, मैं आपके साथ हूँ।”
“और तुम्हें लगा कि मैं तुम पर भरोसा करूंगा?”
“क्या तुम्हारे पास कोई विकल्प है? चारों ओर देखो। तुम बिल्कुल सुनसान जगह पर हो। मैंने तुम्हें ढूंढा है। तुमने मुझे नहीं ढूंढा। दो राक्षसों ने तुम पर हमला किया। हाँ। मुझे तुम्हारी उस छोटी सी मुठभेड़ के बारे में पता है।” आवाज़ दमदार और असरदार थी। “तुम एक बहुत बड़ी हिट लिस्ट में हो।” कैपरनम हैरान था। किस तरह की हत्या सूची? उसे इसके बारे में कुछ भी पता नहीं था। आत्माओं की भूमि में युद्ध के बाद, वह अपने घर का रास्ता खोजने के लिए पृथ्वी पर भाग आया था, लेकिन उसका पीछा कर रहे राक्षसों ने उसे जंगल में खदेड़ दिया।

"तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
“कहा जाता है कि लुसिफर विश्वासघात से ज़्यादा वफ़ादारी को पसंद करता है। भला कौन नहीं करता? जहाँ तक मुझे पता है, उसे राक्षसों के साथ तुम्हारी

[illegible]

चाहे कुछ भी हो जाए। कुत्तों के बीच बिल्ली को कोई पसंद नहीं करता। हर शैतान या तो तुम्हारी तलाश में जुट गया है या पहले से ही तुम्हें ढूंढ रहा है।
“ये तो बेवकूफी है। मैं कैसे मानूँ कि ये जानकारी सही है?” “मैं एक वेयरवोल्फ हूँ। हमारे कान बहुत तेज़ होते हैं।”
कफरनम ने उदास मन से ऊपर देखा। वह फँस गया था। राक्षस उसके पीछे पड़े थे। लूसिफर उससे क्रोधित था। उसने ज़मीन को छुआ और घुटने टेक दिए।
नीचे। नमी उसकी त्वचा में समा गई। एक गर्म हवा चली और धीरे-धीरे डूबता हुआ सूरज ऊपर दिखाई देने लगा, जिसका गहरा नारंगी रंग दूर-दूर तक फैल रहा था।

“ठीक है,” कैपरनम ने आत्मसमर्पण कर दिया। “अब हम सहयोगी हैं।”
वेयरवोल्फ आगे आया और उसने अपना हाथ बढ़ाया। "चलिए हाथ मिलाते हैं और अपने समझौते को आधिकारिक बनाते हैं।"
सुबह की हल्की धूप में, उसकी त्वचा उसके जबड़े और खोपड़ी पर खिंची हुई सी लग रही थी। वह कंकाल जैसा दिख रहा था। उसके काले बाल सिर के पिछले हिस्से से चिपके हुए थे, जिनके सिरे उसकी लंबी, पतली गर्दन को छू रहे थे। उसने अपने हाथ आगे बढ़ाए, लेकिन हाथ नहीं मिलाया। इसके बजाय उसने वेयरवोल्फ की ओर देखा।
चांदी जैसी आंखें उसे इतनी ईमानदार लगीं कि उसने विश्वास कर लिया। फिर भी, उसके पास किसी के चेहरे के हाव-भाव या उसकी बातों को खुलेआम परखने का कोई तरीका नहीं था। यह सरल था। सब ठीक था। शायद जीवन ऐसा ही होता है। कभी-कभी आपको बिना सोचे-समझे, विश्वास और भरोसे की छलांग लगानी पड़ती है, क्योंकि परिणाम वही होता है। कहते हैं कि जब आप मुसीबत या दुख में होते हैं, तो चींटियां भी आपको फरिश्ते जैसी लगने लगती हैं।
उसने उस रोएँदार हाथ को पकड़ लिया। पंजा नरम और कोमल था, मानो किसी लड़की का खिलौना हो।
वह अपनी बाहों को उसके चारों ओर लपेटकर सोना चाहेगी। उसकी हथेलियों पर मौजूद पैड।
ये दृश्य कठोर और रक्तरंजित थे, जो वेयरवोल्फ के कठिन साहसिक कारनामों को दर्शाते थे।
सामना किया है।

मैं कफरनम हूँ।

"मुझे पता है।"
“क्या है
तुम्हारा?
“मेरा असली नाम हार्वर्ड मैनिंग है। लेकिन मैं खुद को इरोस कहता हूँ।” “क्या यह सच है कि वेयरवुल्फ के भी अलग-अलग व्यक्तित्व होते हैं?” "मेरे लिए, हार्वर्ड मेरा दूसरा रूप है और इरोस उसका दूसरा रूप है।" उसने गोदाम की ओर देखा। “अगर मुझे यहाँ लंबे समय तक रुकना है, तो कृपया मुझे कुछ खाना और पानी दे दीजिए। ज़्यादातर राक्षस बाज़ारों में हैं, इसलिए मैं वहाँ नहीं जा पाऊँगा। मेरे पास पैसे भी नहीं हैं, लेकिन मैंने सुना है कि आनुवंशिकीविद बहुत कमाते हैं।”

तो क्या मुझे आपका कैटरर बनना है?

कैपरनम मुस्कुराया। "नहीं। बिलकुल नहीं। तुम मेरे सहायक हो।"

***

कैस्पर जाग उठा। उसे अपने शरीर में भयानक दर्द महसूस हो रहा था। पीठ पर हाथ रखकर वह कंबल से बाहर निकला।
सुबह की रोशनी उसकी आँखों पर पड़ी, मानो पल भर के लिए उसे अँधेरे में खो गई हो। उसने आँखें बंद कीं और दो बार पलकें झपकाईं। धुंधलापन अभी भी था, लेकिन उसकी आँखें रोशनी के अनुकूल हो गईं। अपनी अकड़ी हुई उंगलियों और गर्दन को चटकाते हुए, उसने अपने पैरों में चप्पलें पहन लीं।
जब उसे एहसास हुआ कि उसने पिन-स्ट्राइप वाला पजामा पहना हुआ है, तो वह भौंहें चढ़ा बैठा। वह पजामा में क्यों था? उसके कपड़े किसने बदले थे? तंबाकू की गंध उसकी नाक में घुस गई और घृणा से उसकी नाक फूल गई। अहंकारी गार्गोयल की सिगार की लत ने सुबह को बर्बाद कर दिया था। अच्छी बात यह थी कि वह अपने महल में सुरक्षित अपने कमरे में वापस आ गया था। बाल्थाजार खिड़की के पास बैठा था। आइवी कहीं नजर नहीं आ रही थी।

हम कफरनम में क्यों नहीं हैं?

“उस घर में हर जगह राक्षस मंडरा रहे हैं। शायद यह कफरनम के विश्वासघात के कारण है।”
“ओह।” उसने अपना माथा छुआ। उसे ऐसा लग रहा था जैसे उसे तेज़ बुखार हो। “आइवी कहाँ है...आइवी कहाँ है?”
गार्गोयल हिचकिचाया। वह अपने स्वामी से कुछ छिपाने की कोशिश कर रहा था। "अह...वह...वह बाहर बालकनी पर है। अकेली।"
वह वहां क्यों है?
"मैं एक घिनौना गार्गोयल हूँ, कैस्पर। तुम मुझसे किसी लड़की की सेहत के बारे में पूछना बिल्कुल मत चाहो, और यह बात तो सभी जानते हैं कि मैं इसमें बिल्कुल बेकार हूँ।"
कैस्पर ने उसे अनसुना कर दिया। तेज़ बोलने वाला, मुंहफट और दिमाग से खाली गार्गोयल उसके लिए कोई बड़ी चिंता नहीं थी। वह अपनी अलमारी के पास गया और आईने में अपना चेहरा देखने लगा। उसकी गर्दन के आसपास छोटे-छोटे कट के निशान थे। उसके माथे पर कई चोट के निशान और खरोंचें थीं, साथ ही उसके गालों और कान के निचले हिस्से पर भी। वह कमज़ोर और पहले से थोड़ा पतला लग रहा था। दरवाजा खुला। बाल्थाजार गायब हो गया। कैस्पर को अभी भी हवा में लटकी हुई सिगार दिखाई दे रही थी, जिससे धुआं निकल रहा था। बाल्थाजार ने सिगार को एक तरफ फेंक दिया ताकि किसी का ध्यान उस तैरती हुई सिगार की ओर न जाए।
“गुरु सुकरात, आप कहाँ थे?” लाजरस अंदर कदम रखते हुए थोड़ा झुका। “हम सभी परेशान थे।”
मैं छुट्टी पर था।
“तुम्हें यह कहाँ से मिला?”
घायल?
“छुट्टियों का माहौल बहुत खराब था,” कैस्पर ने कहा।
उन्होंने स्वीकार किया, "ये घाव काफी गहरे लग रहे हैं।"
“हाँ, खैर, उनका कुछ नहीं किया जा सकता।” कैस्पर ने ताली बजाई।
जैसे ही वह कमरे में आगे बढ़ा, उसने कहा, "मैं चाहता हूं कि तुम मेरे लिए ब्लैक कॉफी बनाओ।"

बाल्थाजार बड़बड़ाया। "दो कर दो ना?"
“ठीक है, गुरु सुकरात। जिस महिला ने आपको यहाँ आने में मदद की, वह अभी भी यहीं है। क्या आप उसके लिए कुछ चाहेंगे?”
“एक्लेयर्स।”
"सभी
सही।"
लाजरस मुड़ा और कमरे के निकास द्वार की ओर बढ़ा, तभी कैस्पर ने अपना काला सामान उठाया।

परत।
“आप महिलाओं से परिचित हैं। क्या आप मुझे बता सकते हैं कि आपको उनके वर्तमान व्यवहार के बारे में क्या लगता है?”
“उस पर एक गंभीर संकट आ गया है, सुकरात गुरु। आप उसका हौसला बढ़ा सकते हैं।”
"शानदार, सुबह इससे बेहतर कभी नहीं हो सकती थी।"
"बेहतर," लाजरस ने झुककर अभिवादन किया और गायब हो गया।
बाल्थाजार प्रकट हुआ। "हे भगवान, वह आदमी कितना विशालकाय है?"
“सात फीट। अब तक तो आपको यह समझ आ गया होगा, लेकिन छोटे दिमाग इतनी जल्दी नहीं समझते।”
“ओह, हाँ। हाँ।”

“आइवी को क्या हुआ है?” कैस्पर ने पूछा।
मैंने उससे सीधे तौर पर नहीं पूछा, लेकिन शायद यह किसी ऐसे व्यक्ति से संबंधित है जिसका नाम है
रयुन।” “तो चलिए पता लगाते हैं,” उसने कहा और रयुन की तलाश में निकल पड़ा। आइवी।

***

कैस्पर ने ठंडी, चमकदार सुबह का स्वागत करने के लिए कांच के दरवाजे खोल दिए। आइवी

वह पास ही खड़ी थी, उसके बाल कसकर पोनीटेल में बंधे थे, लाल सिरे हल्के से मुड़े हुए थे।
उसके चेहरे पर नज़र थी। उसके कपड़े शरीर पर ढीले थे और कंधों पर एक छोटा कंबल लिपटा हुआ था। इसका एकमात्र उद्देश्य ठंड से बचाव करना था, क्योंकि वह बीच-बीच में बालकनी की ओर देखती रहती थी। कैस्पर ने अपने हाथ अपनी पिन-स्ट्राइप वाली पैंट की जेबों में डाले और रेलिंग पर आराम से झुकते हुए उसके पास चला गया।

“सुप्रभात,” कैस्पर ने कहा।
“जब मैं पाँच साल का था, कैस्पर, मेरे पास टॉडी नाम का एक कुत्ता था। मुझे वह बहुत पसंद था।
वह मुझसे प्यार करता था। हम साथ में बहुत खेलते थे। हमारा रिश्ता उससे कहीं अधिक गहरा था।
यह सिर्फ एक कुत्ते और उसके मालिक की कहानी नहीं थी। यह दो अटूट दोस्तों की कहानी थी। फिर एक दिन, उसकी मृत्यु हो गई।
मेरे माता-पिता ने कहा कि उसकी मृत्यु नहीं हुई, बल्कि उसे एक खेत में भेज दिया गया जहाँ वह
वे सदा सुखी रहें।
“मैंने उनकी बात मान ली थी। मुझे विश्वास था कि एक ऐसा फार्म है जहाँ सिर्फ सुखद अंत ही होते हैं। लेकिन फिर मैं बड़ी हुई और मुझे एहसास हुआ कि उन्होंने मुझसे झूठ बोला था। मैं उन्हें दोष नहीं देती। मैं बच्ची थी। हर कोई बच्चों से झूठ बोलता है। मैं आपको यह इसलिए नहीं बता रही हूँ क्योंकि मुझे टॉडी की याद आ रही है या मेरे किसी करीबी की मेरे सामने ही मौत हो गई जब मैं उसे पहली बार चूम रही थी। मैं आपको यह इसलिए बता रही हूँ क्योंकि मैंने इससे कुछ सीखा है, कुछ ऐसा जो मैं कभी नहीं सीख पाती।”
और वह क्या है?
असल जिंदगी में कोई भी कहानी सुखद अंत वाली नहीं होती। कोई परीकथा नहीं होती, जहाँ राजकुमार राजकुमारी से प्यार कर बैठता है और वे हमेशा खुशी से रहते हैं। यही वास्तविकता है, कठोर वास्तविकता। अंत तो एक ही होता है, और वो सुखद नहीं। बस एक कड़वी, मूर्खतापूर्ण बात है जो हमारे साथ घटित होगी। मृत्यु ही हमारा अंत है। सुखद अंत फिल्मों, टेलीविजन और उपन्यासों में

दिखाया जाने वाला एक भ्रम मात्र है। ये कुछ समय के लिए आपको खुश कर देता है और आपको भविष्य की उम्मीद जगाता है, लेकिन जल्द ही ये खुशी गायब हो जाती है। अंत का एकमात्र सत्य मृत्यु है।

“मैं सलाह देने में माहिर नहीं हूँ, आइवी। ऐसी बातें मुझे परेशान करती हैं। मैं तुम्हारी बात से सहमत हूँ। खुशहाल अंत तो होता ही नहीं, लेकिन तुम खुशहाल अंत ला सकती हो। तुम खुश रह सकती हो और अपनी मनचाही जिंदगी जी सकती हो।”

"नहीं - नहीं!"
“मेरी बात सुनो। इस बारे में सोचो। तुम हमेशा से क्या बनना चाहते थे? तुम एक नेफिलिम हो, लेकिन जीवन में कभी न कभी तुमने किसी पेशे या जीवन के बारे में जरूर सोचा होगा।”
मैं डॉक्टर बनना चाहता था।
“हाँ। अच्छा। एक डॉक्टर। सचमुच? यह तो...”
"शानदार।" वह मुस्कुराई।
“मेरे किसी करीबी ने कहा था कि लोगों को छोटी-छोटी चीजों में खुश रहना चाहिए। छोटी-छोटी चीजें ही उनके वर्तमान को बेहतर बनाती हैं, बजाय इसके कि वे भविष्य को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास करते रहें। भविष्य तो जो होगा सो होगा। हम उसके बारे में कुछ नहीं कर सकते। वर्तमान... खैर, यह अभी है। यह ठीक वही जगह है जहां हम खड़े होकर इस पर चर्चा कर रहे हैं। और आप जानते हैं कि वह कौन था? वह आप ही थीं, आइवी डेमेट्रियस।”
मैंने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि तुम ऐसे थे
"निराशावादी।" "और अब तुम हो रहे हो।"
एक।"
मैंने किसी को खो दिया।
“लोग अपनों को खो देते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे यह भूल जाते हैं कि उनका भी एक जीवन है। महान लोग अपने प्रियजनों को खो देते हैं, लेकिन यह उन्हें महान कार्य करने से नहीं रोकता। वे आगे बढ़ते रहते हैं। वे अपने जीवन के फल भोगते हैं। यही जीवन है, आइवी। जीवन आशा है।”
“धन्यवाद,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “इससे मदद मिली।”

“बेशक, इससे मदद मिलती। आखिर मैं आपकी मदद कर ही तो रहा हूँ।”

उसने अपना हाथ कैस्पर के हाथ में डाल दिया। वह चुप हो गया और थोड़ा असहज महसूस करने लगा। अपने जीवन में पहली बार, उसने कुछ अलग महसूस किया। यह एक ऐसा एहसास था जिसे वह भुला नहीं सकता था। उसके हाथ ठंडे थे, जो उसके गर्म हाथों के चारों ओर लिपटे होने पर बिल्कुल विपरीत थे।

आपको मुझसे कुछ वादा करना होगा।
"मैं आजकल बहुत सारे वादे कर रही हूँ।" उसने रयुन के उस वादे के बारे में सोचा जिसमें उसने लुसिफर को हराने की शपथ ली थी।
नहीं, यह तो आसान है। जब यह सब खत्म हो जाएगा, तो आपको मुझसे वादा करना होगा कि आप परीक्षा के लिए पढ़ाई करेंगे। आपको मुझसे वादा करना होगा कि आप अस्पताल में काम करेंगे और लोगों की मदद करेंगे। क्या आप मुझसे वादा करेंगे?
मैं एक नेफिलिम हूँ।
"धिक्कार है, नेफिलिम। मुझे परवाह नहीं। तुम नेफिलिम हो, लेकिन क्या होगा अगर...?"
आप क्या चाहते हैं? हाँ, आप अलग हैं, लेकिन आपको अपने लक्ष्य हासिल करने का अधिकार है।
अगर मैं तुम्हारी जगह होता, तो मैं वही लेता जो मैं चाहता था क्योंकि
मैं यही करना चाहता हूँ। मुझसे वादा करो कि तुम पढ़ाई करोगे। तुम पास हो जाओगे और तुम
अस्पताल में काम करेगा।

मुझसे वादा करें।"
उसने सिर हिलाया और उसकी गाल पर एक आंसू बह गया।
“हाँ।” “सब ठीक हो जाएगा।”
उसने अपने आँसू रोकने की पूरी कोशिश की, लेकिन वे बहते ही रहे। “एक नेफिलिम का अंतिम संस्कार है। मैं रयुन और बाकी लोगों के लिए जा रही हूँ। क्या आपसे यह पूछना गलत होगा कि क्या आप मेरे साथ आएँगे?”
"नहीं।"
कैस्पर ने मृत्यु के अलावा कभी किसी के लिए कुछ नहीं किया था और वह...

ऐसा इसलिए था क्योंकि उसने एक सौदा किया था। आइवी की काली आँखों में देखते हुए, जब वह खड़ी थी।
वह अपने भीतर होने वाले बदलाव को महसूस करना चाहता था।
उसे। यह समझ से परे था और वह इसे पूरी तरह से समझ नहीं पा रहा था। एक दीर्घकालीन
उसकी मदद करने की तीव्र इच्छा ने उसे पूरी तरह से घेर लिया था। शायद यही देखभाल का असली मतलब था, दूसरों की मदद करना और उनकी समस्याओं को समझना।
उसने उसे कसकर गले लगा लिया। वह उसे गले लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। उसे यकीन नहीं था कि उसके अंदर हो रहे बदलाव उसे पसंद आ रहे हैं या नहीं। शायद वह खुद भी इतनी जल्दी बदलना नहीं चाहता था।
"उम...मुझे गले लगाना उतना पसंद नहीं है।"
“माफ़ करना,” उसने कहा और आँसुओं के बीच शर्माते हुए मुस्कुराई। “मैं भावनाओं में बह गई थी।” “ऐसा होता है,” उसने धीरे से कहा। “क्या तुम्हें चॉकलेट पसंद है?”
"मुझे इससे प्यार है।"
“तो फिर आप अंदर आ जाइए। मैं व्यंग्य करने वाला विली वोंका हूँ।” उसने मुस्कुराते हुए शरारती अंदाज़ में उसे आँख मारी।

दफ़न

कैस्पर को समझ नहीं आ रहा था कि रयुन के अंतिम संस्कार में क्या पहने। ऐसा रोज़ नहीं होता था कि उसे उस लड़की के अंतिम संस्कार में जाना पड़े जिसने अपने चहेते को खो दिया हो। युद्ध में उसके कुछ दोस्त और चचेरे भाई-बहन भी थे। फिर भी, उसकी भावनाएँ थोड़ी मिली-जुली थीं। एक समय था जब उसे उसकी परवाह नहीं थी। अब वह सिर्फ इसलिए जा रहा था क्योंकि वह उसके लिए एक बोझ बन चुकी थी।
उसके मन में उसके लिए भावनाएँ कुछ ज़्यादा ही प्रबल थीं, मानो भाग्य ही उसे उसके साथ जाने के लिए कह रहा हो।
उसे उसके साथ रहना था और जरूरत पड़ने पर उसकी देखभाल करनी थी। उसने कभी उसकी देखभाल नहीं की थी।
किसी से पहले किसी से भी नहीं, यहाँ तक कि खुद से भी नहीं। भीतर हो रहे हिंसक परिवर्तन
उसका जीवन और उसकी भावनाएँ उन सभी चीजों से बिल्कुल अलग थीं जिन्हें उसने पहले कभी जाना था। किसी तरह, वह
अच्छा लगा। शायद इसलिए क्योंकि लोगों की मदद करना और उनकी देखभाल करना वाकई खुशी देता है।
व्यक्ति को अच्छा महसूस होता है।
आइवी एक लंबी काली पोशाक पहने कमरे में दाखिल हुई। नाजुक मोती
उसके कानों की बालियों से लटक रही थीं। उसके बाल एक तरफ बिखरे हुए थे।
उसके कंधे झुके हुए थे, उसकी काली आँखें उसके कमरे की धुंधली छाया में घुलमिल रही थीं।
वह एक शानदार सूट पहने, गले में अपना लकी मफलर लपेटे हुए, तैयार खड़ा था।
कॉलर ऊपर खींचे हुए थे। उसका एक हाथ पैंट की जेब में था।
जैसे ही वह उसकी ओर बढ़ा।
कोई बात उसे परेशान कर रही थी। शायद यह उसके देखने का तरीका था। जब वह पहली बार उससे मिला था, तो उसके मन में उसके प्रति तीव्र घृणा उत्पन्न हुई थी।
लेकिन समय बीतने के साथ, वह झुंझलाहट और घृणा फीकी पड़ गई और उसकी जगह कुछ और प्रबल भावनाएँ आ गईं। यह बात उसकी समझ से परे थी। वह जिस तरह की भावना

का अनुभव कर रहा था, वह उसके लिए बिल्कुल नई थी, ऐसी भावना जो उसे अपने बचपन के अलावा कभी किसी से नहीं मिली थी।
"एक बार फिर आपका धन्यवाद,"

“यह...उह...” वह हकलाते हुए बोला, उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे। “यही तो...” शब्द उसके होठों से नहीं निकल पा रहा था, इसलिए वह गुर्राया। "दोस्त?"

उसने आंखें घुमाईं। "जो भी हो।"
“तुम्हारे जीवन में कभी दोस्त नहीं थे।”
"मुझे तो कभी इसकी ज़रूरत ही नहीं पड़ी।"
उन्होंने कहा, "हर किसी को जीवन में कभी न कभी ऐसे दोस्तों की जरूरत पड़ती है जो उनकी भावनाओं का ख्याल रखें और जरूरत के समय उनकी मदद करें।"
उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। एक समाजविरोधी होने के कारण, उसकी कुछ बातें उसकी समझ से परे थीं। "मुझे समझ नहीं आ रहा। तुम खुद ही सब कुछ हो।" “स्वयं ही पर्याप्त नहीं है।”
“मेरे लिए तो यही सुकरात का तरीका है। जीवन में आप अकेले होते हैं, आपके सिवा कोई नहीं। आप अकेले ही एक राह पर चलते हैं। यही जीवन का सत्य है। बात यहीं खत्म।” उन्होंने ताली बजाई और मुस्कुराए। इस दौरान उनकी नाक फूल गई। “बहुत दिलचस्प। चलें, श्रीमती डेमेट्रियस? मैं हमेशा से नेफिलिम का अंतिम संस्कार देखना चाहता था। मुझे आश्चर्य होता है कि वे अपने लोगों को कैसे दफनाते होंगे।”
वह खिलखिलाकर हंसी और सिर हिलाते हुए बोली, "ओह, हम लाशों को दफनाते नहीं हैं," और उसके पीछे-पीछे कमरे से बाहर निकल गई।

***

नेफिलिमों की पूरी दुनिया उन्हीं की थी। पृथ्वी उनकी जन्मभूमि नहीं थी। भूमि। जब स्वर्गदूत मनुष्यों के पास संभोग करने और संतान उत्पन्न करने के लिए आए,
उन्हें पता चला कि उनकी संतान को बढ़ने और सीखने के लिए एक जगह, एक सुरक्षित आश्रय की आवश्यकता है।
जगह थी

इसे एक दूसरे आयाम में बनाया गया था और इसका नाम ईडन रखा गया था, उस बगीचे के नाम पर जहां आदम और हव्वा को सांप ने बहकाया था और उन्होंने वर्जित फल खा लिया था।
ईडन हर नेफिलिम के लिए था। वे यहीं के थे। उनका अधिकांश प्रशिक्षण यहीं हुआ था।
यहां अकादमियां स्थित हैं और उन्होंने उन्हें बहुत ही कुशल शिक्षकों से मार्शल आर्ट सीखने की अनुमति दी है।
कम उम्र। यह उनकी शिक्षा का एक हिस्सा है। प्राचीन काल से ही, नेफिलिम
वे स्वर्गदूतों के दल का हिस्सा रहे हैं, उनके जल्लादों के रूप में कार्य करते हुए और खड़े होकर
उनकी सेनाओं में सैनिक। वे पृथ्वी पर गश्त लगाते और राक्षसों का पता लगाते हुए काम करते थे।
इसी कारण वे युद्ध के दौरान स्वर्गदूतों के साथ लड़े और शहीद हो गए। आत्माओं की भूमि।
मानव और जादुई दुनिया के बीच सेतु का काम करते हुए, नेफिलिम अन्य प्राणियों के लिए पुलिस का काम करते हैं। वे प्रतिबंध और नियम लागू करते हैं और उन्हें सख्ती से पालन करवाते हैं, साथ ही अन्य प्राणियों को अनुशासित भी करते हैं ताकि वे मानव क्षेत्रों में अतिक्रमण न करें। एक तरह से, वे मनुष्यों को उन पर शक करने से रोकते हैं।
पृथ्वी पर जादुई प्राणियों का अस्तित्व था। नेफिलिमों के बिना, पृथ्वी अराजकता में डूबी होती।
कैस्पर को उत्साहित होने के बजाय थोड़ा उदास महसूस हो रहा था। आइवी को उसका व्यवहार थोड़ा अजीब लगा। फिर भी उसने खुद को याद दिलाया कि वह कैस्पर सुकरात है और उसका हर काम अजीब ही होता है।
ईडन में जाने के लिए कोई द्वार नहीं थे। नेफिलिम्स अपनी इच्छा से अपने घर में प्रवेश करने के लिए द्वारों का उपयोग करते थे। ये द्वार कहीं भी हो सकते थे और केवल नेफिलिम्स ही जानते थे कि इनका उपयोग कैसे करना है। आइवी ने कैस्पर को इस बारे में बताया, जैसे ही उसने प्रवेश करने के लिए आवश्यक द्वार खोले। ऐसा ही एक द्वार एक सुनसान मेट्रो स्टेशन में मिला, जहाँ की जर्जर फर्श और जंग लगी रेल पटरियाँ हर झटके के साथ कांपती थीं।

ट्रेन की अनियमित गति की गूंज। पूरे इलाके में अखबारों के स्टॉल लगे हुए थे, लेकिन वे खाली थे।
आइवी एक हरे दरवाजे के पास उसे धक्का देकर खोलने के इरादे से पहुंची।
दरवाजा अंदर की ओर खुल गया, वह उसके पीछे-पीछे अंदर चला गया। यह एक सामान्य दरवाजा था और वहाँ कुछ भी नहीं था।
इसमें कुछ खास नहीं है। उसे उम्मीद थी कि उसे एक और कमरा मिलेगा जो भरा हुआ होगा।
ताबूत के पास खड़े लोग सिसक रहे थे और मृतक की पुरानी यादों को याद कर रहे थे। लेकिन वहाँ उन्हें कुछ और ही देखने को मिला।
उसके ऊपर दूर-दूर तक बैंगनी रंग का आकाश फैला हुआ था। तेज धूप नहीं थी।
सुनहरा नहीं, बल्कि लाल रंग, धरती पर अपना बदला लेते हुए। पानी बह रहा था।
तेजी से नीचे की ओर बहते हुए, एक शोरगुल भरे महासागर में जा गिरती हुई, उस प्रचंड रूप के साथ जिसे कैस्पर ने पहले कभी नहीं देखा था।
देखा गया।
सैकड़ों नेफिलिम एक साथ huddled होकर खड़े थे, उन बड़ी-बड़ी चौड़ी पत्थर की पट्टियों से दूर जिन पर शव रखे गए थे, जो एक सिरे से दूसरे सिरे तक पट्टियों से बंधे हुए थे। उनकी दफनाने की शैली मिस्रवासियों के समान थी, क्योंकि वे भी मृतकों को सफेद कपड़े से लपेटकर पूरे शरीर को ढकने की विधि का उपयोग करते थे। प्रत्येक पट्टी एक दूसरे के बगल में रखी गई थी।
आइवी ने रयुन के शव वाली पट्टिका को ढूँढ़ते हुए पट्टिकाओं को देखा। उसके सुनहरे बाल चेहरे से कंघी करके हटा दिए गए थे और उसकी नीली आँखें अब बंद थीं। उसके होठों पर हल्की सी मुस्कान थी। काले वस्त्रों में लिपटे नेफिलिम रो रहे थे, अपने आँसू पोंछ रहे थे और एक-दूसरे को गले लगाकर सहारा ले रहे थे। औरतें अपने बच्चों को गोद में लिए खड़ी थीं, जबकि पुरुष उनके बगल में भावहीनता से खड़े थे।
एक व्यक्ति भीड़ के बीच से गुजरा, जिसकी लंबी, घनी सफेद दाढ़ी ठुड्डी से लटक रही थी। उसकी चमकदार आँखें भीड़ पर घूम रही थीं और वह ध्यान से लोगों का जायजा ले रहा था। उसने भी बाकी लोगों की तरह ही चोगा पहना हुआ था, जिसका किनारा ज़मीन पर लहरा रहा था।
“मैं, कैसियस वोरलॉफ, शोक की इस सभा में आया हूँ।

हमारे पुत्रियों, पुत्रों और प्रियजनों की एक भयानक घटना में मृत्यु हुए एक दिन बीत चुका है।
मृत्यु।" महिलाओं के मुंह से अचानक एक गहरी सिसकी निकली क्योंकि वे अपनी पूरी कोशिश कर रही थीं
अपने आँसू रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

"चुप रहो," कैस्पर ने अचंभित महिलाओं से कर्कश स्वर में फुसफुसाते हुए कहा।

लेकिन यही तो नफिलिमों का तरीका है। मुझे नहीं पता कि क्या कहूँ या कैसे कहूँ। हमारा सबसे बड़ा दुश्मन अपने पिंजरे से निकलकर आज़ाद घूम रहा है। असल बात यह है कि हम इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते।
“पहले के समय में, उसने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हमारे पूर्वजों को कुचल दिया था। हमारे बेटे, बेटियाँ, रिश्तेदार, हमारे करीबी - वे अब इस दुनिया से चले गए हैं। वे कभी भी इस दुनिया को हमारे ऊपर ढहते हुए नहीं देख पाएंगे। उनकी मृत्यु पर शोक मनाने के बजाय, हमें इस पर खुशी मनानी चाहिए। जल्द ही, हम भी उनसे एक समतल धरातल पर मिलेंगे।”
उसके शब्द निराशा से भरे लग रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो वह अपनी आसन्न मृत्यु की प्रतीक्षा कर रहा हो। शायद कभी कैसियस वोरलॉफ अपनी हाजिरजवाबी और जवाबों के लिए जाना जाता था, और अपने साथियों के बीच बेजोड़ साहस का प्रदर्शन करता था। लेकिन समय ने उसे बदल दिया था, ठीक वैसे ही जैसे समय हर किसी को बदल देता है।
क्या किसी को कुछ कहना है?
किसी ने हाथ नहीं उठाया। तभी अचानक एक हाथ दिखाई दिया। वह दुबला-पतला और पीला था। "और आप कौन हो सकते हैं?"
“कैस्पर सुकरात,” उसने कहा और भीड़ से बाहर निकल गया।
फुसफुसाहट और कानाफूसी शुरू हो गई। कुछ ने कहा कि उन्होंने ऐसा नेफिलिम पहले कभी नहीं देखा था। दूसरों ने कहा कि वह उनमें से नहीं, बल्कि एक इंसान था। वह उनके सामने खड़ा हो गया और कैसियस के बगल में आकर रुक गया। पत्थर की पट्टियों पर लाशें बिखरी पड़ी थीं, जिनके चारों ओर तरह-तरह के मंत्र लिखे हुए थे, जो उन्हें परलोक ले जाने का संकेत दे रहे थे।
कैस्पर ने हाथ हिलाया। "नमस्ते। पीछे बैठी उन बूढ़ी महिलाओं के लिए, जिनके पास बड़बड़ाने के अलावा और कोई काम नहीं है, मैं नेफिलिम नहीं हूँ।"
आइवी ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं और अपनी पोशाक की तहों के भीतर मुट्ठी भींच ली।
उसे डर था कि कहीं वह नेफिलिम जाति के बारे में कुछ आपत्तिजनक न कह दे।
उसे पता था कि इसकी काफी संभावना है। कैस्पर अक्सर आपत्तिजनक बातें बोल देता था।
बार-बार।

“अगर मैं होता तो मेरी आत्मा इतनी कुचली हुई और निराश नहीं होती। तुम्हारे नेता, कैसियस, ने उम्मीद खो दी है, क्योंकि उनके किसी करीबी की मृत्यु हो गई है। लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है। मुझे इस बात की परवाह है कि नेफिलिम, जैसा कि मैंने शास्त्रों से जाना है, पृथ्वी पर अब तक की सबसे शक्तिशाली जाति हैं।”
“उन धर्मग्रंथों में उनके निराश होने का चित्रण नहीं है। न ही उनमें यह दिखाया गया है कि मृत्यु का सामना होते ही वे चूहों की तरह डरकर छिपने की जगह खोजने के लिए इधर-उधर भागने लगते हैं। नहीं। ऐसा कहीं नहीं लिखा है। जो लिखा है वह यह है कि वे लड़ते हैं। उन्हें परिणाम की परवाह नहीं होती। वे जीतने या हारने के लिए नहीं लड़ते, बल्कि इसलिए लड़ते हैं क्योंकि यही उनका कर्तव्य है।”
“मैं यहाँ पहली बार आया हूँ और टूटे हुए दिलों को देख रहा हूँ। मुझे तुम पर तरस आता है। तुमने अपनों को खोया है, कई ऐसे जिन्हें तुम बहुत मानते थे।” उसकी नज़रें एक पल के लिए आइवी पर टिक गईं, जो वहाँ स्तब्ध भाव लिए खड़ी थी। “तुमने प्यार किया। तुमने परवाह की। मैं जानता हूँ। मैं उस तरह का इंसान नहीं हूँ जो ऐसी बातें समझ सके। लेकिन एक बात याद रखना, ऐसी विपत्ति के सामने उम्मीद खोने और निष्क्रिय बैठने के बजाय, तुम बदला ले सकते हो। मृतकों की मृत्यु पर शोक मनाने के बजाय, तुम अपने प्रियजनों के लिए लड़ सकते हो।”
“जो लोग मर चुके हैं, वे तुम्हें इस तरह रोते हुए एक पल भी नहीं देख पाएंगे, क्योंकि वे जानते और मानते हैं कि तुम उनकी मृत्यु का बदला लोगे। लूसिफर मॉर्निंगस्टार – शैतान, पतित देवदूत, बुराई का देवता है। वह तुम्हारे जीवन और शरीर को कुचल सकता है, लेकिन वह तुम्हारी आत्माओं को कभी नहीं कुचल पाएगा।”
“नहीं। नहीं। आत्माएँ नहीं, कभी नहीं। आत्मा ही हमें बनाती है – न तो नेफिलिम और न ही मनुष्य, बल्कि पुरुष और स्त्री। उसे यह जानना चाहिए और उसे चेतावनी दी जानी चाहिए। उसे डरना चाहिए क्योंकि हम पूरी ताकत से आ रहे हैं। अपनी आत्मा की अपार शक्ति और अटूट आशा के साथ, हम लड़ेंगे। चाहे वह नेफिलिम हो या न हो, हम तब तक लड़ेंगे जब तक वह अनंत नींद में न सो जाए।”

सब लोग स्तब्ध रह गए। आंसू जम गए थे। सब कुछ शांत और स्थिर लग रहा था। नदी और सागर भी शांत प्रतीत हो रहे थे। कास्पर के मुख से निकले शक्तिशाली शब्द दृढ़ निश्चय से भरे थे, यद्यपि वे अपने आप में हानिरहित थे।

किसी ने कहा, "तुम्हें किसी अपने को खोने का दर्द नहीं पता।"
"हो सकता है मुझे पता न हो, लेकिन अगर मुझे पता होता, तो मैं यह सुनिश्चित करता कि जिसे मैंने खोया है, उसे अगले जन्म में बदला मिले।"
किसी ने एक शब्द भी नहीं कहा।

“आइवी, मुझे लगता है, मैं जाने के लिए तैयार हूँ,” उसने धीरे से उत्तर दिया। एक हाथ ने उसके कंधे पर हाथ रखा और उसे जाने से रोक दिया। उसने मुड़कर देखा तो कैसियस उसे घूर रहा था। उसके चेहरे के भाव
पहले जैसा नहीं था। उनकी बातचीत में कड़वे शब्दों का प्रयोग हो चुका था।
“बेटे, अंतिम संस्कार अभी खत्म नहीं हुआ है,” कैसियस ने दृढ़ निश्चय के साथ कहा।
उसने अपनी निगाहें उस पर टिकाईं और उसे एक बार फिर भीड़ की ओर धकेल दिया। कैस्पर मृतकों के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया का साक्षी बन सका। सबसे पहले, परिवार का प्रत्येक सदस्य आगे आया और उसने कुछ न कुछ भेंट किया। मृतक की कुछ वस्तुएँ, जैसे टोपी, तलवार या कोई लटकन जो वह पहनता था या अपने पास रखता था, उनके सीने या माथे पर रखी जाती थीं। इन वस्तुओं के ऊपर एक पीतल का सिक्का रखा जाता था। ऐसा माना जाता था कि यह सिक्का परलोक में काम आएगा और ये वस्तुएँ उनके वस्त्रों का काम करेंगी। नेफिलिम परलोक और पुनरुत्थान में विश्वास करते थे, जबकि कास्पर का मानना था कि हर किसी को केवल एक ही जीवन मिलता है।
जब प्रक्रिया पूरी हो गई, तो परिवारों ने गोलियों को समुद्र में बहा दिया। आइवी और कैस्पर ने रयुन की गोली को उसके भाई और बहन के साथ नीले, लहरों से भरे समुद्र में बहा दिया, क्योंकि उसके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी थी।
गोलियां कुछ देर तक तैरती रहीं, लेकिन धीरे-धीरे वे डूबने लगीं, मानो पानी उनके छिद्रों में समा गया हो और उन्हें शांतिपूर्वक नीचे खींच रहा हो।

कैसियस, कैस्पर के बगल में आकर खड़ा हो गया, उसका चोगा ज़मीन पर लहरा रहा था। उसने कैस्पर को भीड़ से दूर खींचकर उसके कान में फुसफुसाया, "कुछ लोग तुम्हारी बातों पर विश्वास नहीं करते और सोचते हैं कि लूसिफ़र का साथ देना बेहतर है।"

कैस्पर ने कहा, "हर चीज का विरोध होता है।"
“बिल्कुल, लेकिन…” उसने धीरे से अपनी उंगली के सिरे को अपने होंठ पर फेरा। “कुछ लोग सचमुच इसमें विश्वास करते हैं…आपमें। मैं उनमें से एक हूँ। मैं नेता हूँ, इसलिए मैं इस उद्देश्य के लिए ज़्यादा से ज़्यादा नेफिलिमों को इकट्ठा करने की पूरी कोशिश करूँगा। बहुत से लोग सहमत नहीं होंगे। लेकिन मुझे डर है कि मैं ज़्यादा कुछ नहीं कर सकता।”
"कम से कम आप तो हैं।"
किस चीज की कोशिश
तो मुझे क्या करना चाहिए?
“अपने साथ अधिक से अधिक नेफिलिम ले जाओ और राक्षसों के दर्शन होने पर सुरक्षा बढ़ा दो। लूसिफर प्रलय लाने और अंतकाल को साकार करने के तरीकों की तलाश में रहेगा। तुम्हें तैयार रहना होगा। जब भी मुझे आवश्यकता हो, तुम वहाँ मौजूद होने चाहिए।”
"हाँ यकीनन।"
कैस्पर ने सिर हिलाकर उसे अभिवादन किया और दूर हट गया। "धन्यवाद," उसने कहा।
वह अचानक रुक गया। "क्या?"

"जो कुछ हम खो चुके थे, उसका एक हिस्सा वापस लाने के लिए धन्यवाद।"
उसने कैसियस को ध्यान से देखा। अनजाने में ही उसने कई नेफिलिमों को पतित देवदूत से लड़ने की आशा देकर उनके जीवन में बदलाव ला दिया था। उसने तेज़ी से सिर हिलाया और आइवी की ओर बढ़ा, जो रयुन के भाई-बहन, क्वार्ट और डेज़ी से बात कर रही थी।

"हमें चलना चाहिए," उसने उसकी पोशाक के पीछे से खींचते हुए जवाब दिया।

आइवी ने कुछ लोगों को हाथ हिलाकर विदाई दी। वे वापस स्टेशन की ओर चल पड़े। उसके पीछे हरा दरवाजा बंद हो गया। वह एक बेंच की ओर चली और बैठ गई, एक गहरी, असंतोषजनक साँस ली।
“यह बुरा था।”
कैस्पर पास ही खड़ा था, उसके हाथ उसकी जेबों में गहरे तक धंसे हुए थे। "तुम घर नहीं जाना चाहते?"
“मुझे अभी अच्छा महसूस नहीं हो रहा है,” उसने कहा और अपने माथे को मलते हुए बोली। “मुझे कुछ मनोरंजन चाहिए, कुछ ऐसा जिससे मेरा मन शांत हो जाए।”
“जब मैं निराश होता हूँ, तो मैं कपड़े उतार देता हूँ।” कैस्पर मुस्कुराया। "इस तरह की स्थिति के लिए यह वास्तव में उचित नहीं है, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?" उसने पूछा, उसके होठों पर हल्की सी मुस्कान थी।
कैस्पर ने चारों ओर देखा। स्टेशन खाली था। ट्रेन की आवाज़ भी सुनाई नहीं दे रही थी। उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। "मेरा हाथ थाम लो," उसकी मुस्कान गायब हो गई।
उलझन में पड़ी आइवी ने उसका हाथ पकड़ लिया। उसने अपना हाथ झटककर उसे आगे खींच लिया। उनके शरीर आपस में टकरा गए। कुछ ही पलों में उन्हें अपने बीच की नज़दीकी का एहसास हुआ। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं बदला। वह मुस्कुरा भी रही थी और घबरा भी रही थी। वह पूछना चाहती थी कि आखिर क्या हो रहा है, लेकिन उसके मासूम होंठों से एक भी शब्द नहीं निकला।
उसने धीरे से अपना हाथ आइवी की पीठ पर रखा और उसकी पोशाक के कपड़े से उसकी लयबद्ध मुद्रा को महसूस किया। उसने अपना दूसरा हाथ उसकी कमर पर लपेटकर उसे कसकर पकड़ लिया, जिससे कुछ पल के लिए उसकी सांस रुक गई। आइवी गहरी सांस लेना चाहती थी, लेकिन इसके बजाय वह शर्म से लाल हो गई।
वह थोड़ा पीछे हट गया और उसे थोड़ी जगह दी। जल्द ही, सब कुछ समझ में आ गया। कैस्पर उसे नचा रहा था। बड़े आराम और फुर्ती से उसने उसे चारों ओर घुमाया।
और उसे खींच लिया

उनकी त्वचा धीरे-धीरे और कोमल स्पर्श से छू गई, उनके बीच जुनून जीवंत रूप से बह रहा था। उसने हाथ बढ़ाकर अपनी उंगलियों को उसके गाल पर लपेटा और उसे धीरे से थाम लिया।
“तुम जानबूझकर मेरा फायदा उठा रहे हो, है ना?” उसने पूछा। उसके चेहरे पर एक शरारती मुस्कान थी। “तुम मुझे छूने की कोशिश कर रहे हो।”
“अपनी सफाई में कहूँ तो, तुम्हारी त्वचा मुझे छू रही है।”
आँख मारते हुए उसने पूछा, "यह सब तुमने कब सीखा?"
मैंने यहां बहुत कुछ सीखा है और
वहाँ।" "यह तो बहुत प्रभावशाली है।"
"क्या आपका मनोरंजन हुआ?"
“हाँ, बहुत कुछ। धन्यवाद। कैस्पर, तुम ऐसे क्यों हो? तुम्हें अभी खुद को देखना चाहिए। तुम बिल्कुल अलग इंसान हो। तुम प्यारे, देखभाल करने वाले और मनमोहक हो। सबके सामने तुम बदतमीज़ी क्यों करते हो?”
कैस्पर का चेहरा भावहीन और कठोर बना रहा। उसने उसके सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया।
“उन सुनहरी आँखों का राज क्या है? किसी की आँखें सुनहरी नहीं होतीं।” आँखें। तुम असल में क्या हो? तुमने इस रास्ते पर कदम क्यों रखा है? कृपया, बताओ।
मुझे।"

“मुझे लगता है कि आज के लिए इतना काफी है,” उसने कहा और तुरंत उसे छोड़ दिया।
वह तेज़ी से सीढ़ियों की ओर बढ़ा। आइवी ने भी उसका पीछा किया और चलने में आसानी के लिए अपनी ऊँची एड़ी के जूते उतार दिए। उसने कैस्पर का कंधा पकड़ा और उसे ज़बरदस्ती घुमा दिया।
“बताओ, कास्पर। तुम क्या छुपा रहे हो? कास्पर सुकरात के पीछे क्या बड़ा रहस्य है? मेरे सामने खुलकर क्यों नहीं बता देते?”

मैं पहले से ही अनलॉक हो चुका हूं। बस आपको दिखाई नहीं दे रहा है।
“नहीं। नहीं, तुम नहीं हो।” उसने अपनी स्नेह भरी निगाहों से उसे देखा।
“तुम्हें लगता है कि तुम हो, लेकिन तुम नहीं हो।”

“एक दिन, तुम जान जाओगे। एक दिन, जब तुम मुझे पूरी तरह से समझ जाओगे और पाओगे... तुम इसे देख लोगे, लेकिन दुर्भाग्य से वह दिन आज नहीं है।” मैं सिर्फ एक चीज नहीं, बल्कि कई चीजें छिपा रहा हूँ। ऐसी चीजें जो अभी तुम्हारे सामने प्रकट नहीं की जा सकतीं।

काश मैं कह पाता कि आप सही हैं।
“इच्छा मत करो। वो कभी पूरी नहीं होती।” वह सीढ़ियों से ऊपर चढ़ गया, उस अलौकिक सुंदरता को घोर अंधेरे में खड़ा छोड़कर।

वर्जिल का इकबालिया बयान

उस रात, आइवी के सो जाने के बाद, कैस्पर पूरी तरह से जाग गया। उसके घुंघराले बाल बिखरे हुए थे और उसकी आँखें सूजी हुई और धँसी हुई थीं। वह अपनी कुर्सी पर बैठा रहा और सोच में डूबा हुआ अपने सिर को सहलाता रहा। वह थका हुआ था और उसे नींद नहीं आई थी। वह सोना चाहता था।
लेकिन ऐसा नहीं हो सका। बाहर बारिश की बूँदें ज़ोर से गिर रही थीं, जिससे बहुत शोर हो रहा था। तेज़ गड़गड़ाहट के साथ-साथ रुक-रुक कर बिजली भी चमक रही थी।
वह अपनी अध्ययन मेज पर गया और एक छोटा सा मोटा और कुरकुरा कागज़ निकाला, जिसके किनारों पर पीलापन लिए हुए रंग था। उसने एक कलम निकाली और एक सफेद कागज़ पर कुछ लिखने लगा, उसकी आँखें और गहरी होती जा रही थीं क्योंकि उसके मन में आने वाले हर शब्द को वह कागज़ पर लिखता जा रहा था। एक और दौर... पत्र पूरा होते ही बिजली कड़कने लगी। उसने उसे एक छोटे से फोल्डर में रखा और सावधानी से पास के दराज में डाल दिया। लिखे हुए को याद करते हुए उसका मन उथल-पुथल से भर गया।

आइवी,
आप कुछ बातें जानना चाहते थे, ऐसी बातें जिनका सामना करने से भी मैं बहुत डरता रहा हूँ।
मैंने अपने मन के किलों में ऐसी चीजें बंद कर रखी हैं जिन्हें कभी भी बाहर नहीं आना चाहिए।
अनलॉक किया गया।
मैं तुम्हें बताने का इरादा रखता हूँ, बस अभी नहीं। जल्द ही। तुम्हारी उम्मीद से भी जल्दी। तुम्हें पता चल जाएगा कि मैं वैसा घटिया इंसान नहीं हूँ जैसा तुम सोचते हो।
हर बात के पीछे कोई न कोई वजह होती है। जल्द ही आपको मेरी वजह पता चल जाएगी।

अपने विचारों को फिलहाल किनारे रखकर, वह नीचे की ओर चल पड़ा।
सड़क। वह अलग-अलग स्थानों के लिए कई पोर्टल बनाने की कोशिश करेगा। वह

उसने जादू-टोने में लिप्त होकर सत्य और असत्य के बीच का संक्षिप्त ज्ञान प्राप्त किया था। पोर्टल एक ऐसा छोटा मार्ग होता है जो कुछ ही सेकंडों में एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचा देता है।
अगले दिन उसने समय और स्थान के पार पोर्टल खोलने का एक नया तरीका आज़माना शुरू किया। उसका वर्तमान लक्ष्य सबसे कठिन तांत्रिक अभ्यासों में से एक था, जिसे केवल उच्च कोटि के जादूगर ही सही ढंग से कर पाते थे। समय और स्थान एक अनंत स्थान है, जहाँ सब कुछ संभव है। समय और स्थान में खो जाना मृत्यु से भी बदतर है, क्योंकि इससे आप भविष्य में फँस सकते हैं या अतीत में या किसी ऐसे वैकल्पिक आयाम में जा सकते हैं जहाँ आप कभी जाना नहीं चाहेंगे। उसे समय और स्थान के पोर्टल को बनाने की एक बुरी याद सताने लगी। उसने इसे कई वर्षों से नहीं बनाया था और फिर कभी कोशिश नहीं की थी।
जब उसने पहली बार ऐसा करने का प्रयास किया था, तब उस दुर्घटना ने उसका जीवन बदल दिया था और उसे वह बना दिया था जो वह अब है।
कैस्पर ने बाल्थाज़ार को पोर्टल बनाने का सही तरीका बताया। हवा में सेराफ चाकू घुमाकर पोर्टल बनाया जा सकता था, लेकिन देखने में आसान लगने के बावजूद इसके लिए काफी अभ्यास की ज़रूरत थी। अक्सर अभ्यास करने वाला व्यक्ति या तो खुद पोर्टल के अंदर खिंच जाता था या अनजाने में किसी को बाहर निकाल देता था।
“कैस्पर, इस समय और स्थान पोर्टल का उद्देश्य क्या है? तुमने इसे क्यों बनाया?” बाल्थाजार ने अपने मुंह में सिगार घुमाते हुए पूछा।

“इसका मेरा कोई वास्तविक उद्देश्य नहीं है। यह सिर्फ मेरे मनोरंजन के लिए है,” उन्होंने कहा।

कहा।

"अरे ठीक है।"
“बाल्थाज़ार, मैं तुमसे कुछ पूछना चाहता हूँ।” कैस्पर अपने देवदूत को लेकर आया।
उसने ब्लेड नीचे किया और खिड़की की ओर चलकर अपनी परछाई का सामना किया।
पिछले कुछ समय से

□□□ □□□ □□□□ □□

बहुत व्यस्त। "मुझे पता है कि तुम उस मूर्खतापूर्ण अंधविश्वास की वजह से मेरे साथ नहीं आए। मुझे पता है कि तुमने मेरा इंतज़ार सिर्फ इसलिए नहीं किया क्योंकि तुम एक सुखद परलोक चाहते थे।"

“नहीं, नहीं। यह सच नहीं है। तुम ऐसा क्यों कह रहे हो, दोस्त?”
“कई दिनों से तुम नियमित रूप से धूम्रपान कर रहे हो। गारगॉयल के नियमों में लिखा है कि जो कोई भी धूम्रपान, शराब पीने आदि जैसी सांसारिक सुख-सुविधाओं में समय व्यतीत करता है, उसे परलोक नहीं मिलेगा और उसकी मृत्यु भयानक होगी। फिर भी तुम हर समय धूम्रपान करते हो। इससे पता चलता है कि तुम अंधविश्वासी नहीं हो और जहाँ तक मुझे पता है, तुम्हें परलोक की कोई परवाह नहीं है।”
“ठीक है, मैं हार मानता हूँ। आप सही हैं।”
"तो...क्या वजह है कि तुम मेरे साथ ऐसे खतरनाक कारनामों में शामिल होते हो जिनमें तुम्हारी जान कभी भी जा सकती है?"
बाल्थाज़र ने अपने पथरीले गंजे सिर को खुजलाया। उसके कुतरने की आवाज़ कठोर पत्थर पर पंजों का रगड़ना असहनीय था। कैस्पर ने अपने पंजे हिलाए। इसे सहन करने के लिए आंखें।
बात ये है कि मेरी पूरी ज़िंदगी, यानी...उम्म...हाँ। दो सौ सालों से मुझे हारा हुआ और कायर कहा जाता रहा है। आप गार्गोयल्स के बारे में बहुत कुछ जानते हैं, है ना? आपको ये जानकारी तो होगी ही कि गार्गोयल्स योद्धा होते हैं जिन्होंने विश्व युद्धों, गृहयुद्धों, ब्लैक डेथ के दौरान और कई अन्य युद्धों में लड़ाई लड़ी थी।
“वे शक्तिशाली योद्धा हैं, राजाओं के रक्षक हैं। यहाँ तक कि राजा सुलेमान भी जिन्नों और गार्गोयल्स को अपने जल्लादों और शिकारियों के रूप में इस्तेमाल करते थे। मेरे पूर्वज वास्तव में गार्गोयल्स में सबसे शक्तिशाली थे। अपनी बहादुरी के कारण उन्हें देवताओं के वंश का माना जाता था।”
“सब कुछ ठीक रहा। उनकी संतानें वैसी ही बनीं जैसी वे चाहते थे।” शक्तिशाली, बहादुर, बलवान और साहसी। जब तक मेरा जन्म नहीं हुआ था। उन्हें मुझसे यह उम्मीद थी कि...

मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ, लेकिन मैं – मैं सबसे बड़ा हारा हुआ गार्गोयल निकला।
उनके वंश में अब तक पैदा हुए सभी लोगों में से। मेरे दादाजी मुझसे नफरत करते थे। मेरी माँ ही एकमात्र ऐसी थीं जो उनके परिवार में पैदा हुई थीं। एक ऐसा व्यक्ति जो मुझसे प्यार करता था, लेकिन

उसकी मृत्यु हो गई। मेरे भाई-बहन और मेरे सभी चचेरे भाई-बहन मुझ पर हँसे। इसके अलावा, मेरे पिता ने मुझे इतना डरपोक होने के कारण त्याग दिया।
"कोई भी पिता इतने मूर्खतापूर्ण कारण से अपने बच्चों को त्याग नहीं देता।" “खैर, मेरे पिता तो ऐसा ही सोचते थे। उन्हें मेरी परवाह नहीं थी। कुछ साल पहले, चुड़ैलों ने मुझे फंसा लिया और मुझे अपने समूह और दूसरों के बीच संदेशवाहक बनाकर इस्तेमाल किया, जब तक कि तुमने मुझे आज़ाद नहीं कर दिया। मैंने तुममें रोमांच की भावना देखी और सोचा कि शायद तुम्हारे साथ रहने से मेरा डर कम हो जाए। मैं अपने पिता को एक बार यह साबित करना चाहता हूँ कि मैं वही बेटा हूँ जो वे हमेशा से चाहते थे। वही बेटा जिसकी उन्हें हमेशा से चाह थी।”
“तुम दुनिया को बचाने में हमारी मदद कर रहे हो। तुम्हारे चचेरे भाई-बहन कुछ नहीं कर रहे। असल में, उन्हें तो यह भी पता नहीं होगा कि लुसिफर उठ खड़ा हुआ है और प्रलय लाने की कोशिश कर रहा है। मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि किसी को साबित करने की ज़्यादा कोशिश मत करो। खुद को साबित करो। और जब तुम्हें यकीन हो जाए कि तुमने खुद को साबित कर दिया है, तो अपने पिता के पास जाओ और उन्हें बताओ कि तुम वही नेक बेटा हो जो वो हमेशा से चाहते थे। उन्हें बताओ कि वो कभी भी वो नेक पिता नहीं थे जो तुम चाहते थे।”
हमेशा से यही कामना थी।

“हाँ, लेकिन तभी जब मैं इसे साबित कर सकूँ, है ना? हम्म?”
“तुम इसे पहले ही साबित कर चुके हो। उसे नहीं, बल्कि मुझे और खुद को। मत करो।”
हर दिन उठकर किसी न किसी को यह साबित करने की कोशिश करो, क्योंकि कुछ लोग ऐसा नहीं करते।
इसके लायक।"
उनके आश्चर्य के बीच, मृत्यु परछाइयों से बाहर निकली। उसकी छड़ी लंबी और हाथीदांत की बनी थी, जो निराशा से चमक रही थी। उसके चेहरे पर गहरी छाया थी, जिससे उसकी थकावट स्पष्ट झलक रही थी। उसकी नंगी छाती पर टैटू चमक रहे थे। “कैपरनम ने सुझाव दिया है कि आप दोनों मेरे साथ चलें। वह एक ऐसे व्यक्ति से मिलवाता है जिससे आपको मिलना चाहिए,” उसने कहा।
“अब क्या हुआ है?” कैस्पर

□□□□ □□□□, "□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□"
□□□□□□"

कैस्पर और बाल्थाजार एक-दूसरे की ओर मुड़े, जब तक कि उनकी निगाहें नहीं मिलीं। उन्होंने सिर हिलाया और मृत्यु की ओर चल पड़े।
“नहीं, रुको…” बाल्थाजार हकलाया। “आइवी का क्या हुआ?” “वह सो रही है,” कैस्पर ने जवाब दिया।
“तो उसे सोने दो,” मृत्यु ने सुझाव दिया। “आखिरकार, मुझे नहीं लगता कि उसे यातना कक्ष पसंद होंगे।”

***

कैस्पर ने खुद को एक गोदाम में पाया। लोहे की खिड़कियों और अस्त-व्यस्त ज़मीन के कारण वह गोदाम सदियों पुराना लग रहा था। अंदर की गंध घिनौनी थी। बाल्थाज़ार
उसने हाथ हिलाकर दिखाया कि बदबू उसकी अपनी बदबू से भी ज़्यादा भयानक थी। वे मौत के पीछे-पीछे एक छोटे से कमरे में गए। अँधेरे से दो चाँदी जैसी आँखें ऊपर उठीं।
घबराकर कैस्पर ने अपनी छड़ी कसकर पकड़ी और हमले के लिए तैयार हो गया। चश्मा पहने एक दुबला-पतला आदमी आगे बढ़ा। उसके बाल हल्के भूरे रंग के थे और उसके चेहरे की खुरदरी त्वचा पर बिखरे हुए कागज़ जैसे लग रहे थे। उसके गालों पर जगह-जगह झाइयाँ थीं और उसकी आँखें चमकीली थीं। उसके हाथ एक पुराने और बेढंगे कोट की जेबों में थे। इससे साफ पता चलता था कि वह अपने आस-पास की दुनिया से अनजान था। उसकी पैंट ढीली-ढाली और बेढंगी थी, जो उसके पतले शरीर पर लटक रही थी। वह किसी कंकाल जैसा लग रहा था, जिसके पैर बदबूदार जूतों में धँसे हों। उसने इस दिखावे को एक ढीले-ढाले लबादे की तरह ओढ़ रखा था।

“ह – हाय।”
उस व्यक्ति ने अत्यंत सरल ढंग से अपना हाथ हिलाया। उसके पहनावे या हाव-भाव के बारे में कुछ भी संकेत नहीं मिला। वह विनम्र प्रतीत होता था, फिर भी उसके चारों ओर एक बौद्धिक आभा व्याप्त थी।

“मैं डॉ. मैनिंग हूं। हार्वर्ड मैनिंग,” उन्होंने कहा।
घबराहट से। कैस्पर ने देखा कि उसके माथे से पसीना टपक रहा है।
“तुम कैस्पर सुकरात हो सकते हो।” उस आदमी के बोलते ही कैस्पर की नाक फूल गई। “और तुम बाल्थाज़ार होगे। एक गार्गोयल, वाह! मैंने तुम्हारे जैसे किसी को पहले कभी नहीं देखा, सिवाय पुराने गिरजाघरों में।” उसने मौत की ओर मुड़ते हुए अपनी हंसी दबाई। “और तुम ही हो मौत।”
झिझकते हुए उसने सबसे हाथ मिलाया। वह कमजोर और व्यथित लग रहा था। मानो यह उसकी असली क्षमता को छुपा रहा हो। उसमें एक सज्जन व्यक्ति का व्यवहार नहीं था और उससे दुर्गंध आ रही थी।
“ओह? जी हाँ, मैं कफरनम का... खैर, वह मुझे अपना सहायक कहता है।”
“एक इंसान,” मौत ने जवाब दिया और उसकी निगाहें दूसरे आदमी के चेहरे पर घूम गईं।
कद। हार्वर्ड हँस पड़ा। "बिल्कुल इंसान नहीं। मैं कभी था और
उन्हें याद रखें
“दिन अच्छे बीते,” उसने मन ही मन सोचा। धातु के दरवाजों की ओर चलते हुए उसकी नज़रें नीचे झुक गईं। “मुझे डर है कि मैं इससे कहीं अधिक हूँ।” “ऐसा कैसे?”

“मैं एक राक्षस हूँ,” डॉक्टर ने निडर होकर जवाब दिया।
“अंदर से तो हम सब एक जैसे ही हैं,” कैस्पर ने चुटकी लेते हुए कहा। वह यह जानने की कोशिश कर रहा था कि हार्वर्ड को उससे अलग क्या बनाता है। हार्वर्ड ने दरवाजा खोला। कैस्पर ने खुद को एक छोटे से गोलाकार कमरे में पाया। उनके ऊपर एक पंखा टेढ़ा लटका हुआ था, जो घूमकर कमरे की स्थिर हवा को हिला रहा था। गोदाम जंगल के बाहर कहीं स्थित एक बिजली संयंत्र से जुड़ा हुआ था। कमरे में नमी का स्तर बहुत अधिक था। कैपरनम कमरे के दूसरे छोर पर खड़ा था। उसकी आँखें धँसी हुई थीं और उसके होंठ काँप रहे थे। उसने अपने माथे पर बिखरे काले बालों को पीछे धकेला।

पंखे के ठीक नीचे एक दानव था। कोई भी दानव को देखते ही पहचान लेता। सिवाय इसके कि अगर वह किसी इंसान की खाल पहने हो। लेकिन इस दानव ने कोई खाल नहीं पहनी थी। ऐसा लग रहा था मानो किसी ने जानबूझकर उसके पतले, चिपचिपे शरीर से खाल उतार दी हो।
राक्षस कई प्रकार के होते हैं। बड़े और छोटे राक्षस होते हैं, तीन-
पैरों वाले राक्षस, तीन भुजाओं वाले राक्षस, या दो सिर वाले राक्षस। उन सभी में एकमात्र समानता उनकी पूरी त्वचा पर फैले चमकदार टैटू, प्रतीक चिन्ह या चिह्न थे जो ऊपर से नीचे तक घूमते थे। मानव रूप में उनकी त्वचा रबर जैसी होती है। ऐसा कहा जाता है कि जब लूसिफ़र को नरक में डाला गया था
ईश्वर की इच्छा का उल्लंघन करते हुए, उसने राक्षसों को बनाया और उन्हें सुरक्षा और शक्ति के लिए ये प्रतीक चिन्ह दिए, क्योंकि नए राक्षस सबसे कमजोर प्राणियों के अलावा कुछ भी नहीं थे।
“यह अबाडॉन की सेना का सेनापति वर्जिल है,” कैपरनम ने समझाया। “सौभाग्य से, मेरे सहायक हार्वर्ड ने उसे ब्रुकलिन में पकड़ लिया। उसे यातना देने के बाद, उसने हमें कुछ जानकारी दी।”
“किस प्रकार की जानकारी?”
“आप मैट्रिक्स कॉर्पोरेशन और लॉन्गहॉर्न डार्सी के बारे में जानते होंगे?” बाल्थाजार ने उत्साह से ताली बजाई। “सबसे युवा अरबपति!”
“वह जैसा दिखता है वैसा नहीं है।” कफरनम उत्तेजित दानव के चारों ओर घूमा, जो कठोर और क्रोधित बैठा था। “वह लूसिफर है।”
मौत अचानक से आ गई। वे इस खबर से स्तब्ध रह गए। उनमें से किसी ने भी ऐसी घटना की उम्मीद नहीं की थी।
कैस्पर ने लॉन्गहॉर्न डार्सी के बारे में सुना था। चैनल बदलते समय उसने उसे कई बार इंटरव्यू देते, खबरों में सार्वजनिक चर्चाओं में हिस्सा लेते और मशहूर लोगों से मिलते देखा था। हाल ही में उसकी ख्याति पहले से भी कहीं बढ़ गई थी, मानो किसी नई ऊर्जा ने उसके भीतर शरण ले ली हो। अब कैस्पर को सब कुछ समझ में आने लगा था।

“शायद ऐसा ही हुआ होगा। लुसिफर का पुनरुत्थान हुआ। उसने एक शरीर धारण किया, क्योंकि शैतान मानव रूप धारण नहीं कर सकता, और येल विश्वविद्यालय से स्नातक लॉन्गहॉर्न डार्सी को पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों में से एक बनने में मदद की।”
“तो फिर प्रलय का क्या हुआ?” बाल्थाजार ने उलझन में पूछा। “फिलहाल तो उसके मन में ऐसी कोई बात नहीं है,” दानव ने कहा।
“यह तो कतई बेतुका है!” कैस्पर चिल्लाया और आगे बढ़कर दानव के चेहरे की ओर देखने लगा। “यह शैतान है। अगर यह प्रलय नहीं चाहता, तो नरक से बाहर निकलने के लिए इतना बेचैन क्यों था?” उसने पूछा। “क्यों? यह प्रलय लाने की कोशिश क्यों नहीं कर रहा?”
“वह पृथ्वी को एक दयनीय जगह मानता था जहाँ परजीवी रहते हैं। जब वह पृथ्वी पर आया, तो उसके विचार बदल गए। उसने पृथ्वी को एक नए नज़रिए से देखा। वह इससे मोहित हो गया। इसके नियमों, व्यवस्था और प्रगति से मोहित हो गया। वह इसे नष्ट नहीं करना चाहता था। इसके बजाय, उसने एक अरबपति का शरीर धारण किया और किसी को नुकसान पहुँचाए बिना शक्तिशाली बन गया।”
“नहीं, नहीं, नहीं!” कैस्पर की निगाहें दानव पर गड़ी हुई थीं और उसकी नसों में एड्रेनालाईन दौड़ रहा था। “तुम कुछ छुपा रहे हो। लुसिफर ऐसा कभी नहीं करेगा। तुम कुछ छुपा रहे हो। बताओ! मुझे बताओ!”
कैस्पर की आवाज़ कर्कश और धमकी भरी थी। वह ज़ोर से चिल्लाया, उसकी आवाज़ पूरे कमरे में गूंज उठी। वर्जिल चौंक गया। जैसे ही उसके भीतर भय की लहर दौड़ी, उसके मंत्र चमकने लगे।
“मैं – मैं…”
“हाँ। हाँ, तुम कुछ छिपा रहे हो। मैं तुम्हारी आँखों में देख सकता हूँ।” “मैं अपनी जान जोखिम में नहीं डाल सकता। सृष्टिकर्ता मुझे नष्ट कर देगा।” “तो फिर तुम मुझे ठीक से नहीं जानते। मैं तुम्हारी खाल उतार दूंगा। यह मौत से भी बदतर है,” उसने धमकी दी।

“मैं…” उसने आह भरी।
कैपरनम, मृत्यु, हार्वर्ड और बाल्थाजार ने एक-दूसरे की ओर देखा। वर्जिल ने चारों ओर देखा और उसे उनमें कोई सहारा नहीं मिला। वह घोर निराशा में अपना सिर झुका लिया।
“वह…वह…एक…पैगंबर को लाने की कोशिश कर रहा है,” उसने हिचकिचाते हुए कहा। “और?”
“बस इतना ही। उसने लॉर्ड लेविथान को ऐसा करने के लिए कहा था। किसी न किसी तरह वह पैगंबर का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करना चाहता है।”
“धन्यवाद, वर्जिल।” कैस्पर सीधा खड़ा हुआ और चारों ओर देखा। “बस इतना ही। बाल्थाज़ार, मुझे लगता है हमें कुछ काम करना है।”
“रास्ते में हूँ, बॉस।”
कैस्पर ने कफरनम और मृत्यु पर नज़र डाली। “मैं पैगंबर को ढूंढने जा रहा हूँ जबकि
तुम लोग इशारों में बात करो। अलविदा।” उसने आँख मारी और बिना कुछ कहे कमरे से बाहर निकल गया।
पीछे की ओर एक नज़र

उनकी दिशा में।

ओबेरॉन का प्रस्ताव

भविष्यवक्ता...जैसे यशायाह और अय्यूब, स्वर्ग से चुने गए वृद्ध पुरुष हैं। उन्हें भविष्य की झलकियाँ मिलती हैं। वे समाज के सबसे महत्वपूर्ण लोगों में से एक हैं।
क्योंकि यह दुनिया को बेहतर भविष्य की उम्मीद देता है और प्रभुत्व बनाए रखता है
स्वर्ग शक्तिशाली है।
मानव सभ्यता की शुरुआत से ही पृथ्वी पर नबी जन्म लेते रहे हैं। उन्होंने ऐसी घटनाओं का ज्ञान दिया है जिन्होंने दुनिया का चेहरा बदल दिया है, और मनुष्यों में जीने की इच्छा जगाई है तथा धर्म को मजबूत बनाए रखा है। वे अपनी अपेक्षा से कहीं अधिक जानते हैं और यदि वे अपने मस्तिष्क की क्षमताओं का पूरा उपयोग करें तो वे संभवतः सब कुछ जान सकते हैं।
कैस्पर ने आज तक पैगंबर के बारे में नहीं सुना था। शैतान के कबूलनामे ने उसे चौंका दिया था। यह अजीब, विचित्र था, फिर भी इसने उसे ऊर्जा से भर दिया। फिर भी, वह पैगंबर को कैसे खोजेगा? कहा जाता है कि हर सदी में एक नया जन्म लेता है। इस सदी में स्वर्ग का चुना हुआ कौन होगा? कोई भी हो सकता है। शायद कोई बोलने वाला जानवर या धरती की गहराइयों से आया कोई प्राणी। जो भी हो, या जो भी हो, यह बात उसे उत्साहित कर रही थी।
जब वह अपने घर पहुँचा तो उसने देखा कि लाजरस और अन्य नौकरानियाँ घर को व्यवस्थित कर रही थीं। बाल्थाजार ने उन्हें डराने से बचने के लिए खुद को अदृश्य कर लिया। वे कैस्पर के अध्ययन कक्ष की ओर बढ़े जहाँ माना जाता था कि आइवी सो रही थी।
रास्ते में लाजरस की मुलाकात उससे हुई और उसने उसका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हुए पूछा, "मास्टर सुकरात?"
“जी?” कैस्पर उसके अचानक प्रकट होने से आश्चर्यचकित हो गया। “क्या बात है, लाजरस?” “श्रीमती डेमेट्रियस के लिए एक मेहमान आए थे।”
“किस तरह का मेहमान?”

“एक लड़की, मास्टर सुकरात।”

“मैं समझ गया,” उसने धीरे से जवाब दिया और भौंहें चढ़ा लीं। “धन्यवाद।” लाजरस चला गया और कैस्पर गुनगुनाता रहा। वह कोई सामाजिक व्यक्ति नहीं था, लेकिन अब यह बात तेज़ी से बदल रही थी। एक मनमौजी और असामाजिक व्यक्ति के रूप में उसका जीवन पूरी तरह उलट-पुलट हो गया था। रूखेपन से चलते हुए वह दरवाजे की ओर बढ़ा। उसने दरवाजा खोला और कमरे में एक भूरे बालों वाली लड़की को तंग जींस और धारीदार कमीज़ पहने हुए पाया, जिसकी कलाई कोहनी तक मुड़ी हुई थी। उसकी भूरी आँखें उस पर टिकी हुई थीं और अचानक उनके बीच ऊर्जा का एक प्रवाह दौड़ गया।
किसी अज्ञात कारण से, कैस्पर के सीने में दिल अनियमित रूप से धड़क रहा था। क्यों? उसने सोचा। उसका दिल इतनी तेजी से क्यों धड़क रहा था?
“ये जोआन हैं, कैस्पर,” आइवी ने प्रकट होते हुए परिचय कराया। “जोआन, ये कैस्पर सुकरात हैं।”
“मैंने आपके बारे में सुना है,” उसने शरारती मुस्कान के साथ कहा। “आप काफी मशहूर हैं। मेरे पिताजी सरकार में काम करते हैं। वे आपको अलौकिक घटनाओं की जांच करने वाले के रूप में नियुक्त करने की सोच रहे हैं।”
"क्या तुम सच कह रही हो? क्या वह सच में ऐसा कह रही है?" उसने जोआन से हाथ मिलाते हुए आइवी की ओर मुड़ते हुए पूछा।
मैं उसके पिता को जानता हूं और वह सरकार के लिए काम करता है।
“बेहद दिलचस्प।” कैस्पर मुस्कुराया। “इसके लिए दावत तो बनती है, लेकिन अभी नहीं।”
हमें काम करना है।” जोआन के प्रति उसके मन में जो आवेगपूर्ण भावना उत्पन्न हुई थी, वह थी...
जैसे ही वह कमरे में दाखिल हुआ, उसकी नज़रें धुंधली पड़ने लगीं। “पैगंबर...पैगंबर...कहाँ?”
कोई नबी कौन हो सकता है? मैं उसे कैसे ढूँढूँ? आह!” उसने ताली बजाई उत्साह। “गोब्लिन? नहीं!”

“शायद परियां?” आइवी ने सुझाव दिया।

“परियां? आप ऐसा क्यों कह रहे हैं...? ओह। ओह, मैं समझ गया। परियां ऐसी प्राणी हैं जो हर जगह दखल देती हैं जहां उन्हें नहीं देना चाहिए? बिल्कुल!” उसने अलमारियों में किताबें ढूंढना शुरू किया और उन्हें एक तरफ फेंकने लगा।
“क्या वह मनोरोगी है?” जोआन ने फुसफुसाते हुए पूछा।
“सुधार: एक समाजविरोधी,” कैस्पर ने अचानक कहा।
आइवी ने जवाब दिया, "तुम क्या करने की कोशिश कर रही हो?"
पूछा गया।

"परी को ढूंढने की कोशिश कर रहा हूँ,"
कैस्पर जानता था कि ब्रह्मांड में मृत्यु का अपना ही राज है। मृत्यु मनुष्य हो या परी, सबकी आत्मा को छीन लेती है। इसीलिए वह ओबेरॉन के बारे में जानता होगा।
ओबेरॉन परियों का राजा था। वह राज्य का स्वामी था और उसने ही परियों की जाति का सृजन किया था। वास्तव में, वह एक देवदूत था जिसने अपने कर्तव्यों का त्याग कर अपनी एक अलग जाति बना ली थी। उसके बाद उसे किसी ने नहीं देखा, क्योंकि वह अंतासिया नामक परी राज्य के घने चरागाहों में रहता था। कई लोगों ने उसकी खोज की है, लेकिन अभी तक उसे ढूंढ नहीं पाए हैं।
परियां टिंकर बेल जैसी प्यारी और खूबसूरत नहीं थीं जो दूसरों के लिए खुद को कुर्बान कर देती थीं। बिलकुल नहीं। कैस्पर पहले यही सोचता था कि वे किताबों और कार्टूनों में दिखाए गए चित्रों जैसी ही होती हैं, जब तक कि उसने उनमें से कुछ का शिकार नहीं कर लिया।
वे चालाक प्राणी थे जिन्हें इंसानों के दिमाग से खेलना पसंद था। वे सिर्फ मनोरंजन के लिए बहकाते, फुसलाते और प्रभावित करते थे। वे इंसानों पर धूल छिड़ककर उनकी इच्छाएं पूरी नहीं करते थे। न ही वे फिल्मों में दिखाए गए परियों के अन्य काम करते थे। गुस्से में वे लोगों को नोंच-नोंचकर मार सकते थे। हिसाब-किताब रखने वाले और चालाक, वे कैस्पर के सबसे बड़े दुश्मन थे। फिर भी, उसे उनकी मदद की ज़रूरत थी। वह जानता था कि परियाँ ही एकमात्र ऐसी प्राणी थीं जो
वे हर किसी और हर चीज़ पर नज़र रखते थे। उन्हें पहले से ही पता होता था कि ल्यूसिफर के पास है

परियों का पुनरुत्थान तो हुआ, लेकिन उन्हें इसकी ज़रा भी चिंता नहीं थी, क्योंकि उनके कार्यों के परिणाम से उन पर कोई असर नहीं पड़ता। अगर संभव हो तो लूसिफ़र कभी भी परियों के मामलों में दखल नहीं देता। परियाँ यहाँ विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्राप्त करती हैं। उनके स्रोत हमेशा विश्वसनीय होते हैं। वे जानकारी प्राप्त करने में सहायक हो सकती हैं, लेकिन इसके लिए आपको उनका विश्वास जीतना होगा।
“क्या तुम्हें इस बात का पूरा यकीन है?” मृत्यु ने प्रकट होते हुए पूछा। कमरा। कैस्पर ने उसे अपनी योजना पर चर्चा करने के लिए बुलाया था। उसे ज़रूरत थी
ओबेरॉन का होना

उनकी मदद करें।

क्या आपने उसे अपनी आँखों से देखा है?
“बेशक मैंने देखा है। मैं ही तो मृत्यु हूँ।” वह सोचते-सोचते होंठ सिकोड़ते हुए बोला, “दूसरी परियाँ उसे एक अज्ञात धर्मपिता समझती हैं। लेकिन मेरे लिए वह एक दुष्ट, चालाक और धूर्त है।”

***

मृत्यु को हवा में गायब होने और परियों के स्वामी को पकड़ने में ज़्यादा समय नहीं लगा। मृत्यु शक्तिशाली और वृद्ध थी। उसने एक बूढ़े, झुर्रीदार दिखने वाले व्यक्ति को सहजता से पोर्टल से बाहर खींच लिया। उसने अपने हाथ ऐसे पोंछे मानो उसे छूने से वह दूषित हो गया हो।
ओबेरॉन वैसा नहीं था जैसा कैस्पर ने कल्पना की थी। उसने सोचा था कि वह एक बड़ा, घनी दाढ़ी वाला, लंबे बालों वाला और आलीशान कपड़े पहने हुए आदमी होगा। लेकिन उसके सामने एक ऐसा आदमी खड़ा था जो जगुआर के आकार के हैंडल वाली छड़ी के सहारे खड़े होने की कोशिश कर रहा था।
उसका सिर गंजा था और उसकी आंखें सॉकेट से थोड़ी बाहर निकली हुई थीं। उसके होंठ बुखार से कांप रहे थे और फड़क रहे थे। उसके लंबे कान बौनों जैसे दिखते थे।

उसने पहना हुआ था

हरे रंग की कमीज, उसके ऊपर भूरे रंग की जैकेट और ढीली, धुएँ के रंग की पैंट।
परियों का राजा इंसानी कपड़े पहने हुए।
"कई लोगों को आश्चर्य हुआ है कि क्या तुम परियों की दुनिया में थे, जबकि वास्तव में तुम पृथ्वी पर मौज-मस्ती कर रहे थे," मृत्यु ने ताना मारा।
“मैं बूढ़ा हो चुका हूँ, मृत्यु। इस समय जीवन में आनंद भी शामिल है।” उसने मृत्यु की ओर एक चौड़ी, उन्मादी मुस्कान बिखेरी। वह अपनी बनाई परियों से बिलकुल अलग था। परियों को दयालु, मधुर और मीठी आवाज़ वाली होना चाहिए था।
लेकिन यहाँ, बात अलग थी।
“मुझे आपकी मदद चाहिए,” कैस्पर ने कहा।
“तीन इच्छाएँ। बस इतना ही,” ओबेरॉन ने अपने कपड़ों से धूल झाड़ते हुए दोहराया।
जैकेट। "मुझे तुम्हारी बेवकूफी भरी इच्छाओं की ज़रूरत नहीं है।" कैस्पर ने लंबी बातचीत की।
एक नजर के साथ

मृत्यु। "मुझे जानकारी प्राप्त करने में आपकी मदद चाहिए।"
ओबेरॉन की भौंहें सिकुड़ी हुई थीं, लेकिन अब वह एक बड़ी मुस्कान में बदल गईं। अपनी छड़ी के सहारे चलते हुए, वह कैस्पर के चारों ओर घूमे, उनकी नम और नम आँखें उस पर टिकी हुई थीं। "ओह? मुझे जानकारी मिल गई। किसी से पता चला है कि परियों को हमेशा बड़े हिस्से का एक टुकड़ा मिलता है, है ना?" उनकी आवाज़ इतनी मधुर थी कि उनकी खरखराहट भरी साँसें मुश्किल से सुनाई दे रही थीं। "आपको किस तरह की जानकारी चाहिए?"
“पैगंबर का स्थान।”
ओबेरॉन ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "पैगंबर। दिलचस्प। पैगंबर क्यों?" "यह तुम्हारा काम नहीं है।"
"यह उस व्यक्ति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जो आपको वह जानकारी देने वाला है जिसकी आपको इतनी चाहत है।"
“ठीक है।” कैस्पर ने मौत से एक बार फिर नज़रें मिलाईं। “मुझे पैगंबर की ज़रूरत है क्योंकि मुझे यह देखना है कि मेरी मृत्यु कैसे होगी।” अपने शब्दों पर उसे तुरंत पछतावा हुआ।

ओबेरॉन ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। उसने हवा को सूंघा और कहा, "क्या तुम्हें यह गंध आ रही है?" किसी ने जवाब नहीं दिया। "यह झूठ की गंध है।" उसने कैस्पर की डेनिम पैंट को घूरा और एक बार फिर हवा को सूंघा। "लेकिन मुझे तुम्हारी पैंट में आग लगती हुई नहीं दिख रही है।"
कैस्पर टस से मस नहीं हुआ। ओबेरॉन को साफ पता चल जाता कि कौन झूठ बोल रहा है और कौन नहीं। अपनी मछली जैसी आँखों से वह कैस्पर और फिर मृत्यु की ओर घूरता रहा।
“सच में दोस्तों, जब आप एक अच्छे झूठे बनना चाहते हैं, तो स्पष्ट झूठों का सहारा मत लें।” वह रुका। “तो फिर क्या बात है?”
“ल्यूसिफर नरक में अपने पिंजरे से बाहर आ गया है। वह एक पैगंबर की तलाश में है। उसे पैगंबर की ज़रूरत क्यों है, यह मुझे नहीं पता, लेकिन कोई न कोई कारण तो ज़रूर होगा, इसलिए हमें उससे पहले पैगंबर को ढूंढना होगा।”
“वाह, यह तो बहुत ही शानदार है! अच्छाई और बुराई के बीच संघर्ष। मैंने इसे कई बार देखा है।”
“तो? ओबेरॉन, मुझे लगता है कि तुम्हें हमें बताना चाहिए। तुम्हें अंटार्कटिका याद है ना?”
तुम?” मौत ने धमकी भरे स्वर में कहा। “तीन दशक। अब होगा
पाँच।” “ठीक है। कोई बात नहीं। लेकिन इसके बदले में मुझे एक एहसान चाहिए।” की तरह

जानकारी।"
“मैं तुम्हारी ऐसी-तैसी कर दूंगा, परी पिता!” मृत्यु ने ओबेरॉन को कॉलर से पकड़ लिया। “नहीं, रुको, मृत्यु।” कैस्पर ने अपना हाथ आगे बढ़ाया। “तुम उसे जमा सकते हो।”
पचास साल तक अंटार्कटिका में रहने के बावजूद, उसने हमें पैगंबर के बारे में नहीं बताया। उसने परियों के राजा की ओर देखा। "बदले में तुम्हें क्या चाहिए?"
ओबेरॉन मुस्कुराया। "अब हम समझदार हो रहे हैं, है ना?" वह उठ खड़ा हुआ। "मुझे एक मदद चाहिए। यह एक अच्छी मदद है। वैसे तो यह कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। आप जानते हैं, मैं एक अहंकारी परी हूँ, लेकिन मुझे तब बहुत बुरा लगता है जब कोई मेरे अहंकार को ठेस पहुँचाता है। लूसिफ़र मॉर्निंगस्टार

[illegible]"

दयनीय! मैं राजा हूँ – परियों का देवता। मेरी जाति मेरी पूजा करती है। लेकिन मुझे कुत्ते की तरह बांधा गया है।” उसने दांत भींचे। “उसने एक देवता को बांध रखा है, यह तो सरासर बेतुका है।”

मुझे कोई जंजीरें दिखाई नहीं दे रही हैं।

"आप इसे देख नहीं सकते, क्योंकि आप इसे ढूंढ नहीं रहे हैं।"
उन्हीं शब्दों के साथ, कैस्पर ने देखा कि जंजीर जादुई ढंग से प्रकट हो गई। ओबेरॉन के गले में एक धातु का पट्टा लिपटा हुआ था, जिसमें एक लंबी जंजीर लगी हुई थी। "देखो, मैं एक कुत्ता हूँ।"
“जी हां। और हां, कोई प्यारा-सा नहीं,” कैस्पर ने कहा। “उसे तुम्हारी ज़रूरत क्यों है? तुम्हें और कौन सी शर्तें पूरी करनी होंगी?”
“मैं परियों का देवता हूँ। मैं कभी-कभी बहुत उपयोगी हो सकता हूँ, अगर आपको मुझे बांधने का सही तरीका पता हो। दुर्भाग्य से, लूसिफ़र को पता है।” वह रुका। “लूसिफ़र के पास एक... इंसानी भाषा में उसे क्या कहते हैं? एक सेब। एक काला, राख जैसा सेब। मैं चाहता हूँ कि आप उस सेब को तब तक मसलें जब तक वह टुकड़ों में न टूट जाए। जब वह टूट जाएगा, तो मैं आज़ाद हो जाऊँगा।”

“ठीक है, मैं यह कर सकता हूँ। बस मेरी बांह पर शपथ लिख दीजिए।”
“नहीं, नहीं, नहीं। अब, यही मुश्किल हिस्सा है। मुझे तुम पर भरोसा नहीं है। इंसान हमेशा से परियों के मामलों में दखल देते आए हैं। इसीलिए तो हम उन्हें काटकर मज़े से खाते हैं। मुझे चाहिए कि तुम पहले उस सेब को तोड़ो और फिर मेरे पास वापस आओ, बदले में मुझे वह जानकारी दो जो तुम इतनी चाह रहे हो।”
मैं ऐसा नहीं करने वाला। आपको भरोसा करना होगा।
मुझे।" "खैर, यही तो मेरी कमजोरी है।"
मैं मारा जाऊंगा।
"जीने और मरने की संभावना हर परिस्थिति में मौजूद होती है," ओबेरॉन हंसते हुए बोले।
“यह मेरा प्रस्ताव है। आपको मेरी मदद की ज़रूरत है। इसलिए, आपको मेरी मदद करनी होगी। जाइए...”

[illegible] [illegible] [illegible] [

कैस्पर हमेशा से ही साहसी लड़का था। किशोरावस्था से ही वह साहसी रहा था। लेकिन अब, जानलेवा जगह में जाना हद से ज़्यादा साहसी था। वह जानता था कि उसके पास कोई विकल्प नहीं है। उसे ओबेरॉन की मदद करनी ही थी। वह किसी और परी से मदद ले सकता था, लेकिन पैगंबर का ठिकाना सिर्फ़ ओबेरॉन को ही पता था। आख़िरकार, वह परियों का राजा था।
ठीक है। मैं कर दूंगा।
मौत चौंक गई। "नहीं, इंसान!" उसने चिढ़कर कहा। "मैं उससे पूछताछ करूंगा। मैं उससे सारी जानकारी निकलवा लूंगा।"
“हमारे पास इतना समय नहीं है।” कैस्पर ने जल्दी से मौत की ओर देखा। “मुझे यह करना ही होगा। उसका प्रस्ताव खतरनाक हो सकता है, लेकिन इससे हमें मदद मिल सकती है।”
मौत ने अपनी आँखें घुमाईं। उसे यह विचार बिल्कुल पसंद नहीं था। उसका एकमात्र जल्लाद होगा...
ऐसी जगह जाना जहाँ मृत्यु अपरिहार्य थी। यही वह चाहता था।
उसे एहसास हुआ कि वह कैस्पर की परवाह करता है, भले ही वह उसे एक निर्मम व्यक्ति मानता था।
पत्थर दिल और भावहीन।
कुछ देर बाद उसने कहा, "ठीक है, लेकिन वह मेरे साथ ही रहेगा।"
निगरानी में, जब तक तुम उसकी जंजीर तोड़कर मुझे आवश्यक जानकारी नहीं दे देते।
जानकारी।"

"यह एक बुरा विचार है," ओबेरॉन ने कमजोर स्वर में कहा।

मृत्यु ने अनिच्छुक परी के चारों ओर अपना हाथ लपेट लिया। "हम खूब मज़ा करेंगे, तुम और मैं।"

मैं।"
ओबेरॉन ने दांत पीसते हुए कहा, "तुम्हारी उपस्थिति यातना से भी बदतर है।" कैस्पर ने मृत्यु और ओबेरॉन को देखते हुए अपने कॉलर ऊपर खींच लिए।
बाहर जाना

[illegible] [illegible] [illegible] [

पापी

मैट्रिक्स कॉर्पोरेशन, एक बहुराष्ट्रीय कंपनी, ने एक गगनचुंबी इमारत का उपयोग किया।
इसका मुख्यालय नीले आकाश की ऊंचाइयों तक फैला हुआ था। इसका शंकु के आकार का शीर्ष भाग
ऐसा लग रहा था मानो कोई सुई मुलायम नीले सूती कपड़े को छेद रही हो। कर्मचारियों
उन्होंने दिन-रात कड़ी मेहनत की, यहां तक कि अपने परिवारों को भी भुला दिया। उनमें से कुछ
वे रूपांतरित राक्षस थे। मानव श्रमिक उनकी गतिविधियों से अनभिज्ञ थे। उनके आसपास मौजूद राक्षसों के बारे में।
इमारत में प्रवेश करना आसान था, खासकर कैस्पर के लिए। वह नशे में होने का नाटक करते हुए और पेशाब करने की ज़रूरत का बहाना बनाते हुए प्रवेश द्वार की ओर बढ़ा।
वॉशरूम। रिसेप्शनिस्ट को उस पर दया आ गई और उसने उसे रास्ता दिखा दिया।
वॉशरूम में प्रवेश करते ही उसने देखा कि ऊँची छत के नीचे एक सफेद फर्श फैला हुआ है। उसे रिसेप्शनिस्ट के जूतों की आवाज धीरे-धीरे मंद होती सुनाई दी।
उसने बाहर झाँका और पाया कि आसपास कोई नहीं है। उसने अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया।
अपने थैले से उसने एक सुरक्षा गार्ड की वर्दी और एक काली टोपी निकाली। उसने उसे पहन लिया और अपना ट्रेंच कोट थैले में ठूंस दिया। उसने टोपी को अपने घुंघराले बालों पर ठीक से ढक लिया। गार्ड की वर्दी का बड़ा जैकेट इतना चौड़ा था कि उसके बाल पूरी तरह से छिप गए।
उसके सीने पर चमड़े का थैला लटका हुआ था। उसने दरवाजा खोला और गलियारे में आगे बढ़ गया।
काले सूट पहने दो कर्मचारी करीब आने लगे। वे चुपचाप चलते रहे। वे अकड़े हुए और अस्त-व्यस्त लग रहे थे। कैस्पर ने आसानी से उन्हें शैतान के रूप में पहचान लिया। उनके पास से गुजरते हुए कैस्पर ने अपना सिर नीचे झुकाया और टोपी को माथे पर कसकर खींच लिया। उनकी लाल आँखें उस अनजान गार्ड के लिए

नम्र थीं, लेकिन उन्होंने इस बात को नजरअंदाज कर दिया कि उन्होंने उसे कहीं देखा है। जल्द ही वह एक लिफ्ट के पास पहुँच गया। उसने अपना सिर नीचे रखा और अपने जूतों को देखने लगा।
लिफ्ट का दरवाजा खुला और कैस्पर तेजी से उसमें घुस गया।

***

लॉन्गहॉर्न डार्सी ने एक शानदार ग्रे सूट पहना हुआ था और वोजनियाक के कार्यालय में दाखिल हुए। वोजनियाक एक कंप्यूटर जीनियस, इंजीनियर और मैट्रिक्स कॉर्पोरेशन के लिए एक महत्वपूर्ण मानव संसाधन थे। उनके बिना, कॉर्पोरेशन अन्य आईटी कंपनियों से कहीं आगे नहीं बढ़ पाता। हालांकि, वोजनियाक को उनके काम के लिए कभी सराहना नहीं मिली। जब तक कि एक रात उनकी मुलाकात उन्हें अकेले काम करते हुए देखने से नहीं हुई।
“श्रीमान डार्सी, कृपया अंदर आइए।” घबराहट की एक लहर उनकी रीढ़ की हड्डी में दौड़ गई, उनकी आँखें धुंधली सी हो गईं। “आप यहाँ क्यों आए हैं?”
उनकी समझदारी भरी मुस्कान कह रही थी, 'मुझे सफलता चाहिए। और तुम उसे मेरे लिए हासिल करोगे।' उन्होंने चारों ओर देखा तो फर्श पर फाइलों के ढेर और कई फोल्डर बिखरे पड़े थे। "वोजनियाक, तुम वाकई मेहनती हो। मैं इसकी सराहना करता हूँ।"
हालांकि उनके शब्द स्नेहपूर्ण थे, फिर भी उनमें कुछ ठंडक सी झलक रही थी। शायद उसकी आँखों में कुछ था या फिर उसकी कर्कश आवाज़ में कुछ ऐसा था। गहरी आवाज।

"धन्यवाद, श्री डार्सी,"
“मुझे बताओ, वोजनियाक,” उसने भ्रष्ट नज़र और धूर्त मुस्कान के साथ उसे घूरते हुए कहा। “मनुष्य इतने दिलचस्प नमूने क्यों होते हैं?” “उम...उह...मुझे नहीं पता, सर।”
"अंदाजा लगाओ।" वह सामान से भरी मेज के पास पहुंचा और अपनी बाहों को छाती पर बांधकर उस पर झुक गया।
"शायद इसलिए कि वे बहुत उन्नत हैं?"
“गलत,” उसने अरुचि से जवाब दिया, मानो उसे गलत जवाबों से नफरत हो। “इन मूर्खों के झुंड में से कुछ बुद्धिमान इंसान हैं। कुछ तो काफी बुद्धिमान हैं।”
वे बुद्धिमान तो हैं, लेकिन उनकी सराहना नहीं की जाती। और मेरे दोस्त, तुम भी उन्हीं में से एक हो।

“आपका मतलब क्या है, महोदय?”
“तुम्हारा प्रमोशन हो गया है। अब तुम इस ऑफिस के हेड हो, सीईओ की तरह। मुझे अपने नीचे अच्छे लोग चाहिए, न कि सफेद शर्ट पर दाग लगे बेवकूफ। ठीक है?” जी – जी सर।
“अच्छा। और एक बात और…” बात समझाते हुए उनकी उंगली हवा में फिसल गई। “क्या आप जानते हैं कि इंसान इतने बेवकूफ क्यों होते हैं?”
"जी नहीं, महोदय।"
वोजनियाक के करीब आते हुए उसने उसे उकसाते हुए कहा, "अंदाजा लगाओ।" उसका हाथ उसकी पीठ पर फिर गया। "फिर से।"
"क्योंकि वे बिल्कुल बेवकूफ हैं?"
लॉन्गहॉर्न ने धीमी हंसी हंसी, जिसकी हल्की सी आवाज़ उस अंधेरे कमरे में गूंज उठी। उसने वोजनियाक की पीठ पर अपना हाथ और कस दिया और उसे ऐसा लगा जैसे उसकी हड्डियां चूर-चूर हो रही हों। "क्योंकि उन्हें राज़ रखना नहीं आता।"
उन्हें राज़ बताने की आदत है, भले ही उन्हें यह पता न हो कि इससे कितना दर्द होगा... यह शब्द एक कठोर चेतावनी की तरह आया। "अगर वे इन्हें उजागर कर देंगे तो कितना बुरा होगा। उन्हें इसके परिणामों का भी अंदाज़ा नहीं है। मुझे बताओ, वोज़नियाक..."
“य-य…” वह हकलाया। वह इतना डरा हुआ था कि और कुछ कह नहीं पा रहा था। लॉन्गहॉर्न डार्सी के चेहरे के भाव ने उसे उसके सबसे बुरे दौर में धकेल दिया।
दुःस्वप्न।
क्या आप जानते हैं कि कैसे रखना है?
रहस्य?” “य – य…”
“क्या तुम्हारा जवाब ‘Y’ है?” अब उसके चेहरे पर मुस्कान का नामोनिशान नहीं था। बस गुस्से से भरा एक असहनीय भाव था। “क्या यही तुम्हारा जवाब है, वोजनियाक?”
वोजनियाक ने सिर हिलाया, उसके माथे, गालों और नाक से पसीना टपक रहा था। "न-नहीं, महोदय।"

“अच्छा। तो मैं एक बार फिर आपसे पूछता हूँ, वोजनियाक, क्या आप रहस्य रखना जानते हैं?”
जी – जी सर।
"क्या तुम उन बेवकूफों में से एक हो जो किसी व्यक्ति या उसकी कंपनी के बारे में महत्वपूर्ण रहस्य उजागर करना पसंद करते हैं, भले ही उन्हें पता हो कि ऐसा करने का क्या परिणाम होगा?" लॉन्गहॉर्न ने अपने जबड़े भींच लिए।

"नहीं, महोदय," उसने कांपते हुए कहा।
तो फिर आपने हमारी प्रतिद्वंद्वी कंपनी को नए डिजाइन के बारे में क्यों बताया?
"हम जनता के कल्याण के लिए क्या बना रहे थे?" लॉन्गहॉर्न ने अपनी त्वचा पर खरोंच के साथ पूछा।
गर्मी बढ़ने लगी।

“बस...शब्दों में थोड़ी सी चूक हो गई। मुझे खेद है।”
“शब्दों का फिसल जाना,” उसने सोचा। “ओह, मैं समझ गया। यह एक गलती है। हर इंसान से होने वाली एक साधारण सी गलती। क्या मैं सही कह रहा हूँ? अगर तुमने दोबारा ऐसा किया, तो मैं तुम्हारी खाल उतार दूँगा। मैं सचमुच कह रहा हूँ। और हाँ, मैं तुम्हें चेतावनी दे रहा हूँ। अगर तुम पुलिस को बताना चाहते हो, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन तुम भी मेरी तरह जानते हो कि पुलिस मुझे कुछ नहीं कर सकती। तो, क्या तुम इसे दोबारा दोहराने वाले हो? क्या तुम हमारे बारे में महत्वपूर्ण राज़ दूसरी कंपनी को बताने वाले हो?”

"नहीं - नहीं, महोदय।"
“अद्भुत!” उसने उसका कंधा छोड़ दिया और वोजनियाक ने राहत की सांस ली। राहत मिली। “यह दफ्तर... उबाऊ है। ऊपर, मेरे बगल में आपका दफ्तर बहुत अच्छा है।”
लॉन्गहॉर्न ने यथासंभव गर्मजोशी दिखाने की कोशिश करते हुए खुलकर मुस्कुराया। "अच्छी बातचीत रही।"
दरवाजा बंद करते हुए उसने वोजनियाक को अपनी पसंदीदा कॉर्पोरेट मुस्कान देते हुए कहा।

उसके पीछे।

***

कैस्पर भाग्यशाली था। लिफ्ट खुलने पर गलियारे खाली थे।
उसे पता था कि लूसिफर का कार्यालय कहाँ है। उसने अपने एक इंटरव्यू में इसे देखा था।
उन्होंने पत्रकारों को चारों ओर घुमाया और बताया कि फर्नीचर कितना सुसज्जित है और आसपास के वातावरण से कितना मेल खाता है। धीरे-धीरे चलते हुए और बिना कोई आवाज़ किए, वे एक गोलाकार कमरे में पहुँचे जहाँ काले सूट पहने दो आदमी पत्रिका के पन्ने पलट रहे थे। उन्होंने ऊपर देखा, उनकी आँखें माणिक की तरह लाल थीं।

"क्या मैं आपका पहचान पत्र देख सकता हूँ?" उनमें से एक ने उठते हुए पूछा। कैस्पर ने उसे व्यंग्यात्मक मुस्कान दी, जो वह आमतौर पर अपने दुश्मनों का ध्यान भटकाने के लिए इस्तेमाल करता था। “मेरी आईडी? मुझे आश्चर्य होता है कि आईडी होना और न होना, आईडी होने के बराबर है या नहीं। आखिर, हमें यह दिखाने के लिए आईडी की ज़रूरत नहीं होती कि हम कौन हैं, हम कहाँ के हैं या हम किस शहर के हैं। क्या हमारी छाती पर 'इंसान' लिखा हुआ कोई बैज होता है? बिलकुल नहीं!” वह इधर-उधर हिलने लगा और आक्रामक लहजे में बात करते हुए उनका ध्यान भटकाने की कोशिश करने लगा, साथ ही अपने हाथों को आपस में रगड़ने लगा। “लेकिन इससे मुझे सोचने पर मजबूर होना पड़ता है…”
“महोदय, पहचान पत्र?” राक्षस अचंभित नहीं हुए।
“ठीक है, ठीक है। आप थोड़े जिज्ञासु हैं, है ना? अब, अब, मैंने अपना... कहाँ रखा था?” उसने अपना बैग तलाशा, मुलायम चमड़े को बार-बार छूते हुए, जब तक उसे छोटी शीशी नहीं मिल गई। “हाँ, यह रही।”
उसने शीशी का ढक्कन खोला और हाथ झटका दिया जिससे पानी हवा में फैल गया और उसके सामने खड़े राक्षस को भिगो दिया। यह साधारण पानी नहीं था। यह पवित्र जल था।
उसकी त्वचा में जलन की लहर दौड़ गई। धुआँ दिखाई देने लगा और चिंगारियाँ उड़ने लगीं, यहाँ तक कि राक्षस का चेहरा राख में तब्दील हो गया। दूसरे

[illegible] [illegible] [illegible] [

पीछे एक खाली रेशमी कुर्सी रखी थी। पूरे फर्श पर एक आलीशान कालीन बिछा था, जिसका लाल रंग अनोखा, फिर भी भव्य लग रहा था। कमरा एकदम शांत और बेफिक्र था। शायद इसका कारण यह था कि लुसिफर को किसी का दखल पसंद नहीं था।

एक दानव ने कैस्पर को धक्का देकर ज़मीन पर गिरा दिया। "मैं समझ गया कि क्या..."
“तुम्हारा गार्ड तो कमाल का है! कितना हिंसक है!” उसने शरारती मुस्कान के साथ कहा और खिसक गया।
से बाहर

शैतान की पकड़ से छूटकर वह जल्दी से सामने वाले सोफे पर जा बैठा। एक अनाड़ी की तरह, वह उस पर टिक गया।
ल्यूसिफर के हाथ में स्कॉच का एक गिलास था। "तुम वैसे नहीं दिखते जैसा मैंने सोचा था।"
“खैर, तुम्हारे सींग और पंख तो नहीं हैं।” कैस्पर मुस्कुराया। “हम वैसे नहीं हैं जैसा हमने सोचा था, क्या तुम्हें ऐसा नहीं लगता?”
"क्या तुम इस तरह से व्यवहार कर रहे हो जिससे तुम बच सको?"
“अरे नहीं। बिलकुल नहीं।” कैस्पर ने सिर हिलाते हुए पूरे कमरे में भागने का रास्ता ढूँढा। बदकिस्मती से, वहाँ सिर्फ़ एक ही दरवाज़ा था और उस पर दो राक्षस पहरा दे रहे थे। “मैं ऐसा क्यों करूँगा? मुझे तो तुम्हारी मौजूदगी चाहिए।” वह हँसते हुए खड़ा हो गया।
"आप यहां क्यों आए हैं, श्रीमान सुकरात?"
“ऐसा रोज़-रोज़ नहीं होता कि आपको पता चले कि कोई अरबपति ही शैतान है। मैं आपसे मिलना चाहता था। स्वयं शैतान से मिलने के लिए।”
"मेरे दफ्तर में घुसपैठ करके?"
मुझे उम्मीद थी कि आप होंगे
यहां।" "हां, वैसे, मैं नहीं था।"
"तो फिर इसमें किसकी गलती है?" कैस्पर ने असली लॉन्गहॉर्न डार्सी से संबंधित ट्राफियों और पदकों को देखा।
ल्यूसिफर ने अपनी स्कॉच की एक घूंट ली। "मैंने सुना था कि तुम उन कुछ लोगों में से थे जो नहीं चाहते थे कि मैं पुनर्जीवित होऊं।"
“यह तो बिलकुल बेतुका है,” कैस्पर ने कहा। “तुम्हें यह किसने बताया?” “मेरे आधे आदमियों ने।”
लेकिन दूसरे आधे लोगों ने ऐसा नहीं किया, मैं
“इकट्ठा कैसे कर सकते हैं? आप
उन्हें मार डाला।

कैस्पर के होंठ शरारती मुस्कान से फड़क उठे। उसकी कांस्य जैसी आँखों में एक अजीब सी चमक थी। उसने ट्राफियों और पदकों का बारीकी से निरीक्षण किया। फिर उसकी नज़र लॉन्गहॉर्न डार्सी की उन तस्वीरों पर पड़ी जिनमें वह दलाई लामा, बराक ओबामा और अन्य महान हस्तियों से इतनी कम उम्र में अपनी उपलब्धियों के लिए मिल रहा था। उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था। किसी भी पल, किसी भी मिनट, कोई तलवार या पंजा उसके दिल में चुभ सकता था और वह दर्दनाक मौत मर सकता था। वह जानता था कि उसे निडर रहना होगा।
मुझे पता था कि बाल्थाजार सब कुछ सुन रहा था, लेकिन उसने अभी तक कुछ नहीं किया था।

ल्यूसिफर ने क्रूरता से मुस्कुराते हुए कहा, "तुम विद्रोही गठबंधनों के साथ हो?"
“हाँ,” कैस्पर ने जवाब दिया और साथ ही जाँच जारी रखी।
तस्वीरें। "क्या यही तुम्हारा एकमात्र विकल्प था?" लुसिफर ने आते हुए पूछा।
उसके बगल में खड़े होने के लिए।

क्या तुम यही चाहते थे? मेरे खिलाफ होना?
कैस्पर ने कोई जवाब नहीं दिया। उसके कुछ भी कहने से उल्टा असर हो सकता था, जिसे वह हर कीमत पर टालना चाहता था। उसकी आँखें लगातार इधर-उधर घूम रही थीं, किसी ऐसी चीज़ की तलाश में जो उसे भागने में मदद कर सके।
“मैं तुम्हें एक व्यापारिक प्रस्ताव देने जा रहा हूँ, कैस्पर,” लुसिफर ने कहा। “क्योंकि मुझे पता है कि अगर तुम्हें दूसरे विकल्प मिले होते, तो तुम कम से कम उन पर विचार जरूर करते।”
“प्रस्ताव क्या है?”
“मेरे साथ आओ। मुझे पता है तुममें अपार क्षमता है। तुम मृत्यु के लिए काम करते हो। मृत्यु किसी को भी रोज़ नियुक्त नहीं करती, खासकर किसी नश्वर को तो बिल्कुल नहीं!” वह हँसा। “सीमित ज्ञान और शक्ति वाले नश्वर को। मृत्यु ने तुममें कुछ तो देखा ही होगा। इसीलिए मुझे जिज्ञासा हो रही है। मुझे परसों किसी से तुम्हारे बारे में खबर मिली थी।”

“किस तरह की खबर?”
“तुम्हारी एक कमज़ोरी है,” लुसिफर ने सोचा। “यही कारण है।”
आप अभी भी जीवित हैं। अन्यथा, आप मर चुके होते। यही कारण है कि मृत्यु का अस्तित्व है।
मैंने आपको इस पद पर इसलिए नियुक्त किया है क्योंकि आप अकिलीज़ की तरह अजेय हैं। लेकिन अकिलीज़ के विपरीत, जिसकी अवज्ञा उसे भारी पड़ी, आपने अपनी असुरक्षा को अच्छी तरह छिपा रखा है। यहाँ तक कि आपको भी इसका एहसास नहीं है। मुख्य बात यह है कि मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि यह कहाँ है। मुझे इस बात की परवाह है कि अगर इस सदी में कोई ऐसा व्यक्ति पैदा होता है जिसकी अकिलीज़ हील जैसी कमजोरी हो, तो मैं उसे हर हाल में पकड़ना चाहता हूँ।
कैस्पर हँस पड़ा। “यह तो भयानक है! अगर मेरे पास ऐसी एड़ी होती तो मुझे पता चल जाता।” “यही तो समस्या है। तुम्हें पता नहीं है।” लूसिफ़र ने अपनी मुट्ठियाँ भींच लीं। “मुझे एक…”
शक्तिशाली हत्यारा, एक अजेय व्यक्ति जो मेरी मदद कर सकता है और मेरा साथ देगा। तुम वही व्यक्ति हो। तुम्हारी एक कमज़ोरी है। किसी को भी यह न बताकर कि वह कहाँ है, तुम मारे नहीं जा सकते। तुम्हें मारा नहीं जा सकता, कैस्पर,” उसने ज़ोर से कहा। “इसके बारे में सोचो। मारे न जाने के बारे में। तुम केवल बुढ़ापे से मरोगे, या जब तक तुम्हारी कमज़ोरी का पता नहीं चल जाता। केवल तभी तुम असुरक्षित होगे। मुझे तुम्हारे जैसे साथी की ज़रूरत है। तो प्रस्ताव यह है: मेरे साथ जुड़ जाओ और हम सितारों पर राज करेंगे!”

“सीढ़ी से या लिफ्ट से? तारे अंतरिक्ष में बहुत दूर हैं।”
ल्यूसिफर ने घुरघुराहट की। उसके पतले होठों पर एक व्यंग्यात्मक, द्वेषपूर्ण मुस्कान उभरने ही वाली थी, लेकिन उसने उसे रोक लिया, चाहे कितनी भी इच्छा हुई हो। "मैं यहाँ मज़ाक नहीं कर रहा हूँ, सुकरात।"
मुझे एड़ी में चोट कैसे लग सकती थी? ऐसा तो है नहीं कि मैंने स्टिक्स नदी में स्नान किया हो।
“हर किसी को स्टिक्स नदी के रास्ते एड़ी नहीं मिलती। कुछ को यह अपने आप मिल जाती है। कुछ चुने हुए होते हैं। सौभाग्य से, आप उन चुने हुए लोगों में से एक हैं।”

“छी!” कैस्पर ने थूकते हुए कहा। “ये तो सरासर बेतुका है! चुना हुआ? मैं? ऐसा तो सिर्फ फिल्मों में होता है।”
ल्यूसिफर ने अपना सिर नीचे झुकाया और अपने पेय का एक बड़ा घूंट लिया ताकि वह खुद को रोक सके।
होंठ कांपने लगे। उसने अचानक ऊपर देखा, उसकी आँखों में चमक थी। "पतली रेखा" बीच में

"सुकरात जी, कल्पना और वास्तविकता आपस में विलीन हो रही है। यह मिटती जा रही है। जल्द ही, इन दोनों के बीच कोई अंतर नहीं रह जाएगा।"
“तुम्हें इतना यकीन कैसे है?” कैस्पर का जबड़ा कस गया। उसकी आँखों में क्रोध और घृणा की चमक साफ दिखाई दी। वह अब वह बेवकूफ नहीं था जो दुश्मनों का ध्यान भटकाने की कोशिश करते समय बन जाता था। वह अपने पुराने अंदाज़ में लौट आया था, पूरी तरह से अभिमानी और बेहद चतुर।
“क्योंकि मैं ही इसे तोड़ूंगा,” लुसिफर ने कहा। “तुम ऐसा क्यों कर रहे हो, लुसिफर? तुम तो एक देवदूत हो।”
ल्यूसिफर ने उपहास किया। उसे यह विचार चिढ़ाने वाला लगा। जब उसने उससे इस बड़े सवाल के बारे में पूछा था, तब वह बहुत ही सच्चा लग रहा था। इतने सारे कारण थे, इतनी सारी यादें थीं जिन्हें वह भूल चुका था, जो अचानक उसके दिमाग में उमड़ आईं, उसके दिमाग पर ज़ोर डाल रही थीं और सिरदर्द व आघात का कारण बन रही थीं।
“मैं कभी एक फ़रिश्ता था। जब तक मेरे अपने पिता, जिनसे मैं सबसे ज़्यादा प्यार करता था…” उसकी आँखों में आँसू भर आए। “जब तक उन्होंने मुझे उस गड्ढे में नहीं फेंक दिया और मेरे पंख नहीं काट दिए। क्या आपको अंदाज़ा है कि कितना दर्द होता है जब आप जिस इंसान से सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं, जिसकी तारीफ़ करते हैं और जिसका सम्मान करते हैं, वह आपको अकेला छोड़ जाता है, एक अंधेरी, यातना भरी जगह में जहाँ न अतीत है, न वर्तमान है, न भविष्य?” कैस्पर उसके सवाल का जवाब नहीं दे सका। उसे इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं था कि वह किस तरह का अस्तित्व होता है। बेशक, वह ऐसी चीज़ की सिर्फ़ कल्पना ही कर सकता था, लेकिन वह ऐसा करना पसंद नहीं करता था। फिर भी, लूसिफ़र अपने साथ हुई घटना से सदमे में लग रहा था और कुछ पल के लिए उसे उस पर दया आ गई। वह एक छोटे बच्चे की तरह था, जिसकी दुर्दशा किसी के भी दिल पर गहरा असर डालती है।
मुझे बुरा लगा। मुझे गुस्सा आया। स्वर्गदूतों में भावनाएँ नहीं होतीं, लेकिन मैं
मेरे अंदर तीव्र भावनाएं थीं और मैं घृणा से भरा हुआ था। अपने पिता के लिए नहीं,
लेकिन उन दयनीय प्राणियों के लिए जिन्होंने मेरी जगह ले ली। क्या आप जानते हैं कि मेरे पिता ने ऐसा क्यों किया?

□□□□ □□□□ □□□□

नीचे? क्योंकि मैंने विरोध किया। मैंने अपने जैसे लोगों के लिए, अपने लिए विरोध किया, कि हम स्वर्गदूतों को पृथ्वी अपनी संपत्ति के रूप में मिलनी चाहिए। हम इसे उन आदिम बंदरों के हाथों में नहीं जाने देना चाहते थे जो बोलना भी नहीं जानते थे और अपनी घिनौनी गंध से भरे हुए थे..." उसने गुस्से से पैर पटका।
उसे पक्का यकीन नहीं था, लेकिन कैस्पर ने कसम खाकर कहा कि उसे धरती हिलती हुई महसूस हुई।
“मैं चाहता था कि हम सब – मैं खुद – यहाँ रहूँ, धरती पर रहूँ। मैं चाहता था कि मेरे भाई-बहन यहीं रहें, न कि कोई पतित नस्ल। इसलिए मैंने पूछा। मैंने विरोध किया। मैंने ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध विद्रोह किया और अपने पिता से पूछा, ‘हम उस जगह क्यों नहीं रह सकते जहाँ वास्तव में हम रहते हैं?’ उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा। सबके विपरीत, मैंने उनसे यह पूछा, जो एक पाप था। यह किस प्रकार का पाप है, कैस्पर? हैं? किस प्रकार का?”
“पिता ने मुझसे कहा कि उन्होंने मनुष्यों को पृथ्वी पर रहने के लिए बनाया है। मैं ऐसा नहीं चाहता था। और फिर एक कड़वी सच्चाई मेरे सामने आ गई। वे पतित मनुष्यों से हमसे ज़्यादा प्रेम करते थे। वे उनसे अपने उन वफ़ादार पुत्रों और पुत्रियों से भी ज़्यादा प्रेम करते थे जिन्होंने हमेशा उनकी देखभाल की थी, जिन्होंने हमेशा उनकी हर ज़रूरत में सहायता की थी। इसके बजाय, वे तुमसे प्रेम करते थे। तुम्हारी जाति से। तुम्हारी नस्ल से। मैंने विरोध किया और स्वर्गदूतों का एक समूह इकट्ठा किया जिन्होंने मेरा साथ दिया। ऐसे कार्य उन्हें सहन नहीं हुए और उन्होंने मुझे उस गड्ढे में फेंक दिया।”
जब लुसिफर ने उसे अपनी कहानी सुनाई तो वह उदासी से भर गया। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह ऐसा क्यों महसूस कर रहा है। भले ही बुराई का जनक वही था, लुसिफर का अतीत अंधकारमय था, जिसे वह प्रकट करने से डरता था। एक ऐसा अतीत जिसे वह अपने भीतर ही रखना चाहता था और कभी अपने दिल की गहराइयों से बाहर नहीं निकलने देना चाहता था। लुसिफर की भी एक आत्मा थी। वह बस एक बच्चा था जो अपने पिता का प्यार पाना चाहता था। अपने दिल में, वह बस एक छोटा बच्चा था।

“मुझे अपने पिता पर, उन परजीवियों पर गुस्सा आया और मैंने शपथ ली। मैं अपने पिता की बनाई सृष्टि को नष्ट करके अपना बदला लूंगा। मैंने अपने भीतर से राक्षस बनाए और उन्होंने संतानें पैदा कीं। बाकी सब इतिहास है।”

वह रुका और आँखों में दर्द लिए, उसने अपने सबसे उदास स्वर में कहा, “मैं बुरा नहीं था। मैं शैतान नहीं था। मैं कभी नहीं था। मैं बस एक बार चाहता था कि हमारे पिता इस बात को समझें कि हमने उन्हें अपनी आत्मा और शरीर सौंप दिए थे। और बदले में, हम कुछ चाहते थे। सोचो, कैस्पर। बुराई को उन्होंने ही जन्म दिया था।” उसने गुस्से और दुख से अपनी ओर इशारा किया। “अगर उन्होंने मुझे पहले ही नीचे न गिराया होता, तो मैं वह नहीं बनता जो मैं अब हूँ – शैतान।”
“अगर तुम शुरू से ही इतने अच्छे थे, तो तुमने अपने पिता के विरुद्ध पाप क्यों किया?” “मैंने क्या पाप किया है?”
“लालच,” कैस्पर ने संक्षिप्त उत्तर दिया। “तुम्हारे पिता ने स्वर्गदूतों के लिए स्वर्ग बनाया ताकि वे वहाँ प्यास, भूख और अंधकार से मुक्त होकर रह सकें। तुम्हारा जीवन परिपूर्ण था, लेकिन तुमने लालच के कारण उसे बर्बाद कर दिया। तुम स्वर्ग भी चाहते थे और पृथ्वी भी। इसलिए तुमने स्वर्गदूतों का एक समूह अपने साथ शामिल करके, उनके विरुद्ध जाकर, उनके प्रति वफ़ादार न रहकर, उनके धैर्य की परीक्षा ली। तुमने उन्हें पीठ में छुरा घोंपा।”
उसने गिरे हुए फ़रिश्ते की ओर मुड़कर देखा, उसकी निगाहें स्थिर और दृढ़ थीं, एक उदासीन क्रोध और साज़िश से भरी हुई थीं। “लूसिफ़र मॉर्निंगस्टार, तुमने हमेशा दूसरों को दोषी ठहराया, जबकि तुम्हें खुद को दोषी ठहराना चाहिए था।” वह लूसिफ़र के पास पहुँचा, आँख से आँख मिलाकर, नाक से नाक मिलाकर खड़ा हो गया। “क्योंकि लूसिफ़र, तुम शुरू से ही दुष्ट थे। बुराई को तुम्हारे सिवा किसी ने नहीं बनाया!” वह इतनी ज़ोर से चिल्लाया कि दोनों राक्षस घबरा गए। “तुमने दूसरों को दोषी ठहराया क्योंकि तुम अहंकार से भरे हुए थे। तुम यह बात बर्दाश्त नहीं कर सकते कि पाप करने वाले पहले तुम थे। आदम या हव्वा नहीं, बल्कि तुम। तुम!”
ल्यूसिफर स्तब्ध रह गया, हालांकि यह उसके चेहरे पर नहीं दिखा। उसका चेहरा उसका जबड़ा अकड़ा हुआ था। उसने खांसा और गिलास को कसकर पकड़ लिया। उसने पीछे मुड़कर देखा।
पर

उसने राक्षसों को धमकाया और कहा, "श्री सुकरात को बाहर ले चलो।" उसने कैस्पर के गुस्से वाले चेहरे की ओर देखा। "मुझे उम्मीद है कि आप मेरे प्रस्ताव पर पुनर्विचार करेंगे।"
कैस्पर ने जवाब देने से इनकार कर दिया। वह राक्षसों के बीच से तेज़ी से निकल गया और उसे किसी प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा। इस दौरान, उसकी छड़ी ज़मीन पर खटकती रही। वह उनकी ओर देखे बिना ही गायब हो गया। भ्रमित होकर, एक राक्षस ने कहा, "गुरुजी, आपने उसे ऐसा करने क्यों दिया?" जाओ?” “क्योंकि मुझे उसकी ज़रूरत है, टॉर्च,” उसने जवाब दिया और आगे बढ़ गया।
"जब आप

अगर आपको किसी चीज की जरूरत है, तो आपको उसे छोड़ना होगा।

***

कैस्पर ने खुद को एक बार फिर उस खतरनाक जगह के अंदर पाया। रसोइए ने दोहरे कब्जेदार हैंडल वाली एक लंबी बैरल वाली शॉटगन निकाली। अचानक सतर्क होकर उसने उसे कैस्पर पर तान दिया, जो अपने हाथ ऊपर उठाकर पीछे हट गया, जमीन पर एक पीले पड़े आदमी को देखकर उसके होंठ भ्रम से कस गए। उसकी पुतलियाँ फैली हुई और सफेद थीं।
गर्भवती वेट्रेस और अन्य ग्राहक डर के मारे चीख-चिल्ला रहे थे। भोजनालय में केवल एक कॉर्पोरेट कर्मचारी, जिसके बाल काले थे, एक परिवार जिसमें कैस्पर की उम्र की एक किशोरी बेटी थी, और एक शेरिफ, जिसके सिर पर एक लंबी, गोल टोपी थी, ही बचे थे।
शेरिफ ने अपनी मैग्नम पिस्तौल निकाली और रसोइए को अपनी शॉटगन नीचे रखने का आदेश दिया। “अब मैं यहाँ से आगे का काम संभाल रहा हूँ। जी – आप इसे नीचे रख दीजिए, महोदय! मैं यहाँ हूँ और अधिकारी भी जल्द ही आ जाएँगे।”
शेफ ने हिचकिचाहट के साथ अपनी बंदूक नीचे कर ली, उसका हाथ कांप रहा था।
“अब, कमीने,” उसने कैस्पर पर अपनी गहरी, जलती हुई निगाहें गड़ाए कहा। “हथकड़ी लगाओ।” उसने धातु की गोल हथकड़ियों का एक जोड़ा फर्श पर सरका दिया।

कैस्पर चुपचाप हथकड़ियों को घूरता रहा। उसका चेहरा बेहद उदास था।
पीला, मानो हर तरल पदार्थ, हर रंग और बाकी सब कुछ उसमें से निकल गया हो।
उसका शरीर। उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वह इतना स्तब्ध था कि यह समझने की कोशिश कर रहा था कि क्या हुआ है।
चल रहा है।

“इन्हें पहनो!” शेरिफ चिल्लाया।
“ओह – ठीक है!” कैस्पर ने अपने हाथ आगे बढ़ाए और धीरे-धीरे घुटनों के बल बैठकर हथकड़ी पहनी। उसने अपनी कलाई पर धातु को घुमाया और एक दर्दनाक सुन्नपन महसूस किया जो पहले नहीं था। “हो गया। मैं – हो गया। देखा?” उसने अपने हाथ ऊपर उठाकर दिखाया कि वे बंधे हुए हैं।
शेरिफ पसीना पोंछते हुए पास आया। उसने कैस्पर की हथकड़ियों की जाँच की ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसने उन्हें धोखा तो नहीं दिया है। यह देखकर कि हथकड़ियाँ ठीक हैं और वह बंधा हुआ है, उसने कैस्पर का कॉलर पकड़ा और उसे पास की कुर्सी की ओर धकेल दिया। “अब बैठ जाओ। यहीं बैठो और हिलना मत। समझे? हाँ? समझे ना? अगर हिले तो मैं तुम्हारा सिर उड़ा दूँगा।”
कैस्पर अपनी जगह पर स्थिर खड़ा रहा, उसके चेहरे पर अनेक भाव उभर आए। चेहरा। "रोनाल्ड," शेरिफ ने शेफ की ओर मुड़ते हुए कहा। "देखो..."
उसे।" रोनाल्ड ने अपनी शॉटगन निकाल ली। शेरिफ ने अपने चेहरे से पसीना पोंछा।
जैसे-जैसे वह आगे बढ़ता गया, उसने अपने माथे को छुआ। उसने अपनी टोपी नीचे खींची और अपने गंजे सिर को पोंछा, हवा में एक गाढ़ी, कवक जैसी गंध फैली हुई थी। उसने अपनी जेब से अपना मोबाइल फोन निकाला और एक नंबर डायल किया, उसकी निगाहें कैस्पर पर टिकी हुई थीं।
“हेलो? हाँ। सुनो, यहाँ एक समस्या है। यह एक हत्या है। मुझे पता है। मुझे पता है कि यह सिर्फ़ एक नाश्ता होना चाहिए था, लेकिन... देखो, रुको... होश में आओ... हेलो... हेलो?”

उसने अपना फोन हथेली पर पटका, लेकिन रिसीवर की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।
आवाज एक ही लय में गूंजती रही, मानो सैकड़ों चींटियाँ एक साथ चल रही हों। वह लगातार कहता रहा।
फोन बजने से पहले उसने 'हैलो' कहा, जब तक कि उसने किसी को यह कहते हुए नहीं सुना, "क्या आप मुझे सुन सकते हैं?"
मृत्यु हो गई। "कोई संबंध नहीं।"

“टी – लैंडलाइन पर कॉल करके देखो,” वेट्रेस ने खुद को संभालते हुए सुझाव दिया।
शेरिफ ने लैंडलाइन फोन उठाया और नंबर डायल किया, लेकिन पता चला कि लाइन बंद है। उन्होंने सभी से अपने फोन चेक करने को कहा, लेकिन पता चला कि सेवा उपलब्ध नहीं है।
“कुछ तो गड़बड़ है,” शेरिफ ने कैस्पर की ओर देखते हुए कहा। “तुमने कुछ किया है, है ना? ये तुम्हारी ही गलती है, है ना? तुमने यहाँ कोई जादू-टोना किया है और हमारे फोन काम नहीं कर रहे हैं।”
“मैंने कुछ नहीं किया, लेकिन मुझे पता है कि यह किसने किया,” कैस्पर ने आत्मविश्वास से जवाब दिया। “ओह, सच में? तुम्हारा काल्पनिक दोस्त?” “मुझे इस मामले में आप पर भरोसा करने की ज़रूरत है। मुझे पता है कि यह किसने किया है... यह सब किसने किया है।” शेरिफ ने उसे चुप कराने के लिए उसकी ओर उंगली उठाई। वह चला गया।
परिवार और कॉर्पोरेट जगत के ऊपर। "आपको जाना होगा, मिस?" वह वेट्रेस की ओर मुड़ा। "मुझे लगता है आपको भी जाना चाहिए। रोनाल्ड..." उसकी निगाहें दूसरे आदमी से टकराईं। "अगर आप अधिकारियों के आने तक मेरे साथ रह सकें, तो मैं आपका आभारी रहूंगा।"
"चिंता मत करो, फाल्कन। जब तक तुम चाहो मैं यहीं रहूंगा," उसने अपने होठों पर एक टेढ़ी मुस्कान बिखेरते हुए कहा।
रोनाल्ड कैस्पर के बगल में सतर्क खड़ा था, उसने अपनी बंदूक की नोक उसकी ओर धकेल दी।
बीच-बीच में पसलियाँ। फाल्कन डरे हुए ग्राहकों के साथ बाहर चला गया।

अपनी फूली हुई तोंद को सहलाती हुई वेट्रेस बिना कुछ और मांगे ही रेस्टोरेंट से बाहर निकल गई।
सोचा। परिवार एक बड़ी वैन में चढ़ गया। फाल्कन ने उनसे अनुरोध किया कि वे उसे ले जाएं।
उनके साथ वेट्रेस के तौर पर काम करने के लिए, जिस पर वे तुरंत सहमत हो गए।
कॉर्पोरेट व्यक्ति दुबक कर बैठ गया।
उसकी कार पास में ही थी और

उसने शहर पहुँचते ही अधिकारियों को बताने का वादा किया। उसने चाबी घुमाते ही उन्हें हाथ हिलाकर इशारा किया। उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि गाड़ियाँ भी नहीं चल रही थीं।
फाल्कन वैन की ओर दौड़ा और पूछा, "क्या हुआ? यह काम क्यों नहीं कर रही है?" “मुझे लगता है इंजन में कुछ खराबी है,” पिता ने जवाब दिया।
फाल्कन ने उससे इंजन की जांच के लिए बोनट खोलने को कहा, लेकिन उसकी जानकारी के अनुसार इंजन पूरी तरह से ठीक था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या गड़बड़ है। कंपनी के कर्मचारी का जवाब भी यही था। उसकी कार भी स्टार्ट नहीं हो रही थी। उसने चुपचाप उन्हें आश्वासन दिया कि वह इस बारे में कुछ करेगा। क्षितिज के पार, धरती ऊपर उठती हुई दिखाई दी। कैस्पर और रोनाल्ड बंदूक के बारे में भूल गए। सभी लोग स्थिति की भयावहता को घूर रहे थे। पूरे रेगिस्तान में सन्नाटा पसरा हुआ था।
कैस्पर इसके बारे में भूल चुका था। रेगिस्तानों में ये रेत के तूफान अक्सर आते थे; ये बार-बार आते थे और बिल्कुल भी अच्छे नहीं होते थे। ये खुले में सब कुछ तबाह कर देते थे। अगर आप बाहर हैं और इसे सहने की ताकत नहीं रखते, तो आपकी मौत निश्चित थी। फाल्कन ने तुरंत किशोरी को पकड़ा और धीरे से उसे भोजनालय की ओर धकेल दिया। जैसे ही आसन्न खतरा स्पष्ट हुआ, सभी को होश आने लगा।
“भागो! ढाबे की ओर!” फाल्कन
चिल्लाया। “लेकिन, अब क्यों?”
किसी ने रोते हुए कहा, “हम सुरक्षित रहेंगे।”
अंदर आओ। जल्दी आओ!
सबको अंदर खींचते हुए, फाल्कन और बाकी लोग विशाल रेत के तूफान को अपनी ओर तेजी से बढ़ते हुए देख रहे थे।

तनाव

वह बिल्कुल नहीं चाहता था कि उसकी मुलाकात एक हट्टे-कट्टे, नारंगी बालों वाले लड़के से हो, जिसके चेहरे पर जगह-जगह झाइयां हों, बड़ी-बड़ी और डरावनी आंखें हों, और जिसने मोटे चश्मे पहन रखे हों जिन्हें वह घबराहट में बार-बार अपनी नाक पर पीछे धकेल रहा हो। वह अपने महल में ऐसे किसी व्यक्ति को कभी नहीं चाहता था, लेकिन वह वहीं था। जाहिर तौर पर, वह आइवी डेमेट्रियस का सबसे अच्छा दोस्त था।
“नमस्ते,” लड़के ने अभिवादन किया।
कैस्पर ने अपने आप से कुछ बुदबुदाया और नए आने वाले को अनदेखा कर दिया। वह थका हुआ था और अपनी छड़ी पर बहुत ज़्यादा सहारा लेकर चल रहा था। बाल्थाज़ार अचानक प्रकट हुआ और चिल्लाया, “यूरेका! ओबेरॉन हमें बताने के लिए तैयार है। उसने कहा कि वह तुम्हारे सामने ही सब कुछ कहेगा। हम सब इंतज़ार कर रहे थे। चलो चलें!”
“यह कौन है?” कैस्पर ने बेचैनी से उस आदमी की ओर इशारा करते हुए पूछा। घबराते हुए। “उनका नाम फिबोनाची है। उन्हें फिब के नाम से भी जाना जाता है।
वह...उम...आइवी का है

दोस्त।"

आह! कैस्पर मन ही मन गुर्राया।
वह अपने कमरे की ओर तेज़ी से बढ़ा। उसने दरवाज़े पर हाथ बढ़ाया तो देखा कि आइवी, डेथ और ओबेरॉन एक धूर्त मुस्कान लिए उसका इंतज़ार कर रहे थे।
“लो, ये रहा हमारा पार्टी बॉय। तुमने कर दिखाया। तुमने मुझे आज़ाद कराया और बदले में तुम्हें एक इच्छा पूरी करने का वरदान मिला है,” उसने कहा।
“पैगंबर कहाँ हैं?” कैस्पर ने पूछा।
"ओह, तो आपको यह तुरंत चाहिए। मैंने सोचा था कि हम कुछ देर बात करेंगे, जब तक हम दोनों थक न जाएं।"

कैस्पर की आँखें सिकुड़ गईं। उसने अधीरता से परी पर झल्लाते हुए कहा, "ओबेरॉन, वह पैगंबर कहाँ है? मुझे परवाह नहीं कि तुम परियों के राजा हो, लेकिन एक बात जान लो, मैं कोड़े मारने में माहिर हूँ और चाहे कुछ भी हो जाए, अगर तुम्हारे मुँह से पैगंबर का पता नहीं निकला तो मैं तुम्हारी ऐसी पिटाई करूँगा कि तुम्हारी ऐसी-तैसी हो जाएगी।"
परी खिलखिलाकर हँसा। “बहुत खूब। ईस्ट वैली हाई स्कूल,” उसने कहा। बाल्थाज़ार ने भौंहें चढ़ाकर अपना सिर खुजाया। “एक स्कूल में?”
“ईस्ट वैली हाई स्कूल और क्या हो सकता है? एक ओपेरा हाउस!” ओबेरॉन चिढ़कर बोला। “पैगंबर वैसे नहीं होते जैसा आप सोचते हैं। वे बूढ़े, गरीब और यरूशलेम में रहने वाले नहीं होते। वे ऐसे नहीं होते। यह उनकी एक गलत छवि है। असल में, पैगंबर एक सामान्य जीवन जीते हैं। उन्हें अपनी क्षमता का तब तक पता नहीं चलता जब तक कोई उनके पास आकर उसे प्रकट नहीं करता। वे सत्य और ज्ञान के स्रोत होते हैं।”
“समस्या बस इतनी है कि उनके दिमाग में एक दीवार सी बनी होती है जो उन्हें पागल होने से रोकती है। क्योंकि उनके छोटे से दिमाग में बहुत कुछ भरा होता है, इसलिए वह दीवार उनकी क्षमता का एक छोटा सा हिस्सा ही उनके भीतर समाहित होने देती है। यह तो बस जानकारी के लिए है। असल बात तो यह है कि पैगंबर एक इंसान की तरह जीवन जीते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि वे ऐसी चीजें देख सकते हैं जो एक इंसान नहीं देख सकता।”
"तो अगर हम दीवार तोड़ने की कोशिश करें, तो क्या इससे हमें वह जानकारी मिल जाएगी जिसकी हमें तलाश है?" आइवी ने पूछा।
ओबेरॉन ने सिर हिलाया और अपनी छड़ी को ज़मीन पर हल्के से थपथपाया। “बिल्कुल। लेकिन हर चीज़ की एक कीमत होती है। यही तो मौत सबको कहती है, बेचारा मौत।” उसने चमकदार बालों वाले उस भावुक लड़के को आँख मारी। “देखो, जानकारी सीमाओं की छाया डाल सकती है। अगर तुम दीवार तोड़ते हो, तो तुम पैगंबर को मार सकते हो और यकीन मानो, यह लुसिफर को जगाने से भी बदतर है।” "क्यों?"

“खैर, पैगंबर इतनी आसानी से पैदा नहीं होते। उन्हें बनाया जाता है। स्वर्गदूत उन्हें पृथ्वी पर सूचना का स्रोत बनाए रखने के लिए तैयार करते हैं। पैगंबर को उनके काम के लिए उपयुक्त हर जीव दिया जाता है। पैगंबर को बनाने में बहुत मेहनत लगती है। आप स्वर्गदूतों की रचना से छेड़छाड़ नहीं करना चाहेंगे, है ना? पैगंबर की हत्या से बहुमूल्य जानकारी नष्ट हो सकती है। पैगंबर को मारने पर भविष्य का जो ज्ञान और दृष्टि उन्हें दिखाई देगी, वह अदृश्य हो जाएगी। आपको सावधान रहना होगा। आपको क्या लगता है कि एक स्वर्गदूत हर समय पैगंबर के पास क्यों रहता है? वे उन्हें सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करते हैं। श्री सुकरात, दीवार को खरोंचने की कोशिश मत कीजिए। अगर आपने ऐसा किया, तो आप गृहयुद्ध में फंस जाएंगे और आप अभी ऐसा नहीं चाहते।”
कैस्पर मान गया। “बहुत खूब। यह ईस्ट वैली हाई स्कूल कहाँ है?” “अमेरिका में,” परी ने हैरानी से कहा। “कार्थेज में।”
“लंदन से यह कुछ ज़्यादा दूर है, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?” बाल्थाज़ार ने कहा। “और सबसे महत्वपूर्ण लोग सबसे स्पष्ट स्थानों पर क्यों हैं?” ओबेरॉन के कुछ कहने से पहले ही कैस्पर ने जवाब दिया, "क्योंकि लोग कभी भी सबसे स्पष्ट जगहों पर ध्यान नहीं देते।"
ओबेरॉन के होंठों पर एक शरारती मुस्कान तैर रही थी जब वह इधर-उधर घूम रहा था। “अब, मुझे लगता है कि तुम जो मिला है उससे खुश हो। मैंने अपने छोटे से समझौते के अनुसार अपना काम कर दिया है और मुझे उम्मीद है कि हम फिर कभी ऐसा समझौता नहीं करेंगे। मुझे उम्मीद है कि तुम सभ्यता को नष्ट करने की लूसिफर की योजना को नाकाम कर दोगे, लेकिन फिर, मुझे इसकी कोई परवाह नहीं है, है ना?” जैसे ही वह जाने की तैयारी कर रहा था, कैस्पर ने उसे रोक दिया। “अब क्या, बच्चे? तुम मेरी सहनशीलता की परीक्षा ले रहे हो। परियों में हमेशा धैर्य की कमी होती है।”
मुझे किसी और से पूछना होगा
सवाल।” “ठीक है। क्या करें?” “ठीक है।
तुम्हें जानना है?"
बिना डुबकी लगाए कोई व्यक्ति अपनी अकिलीज़ हील कैसे प्राप्त कर सकता है? "स्टिक्स नदी में?" कैस्पर ने मौत को घूरकर देखा। शर्मिंदगी उसके चेहरे पर साफ झलक रही थी।

□□□□ □□

उसने अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया। “तुम एक परी हो। तुम अनजान जगहों पर अपनी नाक घुसाती हो। ऐसी जगहों पर जहाँ तुम्हारा कोई स्थान नहीं है और तुम बातें सुन लेती हो। मुझे लगता है कि तुम्हें भी इसका जवाब पता होगा।” “श्रीमान सुकरात, अकिलीज़ की एड़ी क्या होती है?” ओबेरॉन ने पलटवार किया। “इससे पहले कि मैं आपके इस प्रश्न का उत्तर दूं, मुझे यह जानना होगा कि क्या आप जानते हैं कि यह क्या है। हम उस बेपरवाह यूनानी नायक अकिलीज़ की बात नहीं कर रहे हैं, जो एक अप्सरा की गोद में जा गिरा था। वह अकिलीज़ की एड़ी नहीं है।”
“अकिलीज़ की एड़ी अजेय, अविनाशी, शक्तिशाली, बलवान और मजबूत होती है, जिसमें केवल एक छोटा सा कमजोर बिंदु होता है। यदि उस बिंदु पर चोट लगे, वह टूट जाए या उसमें छुरा घोंपा जाए, तो आप अपनी सारी शक्ति खो देंगे। अकिलीज़ की एड़ी पर वही बिंदु था। वही बिंदु आपको कमजोर बनाता है। लेकिन मैं आपको एक बात बता दूं, अकिलीज़ ने यह शक्ति स्टिक्स नदी से प्राप्त नहीं की थी। नहीं, उसने नहीं की थी। उसने इसे स्वयं अर्जित किया था। उसने इसे सीखने, लड़ने, अभ्यास करने और अपनी सारी कमजोरी को सबसे अनिश्चित स्थान पर एक ही बिंदु पर एकत्रित करने के लिए एकाग्रता से अर्जित किया था।”
किसी भी नदी में डुबकी लगाने से किसी की कमजोरी (अकिलीज़ हील) हो जाती है, यह एक गलत व्याख्या है जिसे इतनी बार दोहराया गया है कि यह एक अटल सत्य बन गई है। वास्तव में, यह कमजोरी आपको स्वयं प्राप्त होती है, किसी नदी के कारण नहीं। यह आपकी आत्मा, आपके मन और आपके क्रोध के माध्यम से प्राप्त होती है। हर किसी के भीतर एक कमजोरी (अकिलीज़ हील) होती है। आपको बस यह जानना होगा कि इसे कैसे उजागर किया जाए।
“थ – थ – थैंक यू…” उसे एक ऐसा शब्द बोलने में कठिनाई हो रही थी जिसे बोलने की उसे आदत नहीं थी। उसने अपना सिर नीचे झुकाए रखा और कहा, “थ – थैंक यू…” आप!"
“मुझे खुशी हुई,” ओबेरॉन ने जवाब दिया। “अलविदा, मेरे साथियों!” इतना कहकर वह गायब हो गया। कैस्पर मृत्यु के पास ऐसे पहुँचा जैसे वार करने के लिए तैयार हो। उसका गुस्सा बढ़ता जा रहा था।
इतनी नफरत और चिड़चिड़ाहट के साथ कि वह खुद पर काबू नहीं रख सका। "तुम मुझे अपनी इस कमजोरी के बारे में कब बताने वाले थे?"

परियों के राजा की बात उसे समझ आ गई थी। हर किसी के भीतर एक कमज़ोरी होती है। उसने किसी तरह अपनी कमज़ोरी को सक्रिय कर लिया था। शायद उसने ऐसा तब किया जब वह अपने ही दिल की कैद में था। सवाल यह था कि वह कमज़ोरी कहाँ थी? वह कौन सी जगह थी जिसने उसे कमज़ोर बना दिया था? क्या वह उसकी एड़ी थी, ठीक अकिलीज़ की तरह, या शायद उसकी पिंडली या घुटने पर? सच तो यह है कि इनमें से किसी बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था। फर्क सिर्फ इस बात से पड़ता था कि मृत्यु ने उसे इसके बारे में कभी नहीं बताया था और इस वजह से उसे थोड़ा धोखा महसूस हुआ था।
"मुझे लगा कि तुम जानते हो," मृत्यु ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया। “क्या चल रहा है?” आइवी ने उन दोनों की ओर देखते हुए पूछा। फिब ने दरवाजा खोला और सावधानी से अंदर झाँका।
“मौत मेरे बारे में कुछ जानती थी। वह जानती थी कि मेरी एक कमज़ोरी है।
इसीलिए उसने मुझे अपना सहायक, अपना जल्लाद बनाया, क्योंकि मुझे मारा नहीं जा सकता। मैं कभी मारा ही नहीं जा सकता। तुमने मुझे क्यों नहीं बताया?” मुझे लगा कि आपको पता है।
“इतने समय तक मुझे लगता रहा कि मुझमें कुछ क्षमता है। मुझे लगता था कि मैं एक साधारण लड़का हूँ जो इतने समय से असाधारण काम कर रहा हूँ। मेरे अंदर एक योद्धा से भी बड़ी शक्ति थी।”
“तुमने इसे स्वयं अर्जित किया है। तुमने ओबेरॉन की बात सुनी है। तुम्हें कभी इसमें डुबोया नहीं गया।
स्टिक्स नदी। तुमने इसे अपनी आत्मा से अभ्यास करके अर्जित किया है। तुमने सम्मान अर्जित किया है।
वही सम्मान जो कभी अकिलीज़ को प्राप्त था। तुम एक साधारण इंसान थे जो... असाधारण चीजें।"
कैस्पर ने अपना हाथ हिलाया। “अरे! उल्टा करने की कोशिश मत करो।”
मेरे मनोविज्ञान पर। मुझे पता है कि तुम मेरे बारे में कई राज जानते हो, जितना तुम जानते हो उससे कहीं ज्यादा।
उसे पता होना चाहिए था।
"इस समय आपको हमारे साथ खुलकर बात करनी चाहिए," बाल्थाजार ने कहा। उसने हाथ उठाया। “हमें एक बात स्पष्ट करनी है। कैस्पर ने कैसे...?” क्या आप मैनफ्रेड को जानते हैं?

“हाँ, मुझे याद है मैनफ्रेड ने उनके बीच किसी तरह के पुराने रिश्ते के बारे में कुछ कहा था। वो कैसा रिश्ता था?” आइवी ने पूछा। “क्या मैनफ्रेड की वजह से ही तुम ऐसे हो?”
ये इतिहास है, कैस्पर। इतिहास खुद को दोहरा रहा है। मैं जीता, तुम हारे। हमारी कहानी बस दोहराई जा रही है। ये बस खत्म होकर फिर से शुरू हो रही है। हमारी कहानी में कोई बदलाव नहीं आया है।
बाल्थाज़ार के दिमाग में यादों की कौंध सी दौड़ गई। “तुम पहले मैनफ्रेड से हार गए थे? वो जीत गया था। तुम्हारे और उसके बीच कुछ हुआ था। तुम दोनों के बीच एक कहानी है, दोस्त। वो कहानी क्या है? अगर तुम्हें लगता है कि मौत ने तुम्हें तुम्हारी कमजोरी के बारे में न बताकर धोखा दिया है, तो तुम गलत हो। क्या आप मैनफ्रेड के साथ अपने उस रहस्यमय रिश्ते के बारे में हमें न बताकर हमें धोखा दे रहे हैं?
जब उनकी मृत्यु हुई, तो आपको इतना यकीन था कि उनकी मृत्यु नहीं होगी। ऐसा लग रहा था मानो आप
आप उसे और उसके दिल की गहराइयों को जानते थे, मानो वह आपके बहुत करीब हो। फिर भी आप
तुम उसे जान से मारना चाहते थे। तुम्हें उससे गहरी नफरत थी, उसने तुम्हारे साथ जो किया था उसके लिए।
अतीत में और इसीलिए तुमने उसके साथ तलवार चलाई, भले ही तुम
उसे पूरा यकीन था कि वह नहीं मरेगा।
कैस्पर को ऐसा लग रहा था मानो सब उसे घेर रहे हों। उनके शब्द और इशारों में लगाए गए आरोप उसे परेशान कर रहे थे। वे अपने सवालों के जवाब चाहते थे और वह भी। फिर भी, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह उन्हें क्या बताकर शांत कर सकता है।
चिंताएँ।
मृत्यु ने एक शब्द भी नहीं कहा। उसमें कभी भावनाएँ नहीं थीं, लेकिन कैस्पर के साथ समय बिताते हुए उसके मन में उस लड़के के प्रति कुछ भावनाएँ जागृत हो गईं। ऐसी भावनाएँ जो उसे पसंद नहीं थीं। वह मृत्यु थी। वह निर्मम थी।
उसमें गर्माहट नहीं थी। फिर भी, उसके भीतर गर्माहट भरी भावनाएँ उमड़ पड़ीं, मानो किसी उफनती नदी में तेज़ धारा बह रही हो।

“[redacted] [redacted] [redacted] [

“मेरी शक्तियां कमजोर होती जा रही हैं। लूसिफर के आने के बाद व्यवस्था हिल गई है और मैं भी। मैं तुम्हारे लिए पोर्टल नहीं बना पाऊंगा।”
“मैं – मैं कर सकता हूँ,” एक आवाज़ आई और एक हाथ प्रकट हुआ। लाल धब्बों से भरा पूरा चेहरा और तेल लगे लंबे बाल सामने आ गए। “मैं – मेरा मतलब है, मैं एक जादूगर हूँ। मुझे पता है इसे कैसे खोलते हैं।”
"लड़की की तरह हकलाने वाले जादूगर की बजाय एक पेशेवर, उच्च श्रेणी के जादूगर को काम पर रखना बेहतर है," कैस्पर ने झल्लाकर कहा।
आइवी की निगाहें डगमगा उठीं। “कैस्पर, मेरी दोस्त से इस तरह बात करने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? अगर तुम्हें गुस्सा आ रहा है, तो तकिए पर मारो, लेकिन अपना गुस्सा मुझ पर निकालने की कोशिश मत करो।”
दोस्त!"
कैस्पर ने झुंझलाहट में अपनी आँखें घुमाईं। बाल्थाज़ार ने खुली खिड़की से आ रही तेज़ हवा के प्रभाव को कम करने की कोशिश करते हुए अपने पंख फैलाए। “ठीक है,” उसने कहा और खुद को संभालने की कोशिश की। उसकी झुंझलाहट, उसकी असहजता, उसका अपराधबोध सब कुछ उसके कंधों से उतर गया। “कल सुबह, क्यों न तुम एक पोर्टल बनाने की कोशिश करो? अगर तुम इसमें सफल हो जाते हो, तो मैं तुम्हारे लिए एक टेडी बियर लपेटकर तुम्हें दे दूंगा।”
"अरे, कृपया इतना व्यंग्य मत करो!" आइवी ने चिढ़कर कहा।
कैस्पर ने उसे घूरकर देखा। वह आइवी के पास से गुज़र गया, किसी की तरफ देखे बिना, सिवाय बाल्थाज़ार के, जिसने जानबूझकर उसे वापस आने का इशारा किया। “वो मुझे बुला रहा है, तो तुम्हें पता है...हम्म,” बाल्थाजार ने हिचकिचाते हुए कहा और उसके पीछे-पीछे तेजी से चल दिया।

***

आइवी, फिब के साथ गेस्ट रूम में थी और यह जानने की कोशिश कर रही थी कि क्या उसे पता है कि कैसे...
वास्तव में एक टेलीपोर्टेशन पेंटाकल काम करता था, जबकि मृत्यु कुछ काम निपटाने के लिए चली गई थी।
अन्य कार्य।

कैस्पर शॉवर में आराम कर रहा था और बाल्थाजार अध्ययन की मेज के पास बैठा था। उसकी नज़र उस छोटी डायरी पर पड़ी जिसे कैस्पर हमेशा अपने थैले में रखा करता था।
वह इसे कभी किसी के सामने नहीं खोलता था और बाल्थाजार भी नहीं।
मुझे यकीन है कि उसने इसका इस्तेमाल किया होगा। इसे खोलते ही उसके होंठ सूख गए। कैस्पर के बारे में उसका अनुमान गलत था।
जर्नल का शायद ही कभी इस्तेमाल किया गया था। घुमावदार लिखावट में कुछ अस्पष्ट बातें लिखी थीं जो...
बिल्कुल समझने योग्य, ये बातें पन्नों पर लिखी हुई थीं। उलझन भरी और नाटकीय।
चर्मपत्र पर जगह-जगह लिखावट बिखरी हुई थी, मानो कोई कलाकार अपने विचारों को व्यक्त करने की कोशिश कर रहा हो।
स्वयं पुस्तक।
उसमें विभिन्न चिह्नों और पंचकोणों की तस्वीरें थीं, साथ ही बड़े-बड़े चित्र, रेखाचित्र आदि भी थे। बाल्थाज़ार एक आँख बंद करके एक हाथ में सिगार पकड़े हुए था। दूसरे हाथ से वह पन्ने पलट रहा था, तभी उसे पता चला कि यह कैस्पर की निजी डायरी नहीं थी। उसे उम्मीद थी कि इससे उसे मैनफ्रेड के साथ अपने संबंध के बारे में जानकारी मिलेगी और उसकी जिज्ञासा शांत होगी, लेकिन इससे कहीं अधिक बातें सामने आ रही थीं।
राक्षस नरक से नहीं आए थे और लूसिफर ने उन्हें नहीं बनाया था। असल में ऐसा नहीं था। उसने उन्हें बनाया, गढ़ा और दिमाग दिया, लेकिन डायरी के अनुसार, पुराने राक्षस एक अलग ही आयाम, काल और ग्रह से आए थे। निर्माता का नाम नहीं लिखा था, लेकिन बाल्थाजार के ज्ञान से पता चलता था कि राक्षस केवल नरक में ही मौजूद थे और पृथ्वी अब कुछ खास नहीं लगती थी। उसमें और भी रहस्य छिपे थे। राक्षस अलग-अलग समय और ग्रहों से आए थे।
गार्गोयल को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात पर हुई कि मुलायम, आयताकार कागज पर जानकारी कितनी बारीकी से प्रदर्शित की गई थी। वह पढ़ते-पढ़ते पन्ने पलटने लगा। उसके पंजे कागज के कोनों को इस कदर जकड़े हुए थे कि मानो डायरी को फाड़ ही रहे हों।
उन्होंने समय के माध्यम से पोर्टल खोलने की उसी प्रक्रिया पर ध्यान दिया और

वह जगह, जिसे कैस्पर ने उसे कुछ दिन पहले दिखाया था। उस समय, बात यह थी कि उबाऊ लग रहा था।

वह एक राक्षस था और उस अधर्मी ज्ञान में लिप्त था।
जादू महज मूर्खता थी। अब, जादू टोने के बारे में उसकी धारणाएँ बदल गईं।
उसकी बुरी आदतें फिर से लौट आईं और वह पहले की तरह कमजोर नहीं दिख रहा था।
किसी तरह,
अब बात समझ में आ गई।
कैस्पर समय और स्थान के आर-पार खुलने वाले पंचकोण के बारे में क्यों जानना चाहेगा? क्या इससे उसे कोई मदद मिलेगी? वह इस मामले में थोड़ा उलझन में था और अपने मन में उठ रही उथल-पुथल को दूर करने की कोशिश कर रहा था। यह प्रक्रिया उतनी जटिल नहीं थी जितनी कैस्पर ने उसे दिखाई थी। यह सरल थी, बस जादू का थोड़ा सा इस्तेमाल करना था और झट से! पोर्टल खुल जाता, चारों ओर रंग, मधुर ध्वनियाँ और सीटी की गूंज पूरी तीव्रता से फैल जाती, और हर तरह की धुनें सुनाई देतीं।
ऐसा लग रहा था कि कैस्पर पोर्टल खोलने में लगने वाले समय को कम से कम करने की कोशिश कर रहा था। डायरी में लिखी प्रक्रिया में लगभग दो मिनट लगे। दो मिनट! यह इतनी घनी लिखावट में लिखा गया था कि बाल्थाजार इसे साफ-साफ पढ़ सकता था।
शायद यह कैस्पर के लिए वास्तव में बेहतर नहीं था। वह गुस्से में लग रहा था। उनके लेखन से उनकी झुंझलाहट झलक रही थी। उन्होंने एक दूसरी प्रक्रिया आजमाई थी और वह कारगर साबित हुई थी।
एक मिनट। यह विश्वसनीय था, लेकिन जटिल था। वह एक ऐसी प्रक्रिया पर काम कर रहा था जो
वह एक मिनट से भी कम समय में पोर्टल खोल सकता था, ताकि वह पलक झपकते ही ऐसा कर सके।
आँख का।

एक लंबा सज्जन

ईस्ट वैली हाई स्कूल एक अकादमी थी जो लाल ईंटों से निर्मित इमारत में स्थित थी।
इमारत के ऊपर एक झंडा फहराया गया था, जिसमें अलग-अलग रंग और प्रतीक थे।
यह विद्यालय द्वारा अपनाए जाने वाले नैतिक मूल्यों और सिद्धांतों को दर्शाता है। विद्यालय का अपना एक तरीका था।
माता-पिता। एक ही बार देखने पर उन्हें यह जगह इतनी पसंद आ गई कि वे अपने बेटों के लिए भी इसे चाहना चाहते थे।
और बेटियों को वहां पढ़ने के लिए भेजा जाए।
हजारों विद्यार्थियों के बीच एक लंबी लड़की खड़ी थी, जिसका चेहरा लंबा, होंठ घुमावदार, भौहें पतली और घनी थीं, और बाल धीरे-धीरे नीचे गिर रहे थे जो अब एक पोनीटेल में बंधे थे। उसकी पलकों पर मस्कारा लगा था और उसकी गोरी त्वचा देखकर अकादमी का हर लड़का उस पर फिदा हो जाता था। कई लड़के उसे पसंद करते थे और उस पर क्रश रखते थे। उनमें से कई फेसबुक और ट्विटर पर अनियमित, परेशान करने वाले संदेश पोस्ट करके उसके प्रति अपना प्यार जताते थे। विवियन एलिजा को कई लोग पसंद करते थे, लेकिन साथ ही कुछ लोग उससे नफरत भी करते थे। इनमें मुख्य रूप से उसकी सहपाठी लड़कियां शामिल थीं, जिन्होंने उसके खिलाफ एक समूह बना लिया था, उसे अपमानित करती थीं और सार्वजनिक रूप से उसे परेशान करती थीं। छात्रावास में, वह कभी-कभी उपेक्षित और अलग-थलग महसूस करती थी।
उत्पीड़न जारी रहा। शायद उसकी अपार सुंदरता ही थी जिसके कारण दूसरे लोग उसे परेशान करते थे।
लड़कियाँ ईर्ष्या करती थीं। अब उसे यकीन था कि इससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उसके पास अपनी खुद की चीज़ें थीं।
उन्हें उसकी देखभाल करने के लिए एक समूह सौंपा गया था। वे उसे जैसी थी वैसी ही पसंद करते थे, सुंदर और परिपूर्ण।
वह लोकप्रिय थीं और ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेती थीं जिनसे लोकप्रियता बढ़ सकती थी।
अकादमी की असाधारणता।

एक दिन, उसे नए छात्रों का मूल्यांकन करने और उन्हें सिखाने का काम सौंपा गया।
स्कूल के चारों ओर झुंड बनाकर बैठी थीं। तभी उनकी मुलाकात सैमुअल नाम के एक लड़के से हुई।
उनमें से एक की निगाहें तुरंत उसकी आंखों से मिलीं और वह उसे देखता रहा। उस पल से ही। हालांकि कई बार लड़के उसे घूरते थे,
कभी-कभी तो अनुसरण भी करते हैं

इस बार मामला अलग था। सैमुअल की निगाहें सच्ची थीं, जुनून, ईमानदारी और लालसा से भरी हुई थीं।
उसने आराम से समूह को स्कूल के कैंटीन, खेल के मैदान, एम्फीथिएटर, छात्रावास, कॉमन हॉल और पाठ्यचर्या हॉल का भ्रमण कराया। यात्रा के बिल्कुल अंत में, सैमुअल उसके पास आकर बोला, "मैं तुमसे प्यार करता हूँ।" यह अनुचित था। विवियन को समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या जवाब दे। 'मैं तुमसे प्यार करती हूँ।'
ये तीन बड़े शब्द थे, जिन्हें बोलना और जवाब देना कठिन था। लोग इसे कहते हैं
शारीरिक संबंध बनाने के लिए। कुछ लोग ऐसा कहकर अच्छा महसूस करते हैं। लेकिन सैमुअल के लिए यह बिल्कुल अलग बात थी। जिस तरह से उसने ये शब्द कहे, ऐसा लगा जैसे वह हर शब्द दिल से कह रहा हो। उसके शब्दों में गहराई और भावना झलकती थी।
“मुझे पता है कि तुम मुझे नहीं जानते और मैं तुम्हें नहीं जानता, लेकिन मुझे परवाह नहीं,” सैमुअल ने समूह के सामने खड़े होकर अपने बयान को सही ठहराने की कोशिश करते हुए कहना शुरू किया। उसकी अचानक बेपरवाही देखकर सब लोग अवाक रह गए। “मैं तुमसे प्यार करता हूँ। जब मैंने तुम्हें पहली बार देखा, तो मैं तुमसे नज़रें नहीं हटा सका और उसी पल मुझे पता चल गया कि मेरा भाग्य तुम्हारे साथ ही है। शायद मैं बेवकूफ हूँ। नहीं, रुको, मैं एक “बेवकूफ!” वह हँसा। “लेकिन मुझे परवाह नहीं। मैं तुम्हारे लिए बेवकूफ हूँ। मैं तुम्हारे लिए कुछ भी बन सकता हूँ। कम से कम एक बार मेरे साथ डेट पर चलो और देखो कि मैं किस तरह का इंसान हूँ।”
फिल्मों की तरह, लोग कहते, "हाँ कह दो, लड़की," या "कोशिश करो। इस प्यारी बच्ची को एक मौका दो।" लेकिन यह कोई फिल्म नहीं थी और किसी को परवाह नहीं थी, हालांकि उन्हें इसमें मज़ा ज़रूर आ रहा था। वे देखते रहे और इंतज़ार करते रहे कि इस मामले पर लड़की क्या जवाब देगी।
मुझे खेद है, लेकिन मैं आपको नहीं जानता।
इसके बाद सैमुअल को असहज महसूस हुआ और वह लाइन के पीछे खड़ा हो गया।
सभी लड़के-लड़कियों के बीच हल्की हंसी और ठहाकों का विषय। हालांकि उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा, उनकी हंसी शब्दों से कहीं अधिक बोल गई।

बाद में, विवियन ने सैमुअल को दोपहर के भोजन के दौरान अकेले, अपनी ही छोटी सी दुनिया में खोए हुए, अपनी डायरी में कुछ लिखते हुए और फिर आकाश की ओर देखते हुए देखा। वह जानना चाहती थी कि वह अपनी डायरी में क्या विचार लिख रहा है।
उसे यह प्यारा लगा। कई रिश्तों में रहने के बावजूद, किसी ने भी उससे कभी 'आई लव यू' नहीं कहा था। पहले ही दिन प्यार का इज़हार करना उसके लिए सम्मान की बात थी। सैमुअल न तो पीछा करने वाला था और न ही उसे पाने के लिए इतना बेताब था।
कुछ समय बाद विवियन ने उसे बगीचे में एक पेड़ के नीचे बैठे हुए पाया। वह उसके पास गई और बोली, "पहले दिन के लिए मुझे खेद है।"
सैमुअल का चेहरा लाल हो गया। वह स्तब्ध रह गया। उसके इस खुलासे ने उसे पूरी तरह से चौंका दिया था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे, इसलिए वह चुप ही रहा।
और इंतजार किया।
"क्या तुम इतने पागल हो कि तुमने पहले ही दिन वो बात कह दी जो लड़के आमतौर पर दो साल बाद कहते हैं?" उसने पूछा।
“तुम...तुम विवियन हो, है ना?” उसने धीरे से आह भरी। “क्या तुम भाग्य में विश्वास करती हो, विवियन? क्योंकि मैं करता हूँ। मैंने कई लड़कियों को देखा है और उनके साथ समय बिताया है, लेकिन उनमें से कोई भी मुझे तब तक आकर्षित नहीं कर पाई जब तक मैंने तुम्हें नहीं देखा। मुझे नहीं पता था कि तुम्हारा स्वभाव कैसा है या तुम कैसे सोचती हो। मैंने तुम्हारा चेहरा भी नहीं देखा था, लेकिन उसी पल, मुझे बस इतना पता चल गया कि तुम ही मेरी जीवनसंगिनी हो।”
“तुम्हें पता है, वो जिसे नियति ने मेरे लिए चुना है। मैं जानती हूँ कि तुम ही हो। मुझे बस इतना पता है। मुझसे ये मत पूछो कि कैसे या क्यों, क्योंकि मैं इन सवालों का जवाब नहीं दे सकती। जहाँ तक मुझे पता है, तुम ही हो और अगर तुम भी ऐसा नहीं सोचते, तो तुम यहाँ माफ़ी माँगने नहीं आते। किसी न किसी तरह, तुमने भी इसे महसूस किया होगा।”
किसी अज्ञात कारण से, सैमुअल सही था। उसे सचमुच यह महसूस हुआ। एक तीव्र ऊर्जा का प्रवाह उसके भीतर दौड़ गया जिसे वह दबा नहीं सकती थी और अब वह जानती थी कि उसे क्या करना है।

तो क्या तुम उस डेट पर जाना चाहोगे ?

इसके बाद जो हुआ, वो ये था कि उसने अपने सुनहरे बालों की एक लट को उंगली पर लपेट लिया, मानो उसे ये संकेत देना चाहती हो कि वो चुंबन के लिए तैयार है। "तो..." उसने शब्द को थोड़ा खींचकर कहा ताकि वो समझ सके कि उसका क्या मतलब है।
वह करीब आया, उसके हाथों ने उसके हाथों को थाम लिया। उसके हाथ रेशमी और कोमल थे। उसने उन्हें उसकी हथेलियों पर रगड़ा। उसके दिल में एक झुनझुनी सी दौड़ गई। उसने देखा कि उसके चिकने, घुमावदार होंठ उसकी ओर बढ़ रहे हैं, धीरे-धीरे खुल रहे हैं और उसके होंठों तक पहुँच रहे हैं। लेकिन उसने जल्द ही खुद को रोक लिया।
आँखें खोलते ही उसने देखा कि उसके होंठ उसके होंठों से कुछ ही इंच दूर हैं। उसकी तीव्र नज़रें उसे थोड़ी बेचैन कर रही थीं। उसे चूमने के बजाय, उसने अपनी नाक की नोक उसकी नाक से रगड़ी। उसकी हर साँस आह जैसी लग रही थी और उसे सोचने पर मजबूर कर रही थी कि अगर वह अपने होंठ उसके होंठों पर रखने की कोशिश करे तो क्या होगा। उसे आश्चर्य हुआ कि उसने ऐसा नहीं किया। चेहरे पर मुस्कान लिए उसने उसके हाथ छोड़ दिए।
उसके भूरे बाल माथे पर गिरे हुए थे और गर्दन पर टेढ़े-मेढ़े फैले हुए थे।
उस रात उसने उसे चूमा नहीं।
अगली सुबह, वह गुस्से में उसके पास गई और बोली, "तुमने मुझे चूमा क्यों नहीं?" वह स्पष्ट रूप से नाराज थी।
“क्या?” वह हकलाते हुए बोला।
“तुम ऐसा करने वाली थी, लेकिन नहीं किया, क्यों?” उसकी आवाज़ किसी चिड़चिड़ी गृहिणी जैसी थी। “क्या मैं परफेक्ट नहीं हूँ? क्या मेरे होंठ अच्छे नहीं हैं? क्या मेरे मुँह से बदबू आती है?” उसने खांसकर यह देखने की कोशिश की कि क्या आखिरी बात सच है।
“विवियन, तुम हर तरह से परिपूर्ण हो। इसीलिए मैंने तुम्हें चूमा नहीं। मैं चाहता था कि हमारा पहला चुंबन तुम्हारी तरह ही परिपूर्ण हो। मैं देखना चाहता था कि क्या हमारे होंठ बिना छुए, लगभग पाँच मिनट तक एक-दूसरे के करीब रहने से मुझे यह तय करने में मदद मिलेगी कि यह प्यार है या नहीं। तब मुझे पता चल गया कि यह प्यार था। हम दोनों की तरफ से, लेकिन तुमने भी मुझे नहीं चूमा। तुमने इंतज़ार किया और वह परिपूर्ण था। इधर आओ।”

घास पर उसके बगल में बैठते हुए उसने frowning किया। "मुझे बिल्कुल भी पता नहीं है कि तुम क्या चाहते हो।"

अर्थ।"
“मैं भी, लेकिन प्यार का मतलब यही तो होता है, है ना? जब आप किसी से प्यार करते हैं, तो आपको पता नहीं होता कि वह क्या कहना चाहता है। आपको बस इतना पता होता है कि वह आपसे सही बात कह रहा है।”
उसने अपने सीने पर हाथ ऐसे लपेट लिए जैसे कोई छोटी, नखरीली बच्ची हो। "तुम मुझे कब चूमोगे?"
सैमुअल ने हाथ बढ़ाकर अपनी उंगलियों से धीरे-धीरे उसके जबड़े की रेखा को छुआ। वह आगे झुका और उसके ऊपरी होंठ पर एक हल्का सा चुंबन दिया। जैसे ही वह पीछे हटा, उनकी नज़रें मिलीं। उनके शरीर में एक झनझनाहट सी दौड़ गई। उसने एक बार फिर अपने होंठ उसके होंठों से मिलाए, लेकिन इस बार यह सिर्फ एक चुंबन नहीं था।
विवियन को कोई हैरानी नहीं हुई। उसके हाथों ने सैमुअल की टी-शर्ट को कसकर पकड़ लिया, जबकि सैमुअल की उंगलियां उसकी चोटी में उलझ गईं। उनके होंठ आपस में मिल गए। गर्म सांसें, ठंडक का एहसास, दिलों की धड़कनों की तेज़ गड़गड़ाहट - विवियन अपने शरीर के हर हिस्से में यह सब महसूस कर सकती थी। वह जानती थी कि यह पल एकदम सही था, और यह चुंबन भी एकदम सही था। जुनून भड़क उठा और उनकी जीभों के सिरे एक-दूसरे को घेर लिया। पलकें फड़फड़ाने लगीं और होंठों ने लयबद्ध तरीके से आनंद की लहर को उनके सीने में उतरने दिया। जैसे ही गर्मी उनके पूरे शरीर में फैल गई, भावनाएं उन पर हावी हो गईं।
नसें।

“हम्म!” किसी ने खांसते हुए कहा।
उनकी बातचीत में रुकावट आने पर उनके होंठ खुल गए। सैमुअल शरमा गया। विवियन ने अपनी उंगलियों को अपने होठों पर फेरा। उसे अभी भी उसका स्वाद महसूस हो रहा था। उसकी सहेली, एरिएल, पास ही खड़ी थी और खिलखिलाते हुए उसने बोलने की कोशिश की।
“आपको परेशान करने के लिए क्षमा करें, लेकिन यह सार्वजनिक मामला है।
शिक्षकों को यह पसंद नहीं आएगा।” “हम इस पर विचार करेंगे,” सैमुअल ने कहा।

“□□□□□□□□□” □□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□

विवियन ने सैमुअल की ओर देखा और मुस्कुराई। "यह बहुत अच्छा था।" "बिल्कुल सही।" सैमुअल ने उसे दिलासा देने के लिए उसके बालों पर हाथ फेरा। और आपको पता है कि इसमें मज़ेदार बात क्या है
यह क्या है?"
"मुझे अभी समझ आया कि आपने मुझसे क्या कहा," उसने चुटकी लेते हुए कहा और दोनों हंस पड़े।

***

ईस्ट वैली में अब विवियन और सैमुअल के बीच सार्वजनिक रूप से प्यार का इज़हार हर जगह देखा जा सकता था। कई लोग उन्हें एकांत कोनों में चुंबन करते या स्कूल की बेंच पर गले मिलते देखते थे। वे मौका मिलते ही चुपके से बाहर निकल जाते थे। यह एक रोमांचक अनुभव था। सैमुअल के आने के बाद विवियन की ज़िंदगी पूरी तरह बदल गई थी और अब उसे हर चीज़ का एक नया अर्थ मिल गया था। शायद मंगलवार के आसपास ही उसकी जिंदगी ने एक नया मोड़ लिया। स्कूल में विवियन और शिक्षकों के अलावा कोई नहीं था, जो उस समय एक बंद कमरे में बैठक कर रहे थे।
उसने एक लड़के को देखा, लंबा और दुबला-पतला, घुंघराले बालों वाला और काले फ्रेम वाले चश्मे के पीछे छिपी आँखों वाला, जो उसके जिद्दी चेहरे की तरह ही अजीब लग रहा था। उसका चेहरा लंबा और नुकीला था, और उसकी चोंच खोपड़ी से बाहर निकली हुई थी। उसने घुटनों तक पहुँचने वाला एक लंबा ट्रेंच कोट, नीची पैंट, हाइकिंग बूट और गले में लटकता हुआ एक टेढ़ा मफलर पहना हुआ था। उसने एक छड़ी पकड़ रखी थी, जिसका हैंडल S के आकार का था।
वह देखने में अजीब और अनोखा दोनों था। शायद इसका कारण उसका सनकी स्वभाव था।
पहनावे का अंदाज़, मनमोहक मुस्कान और चौंका देने वाली निगाहें। उसका खुद से बात करना...
उसके व्यवहार में एक विचित्रता थी, मानो वह किसी अदृश्य व्यक्ति से बात कर रहा हो।
उसके अलावा।

विवियन को उससे बात करने की तीव्र इच्छा हुई। वह बिल्कुल बेमेल लग रहा था, मानो कोई अपराधी या अजनबी हो। वह उसका पीछा करना चाहती थी, उसे घेरना चाहती थी और उससे पूछना चाहती थी कि वह कौन है। इस बीच, उसके विचार कहीं और भटक रहे थे, क्योंकि वह देख रही थी कि वह कैसे इधर-उधर भटक रहा था, हाथ में एक कागज़ पकड़े हुए खुद से कुछ बुदबुदा रहा था।

"क्या आपको किसी मदद की ज़रूरत है?" उसने लड़के के पास पहुँचते हुए पूछा। हालांकि उसने वर्दी पहनी हुई थी, पर वह वर्दी जैसी नहीं लग रही थी। उसकी कमीज़ अस्त-व्यस्त थी, ऊपर से बटन खुले हुए थे, लंबी आस्तीनें कोहनी तक चढ़ी हुई थीं, और उसकी स्कर्ट अब घुटनों से ऊपर लटक रही थी, जिससे उसकी जांघें दिख रही थीं। उसके माथे पर बालों की लटें बिखरी हुई थीं, जिन्हें उसने उससे बात करते हुए पीछे की ओर किया।
"मैं विवियन एलिजा को ढूंढने की कोशिश कर रहा हूँ," उसने कहा, उसकी ओर एक नज़र डालते हुए और फिर अपना ध्यान उस चर्मपत्र पर वापस केंद्रित कर लिया जिसे वह पकड़े हुए था।
“जी हां। मैं आपकी कैसे मदद कर सकता हूँ?”
“दुनिया को शाश्वत नरक से बचाकर।” उसने एक बार फिर ऊपर देखा।
उसकी सुनहरी आँखों में एक तीखी चमक थी, जब उसने उसे सिर से पैर तक परखा। पैर की उंगली। उसने चर्मपत्र को एक तरफ फेंक दिया और उसकी सफेद कमीज का एक कोना पकड़ लिया।
"मेरे साथ आइए!"
“तुम खुद को समझते क्या हो?” उसने विरोध करते हुए कहा। हालाँकि, कैस्पर की पकड़ मजबूत थी और उसने उसे आसानी से सीढ़ियों की ओर खींच लिया।
“कैस्पर सुकरात,” उसने उत्तर दिया। “इससे आपके प्रश्न का उत्तर मिल गया, है ना? तो अब मेरे साथ आइए।”
"आप मुझे क्यों और कहाँ ले जा रहे हैं?"
दूर से एक धीमी आवाज़ आई, “मुझे ठीक-ठीक पता है कि वह तुम्हें क्यों ले जा रहा है।” वे पीछे मुड़े। उसकी पीली आँखों में आग थी और बड़ी-बड़ी चौड़ी आँखें थीं।

अपने पंख फैलाते हुए, सैमुअल आगे बढ़ा।

“एक फ़रिश्ता!” कैस्पर ने बुदबुदाया। “तो तुम ही हो वो डोमिनियन जो पैगंबर की रक्षा कर रहे हो?” पंखों और आँखों के रंग को छोड़कर, फ़रिश्ता देखने में एक आम किशोर लड़के जैसा लग रहा था। “बहुत दिलचस्प। मैंने तो किसी महादूत की सुरक्षा की उम्मीद की थी, लेकिन डोमिनियन स्वभाव से ही चालाक होते हैं।”
मैं कोई साधारण डोमिनियन नहीं हूँ।
“तो फिर बदकिस्मती है,” कैस्पर ने प्रसन्नता से सोचा। “क्योंकि मैं भी कोई साधारण इंसान नहीं हूँ।”
देवदूत इतनी तेज़ी और उग्रता से कैस्पर के पास से गुज़रा कि वह लगभग ठोकर खाकर गिर ही गया। लड़की पर उसकी पकड़ ढीली पड़ गई और वह लड़खड़ाते हुए भागने लगी, क्योंकि उसे महसूस हो रहा था कि कोई उसे रोकने की कोशिश कर रहा है, भले ही वह उसे देख न पा रही हो।
बाल्थाज़ार लड़की की चोटी पकड़े हुए था जब उसे अपने चट्टानी शरीर पर एक गहरा घाव महसूस हुआ। उसके पंख जकड़ गए और वह गिर पड़ा। जैसे ही कैस्पर अपनी छड़ी के सहारे खड़ा हुआ, देवदूत उसकी ओर मुड़ा।
“हम यहाँ बुरे लोग नहीं हैं। हम अच्छे लोग हैं,” कैस्पर ने समझाने की कोशिश की।
“क्या चाहते हो यार?” उसकी आवाज़ और शब्दों पर स्पष्ट रूप से प्रभाव था। आज की पीढ़ी। "मैं उसकी रक्षा के लिए यहाँ हूँ और मैं यही करूँगा, भले ही आप हैं

अच्छे वाले।" उनकी आंखें मिलीं, फिर देवदूत ने विवियन की ओर देखा।
“अहा, मुझे तो इसमें एक रोमांटिक पहलू नज़र आ रहा है।” कैस्पर मुस्कुराया और सीधा खड़ा हो गया। “अगर तुम अपनी बचकानी प्रेमिका के साथ इतने मशगूल न होते, तो मैं तुम्हें बताना चाहता कि लूसिफ़र पुनर्जीवित हो चुका है और अंतकाल को साकार करने की कोशिश कर रहा है।”
देवदूत ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। एक पल के लिए उसे लगा कि कैस्पर आ गया है, फिर भी वह जानता था कि वह एक घुसपैठिया है। वही था जो अभी एक मिनट पहले उसकी प्रेमिका विवियन को उससे छीनने की कोशिश कर रहा था। "मैं जानता हूँ कि लुसिफर का पुनरुत्थान हो चुका है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि विवियन का इससे क्या संबंध है।"

“ल्यूसिफर उसे चाहता है,” कैस्पर ने समझाया। “शायद ग्रह को नष्ट करने का तरीका जानने के लिए या किसी और मकसद से। मुझे नहीं पता। लेकिन मुझे इतना पता है कि हमें उसके या उसके साथियों के आने और उसे ले जाने से पहले उसे किसी सुरक्षित स्थान पर छिपाना होगा। इसलिए, अगर मेरी इस व्याख्या से आपकी जिज्ञासा शांत हो गई है, तो मैं आपसे माफी चाहता हूँ।”
“क्या तुम सच बोल रहे हो?” देवदूत ने पूछा।
“अगर आपको मेरी बात पर यकीन नहीं है, तो क्या आप झूठ सुनना पसंद करेंगे? मैं आपको यह भी बता दूँ। हम एक परीकथा में हैं जहाँ एक खरगोश राक्षस खरगोशों के शहर में सल्फ्यूरिक एसिड छिड़कने की कोशिश कर रहा है और हम ही वो चुने हुए लोग हैं जो उसे रोक सकते हैं। क्या इससे आपको संतुष्टि मिलेगी? आखिर, यही तो सच है।”
"ठीक है," देवदूत ने कहा जैसे ही उसके पैर जमीन पर पड़े।
उसने अपने पंख समेट लिए, उसकी पुतलियाँ धीरे-धीरे वापस भूरे रंग की हो गईं। आँखें। वह एक सामान्य किशोर जैसा दिखता था, बिलकुल साधारण, गाल पिचके हुए, बाल बिखरे हुए, और एक जैकेट टी-शर्ट के ऊपर लटकी हुई जिस पर लिखा था, 'सच झूठ है'। डेनिम जींस और जूते उसके पहनावे को पूरा कर रहे थे। उसने स्कूल की वर्दी नहीं पहनी थी।
“आप यहाँ इसलिए आए क्योंकि आपको लगा कि वह खतरे में है। शायद आप अपने घर में आराम कर रहे थे, तभी आपको उसकी रक्षा के लिए यहाँ दौड़ना पड़ा। आपको इन सब बातों का कैसे पता चला? यह मुझे समझ नहीं आता। क्या नींद में खलल डालने वाली कोई आवाज़ थी, या कोई अलार्म, या कुछ और?”
देवदूत ने विवियन को पुकारा। वह संभलकर आगे बढ़ी, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह किस पर भरोसा करे। जिस देवदूत में उसे सुकून मिला, वह पंखों और सफेद आँखों वाला एक विचित्र प्राणी था। फिर भी वह उसकी रक्षा करने के लिए दृढ़ संकल्पित था। विवियन उससे कुछ दूरी पर खड़ी रही, उसके आलिंगन के लिए तरस रही थी, एक गर्मजोशी भरे आलिंगन के लिए।

“तुम्हारा नाम क्या है?” कैस्पर ने पूछा।

"साइफन," उसने विवियन की ओर देखते हुए जवाब दिया। "मुझे माफ करना, लेकिन यह सैमुअल नहीं है। यह तो बस एक नाम था जो मैंने ऐसे ही रख लिया था। मुझे झूठ बोलना पड़ा।"
उसके खूबसूरत चेहरे पर हैरानी के भाव साफ झलक रहे थे। "तुमने मुझसे झूठ क्यों बोला?"
क्योंकि मैं वैसा नहीं हूँ जैसा तुम मुझे समझते हो। मैं तुम्हारे जैसा इंसान नहीं हूँ। मैं
अलग।” उसके चेहरे पर दुख के भाव फैल गए। “मैं एक देवदूत हूँ। तुम एक अलग हो।”
पैगंबर। एक
एक महत्वपूर्ण व्यक्ति, जिसे सुरक्षा की आवश्यकता है। मुझे यह कर्तव्य सौंपा गया था, आपकी रक्षा करने का, इसलिए मैं अपना असली रूप आपके सामने प्रकट नहीं कर सका। मुझे खेद है, लेकिन परिस्थितियाँ ऐसी ही होनी थीं। “तो इतने समय तक तुमने मुझसे प्यार नहीं किया?” उसने पूछा और उसकी ओर एक कदम बढ़ाया, उसके सीने में थोड़ी हिम्मत उमड़ रही थी। हालाँकि, इसे हिम्मत नहीं कहा जा सकता था, क्योंकि उसके अंदर उमड़ रही भावना गुस्से जैसी थी। “तुमने ऐसी बातें कहीं जिनसे मुझे तुमसे प्यार हो गया, ऐसी बातें जो मैं तुम्हारे जैसे अजनबी से सुनने के लिए कभी तैयार नहीं थी। तुमने मुझे बहकाया। मैंने तुमसे प्यार किया सैम – साइफन या जो भी तुम्हारा नाम है। मैंने तुमसे प्यार करना शुरू कर दिया!”
“यह एक कर्तव्य था। शुरुआत में, यह एक ऐसा दायित्व था जिसे हर देवदूत को निभाना पड़ता है। मैं कसम खाकर कहता हूँ, मुझे तुमसे धीरे-धीरे प्यार हो गया। मुझे एहसास हुआ कि मैं तुमसे उतना ही प्यार करता हूँ - नहीं, रुको, मैं तुमसे ज़्यादा प्यार करता हूँ जितना तुम मुझसे करते हो और अगर मुझे कभी मौका मिला, तो मैं अपने पंख तोड़ दूँगा ताकि मैं इस दुनिया में एक नश्वर प्राणी के रूप में तुम्हारे साथ रह सकूँ।”
मैं तुम पर भरोसा नहीं कर सकता, लेकिन...
“अरे, अपनी ये नाटकीय बकवास बंद करो, तुम्हें कौवे पसंद हैं! बाल्थाज़ार!” कैस्पर गुर्राया। उसने उस गार्गोयल की ओर देखा जो अब दिखाई दे रहा था और दो प्रेमियों की बातचीत देख रहा था। “इन्हें देखो। प्यार समझदार लोगों को भी

मूर्ख बना सकता है। अगर तुम नहीं रुके तो मेरे कान से खून बहने लगेगा।” उसने भौंहें चढ़ाईं और आंखें घुमाईं।

गलियारा खाली था क्योंकि शिक्षक और छात्र सभागार में व्यस्त थे जहाँ स्कूल का नाटक चल रहा था और हैमलेट के दृश्यों का मंचन किया जा रहा था।
बाल्थाज़र की नज़र दरवाज़ों के पास रेशमी धूसर सूट पहने एक लंबे कद के व्यक्ति पर पड़ी, जिसके बगल में दो आदमी खड़े थे।
“यह तो लॉन्गहॉर्न डार्सी है!” विवियन ने हैरानी से कहा।

"अब और नहीं," कैस्पर ने फुसफुसाते हुए कहा, उसकी आवाज मुश्किल से सुनाई दे रही थी।
“ओह, कितनी शर्मनाक बात है! मैं जाने-पहचाने चेहरे देखता हूँ और शर्म से लाल हो जाता हूँ,” लुसिफर ने अपने चेहरे पर बनावटी मुस्कान लिए जवाब दिया। “खैर, मुझे तुम सबको मारना अच्छा नहीं लगता, दोस्तों।”
साइफन ने अपने पंख समेटे रखे। विवियन को इस बात की परवाह नहीं थी कि वह किस तरह का प्राणी है, उसने उसे गले लगा लिया। कैस्पर और बाल्थाजार एक साथ चिल्लाए। कैस्पर ने गलियारे में एक धुंआ बम लुढ़काया जो हरे धुएं में फट गया। धुएं के बादल ने उन्हें भागने का रास्ता दे दिया और वे नीचे पोर्टल की ओर भागे जहाँ बाकी लोग उनका इंतजार कर रहे थे।
ल्यूसिफर ने ताली बजाई और हवा का एक तेज़ झोंका गलियारे से गुज़रा जिससे धुआँ छंट गया। वह तेज़ी से चलने लगा; उसका चेहरा शांत और गंभीर था। वह नीचे की ओर चला गया। गलियारे के दूसरे छोर पर आइवी अपने होठों के बीच सिगरेट दबाए खड़ी थी। कैस्पर हैरान था, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। शैतान उनका पीछा कर रहा था और उन्हें जल्द से जल्द वहाँ से निकलना ज़रूरी था।
समूह नेफिलिम की ओर तेजी से बढ़ा और वह उन्हें वहाँ से आगे ले गई। फिब शौचालय में खड़ा होकर द्वार के पास प्रतीक्षा कर रहा था। आइवी ने सिगरेट फेंक दी और साइफन और विवियन को शौचालय में जाने के लिए कहा। कैस्पर अपनी छड़ी लेकर बाहर खड़ा था, शैतान के किसी भी हमले को रोकने के लिए तैयार। विवियन को इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि क्या हो रहा है, हालांकि उसे फिब पर पूरा भरोसा था।
उसने हिम्मत करके छलांग लगाने की कोशिश की, लेकिन उसके पैर मानो सीमेंट से जम गए थे।
ज़मीन पर। साइफन ने उसके हाथ पकड़े और मुस्कुराते हुए उसके हाथों को खींचा।

और उसे अंदर ले गए।

उसकी आंखें बंद थीं और उसने सहारे के लिए उसके हाथों को कसकर पकड़ रखा था।
उसे नहीं पता था कि आगे क्या होने वाला है, क्योंकि वह वर्तमान क्षण में खोई हुई थी।
कैस्पर ने आइवी के वॉशरूम जाने के इशारे को समझ लिया ताकि वे वापस जा सकें।
उसने गलियारे में लुसिफर की गड़गड़ाहट सुनी।
"तुम्हें लगता है कि तुम जीत गए, श्रीमान सुकरात? और मैं हार गया?" उसने पूछा, जबकि दोनों राक्षस उसके बगल में खड़े होकर आगे के निर्देशों की प्रतीक्षा कर रहे थे।
“मुझे नहीं लगता। मुझे पता है,” कैस्पर ने जवाब दिया।
ल्यूसिफर के अचानक प्रकट होने से आइवी अवाक रह गई। कैस्पर तिरछी निगाहों से उसे देख रहा था। वह सोच रही थी कि शैतान पर हमला करे या शांत रहे। हालांकि वह उसकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहा था, लेकिन उसके चेहरे के हाव-भाव स्पष्ट रूप से पढ़ सकता था।
“चिंता मत करो। मैं तुम्हारे और पैगंबर, श्री सुकरात, के पास शीघ्र आ रहा हूँ। मैं अवश्य आऊँगा। और जब मैं आऊँगा, तो तुम्हें पछतावा होगा क्योंकि मैं हारता नहीं हूँ। लोग सोचते हैं कि मैं हार जाता हूँ, लेकिन ऐसा नहीं है। मुझे किसी के चेहरे पर आश्चर्य का भाव देखना अच्छा लगता है। मैं तुम्हारे चेहरे पर उस भाव के आने का इंतजार कर रहा हूँ और मुझे पूरा विश्वास है कि वह भाव तुम्हारे चेहरे पर भी जल्द ही दिखाई देगा,” उसने शेखी बघारी।
कैस्पर मुस्कुराया। "मैं उस दिन का इंतज़ार कर रहा हूँ, लेकिन एक छोटे से बदलाव के साथ - तुम्हारे चेहरे पर हैरानी के साथ-साथ सदमे का भाव भी होगा, जो निश्चित रूप से तुम्हारे चेहरे पर दिखेगा।"
इतना कहकर उसने आँख मारी और आइवी को साथ लेकर जल्दी से वॉशरूम में चला गया। उसने पीछे मुड़कर देखा, यह देखने के लिए कि कहीं शैतान अंदर तो नहीं आ रहा, लेकिन वह नहीं आया। वॉशरूम का दरवाजा खाली था और आसपास कोई परछाईं भी नहीं दिख रही थी। वे पोर्टल की ओर दौड़े और अंदर चले गए। फिब सबसे आखिर में अंदर गया और उसने अपने पीछे पोर्टल बंद कर दिया।

या

दाऊद का घराना एक प्राचीन और पवित्र मंदिर था जिसे बनाया गया था और राजा सोलोमन के शासनकाल में इसका अभिषेक किया गया था। कहा जाता है कि उन्होंने कई जिन्नों का इस्तेमाल किया था।
और स्वर्गदूतों को श्रमिकों के रूप में इसे बनाने के लिए भेजा गया ताकि इसे सुसज्जित और विकसित किया जा सके।
एक ऐसा तरीका जिसमें कोई दानव, यहां तक कि लूसिफर भी, अनुमति मिलने तक प्रवेश नहीं कर सकता था।
ऐसा करने की अनुमति।
समय के साथ, दाऊद के घराने का स्थान यरूशलेम से मिस्र, फिर रोम, फिर लंदन और अंत में अमेरिका में स्थानांतरित होता रहा। बाहर से देखने पर मंदिर एक साधारण संरचना जैसा दिखता था, जिसमें किसी भी प्रकार की असामान्य या जादुई उपस्थिति का संकेत नहीं था। यह एक सामान्य, सुंदर दिखने वाले समुद्र तट के घर जैसा लगता था, जिसमें एक खुला बरामदा और अच्छी तरह से रखरखाव की गई कांच की खिड़कियां थीं।
जब कैस्पर, आइवी, फिब और बाल्थाजार बाहर थे, तब कफरनम और हार्वर्ड ने दाऊद के घर का पता लगा लिया, जिसे फिलहाल एक सुरक्षित ठिकाने के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता था। वे उसी तूफानी रात में समुद्र तट पर बने घर पर पहुँचे, जिस दिन पैगंबर को अगवा किया गया था।
कैस्पर और आइवी, हार्वर्ड के बगल में तैरते हुए बाल्थाजार के साथ चल रहे थे। वे यह समझने की कोशिश कर रहे थे कि हार्वर्ड किस गंभीर कारण से इरोस में बदल गया। विवियन और साइफन उनके ठीक पीछे चल रहे थे। मंदिर दूर, शहर की चहल-पहल भरी सड़कों से दूर दिखाई दे रहा था।
नदी समुद्रतट को छू रही थी। कैस्पर ने उसे देखते ही पहचान लिया। वह ईंटों से नहीं, बल्कि लकड़ी से बनी थी और उसकी छतरी बरामदे और पिछवाड़े को छाया दे रही थी।

“दाऊद का घराना हमारे लिए क्यों उपयोगी है?” कास्पर ने पूछा।

“क्योंकि यहाँ कोई हमारा पता नहीं लगा सकता। राक्षसों को अपनी ज़रूरत की चीज़ें खोजने के लिए अपने स्रोतों और परियों की मदद मिलती है, लेकिन यहाँ कोई परी, राक्षस या इंसान हमें ढूंढ नहीं पाएगा।”
कैस्पर ने सिर हिलाया। विवियन ने बरामदे में पहुँचने पर साइफन के साथ कुछ बातों पर चर्चा करने के लिए बाहर रुकने का फैसला किया। वह उस पर अचानक आई ज़िम्मेदारियों के बोझ को महसूस कर सकता था और उसकी दुविधा को समझता था। वह दुविधा में थी कि क्या वह उन अजनबी लोगों के बीच रहे जो सब अजीब हैं या अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए अपने स्कूल में जाए।

“ये बातें बुरी हैं। ये बातें हमेशा बुरी ही होती हैं,” आइवी ने फुसफुसाते हुए कहा।
“डेमेट्रियस, सिगरेट का क्या मतलब था?” कैस्पर उसकी ओर मुड़ा। अचानक पूछे गए इस सवाल से वह अचंभित रह गई। “जहाँ तक मुझे पता है, तुम सिगरेट नहीं पीते। हमेशा से ही एक अच्छी कैथोलिक लड़की रही हो और ऐसी बुरी आदतों से दूर रही हो।”
उसे समझ आ गया था कि वह एक विश्वसनीय झूठ गढ़ने की कोशिश कर रही है। लेकिन उसकी हैरानी की बात यह थी कि उसके होंठों से सच ही निकल आया।
“मैं चिंतित हूँ, कैस्पर। हर कोई चिंतित है। मेरा अपना परिवार—मेरा मतलब है, मेरी अपनी जाति—ने उम्मीद खो दी है। हमने पैगंबर को वापस पा लिया है, लेकिन क्या आपको सच में लगता है कि आप उसे बुलवा पाएँगे?”
“तुम्हें सिगरेट किसने दी?”

“बाल्था…” वह हकलाते हुए बोली, उसके गाल शर्म से लाल हो गए थे। “गार्गॉयल!” कैस्पर ने गुस्से से अपनी छड़ी पटकी। “यह तो...”
"बेतुका!" "सुनो, सुनो, उम..." उसने उसका हाथ अपने हाथ में पाया।
अंधेरे में उसने उसे पकड़ लिया
कठिन। उसने ऐसा करने पर कोई हैरानी नहीं दिखाई। शायद इसलिए कि अब उसे उसकी आदत हो गई थी। "तुम मेरे प्रति इतने सुरक्षात्मक क्यों हो रहे हो?" उसने सवालिया निगाहों से अपनी भौंहें उठाईं। "क्या तुम मेरे मौन रक्षक बनने की कोशिश कर रहे हो?" उसने पूछा, उसके होठों पर एक छोटी सी, शरमाती हुई मुस्कान थी और वह उसे देख रही थी।

उसने उसे दीवार से सटा दिया और उसकी गर्दन की हड्डी को अपने हाथों से जकड़ लिया। वह हांफने लगी और उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा।
“मैं कभी-कभी डरावनी हो सकती हूँ, नेफिलिम। मुझे आज़माने की कोशिश मत करो।” “मुझे चूम लो, कैस्पर!” उसने ताना मारा।
वह भौंहें चढ़ाकर उसे घूर रहा था।
आश्चर्य। "मुझे चूम लो।"
"क्या?"
मैं चाहती हूँ कि तुम मुझे पूरी ताकत और जोश से चूमो। मुझे परवाह नहीं कि यह कितना ज़ोरदार हो सकता है। मैं बस इतना चाहती हूँ कि तुम मुझे चूमो। "क्या मैं कारण जान सकता हूँ?"
मैं अपना तनाव दूर करना चाहती हूँ। शायद एक चुंबन से ही काम बन जाए।
“यह तो कतई बेतुका है।” कैस्पर ने खुद को पीछे खींच लिया। “हमें काम करना है।”
“यह मत कहो कि मुझे चूमने से पहले तुम्हारे मन में एक पल का भी ख्याल नहीं आया। आया था।”
है ना?” कैस्पर मुस्कुराए बिना नहीं रह सका। “तुम पागल हो, जानते हो ना?” वह?"

***

साइफन विवियन के बगल में लकड़ी की सीढ़ी पर बैठा था, जिसने अपने कंधों पर कंबल लपेटा हुआ था। उसने अपना हाथ उसके कंधे पर रखने की कोशिश की, लेकिन गुस्से में होने के कारण विवियन ने उसे झटक दिया।
मुझे खेद है। मुझे नहीं पता था कि ऐसी विपत्ति आ जाएगी।
“क्या तुम्हारा यही मतलब था?” वह उसकी तरफ देखने से डर रही थी, इसलिए उसने उसकी तरफ नहीं देखा। “क्या?” उसने पूछा।
"इस तथ्य के बारे में कि तुम मेरे साथ एक इंसान के रूप में रहने के लिए अपने पंख नोच लोगे।"

“ज़रूर,” उसने कहा। उसके भीतर आशा की एक किरण जग उठी। “देखो, मुझे खेद है कि सब कुछ इस तरह हुआ। मैं तुम्हें बताना चाहता था, लेकिन एक फ़रिश्ता होने के नाते मैं बता नहीं सका। मेरा एक कर्तव्य था जिसे मैं ठीक से निभा नहीं पाया। मैं तो बस एक नया फ़रिश्ता हूँ। जो कर्तव्य मुझे निभाना था, वह अब कर्तव्य नहीं रह गया था। वह उससे कहीं बढ़कर था। मुझे तुम्हारी परवाह होने लगी और फिर मैं तुमसे बुरी तरह प्यार करने लगा। शुरुआत में शायद मेरे शब्द सच्चे नहीं थे, लेकिन धीरे-धीरे जो भी शब्द मैंने तुम्हारे साथ बिताए दिनों में कहे, वे ही मेरे सच्चे शब्द थे।”

“मैं पैगंबर नहीं हूँ,” उसने धीरे से कहा।
“तुम हो। तुम्हें कोई दिव्य दृष्टि नहीं मिल रही क्योंकि तुम ज्यादा कोशिश नहीं कर रहे हो। जब तुम किसी खास पहलू पर जोर देते हो, तो तुम्हें उम्मीद से कहीं ज्यादा मिलता है। तुम स्वर्गदूतों और राक्षसों दोनों के लिए ज्ञान का भंडार हो।”
“इसीलिए तो लॉन्गहॉर्न डार्सी मुझे चाहता था, है ना? लेकिन वो शैतान कैसे हो सकता है?” विवियन को याद आया कि डेविड के घर की यात्रा के दौरान, कैस्पर ने उन्हें मैनफ्रेड की अराजक योजना से लेकर लूसिफ़र के उदय और उसके द्वारा अपनाए गए दूत तक सब कुछ बताया था। “ये तो अजीब है। वो पत्रिकाओं और अन्य जगहों पर दूसरा सबसे प्रभावशाली व्यक्ति है।”
“लोगों को आपकी ज़रूरत है।” उन्होंने दरवाज़े की ओर इशारा करते हुए कहा। “वे अच्छे लोग हैं। अगर आप ज़िंदा रहना चाहते हैं और इन सब से दूर रहना चाहते हैं, तो मैं समझता हूँ, लेकिन हमेशा के लिए जाने से पहले उनकी मदद ज़रूर करें।”
“ये दृश्य देखकर कैसा लगता है?”
"मैं कभी पैगंबर नहीं रहा, लेकिन मैं वह व्यक्ति बनूंगा जो गिरने पर आपको संभालने और आपको सांत्वना देने के लिए आपके साथ खड़ा रहेगा।"
विवियन की आँखों में आँसू भर आए। वह उसे गले लगाना चाहती थी, लेकिन उसका शरीर इसकी इजाज़त नहीं दे रहा था। "मेरी पढ़ाई का क्या होगा?"

“आप एक पैगंबर हैं। एक दिन आपको सब कुछ पीछे छोड़ना होगा ताकि जरूरत के समय स्वर्गदूत आपकी मदद कर सकें।”
“तुम इस तरह की बातें क्यों कह रहे हो? मैं किसी के द्वारा इस्तेमाल नहीं होना चाहता।” “यही तो एक पैगंबर का भाग्य होता है, लेकिन मैं तुम्हारे साथ रहूंगा। मैं कुछ न कुछ रास्ता निकाल लूंगा।”
इसका हल निकालने का कोई तरीका है। लेकिन अभी आपको उनकी मदद करनी होगी। आपको दुनिया को बचाना होगा। हमें क्या पता, इस समय पूरी दुनिया आप पर निर्भर है,” उसने विनती करते हुए कहा, जिससे वह बेहद नाराज हो गई।

***

नीली रोशनी से जगमगाते कमरे में विवियन चुपचाप अपनी कुर्सी पर बैठी थी। कैस्पर और कैपरनम दरवाजे के भीतर खड़े होकर पैगंबर को अजीब निगाहों से देख रहे थे, जबकि आइवी, हार्वर्ड, फिब और बाल्थाजार कमरे के एक कोने में खड़े थे। साइफन ने उसका हाथ कसकर पकड़ रखा था, मानो वह उसे कभी नहीं छोड़ेगा। कफरनम एक दानव था, इसलिए उसे दाऊद के घर में प्रवेश करने के लिए किसी स्वर्गदूत या स्वर्गदूत के रक्त वाले किसी व्यक्ति से अनुमति लेनी पड़ती थी। आइवी को उसका निमंत्रण स्वीकार करना पड़ा ताकि वह अपना यह उद्देश्य पूरा कर सके।
“पैगंबर के पास कुछ जानकारी है। लुसिफर उसे एक खास मकसद से चाहता था, धरती पर प्रलय लाने के लिए। हालांकि, मुझे लगता है कि हम उसका इस्तेमाल अपने मकसद के लिए कर सकते हैं। हम उससे लुसिफर को हमेशा के लिए रोकने का तरीका पूछ सकते हैं,” कैपरनम ने कहा।
“क्या वह हमें ऐसी जानकारी दे पाएगी? पिछले कुछ घंटों से उसे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि वह भविष्यवक्ता है।”
“हाँ, ऐसा ही होगा। उसके सिर में थोड़ा दर्द होगा, लेकिन उसे यही कीमत चुकानी पड़ेगी।”
"भुगतान करो।" कैस्पर को गुस्सा आ गया। किस तरह की कीमत? वह एक गरीब लड़की थी।
इस तरह से अनभिज्ञ

उसके आसपास जो कुछ हो रहा था, वह उसे पसंद नहीं था। वह स्कूल में रहना और आनंद लेना चाहती थी।

उसकी किशोरावस्था। लड़कों से फ्लर्ट करना और डेट पर जाना - यही तो उसकी उम्र की लड़कियां करती हैं। वह खुद कभी सामान्य जीवन नहीं जी सकता था, लेकिन वह चाहता था कि उसकी बेटी ऐसा जीवन जिए। वह जानता था कि यह असंभव है, लेकिन थोड़ी सी उम्मीद रखने में कोई बुराई नहीं है।
उसे विवियन के लिए बुरा लग रहा था और वह सब कुछ ठीक करना चाहता था, लेकिन सब कुछ उसके बस में नहीं था। फ़रिश्ते उसे अपनी मर्ज़ी से जीने नहीं दे रहे थे क्योंकि उनके लिए वह एक शक्तिशाली प्राणी थी। फिर भी वह उनके षड्यंत्र में एक मोहरा थी, स्वर्ग और नरक के बीच की लड़ाई में उनके काम आने वाली एक खिलाड़ी। पहले कैस्पर को इसकी कोई परवाह नहीं थी, लेकिन हाल ही में अपने अंदर आए बदलाव के कारण उसे विवियन के लिए बुरा लग रहा था।
वह उसके सामने बैठ गया और उसे ध्यान से देखने लगा। "क्या तुम तैयार हो?" उसने पूछा।

नरमी से।

"हां," उसने कहा, उसकी आवाज भावनाओं से कांप रही थी।
“अच्छा। अब, आपको यह सोचना होगा कि लुसिफर को कैसे रोका जाए। माइकल और लुसिफर के बीच हुए महान युद्ध में इस्तेमाल किए गए उन हथियारों के बारे में सोचो, जिनकी मदद से माइकल ने उसे नरक में फंसाकर हराया था। मुझे यह जानना है कि उसने यह कैसे किया। हम सभी को सब कुछ जानना ज़रूरी है।”
वह घबराहट में अपने निचले होंठ को चबाने लगी। "मुझे नहीं पता कि क्या करना है।"
“बस…” उन्होंने अपने माथे पर हाथ फेरा। “सोचो। सोचो और तुम्हें समझ आ जाएगा कि हम क्या चाहते हैं। बस खुद को वहाँ मौजूद समझो और ध्यान से सोचो कि लुसिफर को कैसे हराया जाए।”
उसने देखा कि उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। एक पल के लिए कुछ नहीं हुआ।
वह अपनी सारी परेशानियों को दबाने की पूरी कोशिश कर रही थी। उसके होंठ कांप रहे थे और उन पर पसीना आ रहा था।
उसके माथे पर दाने निकल आए। उसे ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई हो रही थी।

उसके चेहरे के भाव देखकर वह समझ गया कि वह उन बातों पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रही थी।
जानना जरूरी था।

“देखो, विवियन,” उन्होंने कोमल स्वर में समझाया। “देखो, तुम तभी याद कर सकती हो जब तुम चाहो। अगर तुम याद नहीं कर पाओगी, तो तुम वह नहीं जान पाओगी जो तुम जानना चाहती हो। तुम्हें उस छोटे से प्रश्न को मार्गदर्शक बनाकर रखना होगा और उस पर गहराई से विचार करना होगा। दुनिया से परे सोचो, लेकिन प्रश्न से दूर मत हटो।”

“लेकिन यह मुश्किल है! मेरा दिमाग यह सब संभाल नहीं पा रहा है।”
“कोशिश करने पर ऐसा हो जाएगा।” कैस्पर ने फिर से अपने माथे पर हाथ फेरा। “खूब कोशिश करो। अपनी आँखें बंद करो और अपने अवचेतन मन को बहने दो।” उसने कमज़ोरी से सिर हिलाया। धीरे-धीरे उसकी आँखें बंद हो गईं। कुछ नहीं हुआ। उसका चेहरा
उसके भीतर का संघर्ष गायब था। फिर भी, जितना अधिक वह ध्यान केंद्रित करती, उतना ही उसका
संघर्ष बढ़ गया। जल्द ही, ऐसा लगा जैसे उसे दौरा पड़ रहा हो। उसका सिर चकराने लगा।
उसका पूरा शरीर कांप रहा था। साइफन ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह बहुत अकड़ी हुई थी।
और बेचैन।
वह सदमे से पीछे गिर पड़ा। उसे आ रही मिर्गी का दौरा थम गया और उसके बाल उसके चेहरे पर बिखर गए। उसके मुंह से लार टपक रही थी और उसकी पुतलियाँ अब सफेद पड़ गई थीं। उसके हाथ-पैर पूरी तरह से ढीले पड़ गए थे, मानो उनमें हड्डियाँ ही न हों। वह बिल्कुल भी हिल-डुल नहीं रही थी।
“क्या आप हमारे सवालों का जवाब देंगे?” कैस्पर ने पूछा।

“हाँ।” आवाज़ किसी मासूम लड़की की नहीं, बल्कि भारी और कर्कश थी। “मैं

इच्छा।"

“अच्छा। हम मॉर्निंगस्टार को कैसे हरा सकते हैं?”
“माइकल की तलवार से,” उसने कहा। उसके होंठ घने बालों के नीचे छिपे होने के कारण दिखाई नहीं दे रहे थे। “पवित्र तलवार।”

“ठीक है। क्या हम इसका इस्तेमाल कर पाएंगे?” कफरनम ने पूछा।
‘माफ़ करना,’ उसने कैस्पर से इशारे से कहा। “मैंने सुना है कि केवल माइकल के पास ही है
इसका प्रयोग करने की शक्ति।

“नहीं। केवल प्रधान देवदूत माइकल को ही इसे धारण करने की अनुमति थी, लेकिन महान युद्ध के बाद उनकी शक्तियां कम हो गईं। वे कमजोर और बूढ़े हो चुके हैं, इसलिए अब वे इसे धारण नहीं कर पाएंगे।”
"कोई विकल्प हैं?"
“सुलेमान का वंशज,” पैगंबर ने कहा। “माइकल ने सुलेमान को विशेष शक्तियाँ प्रदान की थीं। यदि कोई आपात स्थिति उत्पन्न होती, तो वही तलवार से युद्ध लड़ता, लेकिन उसके समय में ऐसी कोई आपात स्थिति नहीं आई। फिर भी, माइकल का वरदान उसके वंश में व्याप्त है।”
“हम सुलेमान के वंशज को कहाँ पा सकते हैं?”

"कैनसस में। होप मोरेट्ज़ नाम की एक लड़की है जिसकी आपको तलाश है।" “क्या कोई और चीज़ है जो हमारी मदद कर सकती है?” कैस्पर ने पूछा। हर नई संभावना के साथ उसका सीना भारी होता जा रहा था। उसे लग रहा था कि वे अपनी जीत से, अपने लक्ष्य से बस कुछ ही कदम दूर हैं। “तलवार को ढूंढना।” "खोजो
मेटाट्रॉन,"
"क्यों?"

उसे पता है कि तलवार कहाँ है।
“और वो पैगंबर ऐसा नहीं करता?” बाल्थाजार ने जोर से चीखते हुए कहा, उसकी आवाज पूरे कमरे में गूंज उठी। “ओह, माफ कीजिए।”
“कुछ बातें ऐसी हैं जिन्हें जानना उनके लिए वर्जित है। पैगंबरों के पास असीमित ज्ञान नहीं होता, लेकिन इतना तो होता ही है कि वे ब्रह्मांड में एक छाप छोड़ सकें,” कैस्पर ने दांत भींचते हुए समझाया। वह विवियन की ओर मुड़ा। “धन्यवाद।”
उसकी पीठ सीधी हो गई और उसने अपने बाल पीछे कर लिए। उसकी आँखों की पुतलियाँ अपने सामान्य रंग में लौट आईं और उसका पहले पीला पड़ा चेहरा अब थोड़ा भूरा हो गया था। उसे अपने अंदर फिर से जीवन का एहसास हुआ। तभी उसके सिर में तेज दर्द उठा, जिससे वह बुरी तरह थक गई।

“आह,” वह रो पड़ी और अपनी कनपटी को मलने लगी। “यह तो मेरी सोच से भी बदतर है।”

क्या आपको याद है कि आपने क्या कहा था?
क्या कहा?” “थोड़ा सा। बस थोड़ा सा।”
हालांकि, झलकियाँ ही देखने को मिलीं।
“अच्छा। तो दीवार टूटी नहीं है,” उसने फुसफुसाते हुए अपनी टीम की ओर मुड़ा। सौभाग्य से, उसकी बात किसी ने नहीं सुनी।

***

विवियन ने दूसरे कमरे में साइफन के साथ कुछ समय बिताया और कुछ घटनाओं को याद करने की कोशिश की। साइफन ने उसे शांत रहने को कहा और बताया कि उसने उन्हें ज़रूरी जानकारी देकर अच्छा काम किया है। सच तो यह है कि जानकारी जुटाने में विवियन ने जितनी मेहनत की थी, उस पर उसे गर्व था।
कैस्पर बगल वाले कमरे में खड़ा था, उसकी आँखें चमक रही थीं। उसने गर्व से अपनी टीम की ओर देखा। “मैं सुलेमान के वंशज के बारे में जानता हूँ। मैंने इसे देवदूतों के अध्ययन की किसी किताब में पढ़ा था, लेकिन मेटैट्रॉन के बारे में क्या? मेटैट्रॉन कौन है?”
“वही था जिसने सृष्टि का अभिलेखन किया और उसे सौंपा
“लिख रहा हूँ,” कमरे के पिछले हिस्से से एक आवाज़ आई। साइफन प्रकट हुआ। “द पिता ने उसे आदेश दिया कि वह इस बात का रिकॉर्ड रखे कि उन्होंने प्रकाश और दिन की रचना कैसे की।
मेटैट्रॉन ने सब कुछ लिख लिया। उसने सृष्टि और उसमें किए गए कार्यों को देखा।
हासिल किया। उन्होंने इसे चर्मपत्र के एक स्क्रॉल पर लिख लिया जिसे अब कहा जाता है
सृष्टि का ग्रंथ।"
“क्या वह एक देवदूत है?” आइवी ने आगे बढ़कर यह सवाल पूछा। साइफन कांप उठा। “एक महादूत।”
“मुझे समझ नहीं आ रहा। उसे पवित्र तलवार का स्थान कैसे पता चलेगा?” कैस्पर

पूछा गया।
“बात यह है कि सृजन अभी भी जारी है। इसलिए, सृजन में प्रगति हुई है।”

इसका मतलब है कि मेटाट्रॉन इसके बारे में लिख रहा है। वह इसके बारे में लिखता आ रहा है।
सृष्टि की शुरुआत से ही। उन्होंने सभ्यताओं के विकास और युद्धों को देखा और उनके बारे में लिखा।
लड़ाइयाँ हुईं, और प्रतिद्वंद्विताएँ तय हुईं, जिससे इतिहास रचा गया। उन्होंने महान
युद्ध, क्योंकि यह सृष्टि का वह हिस्सा था जिसने यह तय किया कि सृष्टि का भविष्य क्या होगा।
अंत हो या फिर से उदय हो।"
"चूंकि उसने यह सब देखा था, इसलिए उसे पता होगा कि माइकल ने बीमार होने के बाद तलवार कहाँ रखी है, क्योंकि यह भी सृष्टि में एक महत्वपूर्ण चीज है।" साइफन ने सिर हिलाया। "बिल्कुल सही।"
कैस्पर ने कमरे में चारों ओर नज़र घुमाई। “हमें अब अलग-अलग समूह बनाने होंगे। मुझे बाल्थाज़ार और आइवी को अपने साथ चाहिए। हम तीनों होप मोरेट्ज़, सुलेमान की वंशज, को खोजने जाएंगे। हार्वर्ड, कफरनम और साइफन मेटाट्रॉन जाएंगे।”

“मैं ही क्यों?” साइफन ने विरोध जताया।
“तुम एक देवदूत हो और मेटाट्रॉन एक प्रधान देवदूत है। तुम दोनों एक-दूसरे से परिचित हो। कोई तो ऐसा होगा जो उसे पवित्र तलवार के बारे में बताने के लिए मना सके। वह अकेले एक दानव और एक भेड़िया की उपस्थिति को पसंद नहीं करेगा,” उसने हार्वर्ड की ओर देखा, जो घबराकर अपने चश्मे को रगड़ रहा था, और कपरनम की ओर देखा, जो भावहीन बना रहा।
“विवियन का क्या हुआ?” साइफन ने पूछा।
“अरे, अरे! मैं भूल गया।” उसने कमरे में एक बार फिर नज़र घुमाई, मानो उसे याद आया हो कि वह किसी को भूल गया है। “अरे, तुम यहाँ हो! फिबोनाची, तुम अपने शुरुआती दिनों में एक जादूगर थे, तुम उसके साथ यहाँ रहोगे। तुम उसकी रक्षा कर पाओगे, लेकिन यह दाऊद का घर है। बिना अनुमति के कोई अंदर नहीं आ सकता, इसलिए चिंता मत करो। क्या यह तुम्हें ठीक लगेगा, फिबोनाची?”
फिब आगे बढ़ा और विनम्रता से बोला, "हां, कैस्पर।"

“□□□□ □□ □□□□ □□□□?” □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□

दो दुनियाओं

कैस्पर अपना थैला पैक कर रहा था और अपनी छड़ी जाँच रहा था, तभी किसी ने उसके दरवाजे पर दस्तक दी। आइवी तुरंत उसके कमरे में दाखिल हुई। उसने युद्ध की वर्दी नहीं पहनी थी। शायद इसलिए क्योंकि कोई युद्ध नहीं था। उसने टाइट फिटिंग जींस, घुटनों तक बंधे लड़ाकू बूट और अपनी सफेद, सादी कमीज के ऊपर एक छोटी सी जैकेट पहनी थी, साथ ही चश्मा भी लगाया हुआ था। उसके बाल भी पीछे बंधे हुए थे।
“तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था,” उसने कहा और अपने हाथों को अपनी जींस की जेबों में डालते हुए कैस्पर के पास जाकर देखने लगी कि वह अपने थैले में क्या रख रहा है। उसकी नज़र एक लाल रंग की छोटी सी डायरी पर पड़ी।
कैस्पर की नज़रें उससे मिलीं। उसने तुरंत डायरी के प्रति उसकी दिलचस्पी को भांप लिया। उसने बैग को झट से बंद किया और उसे अपने सीने पर टांग लिया। “मुझे पता ही नहीं था कि तुम डायरी लिखते हो, होशियार! मैं हमेशा से ऐसी डायरी चाहती थी जिसमें मैं अपने मन की बातें लिख सकूँ। काश मेरे पास भी तुम्हारे जैसी डायरी होती।”
“मैंने क्या किया?” कैस्पर उलझन में था और साथ ही साथ असमंजस में भी। उसे डर था कि कहीं वह डायरी वाली बात पर अड़ी न रहे और उसके अतीत की तरह इसके बारे में बार-बार न पूछे। उसे खुद भी नहीं पता था कि उसने क्या किया था, लेकिन अगर उसने कुछ किया भी था, तो जानबूझकर नहीं। “अब मैं क्या कर सकता था?” उसने फुर्ती से पूछा और उसे थोड़ा चिढ़ाया।
“आप किसी व्यक्ति के साथ ऐसा व्यवहार नहीं कर सकते। आप फिब के साथ ऐसा व्यवहार नहीं कर सकते। जब वह
जब वह यहाँ आया, तो वह हमारे साथ काम करने को लेकर उत्साहित था और उसने कहा कि वह हमारे लिए मददगार साबित हो सकता है।
महान

सहायता। उन्होंने साबित कर दिया कि वे उपयोगी हैं। उन्होंने जरूरत के समय हमारे लिए एक पोर्टल बनाया। वे मैदान में उतरना चाहते हैं, न कि यहाँ किसी पैगंबर की देखभाल करना।
“छी!” कैस्पर ने घमंड से कहा। “वह जादूगर है। जादूगरनी भी नहीं। हमें मैदान पर नौसिखियों की ज़रूरत नहीं है।”
“कैस्पर, जीवन में किसी न किसी मोड़ पर हर कोई शौकिया होता है। तुम भी थे,” आइवी ने कहा।
कैस्पर समझ गया था कि आइवी गुस्से में है। इससे पहले उसने उसे बताया था कि फिब उसका बचपन का करीबी दोस्त है जो उससे मिलने यहाँ आया है। वह एक शर्मीला, अनाड़ी किशोर था जिसे कुछ साल पहले ही पता चला था कि वह जादूगर है और उसे काले जादू के बारे में कुछ भी नहीं पता था। कैस्पर को यह बात बुरी लगी और उसे लगा कि फिब किसी काम का नहीं है। अगर पैगंबर को बचाने के समय उसका इस्तेमाल किया गया था, तो बाद में उसके उपयोगी होने की क्या गारंटी थी? हालाँकि, उसने यह भी माना कि उसे लड़के पर इतना कठोर नहीं होना चाहिए।

“वह बच्चों की देखभाल नहीं कर रहा है। वह यहाँ पैगंबर की रक्षा करने के लिए है।”
“सबसे सुरक्षित स्थान पर। आप भी मेरी तरह जानते हैं कि सदन
डेविड पूरी तरह से सुरक्षित है। यहाँ उसकी सुरक्षा के लिए किसी की ज़रूरत नहीं है।
जब तक वह आत्महत्या नहीं कर लेती, तब तक वह उसे बचाएगी, लेकिन फिर, ऐसा होने की संभावना बहुत कम है। वह
ऐसा कभी नहीं करें।"

मैंने उसे एक काम सौंपा है। मुझे उम्मीद है कि वह इसे अच्छे से पूरा करेगा। कैस्पर ने स्थिति से अनभिज्ञ होने का नाटक किया। वह यह जानने के लिए उत्सुक था कि आइवी उसे फिब को अपने मिशन पर साथ ले जाने के लिए कैसे मनाएगी।
“क्या तुम्हें वो पढ़ाकू लड़का पसंद है, आइवी? मुझे अब ऐसा लगने लगा है कि ये मुमकिन है,” उसने कहा।

विचार किया।
“बिल्कुल नहीं,” उसने थोड़ा शर्मिंदा होते हुए कहा। “मैं उसे पसंद नहीं करती। मैंने हमेशा उसे भाई की तरह माना है, किसी और रूप में नहीं।”
"तो आप मुझसे ऐसा क्यों कह रहे हैं?"

“क्योंकि वो मेरा दोस्त है और...उम्म...” उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ गई।
होंठ। वह झिझक रही थी, लेकिन साथ ही उसकी आँखों में हताशा झलक रही थी। "वह वो मुझसे ज़्यादा तुम्हें पसंद करता है। वो तुम्हें बहुत चाहता है और तुम्हारा दीवाना है।
“तुम,” उसने स्वीकार किया।
कैस्पर ने सिर हिलाया। "आह, मैं समझ गया। मुझे लगता है लोग अपने आदर्शों का सम्मान करते हैं।"
“हम्म,” उसने कहा। “वह तुम्हें आदर्श नहीं मानता। क्या तुम्हें यह बात समझ नहीं आई?”

अभी तक?"
आप क्या करने की कोशिश कर रहे हैं?
क्या उसका मतलब है? “मैं कह रहा हूँ कि वह
आपको पसंद करते हैं।"
उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, "खैर, मैंने यह बात स्वीकार कर ली है कि समय के साथ-साथ लोग मेरे रवैये को पसंद करते हैं और मेरे प्रयासों की सराहना करते हैं।"
“वह तुम्हें पसंद करता है।” उसने ‘पसंद’ शब्द पर ज़ोर दिया। “वह किसी न किसी तरह तुम्हारे साथ रहना चाहता है।”
तो आप यह कह रहे हैं...?

"हां, आप समझ गए कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं।"
“नहीं, नहीं।” कैस्पर को इस बात पर यकीन करना मुश्किल हो रहा था। “यह तो सरासर बेतुका है। तुम्हें कैसे पता?”
अरे, छोड़ो भी। जब भी वो तुम्हें देखता है, शरमा जाता है। वो मुस्कुराता है और...
खिलखिलाहट। कैस्पर को अचानक एहसास हुआ। शायद आइवी सही थी। शायद
फिब को यह बहुत पसंद आया

उसे, लेकिन इससे घटनाक्रम में कोई बदलाव नहीं आया।

“बताने के लिए धन्यवाद। मुझे लगता है कि अब हमें चलना चाहिए,” उसने सुझाव दिया।
वह इसके बारे में और सोचना नहीं चाहता था। एक लड़का उसे पसंद करे? ऐसा उसके साथ पहले कभी नहीं हुआ था।

***

साइफन कुचली हुई घास पर धीरे-धीरे आगे बढ़ा। एक सुहाना सूर्योदय हो चुका था और आसमान में हल्के बादल छाए हुए थे। उसने टहनियों और लताओं से रहित खुले मैदान को देखा। उसके पीछे, कैपरनम और हार्वर्ड अपने मानव रूप में चल रहे थे।
उन दोनों के बीच रहना फ़रिश्ते के लिए मुश्किल था। यह एक अजीबोगरीब समूह था। उसे न तो किसी दानव और न ही किसी भेड़िया-भेड़िया के साथ रहने की आदत थी, न ही अपनी जाति के अलावा किसी और प्राणी के साथ। मिशन के दौरान किसी दानव पर भरोसा करना तो वह बिलकुल नहीं चाहता था। आख़िर दानव उनकी मदद क्यों कर रहा था? उसे ठीक से समझ नहीं आ रहा था, लेकिन इसके पीछे उसका कोई कारण तो ज़रूर रहा होगा। क्या वह लूसिफ़र से नाराज़ था या अपनी ही जाति से? साइफन ने भूरे रंग की जैकेट पहनी हुई थी जो उस पर बिल्कुल फिट बैठ रही थी। उसकी टी-शर्ट का गला गोल था जिससे उसका सीना उभरा हुआ दिख रहा था। वह विवियन को लेकर डरा हुआ था। उसने कभी सोचा भी नहीं था कि उसे उससे प्यार हो जाएगा। उसके लिए यह सिर्फ एक मिशन होना चाहिए था, लेकिन धीरे-धीरे यह उससे कहीं ज़्यादा बन गया। उसे विवियन से प्यार करने के अपने फैसले पर कोई पछतावा नहीं था; लेकिन वह जानता था कि इस प्रेम प्रसंग की खबर से स्वर्ग तक हिल जाएगा। ज़्यादातर फ़रिश्ते, खासकर वे जो उससे ईर्ष्या करते थे, राफेल को यह कहकर बहलाने की कोशिश करेंगे कि वह किसी भी मिशन पर काम करने के लिए सही व्यक्ति नहीं है।
राफेल। नाम सुनते ही रोंगटे खड़े हो गए। उसका दिल गहरा, अथाह सा महसूस कर रहा था, मानो उसे किसी गड्ढे में फेंक दिया गया हो और वह धीरे-धीरे पानी में डूब रहा हो। राफेल इस मिशन का कमांडर था, जिसे इस सदी के लिए चुना गया था। प्रधान देवदूत होने के नाते, उसने अपनी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ देवदूतों को चुना था। उसे पैगंबर की रक्षा के लिए चुना गया था। जिस दिन उसे

अपने नए मिशन के बारे में बताया गया, सभी ने चुने हुए देवदूत को देखने के लिए इधर-उधर देखा और बिना पलक झपकाए उसे निहारते रहे, आपस में नई घटनाओं के बारे में फुसफुसाते रहे।
उसे ऐसा लग रहा था मानो वह चरम सुख के शिखर पर हो। उसके प्रतिद्वंद्वियों ने मुंह बनाया और मुड़ गए।
उनकी पीठ उसकी तरफ थी और वे सोच रहे थे, ‘कितना बेकार!’ उसे कोई फर्क नहीं पड़ा। वह खुश था।
के बारे में

उसे सौंपे गए कर्तव्य की संभावना उसे सता रही थी। लेकिन अब, जब वह पेड़ों की छाँव में तेज़ी से चल रहा था, धूप से बचते हुए, जो उसकी कोमल त्वचा को चुभ रही थी, तो उसे राफेल का क्रोध धीरे-धीरे उमड़ता हुआ महसूस हो रहा था। राफेल निराश होगा और यह बात उसे और भी परेशान कर रही थी। राफेल प्रतिशोधी भी होगा, यह सोचकर ही उसे डर लग रहा था। राफेल ने उस पर भरोसा किया था और उसने उस भरोसे को तोड़ दिया था।
उसे लगा जैसे राफेल के मुंह से ये शब्द निकल रहे हों, “मुझे यशायाह या राउल को चुनना चाहिए था। मैंने इतने सारे लोगों में से साइफन को क्यों चुना?” उसे यकीन नहीं था कि ये शब्द सच थे, लेकिन इससे उसकी वास्तविकता कुछ हद तक छिप गई।
उसने ऊपर से नीचे तक उस ज़मीन को देखा जहाँ जगह-जगह घास दबी हुई थी।
फिर से गीली मिट्टी। उसके मन में एक ही बात थी। उसने कैस्पर की मदद करने का फैसला किया था।
सुकरात ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह जानता था कि यह आवश्यक है। वह अपनी बात साबित भी करना चाहता था।
राफेल को अपनी क्षमताओं का एहसास कराना चाहता था। वह ऐसा नहीं चाहता था। वह साबित करना चाहता था कि वह
वह इस काम को पूरा करने के योग्य था, लेकिन प्यार एक ऐसी भावना है जो लंबे समय तक बनी रहती है और
भुलाया नहीं जा सकता।
दूसरी ओर, राफेल एक ऐसा व्यक्ति था जो ऐसी बातों से घृणा करता था, खासकर जब बात उसके कर्तव्यों की आती थी। शायद किसी दिन, वह समझ जाएगा। शायद किसी दिन, साइफन उसे यह साबित कर दे कि प्रेम को वश में नहीं किया जा सकता।
उसे पता था कि विवियन का जीवन एक दयनीय नरक बनने वाला है। दुर्भाग्य से, वह इसके बारे में कुछ खास नहीं कर सकता था। सुनहरे रंग की अजीब आँखों वाला घुंघराले बालों का लड़का, कैस्पर, उसके जीवन के परिणाम की परवाह नहीं करता था क्योंकि एक पैगंबर को इसी तरह जीना पड़ता है। उसने अपने विकल्पों पर विचार किया, लेकिन कुछ समझ में नहीं आया। वह जानता था कि उसे बचाना अत्यंत आवश्यक है।
साइफन को जल्द ही वह घर दिखाई दिया। वह एक छोटी सी झोपड़ी जैसा था।
सबसे ऊपर एक चिमनी थी। उसके पीछे विलो के पेड़ों की एक कतार थी। चारागाह

□□□□□ □□

चारों ओर हरियाली थी। पास ही फूल खिले हुए थे और तितलियाँ चहचहा रही थीं। उसके कानों में उन सभी सुंदर ध्वनियों की गूंज थी जो पूरे क्षेत्र में सुनाई दे रही थीं।
उसने हार्वर्ड की ओर देखा, जो धुंधले चश्मे और साधारण कपड़ों में बिखरा हुआ सा लग रहा था। फिर उसने कैपरनम को देखा, जो झुर्रीदार त्वचा में सुरुचिपूर्ण लेकिन बूढ़ा प्रतीत हो रहा था। दोनों के व्यक्तित्व इतने भिन्न थे और वे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से आए थे, फिर भी वे एक ही शक्ति को रोकने के लिए एकजुट हुए थे।
“मुझे नहीं पता कि मेटैट्रॉन का हमारे प्रति क्या व्यवहार होगा,” साइफन ने कहा। उसने हार्वर्ड की ओर देखा। “उसे रोएँदार जानवर पसंद नहीं हैं, बुरा मत मानना, और उसे राक्षस तो बिलकुल भी पसंद नहीं हैं।”
कैपरनम झोपड़ी को ध्यान से देखने के लिए आगे बढ़ा। चारों ओर सन्नाटा पसरा हुआ था और शहर से इतनी दूर होने के कारण ऐसा लग रहा था मानो वहाँ कोई चहल-पहल ही न हो। एक पल के लिए, वह यहाँ रुकना चाहता था, अपनी सारी चिंताओं से मुक्त होकर। उसने साइफन का जायजा लिया। "उसे हमारी मदद करनी ही होगी," उसने जवाब दिया। "वरना अरबों लोगों का खून उसके हाथों पर होगा।"
“वह पृथ्वी पर क्या कर रहा है?” हार्वर्ड ने उनके पीछे-पीछे चलते हुए पूछा। “कुछ ग्रंथों के अनुसार, महादूतों को मनुष्यों में कोई खास रुचि नहीं थी और उन्होंने उनकी मदद केवल इसलिए की क्योंकि उनके पिता ने उन्हें ऐसा करने के लिए कहा था।”
“मेटैट्रॉन यहाँ सुकून पाने आया था। कहा जाता है कि पृथ्वी पर रहते हुए उसे सृष्टि के बारे में लिखना आसान लगता था।” साइफन ने समझाया। “यह बहुत मज़ेदार है, क्योंकि कुछ ही साल पहले मैं एक ऐसा फ़रिश्ता था जिसे सब कुछ पता था और जो कक्षा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा था।” हार्वर्ड खिलखिलाकर हँसा। "क्या वहाँ ऊपर कोई क्लास है?"
कैपरनम उस खुलेआम कही गई बात को समझ नहीं पाया। वह घूरता रहा।
जैसे ही वे झोपड़ी के करीब पहुँचे, उन्होंने कहा, "साइफन, तुम्हें दरवाजे पर दस्तक देनी चाहिए।"
दरवाजा।

साइफन पास आया और दरवाज़े पर दस्तक दी, अपनी हल्की मुट्ठी से लकड़ी के दरवाज़े पर ज़ोर से धमाका किया। किसी ने जवाब नहीं दिया। दरवाज़ा अचानक खुल गया, जिससे वे चौंक गए। सृष्टि के ग्रंथ के लेखक मेटैट्रॉन उनके सामने खड़े थे, उन्होंने एक लाल हवाईयन कमीज़ पहनी हुई थी जिस पर नावों के चित्र बने थे, साथ ही बरमूडा शॉर्ट्स और रेतीली चप्पलें भी पहनी थीं। उनके हाथ में एक गिलास था, जिसे उन्होंने तीनों अनजान आगंतुकों को देखते ही गटक लिया।
"क्या आप पिज्जा की दुकान से हैं?" उसने बेपरवाही से पूछा और उनके अगले कदम का इंतजार करने लगा।

***

“आप मुझे कहाँ ले जा रहे हैं, पिताजी?” बच्चे ने पूछा।
उसके पिता ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने बच्चे का हाथ थाम रखा और उसे नीचे खींच लिया।
उसके कमरे की ओर जाने वाला गलियारा। सन्नाटे ने बच्चे को थोड़ा बेचैन कर दिया।
पिता ने दरवाजा बंद किया और तुरंत संदूक की ओर चल दिए।
दराजों का।
“मैं चाहता हूँ कि तुम्हारे पास कुछ हो। कुछ ऐसा जिसे तुम लंबे समय तक याद रखो,” उन्होंने कहा। उन्होंने अलमारी से एक वस्तु निकाली और बच्चे को दे दी।
अपने छोटे हाथों से लड़का किताब को पलटकर देखने लगा, एक पृष्ठ की जांच कर रहा था।
दूसरे को ढकने के लिए। यह आयताकार, छोटा और चमकीले लाल रंग का था। "यह क्या है?"
यह?” उसने पूछा।

"यह एक पॉकेट डायरी है, एक निजी डायरी।"

लड़के ने frowning करते हुए पूछा, "मैं इसका क्या करूँ?"

“यह आपको अपनी निजी भावनाओं के बारे में लिखने में मदद करता है। आप इसे सहेज कर रख सकते हैं।
उन चीजों का रिकॉर्ड रखें जो भविष्य में आपके काम आएंगी। मैं आपको यह दे रहा हूं।
बेटा, क्योंकि यह महत्वपूर्ण है। एक दिन तुम इसकी सुंदरता को समझोगे। लेकिन जब तक वह दिन नहीं आता, आपको मुझसे वादा करना होगा कि आप इसे बहुत ही महत्वपूर्ण मानेंगे।
सावधानी से।"
"ठीक है, पिताजी।"
ज़ाहिर है, बच्चा डायरी के बदले कोई बढ़िया सा एक्शन फिगर लेना चाहता था, लेकिन जब उसे पता चला कि यह किताब उसके पिता के लिए महत्वपूर्ण है, तो उसने इसे अपने पास रखना ज़रूरी समझा। उसने अपने पिता को कसकर गले लगाया और फिर पीछे हट गया।
उसके पिता ने धीरे से उसके सिर पर हाथ फेरा। “बेटा, तुम खास हो। पता नहीं कैसे, लेकिन तुम खास हो। एक दिन तुम ब्रह्मांड का भाग्य बदल दोगे।” वे थोड़ी देर रुके। “देखो, जो कुछ भी तुम जानते हो और अनुभव किया है, वह सब समाप्त हो जाएगा। उस समय तुम्हें एक निर्णय लेना होगा। एक ऐसा महत्वपूर्ण निर्णय जो तुम्हारे लिए सब कुछ बदल देगा। वह निर्णय यह होगा कि तुम सब कुछ समाप्त करने वाले बनोगे या सब कुछ बचाने वाले।”

***

कैस्पर की आँखें खुलीं। आइवी और बाल्थाज़ार उसे संदेह भरी नज़रों से घूर रहे थे, जिससे उसने उनकी नज़रें हटाकर धुंध भरी सुबह की ओर देखा। आइवी स्थानीय शेरिफ के पास होप मोरेट्ज़ या उससे मिलते-जुलते नाम वाले किसी व्यक्ति के बारे में पूछने गई थी। शेरिफ, जिसे लगा कि आइवी होप की पुरानी दोस्त है, ने रजिस्टर में खोजबीन की और उस नाम का एक व्यक्ति मिल गया। तीनों उस घर की ओर बढ़े जो अब उनके सामने खड़ा था और ठीक उसके सामने वाले घर के सामने था। दोनों घर इतने मिलते-जुलते थे मानो जुड़वाँ हों। कैस्पर ने धीरे से दरवाज़े पर दस्तक दी। दरवाज़ा खुल गया और घनी दाढ़ी वाला एक

[illegible] [illegible] [illegible] [

घर अस्त-व्यस्त था, मानो वहाँ कोई महिला रहती ही न हो। बर्तन गंदे थे और एक-दूसरे पर ढेर लगे हुए थे। नल खुला हुआ था और कालीन पर तरह-तरह के खाने के दाग लगे हुए थे। कमरे में पेट्रोल की गंध भी आ रही थी। सोफे पर बैठते ही धूल के छोटे-छोटे गुबार हवा में उड़ने लगे।
“आशा! नीचे आओ,” उसके पिता ने कहा।
आदेश दिया। "नहीं!" उसने पलटकर जवाब दिया।
“आपके दोस्त हैं
यहां।" "मेरे पास नहीं है"
कोई दोस्त? बस
नीचे आओ।"
कोई जवाब नहीं आया। उसके पिता ने खुद को शांत रखने की कोशिश की और उन दोनों को देखकर हल्की सी मुस्कान दी। “मुझे खेद है। वह पिछले कुछ दिनों से चुपचाप बैठी है।”
“अगर वह नीचे नहीं आना चाहती, तो हम ऊपर चले जाएंगे,” कैस्पर ने जवाब दिया। वे सीढ़ियों से ऊपर गए और उसके लिए दरवाजा खोला।
बेडरूम से
एक नीरस कमरा मिला जिसकी दीवारों पर पोस्टर लटके हुए थे, खिड़कियां टूटी- फूटी थीं, छत का पंखा बिना कोई खास फर्क डाले इधर-उधर घूम रहा था, और फर्श पर ढेरों किताबें बिखरी पड़ी थीं।
एक लड़की अपने बिस्तर पर बैठी खुद से या किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रही थी जिसे केवल वही देख सकती थी। जब उसे एहसास हुआ कि कोई उसके कमरे में आया है, तो वह खड़ी हो गई और अपने चेहरे के भावों को संवारते हुए बोली, "तुम कौन हो?"
“मैं कैस्पर सोक्रेट्स हूँ और यह आइवी डेमेट्रियस है।” कैस्पर ने अपना उसने हाथ आगे बढ़ाया, लेकिन उसने हाथ नहीं लिया। उसने हाथ पीछे खींच लिया और कहा, "हमें..."
आप से बात।"

“आप लोग कौन हैं? आप यहाँ क्यों आए हैं?”
जब वह बोल रही थी, कैस्पर ने अपने आसपास के माहौल का जायजा लिया और ध्यान दिया कि वह

□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□ "□□ □□□□□□ □□? □□ □□□ □□?"
□□ □□□ □□ □□□ □□□?"

“क्या आप मनोरोग अस्पताल से हैं? मैंने आपसे कहा था, मैं पागल नहीं हूँ!” उसकी आवाज़ लगभग चीखने जैसी हो गई। “मैं आप लोगों के साथ नहीं जाऊँगी।” “हम यहाँ से नहीं हैं... एक मिनट रुको...” कैस्पर ने उसके बिस्तर के बगल में चमकते एक बिंदु को घूरकर देखा, मानो वहाँ कोई अदृश्य व्यक्ति खड़ा हो। चमक थोड़ी सी हिली। “यह कौन है?” उसने पूछा और अपनी छड़ी तैयार की। “अपना परिचय दो!”

छोटी बत्तियाँ टिमटिमा रही थीं।

"तुमने इसे कैसे देखा?" होप ने अविश्वास से पूछा।
"क्योंकि मैं उसे ढूंढ रहा था," कैस्पर ने कहा और उस हल्की सी चमक को ध्यान से देखा, जो बिल्कुल भी नहीं हिल रही थी।
“मुझे लगा कि उसे सिर्फ मैं ही देख सकता हूँ।” कैस्पर ने मुँह बनाया। “खैर, आप इस मामले में बिल्कुल गलत हैं।”
चेहरे पर स्नेहपूर्ण भाव लिए आइवी ने पूछा, "क्या इसी वजह से आपको लगा कि हम किसी मनोरोग अस्पताल से हैं?"
“मैं चाहती थी कि लोग मुझ पर विश्वास करें। लेकिन कोई नहीं करता था। मेरे पिताजी मुझे कई जगहों पर ले गए थे।
मैंने अपनी मतिभ्रम की समस्या का इलाज खोजने की उम्मीद में कई डॉक्टरों से परामर्श लिया।
मैं मनोचिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों के पास तब तक जाता रहा जब तक मैं तंग नहीं आ गया। मैं इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकता था।
मुझे लगने लगा था कि मैं पागल हो गया हूँ, जब तक कि तुमने मेरे इस विश्वास की पुष्टि नहीं कर दी। तुमने इसे इस तरह देखा।
"अच्छा।" उसने कैस्पर की ओर देखा, जो अभी भी उस अज्ञात सत्ता को समझने की कोशिश कर रहा था।
करने की कोशिश कर रहा था।

“वैसे यह क्या है?” आइवी ने पूछा।
“यह किसी मृत व्यक्ति की परछाई जैसा है, जो उस व्यक्ति के बहुत करीब है और केवल वही व्यक्ति इसे पूरी तरह देख सकता है। दूसरों को यह बस चमकती हुई

रोशनी दिखती है, जिसे वे पल भर के लिए अपनी आंखों के कोने से देख पाते हैं। यही कारण है कि होप उस व्यक्ति को स्पष्ट रूप से देख सकती है, लेकिन मैं नहीं। मैं अभी बस परी जैसी चमक और झिलमिलाहट देख रही हूँ। हालांकि, अगर आप इसे ध्यान से नहीं देखेंगे या इस परछाई को खोजने के लिए अपना ध्यान केंद्रित नहीं करेंगे, तो आप इसे नहीं देख पाएंगे। मनोचिकित्सकों और होप के पिता ने उसकी बात पर विश्वास नहीं किया और एक पल के लिए भी नहीं सोचा कि वह सच कह रही है। मुझे शक तब हुआ जब मैंने उसे खुद से बात करते हुए देखा और इसलिए मैंने अपने दिमाग को इसके लिए तैयार किया और उसे तुरंत देख लिया।” “अरे! अब तो मुझे भी दिख रहा है!” आइवी ने हैरानी से कहा। “अगर यह किसी मृत व्यक्ति का भूत है, जिसे होप जानती थी, तो क्या वह तुम्हारा कोई रिश्तेदार या चचेरा भाई/बहन है?”
“नहीं, उससे भी बुरा। मुझे लगा कि मैं गलत थी, मुझे लगा कि यह सच नहीं था जब तक कि उसने मुझे अपनी उन शानदार कहानियों के बारे में बताकर यकीन नहीं दिलाया,” उसने कहा।

तो फिर वह कौन है?
कैस्पर को सच्चाई का अहसास हुआ और उसका दिल धीरे-धीरे धड़कने लगा। होप ने अपने होंठ खोले और वो शब्द कहे जो कैस्पर सुनना चाहता था।
"इस धरती पर अब तक के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति - राजा सोलोमन।"

***

साइफन ने कभी सोचा भी नहीं था कि मेटाट्रॉन एक स्टाइलिश, हवाईयन सर्फ़बोर्डर जैसा दिखेगा, जिसके बाल भूरे और आँखें सुनहरी और आकर्षक होंगी। उसके मन में तो यही धारणा थी कि वह लियोनार्डो दा विंची की तरह दिखने वाला एक सुस्त, दाढ़ी वाला आदमी होगा, जो रंगीन वस्त्र पहने होगा और अपने बालों में कलम लगाए होगा जिससे वह अपने लेख लिखता होगा, लेकिन उसकी यह धारणा गलत थी।
कैपरनम को घूरते हुए मेटाट्रॉन की आँखें ठंडी पड़ गईं। ऐसा लग रहा था मानो वे अभी-अभी मिले हों, फिर भी मेटाट्रॉन कैपरनम को बहुत अच्छी तरह जानता हो।

"एक दानव? और एक भेड़िया-भेड़िया एक देवदूत के साथ... यह तो वाकई एक असामान्य समूह है।"

“हम यहां एक महत्वपूर्ण मामले के सिलसिले में आए हैं, महोदय। हमें आपसे बात करनी है,” साइफन ने कहा।

कहा।
मेटैट्रॉन की जीवनशैली भले ही सामान्य थी, लेकिन उसमें एक विशिष्ट प्रकार का अहंकार झलकता था। उसका चेहरा भावहीन था और उसकी आवाज़ इतनी कठोर थी कि साइफन लगभग चौंक ही गया।
“मैं अपने घर में कोई प्रोटोजोआ या यहाँ तक कि कोई बड़ा सा रोएँदार जीव भी नहीं चाहता। लेकिन तुम अंदर आ सकते हो।” उसने साइफन को सिर हिलाकर इशारा किया।
साइफन अंदर आया और बाहर खड़े बाकी लोगों को दिलासा देते हुए कहा कि वे चिंता न करें। मेटैट्रॉन के घर में प्रवेश करते ही उसे एक गर्म जगह मिली। सोफे के बगल में एक मेज पर लैपटॉप रखा था, जिस पर एक वर्ड डॉक्यूमेंट खुला हुआ था।
“तुम क्या टाइप कर रहे हो?” साइफन ने पूछा।

“मैं मेटैट्रॉन हूँ, नौजवान। मैं सृष्टि की रचना को रिकॉर्ड कर रहा हूँ।” उसका यह कबूलनामा अप्रत्याशित था। साइफन ने इस बात पर ध्यान ही नहीं दिया था कि सृष्टि का ग्रंथ वास्तव में एक लंबी, मोटी पांडुलिपि के बजाय लैपटॉप पर लिखा जा रहा था। वह समझ नहीं पा रहा था कि आधुनिकीकरण न केवल मनुष्य तक पहुंचा है, बल्कि स्वर्गदूतों और राक्षसों तक भी पहुंच गया है। उसने कई राक्षसों को सेलफोन, पेजर, आईफोन, आईपैड आदि का इस्तेमाल करते देखा था। यह कल्पना करना मुश्किल था और कभी-कभी उसे हंसी के दौरे पड़ जाते थे। मेटैट्रॉन गंभीर था। उसका चेहरा लंबा था, नाक थोड़ी झुकी हुई थी। वह खड़ा हुआ और बोला, "मुझे तुम्हारी संगत पसंद नहीं है, नौजवान।"
मैं उनके साथ इसलिए हूं क्योंकि मुझे उनकी जरूरत है।
उसने यह नहीं पूछा कि वह ज़रूरत क्या थी, हालाँकि साइफन के चेहरे के हाव-भाव देखकर उसे मज़ा आ रहा था। साइफन को किसी तरह यह पता था कि मेटैट्रॉन को

ये तीव्र भावनाएँ आश्चर्यचकित कर देती हैं, क्योंकि ये केवल कुछ ही स्वर्गदूतों में देखी जाती हैं। स्वर्गदूत कभी भी अपने भीतर पनप रही भावनाओं को प्रकट नहीं करते, यहाँ तक कि जब वे अपनी देह धारण करते हैं तब भी नहीं। वे हमेशा दृढ़ और प्लास्टिक जैसे बने रहते हैं।

“आपका नाम क्या है?” मेटाट्रॉन
पूछा। "साइफन।"
"तुम हो
एक...?” “एक
प्रभुत्व।"
“डोमिनियन तो बिल्कुल ही घटिया दर्जे के फरिश्ते हैं। हे नौजवान, तुम धरती पर कौन सा कर्तव्य निभा रहे हो?”
मुझे प्रधान देवदूत राफेल की ओर से रक्षा करने के लिए भेजा गया है। पैगंबर।" "इतने छोटे से व्यक्ति को इतना बड़ा काम सौंपा गया था..." उसने काम पूरा नहीं किया।
वाक्य और
इसके बजाय उसने साइफन को ठंडी मुस्कान दी। “तुम प्रतिभाशाली हो सकते हो। राफेल निर्दयी और अग्रणी है। वह इस तरह के काम के लिए किसी डोमिनियन को नहीं चुनेगा। दिलचस्प। बताओ, तुम यहाँ क्यों हो?”
आपने शायद इसके उदय के बारे में सुना होगा
ल्यूसिफर?” मेटाट्रॉन चौंक गया। “कुछ बोलो।”
नया।"
साइफन ने खुद को संभालने की कोशिश की। मेटाट्रॉन बहुत तेज़ और तीखे अंदाज़ में जवाब दे रहा था, और उसकी ठंडी निगाहें उस पर टिकी हुई थीं, जिससे उसके लिए सही शब्द चुनना मुश्किल हो रहा था। उसके हाथ कांप रहे थे, इसलिए उसने उन्हें जैकेट की जेबों में डाल लिया और चल रही बातचीत को समझने की कोशिश करने लगा।
“अह...तो...ल्यूसिफर को हराने के लिए हमें पवित्र तलवार की आवश्यकता है ताकि हम उसे मार सकें।”

यह।"
“तुम्हें पता है, मूर्ख लड़के, कि लूसिफर को मारा नहीं जा सकता। न ही हम उसे मार सकते हैं। वह एक प्रधान देवदूत था। प्रधान देवदूतों को मारा नहीं जा सकता, माइकल की तलवार से भी नहीं।”
“लेकिन वह घायल हो सकता है, जिसका मतलब है कि हम उसे फंसा सकते हैं। मैंने सुना है, जैसे-जैसे आत्माओं की भूमि के बारे में कहानियां प्रचलित हुई

हैं। माइकल ने तलवार की मदद से पिंजरा खोला था, इसलिए अगर हमारे पास तलवार है, तो हम पिंजरा खोलकर उसे नीचे फेंक सकते हैं, इस बार कोई भी अधूरी बात नहीं रहेगी।”

उसने अपनी बांहें छाती पर बांध लीं। “तो तुम लोग यह कह रहे हो कि तलवार हासिल करके तुम लोग नरक का द्वार खोलकर उसे उसमें फेंक दोगे? तलवार कौन चला सकता है? माइकल तो खड़ा होने के लिए भी बहुत कमजोर है और लूसिफर तो बहुत शक्तिशाली है।”

"सोलोमन का वंशज ही इसका उपयोग कर सकता है।"

"अगर आपको सब कुछ समझ आ गया है तो आप यहां क्यों हैं?"
“हमें पवित्र तलवार का स्थान जानना है,” साइफन ने कहा। “और यह जानकारी केवल सृष्टि के ग्रंथ में ही है।”
मेटाट्रॉन ने आह भरी। “तलवार एक पवित्र स्थान पर छिपी है। एक ऐसा स्थान जहाँ जाना असंभव है, उसके बारे में सोचना भी नामुमकिन है। मैं तुम्हें इस तरह की जानकारी क्यों देना चाहूँगा?”
क्योंकि पृथ्वी खतरे में है।
“तो!” उसकी आँखें आग की तरह चमक उठीं। “ल्यूसिफर का आना तय है। वह हार नहीं सकता, इस बार तो बिल्कुल नहीं। अब हमारे पास माइकल नहीं है। माइकल व्यवस्था था। ल्यूसिफर अराजकता था। व्यवस्था अराजकता से लड़ती है। लेकिन अब, हमारे पास व्यवस्था नहीं है। हमारे पास सिर्फ अराजकता है। जो होना तय है उसे टालने से बेहतर है कि उम्मीद छोड़ दी जाए।”
“आप ऐसा क्यों कह रहे हैं? आप तो महादूत हैं! आप हमारी मदद कर सकते हैं। आप पृथ्वी की मदद कर सकते हैं। क्या आपको लगता है कि आप पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा?”
मैं ठीक हो जाऊँगा। मैं ठीक रहूँगा। तुम जो हासिल करने की कोशिश कर रहे हो, वह महज़ कल्पना है। तुम अपनी इस शानदार खोज को कभी पूरा नहीं कर पाओगे, चाहे मैं तुम्हें जगह ही क्यों न बता दूँ।
“जब तक आप कोशिश नहीं करेंगे, तब तक आप परिणाम का अनुमान नहीं लगा सकते। अगर हमें हारना ही है, तो ऐसा ही सही। कम से कम हमने कोशिश तो की, तुम्हारे विपरीत, जो अनंत यातना की प्रतीक्षा कर रहे हो। लेकिन मैं यहाँ खड़ा हूँ। मुझे अभी किसी और चीज़ की परवाह नहीं है, क्योंकि जैसा कि मैं जानता हूँ, मैंने पृथ्वी को देखा है। वे लालची हो सकते हैं। वे दिखावा कर सकते हैं, लेकिन उनमें एक बात है। वे एकजुट हैं और यही मैंने उनसे सीखा है।”

“आप अपनी मृत्यु का इंतज़ार कर सकते हैं या हमारी मदद कर सकते हैं। क्या आप वो इंसान बनना चाहते हैं जो दुख में पछताए और सोचे, ‘काश, मैंने उस फ़रिश्ते को जगह बता दी होती तो शायद सब ठीक हो जाता?’ क्या आप बाद में पछताना चाहते हैं? क्योंकि हो सकता है कि आप यही करें। अब सब कुछ – व्यवस्था और अव्यवस्था का संतुलन – आपके कंधों पर है। अगर आप हमें बताएँगे, तो लोग आपका सम्मान करेंगे, लेकिन अगर नहीं बताएँगे, तो वे आप पर थूकेंगे।”
मेटैट्रॉन ने सिर हिलाते हुए कहा, "नहीं। लूसिफ़र के उदय के बाद स्वर्ग अब अस्थिर हो गया है। फ़रिश्ते डर गए हैं। जो कुछ वर्षों पहले हुआ था, वही फिर से हो रहा है। हर कोई माइकल और लूसिफ़र के बीच किसी एक का पक्ष चुन रहा है।" “आपने कौन सा पक्ष चुना है?” साइफन ने पूछा।
मेटैट्रॉन ने पलकें झपकाईं। सारा अहंकार और क्रोध गायब हो गया था। अब वह बिल्कुल भावहीन था, मानो यह सोचने की कोशिश कर रहा हो कि वह इस स्थिति से कैसे बच निकले और किसी गड्ढे में छिप जाए जहाँ उसे आज़ादी मिल सके। हालांकि, यह महज़ एक कोरी कल्पना थी।
साइफन समझ गया कि मेटाट्रॉन उलझन में है। उसने भाषण दिया था और उसे खुद भी नहीं पता था कि वह कैसा लगा। मेटाट्रॉन उससे कहीं अधिक उम्र का था; कम से कम हजारों साल पुराना। फिर भी, डोमिनियन के सामने वह बहुत छोटा दिख रहा था। वह कमजोर और काफी बूढ़ा लग रहा था। उसके चेहरे पर झुर्रियों और निशानों के निशान साफ दिख रहे थे, जो उसकी वृद्धावस्था के संकेत थे। समय वाकई इंसान के जीवन पर निशान छोड़ जाता है।
“यह अंगूठी है।”
"आप क्या करते हैं
अर्थ?"
“सोलोमन की अंगूठी, जिससे वह सभी जिन्नों और परियों को वश में करता था। आत्माओं की भूमि के बाद, माइकल ने सोलोमन को दूसरा धारक बनने की शक्ति प्रदान की। सोलोमन ने उस तलवार को अपनी अंगूठी का हिस्सा बना लिया ताकि वह सबसे छिपी रहे। अंगूठी ही तलवार है। तलवार ही अंगूठी है।”

"मैंने ऐसा कभी नहीं सुना।"

"क्योंकि, बच्चे, यह पवित्र और गोपनीय था।"
साइफन की मुस्कान और चौड़ी हो गई। "धन्यवाद। मुझे बताने के लिए धन्यवाद।" मेटाट्रॉन ने सिर हिलाया। "आपने हमारी मदद क्यों की?"
“मैंने ये उन अरबों निर्दोष लोगों के लिए किया जिन्हें पता ही नहीं कि उनके आसपास क्या हो रहा है।” मेटाट्रॉन मुस्कुराया। उसकी मुस्कान साइफन की मुस्कान जितनी गर्मजोशी भरी तो नहीं थी, लेकिन उतनी ही मार्मिक थी। दरवाजा खुला। कैपरनम और हार्वर्ड जमीन पर गिर पड़े। उनके पीछे दरवाजे पर एक आदमी खड़ा था। वह अफ्रीकी-अमेरिकी मूल का था, उसकी आंखें कोयले जैसी काली थीं और चेहरे पर एक घातक मुस्कान थी। ऐसा लग रहा था मानो वह अजनबी उन्हें देखकर बहुत खुश हुआ हो।
“ओह, मुझे लगता है यहाँ पार्टी चल रही है। और आपने मुझे आमंत्रित नहीं किया। यह बहुत बुरा हुआ। मुझे दुख हुआ,” उसने जवाब दिया।
साइफन ने उस आवाज़ को पहचान लिया। भले ही उसने अपने सामान्य रूप से अलग रूप धारण किया हुआ था, फिर भी वह अपनी आत्मा और हृदय से उस व्यक्ति को पहचान गया। उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा और उसकी नसें तन गईं। उसकी मुट्ठियाँ कस गईं और हथेलियों से पसीना टपकने लगा। वह अच्छी तरह जानता था कि उसके सामने कौन खड़ा है।
“राफेल!” साइफन ने इतनी धीमी आवाज़ में नाम लिया कि उसे मुश्किल से ही सुना जा सका।

***

कैस्पर को यकीन नहीं हो रहा था। उसके सामने खड़े होकर, उसका कद-काठी तो मानो उसे हैरान कर देने वाला था।
धुंधली छवि में राजा सोलोमन थे। वह हमेशा से सोलोमन की बुद्धिमत्ता की प्रशंसा करते आए थे।
उसकी शक्ति। उसने एक विशेष यंत्र का उपयोग करके छोटे जिन्नों को फंसाने की कला सीख ली थी।
अंगूठी बनी

यह अंगूठी स्वयं सुलेमान से प्रेरित होकर एक जिन्न की खाल से बनाई गई थी। फिर भी, वह अंगूठी सुलेमान की अंगूठी का मुकाबला नहीं कर सकी, जो एक ऐसी मुहरबंद अंगूठी थी जिसमें ओबेरॉन को छोड़कर हर परी और हर जिन्न को वश में करने की शक्ति थी। फिलहाल, वह अंगूठी समय के साथ खो गई है और उसे नंगी आंखों से कभी नहीं देखा जा सकता।
वह प्रेत कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था। वह बस वहीं खड़ा रहा। कैस्पर ने सोचा कि
शायद सुलेमान डरा हुआ था या वह इतना अनुकूल रवैया नहीं दिखा रहा था। नवागंतुक की ओर। वह प्रेत धीरे-धीरे झिलमिलाता हुआ तब तक गायब होता रहा। धुएं का एक झोंका।

"वह कहां गया है?"
“जो आपने देखा वो मेरे अवचेतन मन का हिस्सा है। वो महज़ एक कल्पना थी। मैं उसे सिर्फ़ सपनों में या डर या तनाव की स्थिति में ही देखती हूँ।”
“हम उसे फिर कभी नहीं देखेंगे,” कैस्पर ने सोचा।
“नहीं। खैर, यही बात है। उसे सिर्फ मैं ही देख सकती हूँ।” होप ने खुद को धक्का देकर दूर कर लिया।
वह अपने बिस्तर से उठी, अपने छोटे से शरीर को पजामा में दिखा रही थी जिस पर टेडी बियर बना हुआ था।
उस पर भालू छपे हुए हैं। "उफ़, क्या आपको अंदाज़ा है कि यह कितना निराशाजनक है? कोई नहीं।"
आप पर विश्वास नहीं हो रहा। ऐसे संकट में कोई आपका साथ नहीं दे रहा। कोई कोशिश भी नहीं कर रहा।
मैं आपकी समस्या को समझता हूँ।
वह खिड़की के पास गई और बाहर देखने लगी, तभी गर्म हवा का एक झोंका उसके पास से गुजरा। “मेरी पढ़ाई में इतनी गिरावट आई कि मैं पागल हो गई। जिस इंसान से मैं प्यार करती थी, उसने मुझे छोड़ दिया क्योंकि उसे लगा कि मैं पागल हो गई हूँ। मेरी माँ का निधन हो गया। खैर, मेरी वजह से तो नहीं, लेकिन फिर भी, यह एक त्रासदी है। मुझे एक ऐसे व्यक्ति के दर्शन होने लगे जिसका जिक्र बाइबिल में है, एक ऐसी किताब जिसमें मैं विश्वास नहीं करती।”

उसके आखिरी शब्दों को सुनकर कैस्पर स्तब्ध रह गया। "क्या तुम बाइबल में विश्वास नहीं करते? क्या तुम ईसाई नहीं हो?"
मैं प्रोटेस्टेंट हूँ, लेकिन धार्मिक अनुष्ठानों का पालन नहीं करता। जिस दिन सब कुछ हुआ, उसी दिन से मेरा ईश्वर में विश्वास उठ गया।
सब कुछ मुझ पर आ गिरा। उस क्षण मुझे पता चला कि कोई ईश्वर नहीं है और वहाँ

शायद कभी नहीं होगा। वह तो बस एक छोटी जनजाति के देवता थे, जिनकी पूजा- अर्चना धीरे-धीरे विभिन्न स्थानों तक फैल गई।
आइवी ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "इसके लिए आप भगवान को दोष नहीं दे सकते।" “अगर भगवान होते तो मैं ज़रूर करता। अगर भगवान वहाँ होते, मुझे देख रहे होते, तो वे मेरी मदद करते। मुझे यकीन है कि भगवान का अस्तित्व नहीं है।” “यह तो कतई बेतुका है,” कैस्पर ने कहा। “हमें एक नियति दी गई है जिसे हमें पूरा करना है। हर किसी की एक नियति होती है। बस आपको पता नहीं होता कि वह क्या है।”
“मुझे बताओ, क्या तुमने उसे कभी देखा है?”
पूछा, “कौन?”
"ईश्वर।"
“नहीं, बिलकुल नहीं,” कैस्पर ने कहा।
जवाब दिया, "तुम्हें कैसे पता?"
तो क्या वो वहाँ है?
“क्योंकि...क्योंकि…” कैस्पर हकलाया। फिर भी उसका संकल्प और मजबूत हो गया। “विश्वास। मुझे विश्वास है।”
“तुमने अब तक जो कुछ भी किया है, क्या तुमने कभी सोचा है कि वह तुम्हारी मदद कर रहा है?”
तुम?” कैस्पर ने उसके शब्दों पर विचार किया। इस बीच, उसने माइकल के बारे में सुना था,
ल्यूसिफर, राफेल और अन्य स्वर्गदूत। उसने सबके बारे में सुना था, यहाँ तक कि मेटैट्रॉन के बारे में भी, लेकिन उसने कभी भी उनके मुँह से ईश्वर का नाम नहीं सुना था। यदि ईश्वर चाहते तो ल्यूसिफर पुनर्जीवित नहीं होता। वह आसानी से इसे रोक सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। यदि ईश्वर चाहते कि ल्यूसिफर मर जाए, तो वह आसानी से ऐसा कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उसका विश्वास, जो हमेशा उसके साथ रहा था, धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगा।
“क्या? क्या आपके पास इसका कोई जवाब है?”
कैस्पर के पास हर बात का कोई न कोई जवाब होता था। "तुम्हें सबसे ज़्यादा भरोसा किस पर है? अपने पिता पर?"

“नहीं। सोलोमन,”
होप ने कहा, "क्यों?"
क्या आप उस पर भरोसा करते हैं?
“क्योंकि मुझे लगता है कि वह जो कुछ भी कहता है, सच ही कहता है।” “आपको इतना यकीन कैसे है?”
क्योंकि मुझे उस पर भरोसा है।
“तो मूल रूप से, इसकी संभावना पचास-पचास प्रतिशत है। वह आपसे झूठ भी बोल सकता है,” उन्होंने बताया।
"लेकिन वह झूठ नहीं बोल रहा है," उसने पलटवार किया।
“तुम्हें तो इतना यकीन है। वो तुमसे झूठ बोल रहा है। वो सच कह रहा है। फिर भी तुम मान लेते हो कि वो सच कह रहा है, सिर्फ इसलिए कि तुमने...” उसने अपनी बात पर ज़ोर देने के लिए हाथ ऊपर उठाए।
“विश्वास,” उसने आश्चर्य से बुदबुदाते हुए कहा।
“हाँ। यही तो आस्था है, आशा। यही मेरे पास है। यही आइवी के पास है। हम सब आस्था रखते हैं। हमें उस पर भरोसा है कि वह अभी हमारी मदद कर रहा है। आप किताब का दूसरा पहलू देख रहे हैं। आप देख रहे हैं और सोच रहे हैं कि उसका अस्तित्व नहीं है। लेकिन फिर, उसका अस्तित्व भी हो सकता है। हो भी सकता है और नहीं भी। यह बस इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने जीवन को किस नजरिए से देखते हैं।” कैस्पर अपनी छड़ी पर झुक गया। “अगर अब आपकी नास्तिक भावनाएँ काबू में हैं, तो हमें बात करनी होगी।”
शुरू में होप इतनी हैरान थी कि कुछ बोल नहीं पाई, लेकिन फिर उसने खुद को संभाला। "तुम मुझे क्या बताना चाहते हो?" उसने पूछा।
आइवी उसके बगल में बैठ गई। कैस्पर कभी भी सही तरीके से बात करने में अच्छा नहीं था।
इसलिए वह चुपचाप खड़ा रहा, जबकि अदृश्य बाल्थाजार उसके पास आता हुआ दिखाई दे रहा था।
वह कोने में सामान्य से कहीं ज्यादा जम्हाई ले रहा था और दोनों लड़कियों को घूर रहा था।
कैस्पर देख सकता था कि दोनों लड़कियां कितनी अलग थीं। फिर भी उनमें कुछ समानताएं थीं।
यह भी विचित्र है।

वे दोनों जवान थीं और दोनों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा था। उन्होंने अपने माता-पिता में से किसी एक को खो दिया था, और दोनों ही दुखी थीं। आइवी का शांत स्वभाव और उसकी कोमल त्वचा उसे धनुष-बाण के मैदान की याद दिलाती थी। होप भी उतनी ही खूबसूरत थी, उसके चमकीले नीले बाल, तीखी हल्की धूसर आँखें और घुमावदार जबड़ा था। उसकी त्वचा सांवली थी, आइवी की त्वचा के विपरीत, जो बर्फ की तरह सफेद थी।
होप बीच-बीच में हांफती और 'वाह' कहती। वह अपना सिर हिलाती, आइवी की किसी भी बात पर यकीन करने से इनकार करती। कभी-कभी वह सिर हिलाकर सोचती कि शायद आइवी सच कह रही है। आखिर में, उसने आह भरी और कैस्पर की तरफ चुपके से देखा, मानो अपनी नज़रों के इशारे से वह उससे कुछ कहना चाह रही हो, कुछ ऐसा जो उसे पता होना चाहिए। उसने आइवी की तरफ पीठ कर ली, जिसने उसके हाथ पर थपथपाते हुए उसे कपड़े पहनने को कहा।
कैस्पर बाल्थाजार को साथ लेकर होप के पिता की तलाश में कमरे से बाहर निकला। उसने बताया कि होप कुछ समय उनके साथ रहेगी। यह सुनकर होप के पिता खुशी से उछल पड़े क्योंकि होप कभी रात में बाहर नहीं जाती थी और हमेशा से ही समाज से कटी रहने वाली विद्रोही स्वभाव की थी। लेकिन अब सब कुछ बदल गया था।
होप के पिता ने उसे जाने दिया। बिना देर किए, वे उसे घर से छोड़कर चले गए। उन्हें दाऊद के घर तक पहुँचने में घंटों लग गए। दूर से, उन्हें एकांत में बसा समुद्र किनारे का घर दिखाई दिया, मानो वह अकेला हो और निराशा और उदासी से भरा हो।
होप आश्चर्यचकित थी। सुलेमान के अनुसार, दाऊद के घर में खंभे, फर्श, ग्रेनाइट के फर्श, लंबे सिंहासन, संगमरमर की मेजें और सुंदर झूमर थे। हालांकि, समुद्र तट पर बना यह घर पूरी तरह से अलग था, फिर भी यह अद्वितीय था और आसपास के अन्य घरों से बिलकुल भिन्न था।
बाल्थाजार प्रकट हुआ, जिससे होप पूरी तरह से चौंक गई।

"अरे बाप रे!" वह हांफते हुए बोली और लगभग लड़खड़ा गई, लेकिन कैस्पर के सहारे उसे सहारा मिल गया।

हथियार।

उसने अपनी बांह उसकी कमर के चारों ओर लपेट ली, और उसे अपने करीब खींचते हुए अपनी पकड़ मजबूत कर ली, उनके सीने लगभग छू रहे थे। उसने उसकी आँखों में देखा, उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसकी आँखों में क्या है। कैस्पर खुद थोड़ा उलझन में था। उसने उसे वापस अपने पैरों पर खड़ा किया। उसने तिरछी नज़र से देखा कि आइवी ने घृणा से अपना चेहरा सिकोड़ लिया।

“यह क्या है?” होप ने पूछा।
बाल्थाजार उसकी ओर मुड़ा। “मुझे वो पसंद नहीं है, कैस्पर। क्योंकि वो धरती पर अब तक के सबसे खूबसूरत गार्गोयल से ‘क्या’ कहती है?”
"मुझे लगता है कि हर गार्गोयल एक जैसा दिखता है।"
“ठीक है, लड़की, बस करो।” बाल्थाज़ार ने उसकी बात अनसुनी कर दी, जिससे बाल्थाज़ार को चिढ़ हुई। “उसकी क्या समस्या है?” होप ने धीरे से कैस्पर से पूछा।

"जब लोग उसकी...उम...खूबसूरती पर टिप्पणी करते हैं तो उसे अच्छा नहीं लगता।" होप मुस्कुराई। कैस्पर ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उसने आइवी को फिर देखा, जो अब उसकी तरफ नहीं देख रही थी, लेकिन किसी कारण से उसका चेहरा तनावग्रस्त था। वह घर के पास पहुँचा और दरवाज़ा खटखटाया। किसी ने जवाब नहीं दिया। उसने फिर खटखटाया। घर के अंदर से कोई आवाज़ नहीं आई। वह थोड़ा उलझन में अपने साथियों की तरफ देखने लगा। उनके चेहरे पर भी वही भाव थे जो उसके चेहरे पर थे। किसी को भी समझ नहीं आ रहा था कि आखिर क्या हो रहा है। उसने दरवाज़े की कुंडी घुमाई और दरवाज़ा खुल गया। उसके सामने एक लंबा, सुनसान गलियारा फैला हुआ था। उसने अपनी छड़ी को कसकर पकड़ रखा था और आगे बढ़ते हुए कॉमन रूम में दाखिल हुआ। फिब सोफे पर सो रहा था, उसके मुंह से लार टपक रही थी और वह ज़ोर-ज़ोर से खर्राटे ले रहा था। उसका चश्मा ज़मीन पर पड़ा था। कैस्पर ने अपनी छड़ी को ज़मीन पर ज़ोर से पटका। फिब उठा, उसकी आँखें धुंधली थीं और वह चारों ओर देखने लगा, यह समझने की कोशिश कर रहा था कि आखिर हुआ क्या था।
“हे दोस्तों।” उसने शरमाते हुए उन्हें हाथ हिलाकर अभिवादन किया। “कैसा चल रहा है?” “विवियन कहाँ है?”

"कौन?"

“पैगंबर, बेवकूफ! वो कहाँ है?”
कैस्पर घर के चारों ओर देखते हुए बेचैन हो गया। बाल्थाजार और आइवी ने भी पूरी कोशिश की। होप अपना बैग घसीटते हुए धीरे-धीरे अंदर चली गई और सोचने लगी कि आखिर चल क्या रहा है।
पूरे घर की तलाशी लेने के बाद, कैस्पर फिब के पास पहुँचा। उसे अब इस बात की परवाह नहीं थी कि फिब उसकी प्रशंसा करता है या वह उस तरह का बच्चा था जिसे हर कोई हमेशा तंग करता रहता था। उसे उसके डरपोक चेहरे, छोटे-छोटे मुँहासों, तैलीय बालों और बड़े चश्मे पर ज़रा भी दया नहीं आई।
उसने फिब का कॉलर पकड़ा और उसका गला दबाते हुए कहा, "तुम कितनी देर से सो रहे थे?"
“मैं – मैं – मुझे नहीं पता... मुझे याद नहीं,” फिब हकलाते हुए बोला, उसकी आँखों की पुतलियाँ पीली पड़ गईं।
विवियन कहाँ है?
“वह...मुझे नहीं पता। वह कुछ घंटे पहले इसी कमरे में थी और अब...उह...वह यहाँ नहीं है।”
कैस्पर ने उसे ज़मीन पर पटक दिया। सीने के बल गिरने पर वह उछला और उसका चश्मा कई मीटर दूर जा गिरा। उसकी नाक से खून बह रहा था और गले पर एक छोटा सा लाल निशान बन गया था। आइवी यह देखने के लिए उसके पास दौड़ी कि वह ठीक है या नहीं, लेकिन उसने पाया कि उसकी नाक टूट गई थी और वह बेहोश था।

“तुमने उसके साथ क्या किया है?” वह रोते हुए बोली।
“आइवी, हमारे सामने एक बड़ी समस्या है,” कैस्पर गुर्राया। “पैगंबर –
वो लापता है। धिक्कार है! वो लापता है। लुसिफर उसे किसी तरह ले गया होगा।

डे विल की खाई

साइफन को यकीन नहीं हो रहा था कि वह राफेल के सामने खड़ा है। राफेल इतना शांत और सौम्य लग रहा था, स्वर्ग में जिस व्यक्ति को वह जानता था, उससे बिलकुल अलग, जहाँ वह निर्दयी और हमेशा चिल्लाता रहता था। शायद नई त्वचा ने उसे किसी तरह बदल दिया था, जिससे वह कहीं अधिक शांत स्वभाव का हो गया था। राफेल के चलने पर उसका रेनकोट उसके पीछे फड़फड़ा रहा था।
सफेद सूट पहने दो देवदूत प्रकट हुए, उनके चेहरे भावहीन थे। वहीं राफेल मुस्कुरा रहा था। शायद इसलिए क्योंकि वह साइफन को घूर रहा था, जो उसके सामने बिल्कुल छोटा, लगभग एक नन्हे बच्चे जैसा लग रहा था। राफेल चार रक्त भाइयों में से एक था। उसकी आभा इतनी प्रबल और प्रभावशाली थी कि साइफन वहीं जड़वत खड़ा रह गया।
“तुमने मुझे निराश किया, साइफन,” राफेल ने मुस्कुराते हुए कहा। “तुमने ऐसा क्यों किया?”

वह?"

साइफन ने जवाब नहीं दिया।
“मुझे लगता है कि मुझे इसका जवाब दे देना चाहिए। आप प्यार में हैं।” राफेल का
आवाज में आत्मविश्वास था। उसने यह बात दूसरे प्रतिद्वंद्वी स्वर्गदूतों से जरूर सुनी होगी। उन्होंने उसे उसकी अवज्ञा और स्वर्गदूतों के नियमों के उल्लंघन के बारे में बताया होगा। "अब, एक स्वर्गदूत का एक दयनीय भविष्यवाणी पर विश्वास कर लेना - वाह, यह तो एक दिलचस्प कहानी है।"
कैपरनम ने जैसे ही हार्वर्ड ने अपने कोट से धूल झाड़ी, खुद को संभालकर खड़ा किया। वे साइफन के बगल में आकर खड़े हो गए।
“तुम एक दानव और एक भेड़िया के साथ काम कर रहे हो? यह तो उससे भी बदतर है।” "मर रहा है," राफेल ने लैपटॉप के पास जाते हुए और उस पर सरसरी नजर डालते हुए कहा।
मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि तुम्हें वह सबसे कठोर दंड मिले जो किसी भी देवदूत को कभी नहीं मिला हो।

प्राप्त हुआ।

साइफन का मुंह कसकर बंद हो गया। राफेल उसे जो सजा देगा, उसके ख्याल से ही वह भयभीत हो गया। उसके पैर सुन्न पड़ गए। हैरानी की बात यह थी कि वह लगभग ज़मीन पर गिर ही पड़ा।
“तुम यहाँ क्यों हो?” कैपरनम ने पूछा।
“इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है, राक्षस,” राफेल ने घमंडी लहजे में जवाब दिया। “है।” कफरनम मुस्कुराया। “तुम्हें मैं याद नहीं हूँ, है ना?” उसकी आवाज़ से ऐसा लग रहा था मानो वह राफेल को जानता हो। राफेल ने एक पल के लिए उसकी ओर देखा और समझने की कोशिश की कि क्या उसे उसमें किसी ऐसे व्यक्ति का अंश नज़र आ रहा है जिसे वह पहले जानता था। जब उसे वह मिल गया जिसकी उसे तलाश थी, तो उसका चेहरा शांत हो गया और वह मुस्कुराया। "आह, कफरनम! कितने दिनों बाद मिले!"
“तुम उसे कैसे जानते हो?” मेटाट्रॉन ने पूछा।
“उस समय हम अच्छे दोस्त थे,” राफेल ने जवाब दिया। “हमारा आपस में गहरा रिश्ता था। लेकिन तुमने सब कुछ बिगाड़ दिया और उसी वजह से तुम्हें भी इसके परिणाम भुगतने पड़े, जिस वजह से साइफन को भुगतने पड़े थे।”
"क्या तुम प्यार में थे?" साइफन और हार्वर्ड ने एक साथ पूछा।
कैपरनम को रूसी माफिया सरगना माना जा सकता है, लेकिन कभी भी
ऐसा व्यक्ति जो प्यार में पड़ जाता। वह बेहद आकर्षक और खतरनाक लग रहा था। उसी समय। उसके चेहरे पर ऐसा कोई भाव नहीं था जो यह बता सके कि
उन्होंने संकेत दिया कि वह अतीत में कभी प्रेम में रहा होगा। उसने उन्हें कुछ भी बताने से इनकार कर दिया।
और इसके बजाय वे अडिग रहे।

"हम यहां मेरे अतीत पर चर्चा करने के लिए नहीं हैं।"
“ओह, लेकिन हमें ऐसा करना चाहिए।” राफेल स्पष्ट रूप से
मजे कर रहे हैं। "तुम्हें कैसे पता चला कि हम यहाँ हैं?" हार्वर्ड ने पूछा।
"मेरे भाई ने मुझे बताया," राफेल ने कहा।
उसने ईमानदारी से जवाब दिया, "गैब्रियल?" हार्वर्ड
उकसाया।

मेटैट्रॉन के दिमाग में अचानक एक विचार आया। वह कुछ समय से चुप था। "नहीं, गेब्रियल नहीं। वो नहीं... ये तो लूसिफर है। राफेल, तुम लूसिफर के साथ काम कर रहे हो?" वह इस बात से हैरान था।
“तुम अपने काम से मतलब रखो। तुम युद्ध में शामिल नहीं हो। तुम कभी थे ही नहीं,” राफेल ने तीखे स्वर में कहा।
“तुमने शैतान का साथ क्यों दिया?”
“दुनिया ने उसे शैतान बना दिया। शैतान न होने से पहले, वह लुसिफर था। वह भोर का तारा था। वह ऐसा व्यक्ति था जिसकी मैं प्रशंसा करता था, एकमात्र भाई जिसे मैं अपना आदर्श मानता था। माइकल एक मोहरा था, एक सिपाही जो पिता की बात सुनता था और उनके आदेशों का पालन करता था, लेकिन लुसिफर का अपना दिमाग था। वह जानता था कि पृथ्वी हमारी है। जब मैंने लुसिफर का साथ दिया, तो किसी ने मेरी ओर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि मैं छोटा था। लेकिन अब, उसके पुनरुत्थान के बाद, वह मेरे पास आता है और मुझे अपने साथ शामिल होने के लिए कहता है और मैं हाँ कहने से खुद को रोक नहीं सका।”
“लेकिन आप तो एक फ़रिश्ता हैं!” हार्वर्ड आगे आया और पहली बार वह उस घबराए हुए, हकलाने वाले वैज्ञानिक की तरह नहीं लग रहा था जैसा वह पहले हुआ करता था। “आप उन सभी चीजों को नष्ट कर रहे हैं जिन्हें आपने इतने वर्षों से देखा है।”
“मुझे मॉर्निंगस्टार पर भरोसा है,” राफेल ने कहा।
“आप इस समय सही मानसिक स्थिति में नहीं हैं,” कैपरनम ने कहा।
बात बीच में ही रुक गई। “ल्यूसिफर बस अपने पिता से बदला ले रहा है। वह तुम्हारे रहने के लिए जगह नहीं बना रहा है।”
राफेल ने सिर हिलाया। “तुम मुझे अपना विचार बदलने के लिए मना सकते हो, लेकिन व्यर्थ। मुझे तुममें से किसी की परवाह नहीं है, न ही मेरे विचार बदलने की तुम्हारी किसी कोशिश की। अभी मैं तुम सबको मार डालूँगा। खैर, मेटैट्रॉन को छोड़कर, क्योंकि उसका इसमें कोई हाथ नहीं था और हमें मॉर्निंगस्टार और राफेल के महान इतिहास लिखने के लिए किसी की ज़रूरत है।” “मैं कभी भी तुम्हारा आदेश नहीं मानूंगा, गद्दार!” मेटाट्रॉन चिल्लाया।

“देखते हैं।” राफेल ने ठंडे अंदाज़ में मुस्कुराते हुए उससे कहा, “अब, उस लड़के से शुरू करते हैं। वह काफी समय से सिरदर्द बना हुआ है।”
“तुम्हें कैसे पता चला कि हम यहाँ हैं?” साइफन ने पूछा। “तुम्हें कैसे पता चला कि हम मेटाट्रॉन से मिलने जा रहे हैं?”
“ओह, उम...ल्यूसिफर ने मुझे बताया।” वह अब भी मुस्कुरा रहा था, उस पल का आनंद ले रहा था। “उसने कहा कि उसने यह जानकारी पैगंबर विवियन से निकलवाई है।” "इलायजा, जिससे तुम्हें प्यार हो गया था, साइफन।" उसकी मुस्कुराहट और चौड़ी हो गई।

***

ल्यूसिफर अपनी घूमने वाली कुर्सी पर बैठा था और दर्पण में अपना सुंदर और आकर्षक चेहरा देख रहा था। उसके कार्यालय की हल्की रोशनी में उसका सादा, धूसर रंग का सूट उसे और भी आकर्षक बना रहा था। वह अपने कर्मचारियों को घूर रहा था जो उसके चारों ओर पूरी लगन से काम कर रहे थे।
उसे इसमें मज़ा आता था। उसे अपने कर्मचारियों की बेचैनी और पीड़ा में आनंद आता था। वे उससे डरते थे, इस बात से डरे हुए थे कि शायद अगले ही पल वह अपनी उन्मादी मुस्कान बिखेर दे और कुछ ऐसा भयानक कर दे जिसकी कोई कल्पना भी न कर सके।
कांच का दरवाजा खुला और लेविथान अंदर आ गया। उसका काला सूट और सफेद टाई उसके पीले चेहरे को और भी आकर्षक बना रहे थे, साथ ही उसके बालों को दाहिनी ओर से कंघी करके बनाया गया उसका अंदाज भी उसे एक मनमोहक रूप दे रहा था। “कोई प्रगति हुई?” उसने कर्कश आवाज में पूछा।

“बिल्कुल वैसा ही,” लेविथन ने जवाब दिया। “उसने हमें मेटैट्रॉन के बारे में बताया।”
मुझे उम्मीद है कि राफेल मुझे निराश नहीं करेगा क्योंकि चीजें गड़बड़ हो सकती हैं।
वह धीरे-धीरे अपने कोट के बटन लगाते हुए उठा। “उसे दफ्तर बुलाओ। मुझे उससे मिलना है।”
अब उसे।

ल्यूसिफर समझ गया था कि लेविथान उसे कोई राय या सुझाव देना चाहता है, लेकिन उसने इस विचार को अनसुना कर दिया और कमरे से बाहर निकल गया। वह मिनी बार की ओर बढ़ा और एक गिलास में थोड़ी शराब डाली। शराब का गहरा लाल रंग उसे इतना आकर्षित कर रहा था कि वह बार-बार उसे पीना चाहता था।
वह आमने-सामने रखे दो सोफों में से एक पर बैठ गया। उनके बीच में एक छोटी आयताकार मेज थी, जो इतनी उथली थी कि नज़र भी नहीं आती थी। लूसिफर ने एक बार फिर अपने पेय का घूंट लिया और उसकी निगाहें दरवाजे की ओर घूम गईं। वह पैगंबर के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा था।
उसने अपनी घड़ी पर नज़र डाली, जो हीरे जड़ी रोलेक्स थी। गहरी साँस लेते हुए उसने अपनी आँखें बंद कर लीं, तभी दरवाज़ा खुला और सुनहरे बालों वाली एक कमज़ोर सी दिखने वाली लड़की अंदर आई। उसके गाल पर एक छोटा सा कट लगा था, जो गहरा लाल रंग का था।
“हैलो विवियन! मैं लॉन्गहॉर्न हूँ।”
डार्सी।" "तुम लुसिफर हो, मैं
जानना।"
"शायद मेरे आलोचकों ने आपको यह बताया होगा।"
मेरे बारे में।" "तुम मेरे पीछे क्यों पड़े हो?"
ल्यूसिफर ने उसके सवाल को अनसुना कर दिया। उसने अपने कोट की भीतरी जेब से एक पतला लिफाफा निकाला। उसने उसे मेज पर पटका और धीरे से विवियन की ओर सरका दिया। “मैं जानता हूँ कि तुम एक होशियार बच्ची हो, सुश्री विवियन एलिजा। मैं जानता हूँ कि तुम अपनी शिक्षा को किसी भी चीज़ से ज़्यादा महत्व देती हो और इसीलिए मैं तुम्हें यह दे रहा हूँ।”
विवियन के माथे पर असमंजस की लकीरें उभर आईं। उसने लिफाफा उठाया और अपनी निगाहें उस पर टिकाए रखीं। उसने उसे खोला और उसमें एक पत्र देखा।
"येल विश्वविद्यालय के लिए मेरी ओर से एक सिफारिश है। मुझ जैसे किसी व्यक्ति की सिफारिश आपको सीधे उस विश्वविद्यालय के केंद्र में पहुंचा सकती है।"
वह अपने पैरों पर खड़ा हो गया, जबकि विवियन ने पत्र के किनारों को कसकर पकड़ रखा था। वह उसे इस तरह एकाग्रता से देख रही थी मानो उसका जीवन उसी पर निर्भर हो।

“सोचो, विवियन। सोचो तुम क्या हासिल करोगी। जिस शिक्षा के लिए तुम तरस रही थी, सोचो तुम्हारे माता-पिता तुम पर कितना गर्व करेंगे। समाज तुम्हें सम्मान की नज़र से देखेगा और तुम्हारे प्रतिद्वंद्वी तुमसे ईर्ष्या करेंगे। सोचो तुम्हें कैसा महसूस होगा।” वह सोफे के चारों ओर घूम गया। विवियन की नज़र एक पल के लिए भी नहीं हटी। वह उन्हीं शब्दों को बार-बार पढ़ती रही, यह देखने के लिए कि कहीं कोई खामी तो नहीं है, कोई ऐसी बात तो नहीं है जो यह साबित कर दे कि सब कुछ गलत है। लेकिन ऐसा नहीं था। उसकी आँखों में बिल्ली जैसी चमक आ गई। लूसिफर के हाथ ने धीरे से उसके कंधे को छुआ और उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा।
“विवियन, तुम्हें समाज में सर्वोच्च स्थान प्राप्त होगा। तुम पढ़ाई करोगी।”
सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय में दाखिला लेकर वहाँ से स्नातक की उपाधि प्राप्त करना चाहता हूँ। इस शानदार प्रस्ताव के बदले में मुझे बस थोड़ी सी जानकारी चाहिए। बस मुझे यह बता दीजिए कि प्रलय के चारों घुड़सवारों को कैसे बांधा जाए।
उसने लुसिफर की ओर देखा। "मुझे नहीं पता कि प्रलय के चार घुड़सवार कौन हैं या उन्हें कैसे बांधा जाए।"
“अगर तुम अपने दिमाग पर ज़ोर डालो और पूरी एकाग्रता से इस बारे में सोचो, तो तुम मेरे सवाल का जवाब दे पाओगी,” लुसिफर ने कहा, उसकी आवाज़ अमृत के समान मीठी और बेहद प्रेरक थी। “तुम अपना जीवन बदल सकती हो, विवियन। तुम अपने बारे में सब कुछ बदल सकती हो। तुम एक नई शुरुआत कर सकती हो।”

“क्या साइफन के बारे में क्या?”
“ओह, वो फ़रिश्ता...?” उसकी आवाज़ मधुर से कर्कश हो गई थी। “मैं खुद उसके पंख उतार दूँगा और उसे नश्वर बना दूँगा ताकि वो बिना किसी रुकावट के तुम्हारे साथ रह सके।” वो मुस्कुराया, उसके गालों पर डिंपल और गहरे हो गए। “तुम्हें सब कुछ मिलेगा, मनचाही ज़िंदगी, तुम्हारा प्यार, और वो रुतबा जो तुम चाहती थी। बस एक छोटी सी जानकारी के बदले, जिससे तुम्हें कोई नुकसान नहीं होगा।” उसकी आँखें मानो अपनी जगह से बाहर निकल रही थीं।

लेकिन पृथ्वी का क्या होगा?
“तुम्हारे दोस्तों ने तुम्हें गलत जानकारी दी है। मैं इस दुनिया को कोई नुकसान नहीं पहुँचाने वाला। मुझे देखो, विवियन,” वह कांच के दरवाजे के करीब आते हुए, अपनी पतली ठुड्डी को ढीला करते हुए बोला। “मुझे देखो और समझो! मेरे पास वह सब कुछ है जो मैं चाहता हूँ। मुझे और अधिक की लालसा क्यों होगी? मेरे पास शक्ति है, मेरे पास धन है, और मेरे पास सम्मान है। मुझे और क्या चाहिए?”
"तो तुम कुछ घुड़सवारों को क्यों बांध रहे हो?"
“वे मुझसे ज़्यादा ताकतवर हैं और जो लोग मुझसे ज़्यादा ताकतवर हैं...उम...उनका अस्तित्व ही नहीं होना चाहिए। इसलिए मैं उन्हें इस तरह बांधने जा रहा हूँ जिससे मैं उन्हें अपने उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल कर सकूँ। मैं बुरा नहीं हूँ, विवियन। लोग उन्हें बुरा मानते हैं जिन्हें वे समझ नहीं पाते। लोग मुझे नहीं समझते। इसमें मेरी कोई गलती नहीं है।” “क्या तुम...क्या तुम झूठ बोल रहे हो? मुझे यकीन है कि तुम झूठ बोल रहे हो।” हालाँकि,
यह एक बयान था, यह एक प्रश्न की तरह लग रहा था, मानो वह खुद को आश्वस्त करने की कोशिश कर रही हो।
“अब, मैं तुमसे झूठ क्यों बोलूंगा? हम्म? जानकारी निकालने के लिए? नहीं, बिलकुल नहीं,” लुसिफर ने कहा। “मैं तुम्हें अपना उद्देश्य बताता हूँ और अगर तुम्हें फिर भी लगता है कि मैं झूठ बोल रहा हूँ, तो ठीक है। दरवाज़ा उधर है, तुम जाने के लिए स्वतंत्र हो।”
वह उसकी ओर बढ़ा। “विवियन, मुझे इस दुनिया पर तरस आता है। बहुत तरस आता है। जिस दुनिया में हम रहते हैं, वह नरक बन चुकी है। बल्कि नरक से भी बदतर। मैं देख रहा हूँ कि जिस दुनिया में हम रहते हैं, वह धीरे-धीरे अंधकार के अथाह गड्ढे में समा रही है और धीरे-धीरे सब कुछ समाप्त हो जाएगा। मैं इस दुनिया की मदद करने की कोशिश कर रहा हूँ। मैं इसे मनुष्यों के बीच व्याप्त हर प्रकार की नफरत से मुक्त करने की कोशिश कर रहा हूँ। मैं गैसों के इस गोल गोले से एक बड़ा दिल बनाने की कोशिश कर रहा हूँ। इसे बनाने के लिए मुझे उस जानकारी की आवश्यकता है।”
ल्यूसिफर अपनी मेज के पास गया और एक फ़ोल्डर उठाया। उसने जल्दी से उसके पन्ने पलटे। "तो, आपका क्या विचार है?"

उसने सिफारिश पत्र को गौर से देखा और फिर लुसिफर मॉर्निंगस्टार की छोटी, कोमल मुस्कान की ओर देखा। उसने एक बार फिर नीचे देखा, यह सोचने की कोशिश करते हुए कि उसे क्या करना चाहिए। "मैं..." उसकी छोटी उंगलियों ने कागज के किनारों को पकड़ लिया। "मुझे नहीं पता।" वह कांप उठी। उसकी त्वचा का रंग भूरे से सफेद हो गया था। "लोग कहते हैं कि बुरे लोगों की मदद नहीं करनी चाहिए।"
ल्यूसिफर मुस्कुराया। उसने कोई जवाब या प्रतिक्रिया नहीं दी। वह वहीं खड़ा मुस्कुराता रहा, मानो वह उसके फैसले से खुश हो। उसकी उंगलियाँ वाइन के गिलास पर लिपटी हुई थीं। उसने एक घूंट लिया और फिर एलसीडी रिमोट उठाकर टेलीविजन चालू कर दिया।
"तब शायद लोग यह भी कहते कि तुम्हारे पास कोई और विकल्प नहीं है।"
लेकिन अगर बुरे लोगों ने तुम्हारे माता-पिता को पकड़ लिया है, तो उनकी मदद करना ठीक नहीं है।” उसने इशारा करते हुए कहा।
पर्दा डालना।
विवियन की आँखें चौड़ी हो गईं। उसका खून तेज़ी से दौड़ने लगा, सीने में ज़ोर-ज़ोर से धड़कने लगा। उसने आह भरी। उसे कुछ भी महसूस नहीं हो रहा था, जैसे एक गहरी सुन्नता छा गई हो। तनाव बढ़ने से उसके होंठ सिकुड़ गए। उसके माता-पिता को बंधक बना लिया गया था और उनके चेहरों पर जगह-जगह चोट के निशान और घाव थे। उसे यकीन था कि उन्हें पीटा और यातना दी गई थी, क्योंकि उनके चेहरों से खून गायब हो गया था।
“तो अब मुझे उम्मीद है कि आप पुनर्विचार करेंगे।” लुसिफर की मुस्कान और चौड़ी हो गई। “आखिरकार, मुझे इस दुनिया को साफ करना है।”

***

जैसे ही महादूत के मुख से विवियन का नाम निकला, साइफन का दिल चकनाचूर हो गया। विवियन। वह मुसीबत में थी और लूसिफर के साथ थी। वह शैतान उसके साथ क्या-क्या घिनौनी हरकतें करेगा? वह जानना चाहता था और उसे पता लगाना ही था, लेकिन उसके दिमाग में बस यही चल रहा था कि वह कैसे भाग निकले ताकि वह कॉर्पोरेशन के मुख्यालय जाकर मॉर्निंगस्टार से लड़ सके।

राफेल ने सिफन पर हमला करने के लिए आगे कदम बढ़ाया, लेकिन कफरनम उन दोनों के बीच आ गया। “कफरनम, हमारी अच्छी यादें हैं, लेकिन एक पल के लिए भी यह मत सोचना कि मैं तुम्हें नुकसान नहीं पहुंचाऊंगा।”
मैं ऐसा बिल्कुल नहीं सोच रहा हूँ।
बिना कुछ सोचे-समझे कफरनम ने हमला शुरू कर दिया। उसने राफेल के गाल पर ज़ोरदार प्रहार किया। राफेल अचंभित रह गया। उसने अपने लाल हुए गालों को छुआ और मुस्कुराया।
“मैं प्रधान देवदूत हूँ, कफरनम।”

"यदि तुम प्रधान देवदूत हो, तो मैं एक परम दानव हूँ।"
मेटैट्रॉन पीछे हट गया और छिप गया ताकि वह लड़ाई में शामिल न हो। हार्वर्ड ने उसे घृणा भरी नजरों से देखा।
उन्होंने कहा, "तुम एक देवदूत के लिए कलंक हो।"
“मैं कभी योद्धा या वेयरवोल्फ नहीं था। मैं योद्धा बनने के लिए पैदा नहीं हुआ था, न ही मुझमें योद्धा बनने के कौशल हैं।”
“कोई व्यक्ति प्रशिक्षण या कौशल से योद्धा नहीं बनता। वह अपनी आत्मा और अपने हृदय से योद्धा बनता है।”
हार्वर्ड अपने वेयरवोल्फ रूप में बदल गया। यह पहली बार था जब उसने एक इंसान से वेयरवोल्फ में नियंत्रित परिवर्तन किया था। कई वर्षों तक उसने अपनी शक्तियों को नियंत्रित करने की बहुत कोशिश की थी। वह योग और ध्यान करता था, अकेले बैठता था और संगीत सुनता था ताकि उसे आराम मिल सके। लेकिन जब पूर्णिमा आई,
वह अपने भेड़िया रूप को वश में नहीं कर पा रहा था और फिर भी बदल गया था। वह इतना बुरी तरह बदल गया था कि उसने लगभग अपना आधा घर तहस-नहस कर दिया था। समय बीतने के साथ, उसे एहसास हुआ कि अपने शांत स्वभाव के ज़रिए वह अपने दूसरे रूप, इरोस की भावनाओं को नियंत्रित कर पा रहा था। देखते ही देखते इरोस और हार्वर्ड एक ही व्यक्ति बन गए।

हार्वर्ड मैनिंग बिना किसी झिझक के अपने भीतर परिवर्तन लाने का तरीका जानता था। उसके हाथों में घने काले बाल उगने लगे जो उसके पूरे शरीर पर फैल गए। उसकी नाक और होंठ बाहर की ओर फैलने लगे और उसकी आँखों का रंग बदल गया। उसके कान लंबे और चौड़े हो गए। उसने अपना कोट उतार दिया और उसकी सफेद कमीज फट गई। उसकी टांगें विशाल और बड़ी हो गईं, उसकी पैंट से बाहर निकल आईं और उसके जूते फट गए। उसकी उंगलियों से खून टपक रहा था।
उसके लंबे और नुकीले पंजे उसकी त्वचा को चीरते हुए बाहर आ गए। कायापलट पूरा होने के बाद वह जोर से चिल्लाया।
दो देवदूत आगे बढ़े। एक ने कामदेव की ओर रुख किया और दूसरा साइफन की ओर धावा बोला। साइफन ने तुरंत अपने नंगे हाथों से देवदूत से लड़ाई की। उसके पंख खुल गए, लेकिन दूसरे देवदूत के पंख बड़े थे। देवदूत ने एक लंबा चाकू आगे बढ़ाया, एक सेराफ (देवदूत का हथियार)। उसने साइफन के पंख पर वार किया, लेकिन साइफन ने पीछे हटते हुए देवदूत को पकड़ लिया। वे छत की ओर उड़ गए और ऊपर खुले आसमान में चढ़ते हुए उसे तोड़ दिया।
क्षितिज के पार लड़ते हुए साइफन ने देवदूत को धक्का दिया। देवदूत उस क्षणिक दृश्य से भ्रमित हो गया जब उसका प्रतिद्वंद्वी गायब हो गया। उसे आश्चर्य हुआ जब एक मुक्का उसके चेहरे पर पड़ा। देवदूत पीछे गिर गया, और देवदूत उसकी पकड़ से छूट गया। उसके कपड़े फट गए और वह नीचे जंगल में जा गिरा। साइफन ने देवदूत को अपनी दृष्टि से ओझल होने से पहले ही पकड़ लिया और घायल देवदूत को देखने के लिए नीचे भागा। दो नुकीली शाखाओं ने उसके पंख के कोमल परों को भेद दिया था। घावों से सुनहरा खून टपक रहा था।
साइफन गिरे हुए देवदूत के पास घुटनों के बल बैठ गया और बोला, “पक्ष चुनने से पहले सोचो। बुराई का पतन हमेशा होता है। हो सकता है कि वह अभी जीत जाए, हो सकता है कि न जीते, लेकिन वह एक दिन अवश्य गिरेगी क्योंकि बुराई कभी लंबे समय तक स्थिर नहीं रहती।”

उसने सेराफ को देवदूत की छाती में धंसा दिया। उसकी त्वचा कागज की तरह सिकुड़ने लगी और धीरे-धीरे राख में तब्दील हो गई, यहाँ तक कि उसका कुछ भी शेष नहीं बचा। सेराफ वहीं रह गया, मानो उस व्यक्ति की एक धुंधली सी स्मृति बनकर जिसका वह था।

***

इरोस ने देवदूत को पकड़ा और कमरे के उस पार फेंक दिया। देवदूत ने अपना संतुलन वापस पाया और अपने पंख फैलाते हुए वेयरवोल्फ की ओर दौड़ा। उसके हाथ में एक सेराफ था। सेराफ ने वार को रोक दिया, जिससे देवदूत दोबारा हमला नहीं कर पाया। उसने देवदूत के पैर ऊपर खींचे और उसे जोर से हिलाया। उसने उसे तब तक घूंसे और लात मारे जब तक कि वह चोटिल होकर खून थूकने नहीं लगा।
हर लात के साथ देवदूत की दृष्टि धुंधली होती जा रही थी। उसे फेंकते हुए उसने देवदूत का सिर फाड़ दिया और फिर उसके हाथ फाड़ दिए। उसने अलग कर दिए उसने उसके धड़ को पकड़ा और शरीर के अंगों को इधर-उधर फेंक दिया। इससे पहले कि उसे कुछ पता चलता, देवदूत का अस्तित्व ही खत्म हो चुका था।
अधिक।
इरोस ने मेटैट्रॉन की ओर देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "मैं इसी तरह से दुश्मनों को धूल चटाता हूँ!" मेटैट्रॉन इतना अचंभित था कि कुछ बोल नहीं पाया।

***

कैपरनम और राफेल की लड़ाई आँखों से दिखाई नहीं दे रही थी। वे इतने फुर्तीले थे कि उनके मुक्के, पैर, टखने और सिर की हरकतें भी कोई नहीं देख पा रहा था। कैपरनम राफेल के हर हमले का अनुमान लगा सकता था और राफेल भी ऐसा ही कर सकता था। यह बराबरी की लड़ाई थी जिसका कोई अंत नहीं था। कैपरनम पहले राफेल के साथ प्रशिक्षण ले चुका था और उसकी हर चाल जानता था।

अचानक, कफरनम के पेट में एक तलवार घुस गई। वह आश्चर्य से तलवार को देखता रहा। उसे कुछ भी महसूस नहीं हो रहा था, हालांकि उसके मन में भजनों की एक श्रृंखला बज रही थी। राफेल के साथ उसकी व्यर्थ की लड़ाई बेकार हो गई क्योंकि वह घुटनों के बल गिर पड़ा, उसके शरीर का रंग उड़ गया।
राफेल ने विजय की मुस्कान के साथ कहा, “यह अंत है, कफरनम। अलविदा कहो।”

धरती।"
कैपरनम को बोलना मुश्किल लग रहा था। वह बोलना चाहता था, लेकिन उसके होंठों से कोई आवाज़ नहीं निकल रही थी। उसने अपने घाव को छुआ और उसे मतली महसूस हुई। वह कई लड़ाइयों में हिस्सा ले चुका था।
सदियों से युद्ध में इसका अभिन्न अंग रहा था, लेकिन उसे कभी किसी महादूत के सेराफ ने छुरा नहीं मारा था। वह जानता था कि ऐसा हथियार उसे ज़हर दे सकता है या मार सकता है। वह ज़मीन पर गिर पड़ा, उसका शरीर धीरे-धीरे कांप रहा था।

इरोस आगे आया और गुर्राते हुए बोला, "अब तुम्हारी मृत्यु होगी।"
“ओह, कृपया, वेयरवोल्फ। मैं एक महादूत हूँ। मेरा असली रूप एम्पायर स्टेट बिल्डिंग से भी बड़ा है। मैं सबसे शक्तिशाली और निर्दयी हूँ...”
इससे पहले कि वह कुछ और कह पाता, इरोस ने उसके पैर पकड़े और उसे घर से बाहर फेंक दिया।
"यह तो काफी तेज था।"
इरोस मुस्कुराया। वह कफरनम के पास घुटनों के बल बैठा और उसे एक छोटे बच्चे की तरह अपनी बाहों में उठा लिया। कफरनम का शरीर एक बूढ़े आदमी जैसा था। उसने आराम से दानव का सिर अपनी रोएँदार छाती से लगा लिया। तभी एक पंखहीन साइफन अंदर आया।
"हमें चलना चाहिए," उन्होंने कफरनम की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सुझाव दिया।

उसने उसकी मदद करने की कोशिश की, लेकिन इरोस ने प्रस्ताव ठुकरा दिया। वे लड़खड़ाते हुए घर से बाहर निकले तो देखा कि राफेल वहाँ से जा चुका था। चारों ओर एक भयानक सन्नाटा छाया हुआ था, जिसे वे अभी तक समझा नहीं पा रहे थे।

***

विवियन को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। वह अपनी समस्याओं में इतनी डूबी हुई थी कि अपने माता-पिता को लगभग भूल ही गई थी। मॉनिटर पर उन्हें चोटिल और टूटे हुए देखकर उसका दिल बुरी तरह दुख से भर गया। उसकी आँखों में आँसू भर आए और दृष्टि धुंधली हो गई। रोते-रोते उसके हाथ काँपने लगे।
उसने चिट्ठी छोड़ दी और अपने माथे पर हाथ रख लिए। उसके माता-पिता खतरे में थे। उन्हें उसकी वजह से सज़ा मिल रही थी। उन्हें उसकी वजह से चोट और यातना दी जा रही थी। उसका दिल दर्द से भरा हुआ था क्योंकि वह उनकी इस दुर्दशा के लिए खुद को दोषी मान रही थी। एक गहरा खालीपन उसके अंदर भर गया और वह सोचने लगी कि क्या वह इस स्थिति से उबर पाएगी।
बिना किसी चोट के।
उसके माता-पिता बेहद कमज़ोर और दयनीय लग रहे थे, मानो उन्हें कई दिनों से खाना न मिला हो। उनकी पीठ पर लंबे, नुकीले निशान थे, जो इस बात का स्पष्ट संकेत थे कि उन्हें कोड़े मारे गए थे। घावों और निशानों से खून टपक रहा था, जो उनकी त्वचा पर फैला हुआ था। यह सब देखना विवियन के लिए असहनीय था। विवियन हमेशा से हंसमुख लड़की थी और उसने कभी किसी खतरे का सामना नहीं किया था। उसने कभी कोई हिंसा नहीं देखी थी। अब हालात बदल गए थे और उसके माता-पिता उसकी वजह से कष्ट झेल रहे थे।
“श्री रामिरेज़ एलिजा, हैरोल्ड कंपनी फर्म के सलाहकार हैं। श्रीमती डायना एलिजा वकालत करती हैं,” लूसिफर ने अपने सामने रखी फाइल से जोर से पढ़ा।

“तुम ऐसा क्यों कर रहे हो?” उसने पूछा। यह कहना भी नामुमकिन था। उन्होंने गुस्से में मॉर्निंगस्टार से बात की। उनके शब्द खुलकर सामने नहीं आ रहे थे और
उसका गला अटक गया। "तुम ऐसा क्यों कर रहे हो? तुम्हें मुझे इसमें क्यों शामिल करना पड़ा?"
अभिभावक?"
“ओह, विवियन, मुझे ये सब करते हुए बहुत बुरा लग रहा है।” उसने फाइल बंद कर दी। “जिंदगी में कुछ पाने के लिए कुछ लोगों को दुख पहुँचाना पड़ता है। यही जिंदगी की सच्चाई है।” उसने फाइल मेज पर रख दी। “तुम्हारे माता-पिता कितने अच्छे लोग हैं। समाज में उनका कितना अच्छा रुतबा है। तुम अमीर हो, ताकतवर हो और अच्छे स्कूल में पढ़ती हो। तुमने बहुत अच्छी जिंदगी जी है। क्या तुम सच में ये सब छोड़ना चाहती हो? अगर तुम मुझे बता दो कि प्रलय के चारों दूतों को कैसे बांधना है, तो मैं उन्हें छोड़ दूंगा।” उसने स्क्रीन की ओर इशारा किया। “अभी, एक पल भी देर किए बिना।”
उसके होंठ कांप रहे थे। वह जानती थी कि वह उस पर जमकर बरसना चाहती है। उसे उसी तरह चोट पहुंचाना चाहती है जिस तरह उसने अपने आदमियों को उसके माता- पिता को चोट पहुंचाने का आदेश दिया था। उसकी आंखें खून की तरह लाल थीं, भय और क्रोध से भरी हुई थीं और वह लुसिफर को घूर रही थी।
“चलिए, मैं आपके लिए इसे आसान बना देता हूँ। उन्हें ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है कि यहाँ क्या हो रहा है। वे आपको और मुझे देख नहीं सकते। उन्हें लग रहा है कि उन्हें पैसों के लिए बंधक बनाया गया है।” उसने उसे अपना मोबाइल फ़ोन दिखाया। “उन्हें नहीं पता कि यह सब आपकी वजह से हुआ है। मैं एक फ़ोन करूँगा और मेरे आदमी उन्हें छोड़ देंगे। लेकिन आपको मुझे कुछ देना होगा और आप जानती हैं कि वह क्या है।”
विवियन अस्पष्ट रूप से कुछ बुदबुदाई। लूसिफर आगे बढ़ा। "क्या?" उसने पूछा। उसने उसके शब्दों को सुनने के लिए अपना हाथ अपने कान के निचले हिस्से पर रखा। विवियन फिर बोली। लूसिफर ने भौंहें चढ़ाते हुए उसके करीब आकर अपना कान उसके होठों के पास ले गया। "हाँ, मुझे बताओ, विवियन। मुझे वह बताओ जो मैं जानना चाहता हूँ। मुझे बताओ, तुम अभी क्या कह रही हो?"

"भाड़ में जाओ!" वह चिल्लाई और आगे झुककर लूसिफर का कान काट लिया।

वह हैरानी से पीछे गिर पड़ा। उसने अपना सिर पीछे झटकते हुए उसकी त्वचा नोचने की कोशिश की, और उसके कान की लोब को छोड़ने से इनकार कर दिया। लुसिफर ने चुटकी बजाई और वह दीवार से जा टकराई। उसने तुरंत उसे दीवार से सटा दिया। “पागल कुतिया,” उसने गुर्राते हुए कहा और खुद को पैरों पर खड़ा किया। धीरे- धीरे
उसने अपने कान को छुआ और हाथ हटाते ही उसे खून के कई धब्बे दिखाई दिए। अपनी उंगलियों पर अपने जीवन के स्रोत को चित्रित देखकर उसे बहुत पीड़ा हुई। "तुम एक बीमार इंसान हो।"
पैगंबर। तुम छोटी गंदी वेश्या! खेल खेलना चाहती हो? ठीक है, ठीक है। मैं खेलूंगी।
आपके साथ भी खेल खेलेंगे।
उसने एक नंबर डायल किया और किसी के उठाने का इंतज़ार करने लगा। “हेलो? जी ज़िकलाग, तुम्हें पता है क्या करना है।” गुस्से में उसने फोन पटक दिया और स्क्रीन की ओर इशारा करते हुए कहा, “अपने प्यारे माता-पिता को देखो।” विवियन अभी भी दीवार से चिपकी हुई थी। उसने खुद को आज़ाद करने की उम्मीद में अपने अदृश्य बंधनों से जूझने की कोशिश की, लेकिन वह ऐसा करने में असमर्थ रही। कहीं से आती कई चीखों को सुनकर वह जम सी गई। उसने चारों ओर देखा, उसका दिल तेजी से धड़क रहा था क्योंकि उसे किसी परिचित की चीख सुनाई दे रही थी।
उसकी नज़र मॉनिटर पर पड़ी। उसकी माँ अर्धनग्न अवस्था में थी।
सिर पर नकाब पहने एक आदमी द्वारा कोड़े मारे जा रहे हैं। सिंथेटिक से बना एक बड़ा कोड़ा।
चमड़ा उसकी पीठ पर आगे-पीछे लहरा रहा था। हर वार के साथ उसकी पीठ पर और भी चोट लग रही थी।
नंगी पीठ, उसके होठों से एक चीख निकल गई। उसने अपनी आँखें सिकोड़ लीं, मानो देखने से इनकार कर रही हो।
स्क्रीन पर डरावनी कहानी चल रही है।
जल्द ही, उसके पिता की बारी आ गई। नकाबपोश आदमी ने एक सफेद तौलिया गीला किया और उसे उसके पिता के मुंह में ठूंस दिया, धीरे-धीरे उसे अंदर तक धकेलता गया, जब तक कि...

उसकी चीखें, चिल्लाहटें और चीखें सुनाई नहीं दे रही थीं। उसके सामने फैला दृश्य विवियन के लिए असहनीय था। उसके पिता दर्द से कराह रहे थे, एक भी आवाज़ निकालने में असमर्थ थे।
“अगर तूने अभी नहीं बताया, तो मैं अपने आदमियों को तेरे माता-पिता को जान से मारने का आदेश दे दूंगा,” लुसिफर ने धमकी दी। वह चिढ़कर भौंहें चढ़ा रहा था। “और यह सब तेरी आँखों के सामने होगा, इसलिए सोच समझकर फैसला ले।”

“ओह – ठीक है, मैं करूँगी! मैं आपको वो सब बता दूँगी जो आप जानना चाहते हैं।” उसकी आँखों से आँसू बहने लगे। वह अब और बर्दाश्त नहीं कर सकती थी।
उसके माता-पिता उसकी वजह से परेशान थे।
ल्यूसिफर ने उसे दीवार से अलग किया और फिर से अपनी उंगलियां चटकाईं।
विवियन सोफे पर बैठ गई और सर्वनाश के चार घुड़सवारों को बांधने के तरीके के बारे में ल्यूसिफर द्वारा मांगी गई जानकारी खोजने के लिए पूरी एकाग्रता से जुट गई। उसकी भौंहें तन गईं और होंठ सिकुड़ गए, जैसे ही उसने उसे देखा, वह खुद को आश्वस्त कर रहा था कि वह कोई शरारत नहीं कर रही है। वह सोफे पर वापस गिर पड़ी। लुसिफर को कोई हैरानी नहीं हुई। उसने पहले भी पैगंबरों को ऐसा करते देखा था। सफेद आंखों और लंबे बालों वाली वह महिला विवियन नहीं, बल्कि कोई और थी।
बोलते समय उसकी आवाज कर्कश थी। "आप क्या जानना चाहते हैं?"
"मुझे प्रलय के चारों घुड़सवारों को बांधना होगा," लुसिफर ने बेचैनी से फर्श पर इधर-उधर घूमते हुए कहा।
“अकाल, युद्ध, महामारी और मृत्यु को बांधने के लिए, आपको चारों को तोड़ना होगा

सील।"
“चार मुहरें? आह! बिल्कुल! मुझे पता होना चाहिए था।” लूसिफर मुस्कुराया। “मुझे याद रखना चाहिए था। ये चार मुहरें चारों घुड़सवारों की निजी वस्तुएं हैं। बहुत बढ़िया!”
विवियन ने अपना सिर हिलाया। उसकी कर्कश आवाज़ और आँखों की सफेद पुतलियाँ अब गायब हो चुकी थीं और वह फिर से पहले जैसी हो गई थी। उसने अपने माथे को छुआ। "क्या मैंने तुम्हें वो सब बता दिया जो तुम जानना चाहते थे?"
उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। "हाँ।"

"तो फिर मेरे माता-पिता को जाने दो," उसने थोड़ी उम्मीद के साथ कहा और एक कदम आगे बढ़ाया।

उसने अपना मोबाइल फोन उठाया और एक नंबर डायल करना शुरू किया, लेकिन बीच में ही रुक गया। उसने रिमोट उठाया और स्क्रीन बंद कर दी।
वह उसकी ओर मुड़ा। “वह एक रिकॉर्ड किया हुआ टेप था। यह वर्तमान में नहीं हो रहा था।”
"आपका क्या मतलब है?"
"मैंने तुम्हारे माता-पिता को यातना देते हुए उस टेप को रिकॉर्ड किया था, इससे पहले कि मैंने उन्हें अपने हाथों से मार डाला।"

तो अनवरत फुसफुसाहट

कैस्पर कमरे में इधर-उधर टहल रहा था और सोच रहा था कि पैगंबर कहाँ हो सकती हैं। शायद वह कुछ पीने या नाश्ता करने बाहर गई हों। हालाँकि, यह संभावना कम ही लग रही थी, क्योंकि घर में ढेर सारा नाश्ता मौजूद था। मानो एक दावत हो, जिसका वह जब चाहे आनंद ले सकती थीं।
शायद उसे ताज़ी हवा की ज़रूरत थी और इसीलिए वह बाहर गई होगी। लेकिन बीच पर कोई नहीं था। उसने उसके अचानक गायब होने की सबसे संभावित वजह सोची। लुसिफर ने उसे अगवा कर लिया था। लेकिन कैसे? क्या उसने उसे तब अगवा किया था जब वह फिब के सोते समय ताज़ी हवा लेने बाहर गई थी? क्या उसे लुसिफर और उसके राक्षस पल भर में उसे ले जाने के लिए तैयार मिले थे? विचार करने के लिए बहुत सारे पहलू थे और उनमें से हर एक सबसे संभावित था।
उसने तिरछी नज़र से होप की उंगली पर चमकती अंगूठी को देखा, जिसे वह घबराहट में बार-बार रगड़ रही थी। वह गहरी सोच में डूबा हुआ था कि तभी दरवाजे पर दस्तक हुई। आइवी जल्दी से दरवाजा खोलने चली गई। बाल्थाजार एक तरफ खड़ा अपनी चिंताओं में खोया रहा।
आइवी ने दरवाजा खोला तो देखा कि हार्वर्ड फटे-पुराने कपड़ों में उसके सामने खड़ा है। उसकी छाती फटी हुई थी और उसके पतलून और जूते जले हुए थे। उसकी बाहों में एक बूढ़े आदमी का बेजान शरीर थामे हुए था। साइफन पीछे से सहारा लेकर बूढ़े आदमी के पैर को संभालने की कोशिश कर रहा था।
“महाराज! कफरनम!” आइवी चिल्लाई।
हार्वर्ड ने कैपरनम को सावधानीपूर्वक सोफे पर लिटाया, जिसने धीरे से फुसफुसाते हुए कहा...
वह मानो प्रार्थना कर रहा था। उसका चेहरा सामान्य से अधिक पीला था और उसकी हड्डियाँ कमजोर लग रही थीं।
दृश्यमान

तेज रोशनी में। उसके पेट पर एक गहरा, लंबा, सर्प के आकार का घाव था, जिसके टेढ़े-मेढ़े किनारों पर काला खून लगा हुआ था।
“यह महादूत का सेराफ था,” साइफन ने कहना शुरू किया। “वह मरने वाला है।” उसकी आवाज़ उदास थी। कैस्पर यह देखकर हैरान रह गया कि एक देवदूत एक दानव के लिए दुखी है।
“लेकिन वो ऐसा नहीं कर सकता!” आइवी रोते हुए बोली, अपने आँसू रोकने के लिए वह बार-बार पलकें झपका रही थी।
वह सोफे के पास घुटनों के बल बैठ गई और बूढ़े आदमी के बालों को धीरे से थपथपाने लगी, इस उम्मीद में कि शायद
उसे सुधारते हुए देखकर भी कुछ नहीं हुआ। वह थकी हुई और निराश महसूस करते हुए हार्वर्ड और साइफन की ओर देखने लगी।
साइफन ने आइवी का कंधा पकड़कर उसे घुमाया। “वह ज्यादा देर तक जीवित नहीं रहेगा। शायद एक घंटा या उससे थोड़ा ज्यादा। मुझे डर है कि हम कुछ नहीं कर सकते। हम उसे यहाँ इसलिए लाए हैं ताकि मरने से पहले उसे थोड़ा आराम मिल सके।”
कैस्पर के पास कहने के लिए शब्द नहीं थे। कफरनम विनाश की ओर बढ़ रहा था और पैगंबर का अपहरण कर लिया गया था। मृत्यु का नामोनिशान नहीं था। वे गहरे संकट में थे। उसने अपनी छड़ी का सहारा लिया।
“पवित्र तलवार कहाँ है?” कैस्पर ने पूछा।
सबकी निगाहें उसकी ओर मुड़ गईं। अब उसकी आवाज में दृढ़ता और अधिकार झलक रहा था।
“पवित्र तलवार कहाँ है?” उसने फिर पूछा।
साइफन और हार्वर्ड ने एक-दूसरे को देखा, मानो वे उस बात को छुपा रहे हों।
बाद में काम आने वाली जानकारी। साइफन ने होप की निगाहों से नज़रें मिलाईं।
उसने अपना सिर हिलाया और देखा।
दूर।

क्या वह वंशज है?
कैस्पर ने सिर हिलाया। साइफन ने उसका सामना किया और उसके हाथ पकड़ लिए।
उसकी आँखें

सच्चाई का एहसास होते ही उसकी आंखें चौड़ी हो गईं। वह उसके हाथ नहीं, बल्कि एक उंगली पकड़े हुए था।
चांदी की नक्काशी से खूबसूरती से तराशी गई एक छोटी अंगूठी लिपटी हुई थी। पतली उंगली के चारों ओर। पंचकोण का चिन्ह, अग्नि का प्रतीक, ऊपर की ओर त्रिभुज,

अंगूठी की सतह पर पानी का प्रतीक, एक नीचे की ओर झुका हुआ त्रिकोण और पृथ्वी और जल का रासायनिक प्रतीक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। उसकी अंगूठी सुलेमान की मुहर थी।
"तुमने सुलेमान की अंगूठी पहनी हुई है और तुमने हमें बताया भी नहीं?" कैस्पर ने क्रोधित होकर आरोप लगाया।
"इस अंगूठी में ऐसी क्या खास बात है?" उसने अपमानित महसूस करते हुए पलटकर पूछा, क्योंकि उसे अंगूठी के असली महत्व के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। “यह सुलेमान की अंगूठी है,” सिफॉन ने कहा। “सुलेमान अपने शासनकाल में इसे पहनते थे ताकि वे उन जादुई शक्तियों को नियंत्रित कर सकें जो उनके लिए मुसीबत खड़ी करना चाहती थीं। यह तुम्हें कहाँ से मिली?”
उसने अपने हाथ को घूरते हुए कहा, उसकी भौंहें थोड़ी सिकुड़ी हुई थीं। "यह एक पारिवारिक धरोहर है, जो मेरी मां के बीमार होने से पहले उनके परिवार से मुझे मिली थी।"
कैस्पर उसके सामने आकर खड़ा हो गया और धीरे से उसका हाथ अपने हाथ में लेते हुए बोला, “आह, अब मुझे समझ आया। इससे यह बात स्पष्ट हो जाती है कि सुलेमान का साया हमेशा तुम्हारे साथ क्यों रहता है। क्योंकि तुमने उसकी अंगूठी पहनी हुई है, इसलिए वह इस दुनिया और तुमसे जुड़ पाता है।”
"तो अगर मैं यह अंगूठी हटा दूं तो मेरी समस्याएं हल हो जाएंगी।"
हल हो गया?” उसने सिर हिलाया। “बिल्कुल।”
उसने अपना हाथ कैस्पर की पकड़ से छुड़ा लिया और उसे उतारने की तैयारी करने लगी।
अंगूठी। साइफन ने धीरे से उसके हाथों को छुआ और कहा, "तुम अंगूठी ले सकती हो।"
बंद, लेकिन नहीं

फिर भी। कैस्पर, यह पवित्र तलवार है।
पूरे कमरे में सन्नाटा छा गया। साइफन ने बताया कि जब माइकल ने सोलोमन को तलवार दी थी, तो उसने तलवार को अंगूठी के आकार में ढाल दिया था ताकि किसी को इसके बारे में पता न चले। इसे सबसे छिपाए रखने का यही एकमात्र तरीका था जो उसे सूझता था।

[illegible] [illegible] “[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]!”

सबने सहमति में सिर हिलाया। आइवी जल्दी से अपने कमरे में गई और युद्ध के कपड़े बदलने लगी। हार्वर्ड ने नए कपड़े ढूंढे। बाल्थाज़ार कैस्पर के कमरे में गया और अपनी बेल्ट कसने लगा जिसमें चाकू लगा हुआ था। फिब, होप को साथ लेकर आइवी के पीछे-पीछे गया ताकि वह उन्हें कुछ काम दे सके। कैपरनम सोफे पर चुपचाप बैठा रहा और खुद से कुछ बुदबुदा रहा था।
जब सब लोग चले गए, तो साइफन ने कहा, "विवियन... वह इस समय लूसिफर के साथ है।" कैस्पर उसकी दुर्दशा समझता था। वह जानता था कि साइफन विवियन से प्यार करता था और उसे सुरक्षित रखने के लिए कुछ भी करेगा। यह बात उन दोनों से छिपी नहीं थी कि विवियन को उसकी इच्छा के विरुद्ध बंदी बनाया गया था। वह पैगंबर को सुरक्षित वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।
“हम वहाँ जा रहे हैं। हम उसे उसे नुकसान पहुँचाने से रोक पाएँगे, साइफन। इससे बेहतर हम कुछ नहीं कर सकते,” कैस्पर ने नरमी से कहा।
शुरू में उसे प्यार और रिश्तों से जुड़ी ये सारी बातें बिल्कुल पसंद नहीं थीं, लेकिन उन दो अटूट प्रेमियों को एक-दूसरे के साथ इतना प्यार करते देख वो उनकी मदद करना चाहता था। साइफन मुस्कुराया, हालांकि उसकी मुस्कान पहले जैसी खुशी और उत्साह से भरी नहीं थी। उसमें थोड़ी उदासी और फीकीपन झलक रहा था। फिर भी, उसकी आँखों में उम्मीद की एक झलक थी।
वह उससे मुंह फेरकर कफरनम की ओर देखने लगा, जिसका हाथ हवा में उठा हुआ था और अब उसे बुला रहा था। कैस्पर उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गया। कफरनम की त्वचा अब पीली नहीं थी। उसने मुस्कुराते हुए अपने मित्र का हाथ थाम लिया।
"उसने मुझसे और समय देने का अनुरोध किया," कमरे के पीछे से एक तीखी आवाज आई।
कैस्पर ने ऊपर देखा तो पाया कि मौत एक कोने में मंडरा रही है। वह कमजोर दिख रही थी।
और वो भी बाकी सब की तरह थका हुआ था। "तुम कहाँ थे?" उसने गुस्से से कहा।

अभी आपको मुझसे सवाल नहीं पूछने चाहिए। आपको पहले बात करनी चाहिए... कफरनम। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मुझसे प्रार्थना की कि उन्हें कुछ और समय दिया जा सके।
समय।"
कैस्पर ने उसे खुद से कुछ बुदबुदाते हुए देखा था। उसके मन में यह ख्याल भी नहीं आया था कि वह मौत से और समय मांग रहा है।
“तुम्हें मुझे क्या बताना है?” उसने कफरनम से पूछा।
“तुमने मुझ पर कभी भरोसा नहीं किया, कैस्पर। मैं समझ सकता हूँ। मैं एक दानव हूँ। कोई भी दानव पर भरोसा नहीं करता। लेकिन तुम्हें एक बात पता होनी चाहिए…” उसने घबराकर गले में अटकी हुई बात को निगलने की कोशिश की। “मैं हमेशा से दानव नहीं था।”
यह सुनकर कैस्पर का दिल ज़ोर से धड़कने लगा। कफरनम देखने में किसी दानव जैसा लग रहा था, फिर भी उसने पुष्टि की कि वह दानव नहीं है। वह थोड़ा असमंजस में था और उसने अपना कान कफरनम के होठों के पास ले जाकर सुना। “मेरा जन्म एक देवदूत के रूप में हुआ था। मैं प्रधान देवदूत था और मेरे कई भाई थे। उरीएल, राफेल, गैब्रियल, माइकल – वे सभी मुझे जानते थे। हम साथ में खूब मस्ती करते थे और चेरुबिम या मलाकिम के साथ खेलते थे, जो देवदूतों की निचली श्रेणी के लोग हैं। हम बहुत खुश थे, लेकिन तभी कुछ ऐसा हुआ जिससे सब कुछ बदल गया।”
“हम सबमें सबसे बड़े माइकल ने मुझे एक कर्तव्य सौंपा था, कि मैं क्रीट के राजा मिनोस की मदद करूँ। आशा है आप मिनोस या क्रीट के बारे में जानते होंगे। यह सब मिनोटौर और थीसियस से जुड़ा है, जिन्हें हम आजकल कहानियों में देखते हैं। उस समय मैं राक्षसों को हराने में उनकी मदद कर रहा था, तभी मेरी मुलाकात उनकी बेटी एरियाडने से हुई। वह जवान और खूबसूरत थी और मैं उस पर मोहित हो गया। मैं उससे प्यार करता था। मुझे उसके सिवा किसी और चीज की परवाह नहीं थी और वह भी मुझसे ऐसा ही महसूस करती थी।”
उन्होंने गहरी सांस ली। एक बूढ़े आदमी के लिए बोलना बहुत मुश्किल था। उन्होंने अपनी सांस रोकी।
एक पल के लिए उसकी सांस थम गई और फिर उसने बोलना जारी रखा, "मिनोस को हमारे बारे में पता चल गया है।"

वर्जित संबंध। वह नहीं चाहता था कि एरिआडने एक ऐसे देवदूत के प्यार में पड़ जाए जो
अमर और होगा

जब वह बूढ़ी हो जाए तो उसे छोड़ देना। मिनोस ने इस घटना की जानकारी मेरे भाइयों को दी और हममें से सबसे बड़े, माइकल से शिकायत की।
“वह गुस्से में था। उसने कहा कि मैंने कानून तोड़ा है और एक नश्वर प्राणी के साथ मेरा नाजायज रिश्ता है। तभी मुझे एहसास हुआ कि माइकल मुझसे नफरत करता है। मुझे अब भी नहीं पता क्यों। शायद मैंने उसका सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया था या शायद हर कोई मुझे प्यार करता था और हर कोई उसे एक ऐसा फरिश्ता समझता था जिसके पास अक्ल नहीं है।
वह मुझसे इतनी नफरत करता था कि उसने मेरे पंख नोच डाले और मुझे स्वर्ग से बाहर फेंक दिया।
“मैं लूसिफ़र की तरह एक पतित देवदूत बन गया। मेरे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं थी। एरियाडने मर चुकी थी और मैं बिल्कुल अकेला था। लूसिफ़र और मैं मिले। वह चाहता था कि मैं उसकी सेना में शामिल हो जाऊं, एक दानव बन जाऊं, ताकि मैं और अधिक शक्तिशाली हो सकूं। मैं एक अति-दानव बनने के लिए सहमत हो गया। मैं इसलिए सहमत नहीं हुआ क्योंकि मेरे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं थी, बल्कि इसलिए कि मैं एक जासूस बनकर चीजों को जान सकूं और देवदूतों की मदद कर सकूं।”
“मैंने ऐसा अपनी जाति की वजह से किया। मेरी जाति ने मुझे प्यार करने के लिए सज़ा दी, लेकिन मैंने इतने लंबे समय तक उनकी मदद की। मुझे लगा कि मैं उनके साथ सही कर रही हूँ, लेकिन अब भी उन्हें कोई परवाह नहीं है। फिर भी मैं उनकी मदद करती रहती हूँ। और यही कारण है, कैस्पर, कि मैं लूसिफ़र को कभी अपना रचयिता नहीं कहती, क्योंकि वह मेरा रचयिता नहीं था, कभी नहीं था। वह हमेशा से बुरा था और मैं यह जानती थी।”
“मैंने तुम्हारी मदद की – सबकी, क्योंकि मेरे दिल में, मैं अब भी एक फ़रिश्ता था, वही नौजवान जो स्वर्ग में महिला फ़रिश्तों पर सुनहरे सेब फेंकता था। मैं अब भी वही मूर्ख था। इस वक्त मरते हुए, मुझे कोई पछतावा नहीं है क्योंकि मैंने फ़रिश्तों और अपनी धरती माता की अच्छी सेवा की है। मैंने इसे अच्छे से किया। मैंने इसे बढ़िया किया। और कैस्पर, इन सब से मैंने एक बात सीखी।” वह रुका।
किसी न किसी तरह, कैस्पर को पता था कि वह आगे जो कहेगा वही उसके अंतिम शब्द होंगे।

उसने ध्यान से सुना, अपनी आंखों में अचानक छाए धुंधलेपन को नजरअंदाज करते हुए।
आंसू...वह कभी नहीं

इससे पहले उसने कभी आंसू नहीं बहाए थे। फिर भी, वह यहाँ एक राक्षस के लिए आंसू बहा रहा था - नहीं, एक देवदूत के लिए जो इतने कम समय में उसके लिए कई मायनों में मायने रखने लगा था।
मैंने यह सीखा कि लोग हमेशा आपके द्वारा की गई गलतियों को ही देखते हैं।
वे अतीत पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन वर्तमान में आपके द्वारा किए गए कार्यों पर कभी ध्यान नहीं देते।
उसने हल्की सी मुस्कान दी। कैस्पर जानता था कि यह उसकी आखिरी मुस्कान थी जो उसने कभी देखी थी।
“अलविदा, कैस्पर सुकरात। मुझे पूरा विश्वास है कि आप मॉर्निंगस्टार को हरा देंगे क्योंकि हम
मुझे तुम पर भरोसा है। मुझे तुम पर पूरा विश्वास है!
उसकी आँखें बंद हो गईं और अंतिम साँस लेते समय उसका सीना काँप उठा। एक पल के लिए ऐसा लगा जैसे उसके सीने के अंदर कुछ टकरा रहा हो। एक आखिरी साँस के साथ, वह आवाज़ गायब हो गई और कफरनम शांत हो गया।
कैस्पर ने अपना सिर झुकाया और रोने लगा, उसके गालों पर आँसू बह रहे थे, वह अपने भीतर उमड़ते दर्द के आगे हार मान चुका था। मृत्यु उसके पास आई और कफरनम को ऊपर उठाने से पहले उसके कंधे पर धीरे से थपथपाया। उसने देखा कि कफरनम की आत्मा उसके शरीर से अलग हो रही है। मृत्यु के चेहरे पर कोई भाव नहीं था, उसने कफरनम की आत्मा को पकड़ा और उसे द्वार के पार ले गई। गायब होने से पहले कैस्पर ने आखिरी चीज जो देखी, वह देवदूत का हाथ हिलाना था।

रहस्योद्घाटन

आइवी युद्ध की वर्दी में तैयार खड़ी थी। फिब ने एक लंबा बैंगनी कोट पहना हुआ था और उसके हाथ में एक लंबी लकड़ी की छड़ी थी। बाल्थाजार की बेल्ट उसकी कमर पर कसकर बंधी हुई थी। हार्वर्ड अपने साधारण कपड़ों में सामान्य दिख रहा था। साइफन ने अपनी खुरदरी जैकेट को खींचा और एक कोने में आराम से बैठा हुआ था, आगे बढ़ने के आदेश का इंतजार कर रहा था। कैस्पर ने एक हाथ में अपना थैला लटका रखा था और दूसरे हाथ से मौत द्वारा उपहार में दी गई छड़ी को अपनी छाती से लगाए हुए था।
“उसकी मृत्यु किसी राक्षस की मृत्यु नहीं, बल्कि एक नायक की मृत्यु हुई है। यह सब समाप्त होने के बाद, हम उसे विधिवत दफनाने की आशा करते हैं,” कैस्पर ने घोषणा की। “लेकिन अभी हमें जाना होगा।”
उनके जाने से पहले, कैस्पर ने मृत्यु से थोड़ी बातचीत की, जो चुपचाप दाऊद के घर में वापस आ गया था। कैस्पर ने मृत्यु से बातचीत को शांत रखा, क्योंकि वह नहीं चाहता था कि कोई भी उसकी बातों का एक शब्द भी सुन पाए। बातचीत समाप्त होने पर, बाल्थाज़ार ने देखा कि कैस्पर ने मृत्यु को एक छोटा सा नोट दिया, जिसके जवाब में मृत्यु ने सिर हिलाया। मृत्यु जल्द ही गायब हो गया और कैस्पर कमरे में लौट आया।
किसी ने नहीं पूछा कि उनकी बातचीत किस बारे में थी। सब डरे हुए थे। बाल्थाज़ार घर पर ही रहना चाहता था, इस छोटे से घर में मौजूद हर चीज़ और हर किसी से दूर। वह देख सकता था कि बाकी सब भी यही चाहते थे, लेकिन हर किसी का अपना एक मकसद था। उसका भी एक मकसद था और उसे संक्षेप में वे शब्द याद आए जिन्होंने उसके मकसद को प्रेरित किया था।
“बाल्थाज़ार, तुम हमारे परिवार पर कलंक हो! तुम कायर हो। तुम्हारी वजह से तुम्हारे भाई मर सकते थे। तुमने सबकी जान जोखिम में डाल दी। तुम मेरे बेटे नहीं हो। इसके बाद तो तुम कभी नहीं होगे!”
बाल्थाज़र को बाहर जाकर लड़ना ही था। उसे अपने पिता को, अपने
अपने परिवार और साथियों को यह विश्वास दिला दिया था कि वह कायर नहीं था। वह एक गार्गोयल के रूप में भी उतना ही अच्छा था।
जैसे वो थे।

उसने सबकी ओर देखा। उनकी ऊर्जा क्षीण हो रही थी, उनकी आभा फीकी पड़ रही थी। वे शारीरिक रूप से कमजोर न दिखने की पूरी कोशिश कर रहे थे, फिर भी वे इसमें असफल हो रहे थे। उसने अपना संकल्प मजबूत किया और अपने मिशन को पूरा करने की कसम खाई। न केवल अपने लिए, बल्कि उन सभी के लिए जिनकी उसे परवाह थी। कैस्पर ने दरवाजा खोला। हल्की हवा से सबका मन हल्का हो गया। मौसम सुहावना था। बाल्थाजार ने कैस्पर की आँखों में उसका डर साफ देखा। वह बाहर जाने और अंत का सामना करने से डर रहा था। या तो वे जीतेंगे या हारेंगे। उनके जीवित लौटने की संभावना थी। लेकिन ऐसा लग रहा था कि वह इस संभावना पर विचार करने के लिए अभी तैयार नहीं था।
तभी बाल्थाज़ार को समझ आया कि उसे क्या करना है। वह सबको पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़ा, उसके पंख फड़फड़ा रहे थे। वह दरवाजे से अंदर उड़ गया, उसके होठों पर हल्की सी मुस्कान थी। वह सुरक्षित क्षेत्र से बाहर निकल आया, किसी भी तरह से सब कुछ ठीक करने के इरादे से। जैसे ही वह उनकी ओर मुड़ा, उसका सिर दृढ़ संकल्प से ऊपर उठ गया।

धीरे-धीरे, एक-एक करके, सभी लोग सुरक्षित ठिकाने से बाहर निकल गए।

***

ल्यूसिफर ने दो मुहरें तोड़ दी थीं। उसके लिए ऐसा करना आसान था। वह अकाल और महामारी के बारे में सब कुछ जानता था और यह भी जानता था कि उनका सामान कहाँ रखा है। अकाल के पास एक लंबा कंगन था, जिसे वह बहुत प्यार करती थी। उसके क्षेत्र में प्रवेश करके उसने वह कंगन तोड़ दिया था। महामारी के पास एक छोटा सा लटकन था, जिसे वह पहना करता था। उसने वह भी तोड़ दिया था।
समस्या बस इतनी थी कि प्रलय के चारों घुड़सवारों को तभी बांधा जा सकता था जब चारों मुहरें टूट जाएं। फिलहाल, लूसिफर ने केवल दो ही तोड़ी थीं। दो मुहरें अभी भी बाकी थीं, युद्ध और मृत्यु से संबंधित।

वह अपने दफ्तर में बैठा कलम की नोक चबा रहा था और खिड़की से बाहर के नज़ारे को निहार रहा था, तभी दफ्तर का दरवाजा खुला। लाल चमड़े का सूट पहने, नीले रंग के क्रिस्टल से जड़े गंजे सिर वाला एक आदमी गुस्से से भरा हुआ अंदर आया। उसके पीछे, चमकीले कवच पहने सैनिक कमरे में घुस आए। उनके हाथों में भाले और धनुषों पर तने हुए तीर थे।

“तुम क्या करने की कोशिश कर रहे हो, राक्षस?” उस आकृति ने पूछा।
ल्यूसिफर मुस्कुराया। "शांत हो जाओ, वॉर। मुझे लगा था कि तुमसे मिलने के लिए मुझे प्रयास करना पड़ेगा, लेकिन तुमने खुद आकर इसे आसान बना दिया।" “हमने तुम्हें पालने-पोसने में मदद की, लेकिन अब तुम हमें ही कोस रहे हो!” वॉर ने पलटवार किया। “तुम हमें कैसे धोखा दे सकते हो?”
“जिस तरह तुमने मुझे धोखा दिया, वॉर?” लूसिफर अपने पैरों पर खड़ा हुआ, उसकी मुस्कान और चौड़ी हो गई। “मुझे खुशी थी कि तुमने मुझे यहाँ आने में मदद की, लेकिन अब, यह पता चलने के बाद कि तुम मुझे अपने निजी फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे थे, मुझे धोखा महसूस हो रहा है। पृथ्वी पर अपना काम खत्म करने के बाद, तुम मुझे मार डालते और मैं यह जोखिम नहीं उठा सकता।
वह।"

"किसने कहा तुमसे ये?"
“कौन होगा?” लुसिफर ने कहा। “तुम्हारा भाई, मृत्यु।” “मृत्यु...? ओह, हाँ।” वॉर को यकीन था। “वह झूठ बोल रहा था।”
“भले ही वो झूठ बोल रहा हो, मुझे नहीं लगता कि मैं कोई अधूरी बात छोड़ सकता हूँ। मैं तुम्हें इसलिए नहीं बाँध रहा हूँ क्योंकि मैं खुद को बचाना चाहता हूँ। मैं तुम्हें इसलिए बाँध रहा हूँ क्योंकि तुम धरती पर प्रलय लाने में मेरी मदद करोगे और फिर मैं धरती को एक बेहतर जगह बना सकूँगा।” लूसिफ़र वॉर की ओर बढ़ा। “तुम यहाँ मुझसे नहीं लड़ सकते, वॉर। तुम्हारी शक्तियाँ कमज़ोर हैं और तुम मेरे क्षेत्र में हो।” उसने वॉर का हाथ पकड़ा और एक ही झटके में उसकी अंगूठी उतार दी। “अब सब खत्म!”

उसने मुट्ठी भींची और अंगूठी को हथेली में मसल दिया। जब उसने उंगलियां खोलीं, तो वहां सिर्फ धूल ही बची थी। लुसिफर मुस्कुराया, उसकी आंखें खुशी से चमक उठीं।
"अब सिर्फ एक ही बचा है," ल्यूसिफर ने कहा।
वॉर ने दोनों सैनिकों को लूसिफर पर हमला करने का आदेश दिया। जैसे ही वे उस पर झपटे, लूसिफर ने अपना एक हाथ हिलाया और सैनिकों को हवा में ही अलग कर दिया, जिससे वे तुरंत राख और धुएं में बदल गए।
ल्यूसिफर अपनी सीट की ओर वापस बढ़ा और शांत भाव से बोला, "आप जा सकते हैं। यहाँ अब आपकी सहायता की आवश्यकता नहीं है।"
वॉर भय से कांप उठा। उसे पहले कभी डर नहीं लगा था। वह चार घुड़सवारों में से एक था, जो दृढ़ और शक्तिशाली थे। वह अपनी जीत के लिए अडिग था। फिर भी अब वह जानता था कि खुद को बचाने का उसके पास कोई और रास्ता नहीं था, सिवाय इसके कि लूसिफर मृत्यु की मुहर को छीनकर नष्ट कर दे। सवाल यह था कि मृत्यु की मुहर क्या थी और कहाँ थी?
“क्या आप जानते हैं कि मृत्यु की मुहर क्या है?” युद्ध
पूछा। “मैं नहीं जानता, लेकिन मेरे पास एक पैगंबर है जो
करता है।"
“मृत्यु समय के साथ अपनी मुहर बदलती रहती है, हमारी तरह नहीं। वह चतुर है। आप उसे समय रहते कभी नहीं खोज पाएंगे।”
ल्यूसिफर ने ताली बजाई और वॉर को एक धूर्त मुस्कान दी। "मेरे पास दुनिया का सारा समय है।"
दो राक्षस पीछे से वार के पास आए और उसकी बांहें पकड़ लीं।
वे उसे घसीटकर वापस लाए, वॉर चिल्लाया, “तुमने गलत किया है! तुमने
गलत!"
जैसे ही लूसिफर कांच की खिड़की के पास खड़ा होकर देखने लगा, वॉर की आवाज धीमी पड़ गई।
वह बेहद खुश होकर बाहर निकला। वह जीत रहा था और उसे इस बात की खुशी थी। कोई भी नहीं।
अब उसे कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकता था। तीन मुहरें टूट चुकी थीं। चौथी अभी टूटनी बाकी थी।
मिल तो गया, लेकिन उसे कोई जल्दी नहीं थी। वह अपना समय लेना चाहता था।

[illegible]

उसके सामने फैला हुआ नजारा विशाल प्रतीत हो रहा था, जिसमें गगनचुंबी इमारतें आसमान छूती हुई और पृष्ठभूमि में मजबूती से खड़ी थीं। उसकी आंखें तब चौड़ी हो गईं जब उसकी नजर किसी अनपेक्षित चीज पर पड़ी। उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा था।
दृश्य ऐसे बदलने लगा मानो पानी में परछाईं हो। आँखों के सामने ही दृश्य थोड़ा विकृत होकर बदलने लगा। उसके सामने बन रहा नया भूभाग उसे जाना-पहचाना लग रहा था। लाल आकाश, नीली घास, लाल बिंदीदार कब्रें और विशाल गिरजाघर देखकर वह सब कुछ बहुत परिचित महसूस कर रहा था। उसकी कंपनी अब आत्माओं की भूमि में पहुँच चुकी थी।
आज निगम में कोई मानव कर्मचारी काम नहीं कर रहा था, सिवाय उन राक्षसों के जो हर मंजिल की रखवाली कर रहे थे। इसलिए, मनुष्यों के घबराने की कोई चिंता नहीं थी। फिर भी वह जानता था कि यह असामान्य था। यह इमारत यहाँ कैसे पहुँच गई?
"मॉर्निंगस्टार!" किसी ने उसके पीछे से चिल्लाकर कहा।
लेविथान प्रकट हुआ, उसके शरीर पर कई खून से लथपथ घाव और चोटें थीं। शरीर। "तुम्हें क्या हुआ?" लूसिफर ने पूछा। वह नहीं था
के बारे में चिंतित
लेविथान वहाँ मौजूद था। हालाँकि, वह जानता था कि वह अपने आसपास जो कुछ हो रहा था उसे ठीक से संभाल नहीं पा रहा था। "आखिर हो क्या रहा है?"
“किसी तरह, बड़ी मुश्किल से, हम आत्माओं की भूमि में पहुँच गए हैं। सभी नेफिलिम हमारा इंतज़ार कर रहे हैं। वे उस क्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं और हम उन्हें रोकने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह लगभग नामुमकिन है। वे बहुत ज़्यादा हैं और हम ऐसे हमले के लिए तैयार नहीं थे। हमें अभी जाना होगा वरना...”
तीर लगने से लेविथान आश्चर्य से हांफ उठा।
घाव से खून बह रहा था। वह दर्द से कराहते हुए घुटनों के बल गिर पड़ा। दुर्घटनाग्रस्त हो गया

जमीन पर। लुसिफर की आंखें आश्चर्य से चौड़ी हो गईं। कैस्पर सुकरात लेविथान के शरीर के पीछे खड़ा था।

***

कैस्पर ने होप को अपने पास रखा जबकि साइफन हार्वर्ड को साथ लेकर विवियन को ढूंढने के लिए तेजी से निकल गया। हार्वर्ड अपने दूसरे रूप, इरोस में परिवर्तित हो चुका था और गिरी हुई परी की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार था। फिब, बाल्थाजार और आइवी, कैसियस और कई अन्य नेफिलिमों के साथ मिलकर कई राक्षसों से लड़ रहे थे। वे एक के बाद एक मंजिल को व्यवस्थित रूप से साफ करते जा रहे थे।
कैस्पर खुले दरवाजे पर खड़ा था, उसके हाथ में एक खाली धनुष था। उसने उसे एक तरफ फेंक दिया और झट से अपनी छड़ी को तीर-कमान में बदल दिया। होप पास ही खड़ी थी, घबराई हुई सी क्योंकि उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसे क्या करना है। “मैंने तुमसे कहा था, लुसिफर,” कैस्पर ने आगे बढ़ते हुए कहा, उसकी छुरी की नोक ज़मीन पर घिसट रही थी। “मैंने तुमसे कहा था कि तुम्हारे चेहरे पर सदमे का भाव देखकर मुझे खुशी होगी।” वह रुका और मुस्कुराया। “मुझे अभी तुम्हारे चेहरे पर वही भाव दिख रहा है।”
ल्यूसिफर अवाक रह गया। वह अपने नए दुश्मन को हक्का-बक्का देखते हुए एक भी बात सोच नहीं पा रहा था। "तुमने यह कैसे किया?"
“डेथ, फिब और मैंने मिलकर एक ऐसा पोर्टल बनाया है जिसमें से यह पूरी इमारत गुज़र सकती है। मैंने उसे नेफिलिम्स को तैयार रहने के लिए कहने को कहा है।” वह रुका। “सब खत्म हो गया, लूसिफर। सब कुछ खत्म हो गया,” कैस्पर ने ऐलान किया। “तुम हार गए हो।” वह हैरान-परेशान होप की तरफ मुड़ा। “करो!” “मुझे नहीं पता कैसे,” होप ने फुसफुसाते हुए कहा।

“सोलोमन से पूछो। मूल रूप से वही था जिसने यह किया था,” कैस्पर ने निर्देश दिया।

होप ने सिर हिलाया। लूसिफ़र का हाथ तेज़ी से आगे बढ़ा, जिसमें शुद्ध बिजली से बनी तलवार थी। लंबी तलवार बिजली की कड़क के साथ गूंज उठी। वह कैस्पर की ओर दौड़ा, जिसने तुरंत वार को रोक दिया। लूसिफ़र के हमले की ताकत से वह नीचे गिर पड़ा।
ल्यूसिफर ने अपने कोट के किनारों को फड़फड़ाया और होप को घूरते हुए कहा, “तुम सुलेमान की वंशज हो। तुम्हें लगता है कि तुम उसकी मदद कर सकती हो? तो सुनो, मैं तुम्हें तुम्हारे कुछ करने से पहले ही मार डालूंगा…”
कैस्पर ने खुद को संभाला, अपने प्रतिद्वंद्वी पर झपटा और अपने तीर से उसे भेदने की कोशिश की, लेकिन वह इसमें असफल रहा। लूसिफर ने उसकी कमीज पकड़ी और उसे इतनी ज़ोर से पीछे धकेला कि वह पीछे की दीवार से जा टकराया।
होप असमंजस में थी कि क्या करे। उसने अपना बैग नीचे गिरा दिया और कमरे के दूसरे कोने में चली गई। लुसिफर के होठों पर एक क्रूर मुस्कान थी, जब उसने कैस्पर पर हमला किया, जो उसके हर वार को रोक रहा था और मोड़ रहा था। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और सोलोमन से संवाद करने पर ध्यान केंद्रित किया। चलो, सोलोमन। चलो। मुझे बताओ। मुझे बताओ। मुझे यह कैसे करना चाहिए?
उसने घबराकर अंगूठी को बार-बार रगड़ा, यह देखने के लिए कि क्या ऐसा करने से कुछ होगा, लेकिन कुछ नहीं हुआ। उसे न कुछ महसूस हुआ, न ही कुछ दिखाई दिया। कैस्पर द्वारा पेट पर जोरदार लात मारते ही लूसिफर दीवार से टकराकर पीछे गिर पड़ा। वह तुरंत उठा और गुस्से से अपने दुश्मन पर टूट पड़ा। कैस्पर ने भी पूरे जोश के साथ पलटवार किया, और साथ ही आँख मारता और मुस्कुराता रहा। उसके शरीर पर खून से लथपथ चोट के निशान और घाव दिखने लगे थे, लेकिन अपनी कमजोरी का पता होने के कारण वह घबराया नहीं।
“क्या तुम ध्यान दे रही हो, होप? हमारे पास ज्यादा समय नहीं है,” उसने दांत भींचते हुए गुस्से से कहा।

होप ने बुदबुदाते हुए कहा, क्योंकि वह यह समझने की कोशिश कर रही थी कि उसे क्या करना चाहिए। कैस्पर
उसके सीने पर मुक्के और लात से वार हुआ और वह लड़खड़ाकर पीछे गिर गया। थोड़ा।
“वह ऐसा कभी नहीं कर पाएगी। मुझे पूरा यकीन है,” लुसिफर ने ताना मारा। “खैर, मैं मर नहीं सकता। इसलिए मेरे पास भी उतना ही समय है जितना तुम्हारे पास है।”
“कैस्पर सुकरात, मैं जानता हूँ कि तुम्हारी सबसे बड़ी कमजोरी कहाँ है,” उसने आत्मविश्वास से कहा। कैस्पर को पूरा यकीन था कि वह झूठ बोल रहा है।

मुझे बताओ, सोलोमन! उसने विनती की।
कैस्पर ने सवालिया निगाह से अपनी भौंहें उठाईं। "क्या तुम बता सकते हो?" मैं?” उसने कैस्पर की छाती की ओर इशारा किया। “वहाँ।”
"मुझे लगता है कि आप मेरे निपल्स की ओर इशारा कर रहे हैं?" कैस्पर ने मजाक में कहा।
“तुम्हारा दिल, कैस्पर। तुम्हारी सबसे बड़ी कमजोरी तुम्हारा दिल है,” लूसिफर ने घोषणा की। लूसिफर का यह दावा सुनकर कैस्पर का जबड़ा कस गया। उसने बात टालने की कोशिश जारी रखी।
उसने वार करते हुए उन्हें थोड़ा समय दिया। उसने तिरछी नज़र से होप की ओर देखा। वह धीरे-धीरे खुद से बातें कर रही थी।
"यह कैसे हो सकता?"
“क्योंकि मैंने तुम्हें देखा है। तुम कभी-कभी क्रूर बनने की कोशिश करते हो और कभी-कभी मूर्खता का नाटक करते हो। तुम्हारे कई व्यक्तित्व भी हैं। लेकिन तुम निर्दयी इंसान नहीं हो। जब तुम्हें पता चलता है कि प्यार करने वाला कोई नहीं है, तो तुम कमजोर पड़ जाते हो। मैं तुम्हारी पिछली कहानी जानता हूँ, कैस्पर सुकरात।”
“मुझे पता है कि तुमने उस गार्गोयल, बाल्थाजार को, अपने स्वार्थी कारणों से लिया था, क्योंकि तुम्हें एक साथी चाहिए था। तुम्हें कोई ऐसा चाहिए था जो तुम्हारा साथ दे, क्योंकि तुम खुद को खोया हुआ और अकेला महसूस करते थे। तुम्हें प्यार की बहुत चाह थी, लेकिन वह तुम्हें कभी नहीं मिला। इसी ने तुम्हें कमजोर बना दिया। यही तुम्हारी कमजोरी है। अगर तुम्हें पता चले कि

□□□□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□, □□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□”

होप ने अपनी आँखों के सामने कुछ आकार लेते देखा। सोलोमन उसके सामने खड़ा था, दुबला-पतला और लंबा, लड़कपन वाले चेहरे के साथ। उसके भूरे बाल उसकी आँखों पर गिरे हुए थे, जिससे उसकी दृष्टि क्षण भर के लिए बाधित हो रही थी। उसकी मुस्कान प्यारी और मासूम थी।
“रेखाओं का अनुसरण करो,” उसने धीरे से कहा और फिर गायब हो गया।
आशा चिढ़ गई। रेखाओं का अनुसरण करो? कौन सी रेखाएँ? ये रेखाएँ कहाँ से आईं? वही तो नरक के द्वार खोलने वाली थी और उसे पता ही नहीं था कि ये रेखाएँ क्या हैं और कहाँ हैं। उसने अंगूठी को घूरकर देखा और उस पर तारा और चिन्ह देखा। जैसे-जैसे वह उस पर विचार करती गई, रेखाएँ बनने लगीं। तारा... उस पर रेखाएँ थीं!
उसने अपनी उंगली तारे पर रखी और रेखा को प्रतीक की ओर बढ़ाया। जैसे ही उसकी उंगली का सिरा रेखाओं के मिलन बिंदु से गुजरा, उसके चेहरे पर मुस्कान आ गई। उसने अपनी उंगली को आगे बढ़ाते हुए अग्नि, जल, पृथ्वी और वायु के प्रतीकों पर रेखा को पूरा किया। जल्द ही, रेखाएँ पूरी हो गईं और वह वापस प्रारंभिक तारे पर आ गई। उसे आश्चर्य हुआ कि अंगूठी चमकने लगी।
ल्यूसिफर और कैस्पर का ध्यान प्रकाश की ओर आकर्षित हुआ। होप ने अंगूठी नीचे फेंक दी और पीछे हट गई। अंगूठी का आकार बदलने लगा और वह तेज़ी से चमकने लगी। वह एक धारदार, लंबी सुनहरी तलवार बन गई। उसकी मूठ कई नीलमों से जड़ी हुई थी और उस पर रहस्यमय चिह्न खुदे हुए थे। वह उसे उठाने के लिए झुकी और पाया कि तलवार पकड़ना आसान था, मानो वह उसी के लिए बनी हो।
इसका इस्तेमाल करो।

“मैंने कर दिखाया! मैंने कर दिखाया, कैस्पर!” वह खुशी से चिल्लाई।
“बहुत बढ़िया, लेकिन मुझे लगता है कि तुम्हें इसका इस्तेमाल अभी करना चाहिए,” कैस्पर ने सलाह दी। लुसिफर ने होप को जान से मारने के इरादे से अपनी धधकती तलवार उसकी ओर घुमाई।
होप ने मामूली प्रयास से ही उसके हमले को नाकाम कर दिया। अचंभित होकर लूसिफर ज़मीन पर गिर पड़ा।
“नहीं!” वह चिल्लाया। “नहीं! ऐसा नहीं हो सकता! मैं हार नहीं सकता। दोबारा नहीं!”

कैस्पर की नाक थोड़ी फूल गई। उसने अपने शॉटेल पर झुककर उसे खींचा। मैंने अपने पैरों को सहलाया और माथे से पसीना पोंछा। “मैंने आत्माओं की भूमि को चुना, एक
कारण बताओ, लूसिफर। मैं इसे वहीं खत्म करना चाहता था जहाँ से यह सब शुरू हुआ था। हमेशा के लिए, मुझे ज़रूरत है
इसका अंत हो। आशा है..." वह उसकी ओर मुड़ा, जब उसने शक्तिशाली तलवार पकड़ी हुई थी। "तुम
जाने क्या करना है।"
उसने गहरी सांस ली और पीछे हट गया। होप तलवार लहराते हुए आगे बढ़ी। लुसिफर ने दया की भीख मांगी और रोते हुए ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाया, उसकी आँखों से आंसू बह रहे थे। उसने यह मानने से इनकार कर दिया कि कुछ मुट्ठी भर बदमाशों ने उसे मारने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी।
“शैतान रो रहा है। ऐसा नजारा हर दिन देखने को नहीं मिलता,” कैस्पर ने हंसते हुए कहा।
होप ने ब्लेड को उसके मांस में इतनी गहराई तक घुसा दिया कि वह
छेद दिया
दिल। मॉर्निंगस्टार की छाती में लगे घाव से काला खून तेजी से बहने लगा, तभी होप ने ब्लेड को खींचकर पीछे हट गई। लुसिफर ने अपने हाथों को उस गहरे घाव पर दबाया, ताकि खून को रोका जा सके, जो अब उसकी सफेद कमीज और ग्रे पैंट को भिगो रहा था। वह गुस्से से चीख उठा, उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था।

नहीं! नहीं! ऐसा नहीं हो सकता!

"एक घेरा बनाओ और चलो इसे हमेशा के लिए खत्म करते हैं," कैस्पर चिल्लाया। दरवाजे खुले और कैस्पर और उसके प्रिय साथियों का समूह कमरे में घुस आया। साइफन बेहोश विवियन को अपनी बाहों में उठाए हुए था। फिब बुरी तरह झुलसा हुआ और घायल होकर सबसे पीछे आ रहा था। सबकी निगाहें डरे हुए लूसिफर पर पड़ीं, जो होप से जितना हो सके दूर भागने की कोशिश कर रहा था, क्योंकि होप उसकी ओर बढ़ रही थी।
“क्या तुम्हें लगता है कि यह अंत है, कैस्पर?” उसने गहरी काली फुहारों के बीच सांस लेते हुए कहा।

उसके होंठों पर रंग चढ़ा हुआ था। उसने अपने हाथ के पिछले हिस्से से अपने मुंह को पोंछा, जिससे रंग और भी फैल गया।
उसके ठुड्डी पर खून के धब्बे थे। "तुम्हें लगता है कि मेरे मरने से सब कुछ खत्म हो जाएगा, है ना?"
"अच्छा, तुम गलत हो।" उसने अपनी हंसी दबा ली। कैस्पर ने उसकी बातों को अनसुना करते हुए साथ में प्रवेश किया।
बाकी की

समूह। "तो फिर आपको कोई अंदाजा नहीं है। आपको कोई अंदाजा नहीं है कि आपके साथ क्या होने वाला है, आपको कोई अंदाजा नहीं है कि भविष्य में आपके साथ क्या होगा।"
होप ने एक वृत्त बनाया, यह सुनिश्चित करते हुए कि वह बिल्कुल सही हो। “मैं तो बस शुरुआत हूँ। मैंने सोचा था कि मैं गुरु बन सकता था, लेकिन मैं नहीं बन पाया। मैंने यह सीख लिया है। असली गुरु कोई और है। कोई मुझसे कहीं अधिक शक्तिशाली और धोखेबाज। यहाँ तक कि अराजक भी। वह इस दुनिया की किसी भी चीज़ से बदतर है और दुनिया को जलते हुए देखने के अलावा और कुछ नहीं चाहता।” उनकी जानकारी के बिना, एक आकृति धीरे-धीरे मारे गए नेफिलिमों और राक्षसों से दूर चली गई। गलियारा खाली था, आंशिक रूप से सड़े हुए शवों से भरा हुआ था, जिन पर उत्सुक मक्खियाँ भिनभिना रही थीं। आकृति मुड़ी और खिलखिलाकर हँसी, उसका चेहरा खुशी से चमक रहा था और वह मुस्कुराई।
“हाँ, मुझे लगता है कि आप समझ गए होंगे कि मेरा क्या मतलब है। मुझे लगता है कि आप बिल्कुल समझ गए होंगे कि मैं क्या कहना चाहता हूँ।
“किसके बारे में बात कर रहे हो?” कैस्पर की आँखें आश्चर्य से चौड़ी हो गईं। “मुझे भी नहीं पता था।”
जब तक मुझे पता नहीं चला कि वह सिर्फ एक साधारण धोखेबाज नहीं था। नहीं।
नहीं। वह उससे कहीं अधिक था।
उससे भी बढ़कर। वह रहस्यमय और गुप्त था। वह ऐसा व्यक्ति था जिसे कोई भी समझ नहीं सकता था।
और उन्होंने मेरा पालन-पोषण किया।
“मैंने सोचा था कि वह एक मोहरा है, लेकिन वह रानी निकली। मैं गलत थी। मैं पूरी तरह गलत थी और तुम भी, यह सोचकर कि वह कुछ समय पहले ही मर गया था। वह मर नहीं सकता। तुम मुझे अभी मार सकते हो, लेकिन तुम्हें यह जानना होगा कि यह सब खत्म नहीं हुआ है। मैं नरक में जाऊंगी, लेकिन वह अभी भी आज़ाद है।”
“वह किसके बारे में बात कर रहा है?” साइफन ने पूछा।

“मैनफ्रेड क्रॉफ्ट,” कैस्पर ने फुसफुसाते हुए कहा। “लेकिन – लेकिन मैंने ही तो उसे मारा था!”
“तुम उसे नहीं मार सकते जिसे तुम जानते ही नहीं,” ल्यूसिफर ने उत्तर दिया। “मैंने सीखा है कि हर किसी का एक उद्देश्य होता है। कुछ चीजें हमें वो करने

के लिए प्रेरित करती हैं जो हम करते हैं, ताकि हम अपने लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। मैनफ्रेड पागल है, क्योंकि उसका कोई सच्चा उद्देश्य नहीं है।”

वृत्त था
पूरा। “कहाँ
क्या वह अब भी वैसा ही है?

ल्यूसिफर मुस्कुराया, और चुप रहा।
वह घेरा चमकने लगा और एक बड़ा, राख से भरा गड्ढा बन गया। कैस्पर ने लूसिफर को पकड़ा और उसे घेरे की ओर खींच लिया। उसे उसमें फेंकने से पहले, उसने उसकी कमीज़ का कॉलर पकड़ा और गुस्से से पूछा, "अगर वह मौत को चकमा दे गया, तो अब वह कहाँ है? मैनफ्रेड क्रॉफ्ट कहाँ है?"
“मुझे पहले पता नहीं था, हाल ही में पता चला। वह हमेशा तुम्हारे साथ था, कैस्पर। उसने तुम्हें कभी नहीं छोड़ा। बस तुमने इसे देखा नहीं।”
कैस्पर ने भौंहें चढ़ा लीं। "वह कौन था?"
“वह तुम्हें हमेशा से पसंद करता था और उसने कभी भी तुम्हें पसंद करना बंद नहीं किया।” लूसिफर मुस्कुराया। “ज़रा सोचो। उफ़…” उसने ज़ख्म को छुआ और अपनी उंगलियों पर लगे खून को कुछ पल के लिए घूरा, फिर ऊपर देखकर कैस्पर की ओर मुस्कुराया। “वह तुममें से ही एक है। इकलौता ऐसा व्यक्ति जिसकी तुमने कभी उम्मीद नहीं की थी। ज़रा सोचो।”
कैस्पर ने उसे गड्ढे में फेंक दिया। लूसिफर पूरी ताकत से चिल्लाया और रोया। जैसे-जैसे पूरा घेरा बंद होता गया और उसके साथ गायब होता गया, उसके शब्द धीमे होते गए। फिर भी कैस्पर संतुष्ट नहीं था। मैनफ्रेड जीवित था। वह वहीं था। बस उसे पता नहीं था कि वह कहाँ है।
ल्यूसिफर की कही बातों पर सोचते हुए उसके दिमाग में अनेकों संभावनाएं उमड़ पड़ीं। वह हमेशा तुम्हारे साथ था। ये शब्द उसके मन में गूंजते रहे और धीरे-धीरे सब कुछ उसे याद आ गया। वो दृश्य, वो शब्द - सब कुछ स्पष्ट रूप से एक साथ जुड़ गया।
वह हमेशा आपको पसंद करता था।
उसे पता होना चाहिए था। सब कुछ तर्कसंगत था। जवाब तो हर समय उसके सामने ही था।

कैस्पर, वह तुम्हें पसंद करता है। वह तुम्हें प्यार करता है। वह तुम्हारे साथ रहना चाहता है।

आइवी ने कुछ समय पहले ही उससे यह बात कही थी...
यह बात कभी समझ में नहीं आई कि विवियन ने घर क्यों छोड़ा था। शायद किसी ने उसे जाने के लिए मजबूर किया हो। किसी प्रभावशाली व्यक्ति ने उसे बाहर जाने के लिए राजी कर लिया हो।
उसे अचानक सच्चाई का एहसास हुआ। उसने आसपास के छोटे समूह पर नज़र डाली। साइफन बेहोश विवियन को अपनी बाहों में लिए खड़ा था। आइवी उलझन भरे चेहरे के साथ वहीं खड़ी थी। बाल्थाजार ने भौंहें चढ़ाते हुए अपना सिर खुजाया। हार्वर्ड फटे-पुराने कपड़ों में अकेला खड़ा था। फिर भी, कोई गायब था। कोई ऐसा जो उनके साथ होना चाहिए था, लूसिफर के पकड़े जाने की खुशी मना रहा होता।
“फिब कहाँ है?” कैस्पर ने हाथ बढ़ाकर आइवी के कंधे पर हाथ फेरा। “वह आखिर कहाँ है?”
“वो...वो…” आइवी ने खाली आँखों से चारों ओर देखा। कैस्पर को घूरते हुए उसकी आँखों में गहरी उलझन झलक रही थी। “वो अभी एक पल पहले यहीं था। क्यों?”
“आप दोनों की दोस्ती शुरू में कैसे हुई?”
“वो बस...वो बस...” उसे याद नहीं आ रहा था। “मुझे याद नहीं आ रहा। वो तुम्हारे घर आया और...वो अचानक मेरा दोस्त बन गया।” शब्द उसके मुँह से धीरे-धीरे निकले।
तब कैस्पर को समझ आया कि उसके साथ क्या हुआ था। उस पर सम्मोहन, एक झूठा भ्रम, का प्रयोग किया गया था।
जैसे ही वह दरवाजे की ओर भागा, आइवी ने उसके पीछे चिल्लाकर कहा, “क्या हुआ? तुम ऐसे क्यों व्यवहार कर रहे हो?”
दरवाजा खोलते हुए उसने कंधे के ऊपर से उसकी तरफ देखा। "क्योंकि..." फिबोनाची ही मैनफ्रेड क्रॉफ्ट हैं। वो हमेशा से ही रहे हैं!” इतना कहने के बाद, कैस्पर था
गया।

आईना

कैस्पर मैनफ्रेड को ढूंढने की उम्मीद में गलियारे में तेजी से भागा। उसने हर कोने में तलाशा, लेकिन उसे केवल मृतकों के शव ही दिखाई दिए। उसने ऊपर देखा तो कार्यालय की बालकनी पर एक आकृति खड़ी थी। वह तुरंत समझ गया कि यह कौन है।
मैनफ्रेड रेलिंग पर झुककर मजे से नीचे देख रहा था। उसकी बाहें आपस में जुड़ी हुई थीं। उसके कांटेदार बाल तेज रेजर की तरह पीछे की ओर धकेले हुए थे। उसकी त्वचा पर आकृतियाँ और टैटू उभरे हुए थे। उसके पीछे कांच का दरवाजा खुलने पर भी उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।
“यही वो चरम अंत है जो तुम हमेशा से चाहते थे, मैनफ्रेड,” कैस्पर ने प्रकट होते हुए कहा। “यही तो तुम चाहते थे, है ना? चलो, हम यहाँ हैं, बस तुम और मैं।” उनके ऊपर लाल आकाश गहरा गया। “यही अंत है।”
“कैस्पर, तुम्हारी नाक के नीचे चुपके से आना और किसी की नज़र में न आना कितना आसान था,” मैनफ्रेड ने जवाब दिया। “बहुत ही आसान।” वह कैस्पर की ओर मुड़ा। उसके चेहरे पर खुशी की चमक फैल गई। “तुमने मेरी तरफ कभी देखा तक नहीं। एक बार भी नहीं। तुम्हें कभी शक भी नहीं हुआ कि मैं ही वो इंसान होऊंगा। मुझे लगा था कि समलैंगिक होने से मैं सबकी नज़रों से बच जाऊंगा।”

“तो फिर तुम जीत गए। उस समय तुम्हारी मृत्यु कैसे हुई?”
“वो मैं नहीं था। वो मेरी हूबहू कॉपी थी जिसे मैं नियंत्रित कर रहा था।” मैनफ्रेड मुस्कुराया। “तुम्हारे साथ रहने के लिए मैंने हर संभव कोशिश की।”
“अगर तुम लुसिफर को मरवाना चाहते थे, तो तुमने उसे पाला ही क्यों?” “क्या? तुम्हें लगा कि मैं उसे मरवाना चाहता था?”
“तुम जब चाहो मुझे झूठा साबित कर सकते थे, लेकिन तुमने कभी ऐसा नहीं किया, मैनफ्रेड। तुमने कभी नहीं किया!” कैस्पर गुस्से से बोला।

"ठीक है, शायद आप सही हैं। लेकिन मैं तो बस थोड़ा मज़ा करना चाहता था।" मैनफ्रेड ने ताली बजाते हुए हँसते हुए कहा, "इन्हें देखकर मुझे बहुत खुशी हुई।"
“छोटी कठपुतलियों को मैं, कठपुतली कलाकार, चला रहा हूँ,” उसने चारों ओर नज़र घुमाते हुए कहा।
मनोरंजन। "मैं कठपुतली का मालिक हूँ और मुझे आप सभी को मेरे इशारों पर नाचते देखना बहुत अच्छा लगता है।"
धुन।"

मुझे अब भी समझ नहीं आ रहा है कि आप ऐसा क्यों कर रहे हैं।
मैनफ्रेड की मुस्कान गायब हो गई। "क्योंकि मेरे पास मुस्कान नहीं है। हर किसी के पास नहीं होती।"
हर काम किसी न किसी मकसद से किया जाता है। कुछ लोग इतने दुष्ट होते हैं कि उनका कोई मकसद ही नहीं होता।
देखना।"

मुझे आपकी बात पर विश्वास नहीं है।
“कैस्पर, तुम मुझे बहुत अच्छी तरह जानते हो। हमेशा से जानते आए हो। क्या तुम्हें सच में लगता है कि मेरे पास कोई वजह होगी? नहीं, नहीं, नहीं। नहीं, श्रीमान, मेरे पास कोई वजह नहीं है। यह तो बस धरती है, कैस्पर। यह तो बस शुरुआत है।” उसने अपने हाथ ऊपर उठाए और आत्माओं की भूमि की ओर देखा, उसके सामने फैले धुएँ से ढके पहाड़ों को निहारते हुए। “अब मैं कुछ ऊँचा लक्ष्य रखूँगा। एक ग्रह से भी बदतर और निश्चित रूप से कहीं अधिक अराजक।”
"तुमने मुझे बेवकूफ बनाने में अच्छा काम किया?" कैस्पर ने मैनफ्रेड की ओर बढ़ते हुए पूछा, जिसने उसकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया और आत्माओं की भूमि की ओर देखता रहा।

***

उसने देखा कि एक बकरे के सिर वाला आदमी धीरे-धीरे उनकी ओर आ रहा है। यह स्पष्ट था कि वह जिसे चाहे नुकसान पहुंचा सकता था, लेकिन उसे खुद कोई

नुकसान नहीं पहुंचा सकता था। उस प्राणी को केवल वही देख सकता था। उसने अपने बगल वाले भोजनालय में बैठे लोगों के पीले चेहरों पर एक नज़र डाली।
उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे।
वह प्राणी प्रकट हुआ और उसका हाथ उस कॉर्पोरेट व्यक्ति के ऊपर मंडरा रहा था।
वही प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई। जैसे ही उस आदमी के पैर हिले, हवा में चिंगारियां फूट पड़ीं।
वह कांपने लगा और गिर पड़ा। उसका चेहरा पीला पड़ गया। शेरिफ उसके पास घुटनों के बल बैठ गया और उसे जगाने की कोशिश करने लगा।
“तुमने यह कैसे किया?” शेरिफ ने पूछा।
“बेवकूफ, मैंने नहीं किया। मैं यहाँ बंधा हुआ हूँ, असहाय हूँ और एक उंगली भी नहीं हिला सकता, लेकिन मुझे पता है कि यह किसने किया है। मुझे यहाँ से बाहर निकालो और मैं तुम्हारी मदद करूँगा या कम से कम कोशिश तो करूँगा।” शेरिफ असमंजस में दिख रहा था। उसे एहसास हो गया था कि उसके पास कोई विकल्प नहीं है। जैसे ही वह कैस्पर के ऊपर खड़ा हुआ और उसकी हथकड़ी खोली, तनाव बढ़ गया। कैस्पर ने अपनी कलाई को सहलाया जहाँ एक लाल घेरा बन गया था। उसने बकरे के सिर वाले आदमी को अपनी ओर आते देखा।
“सब लोग रसोई में वापस जाओ!” वह चिल्लाया। “तेजी से भागो!”

***

“तुम जानते हो, मैनफ्रेड, कि एक दिन मैं तुम्हें जिंदा जलाकर तुम्हारी खाल उतार दूंगा।” कैस्पर ने शांत भाव से उसकी आँखों में सीधे देखते हुए कहा। “नहीं,” मैनफ्रेड हँसते हुए बोला। “तुम नहीं कर सकते। तुम कभी नहीं कर पाओगे क्योंकि तुम कमज़ोर दिल के हो और अपने आस-पास के लोगों पर निर्भर हो। तुम प्यार में पड़ चुके हो और इन तथाकथित नायकों के साथ मिल गए हो।” मैनफ्रेड कांच के दरवाजे की ओर बढ़ा। "कैस्पर, तुम्हारा प्यार ही तुम्हारी कमजोरी है, और तुमने इसे अपने ऊपर हावी होने दिया है।"
“कभी-कभी, प्यार ही आपकी ताकत बन जाता है,” कैस्पर ने जवाब दिया। निश्चितता। मैनफ्रेड वहीं रुक गया और मुड़कर देखने लगा।
कैस्पर जो अभी भी

वह रेलिंग से टेक लगाकर खड़ी थी और उसकी तरफ ध्यान नहीं दे रही थी। "अरे, बेचारे लड़के, प्यार समझदारों को भी मूर्खता के गड्ढे में गिरा देता है। कास्पर, तुम कब समझोगे कि यह कोई परीकथा नहीं है? तुम कब समझोगे?"

“वो दिन आएगा जब तुम्हें एहसास होगा कि परियों की कहानियाँ सच में होती हैं,” कैस्पर ने धीरे से कहा और उसकी ओर मुड़कर बोला। “लेकिन समस्या हमारे साथ है। हम बस इसे स्वीकार नहीं करना चाहते।”
आप गलत हैं। आप तो नायकों में से एक हैं। ओह, आप तो सचमुच एक नायक हैं।
जो ठगी करता है, रोमांच का अनुभव करता है और प्यार में पड़ जाता है। तुम बस एक बदकिस्मत हो।
नायक।"

***

एक दिन, बेटे, तुम्हें एक विकल्प मिलेगा। एक ऐसा विकल्प जो तुम्हारी ज़िंदगी बदल देगा।

दुनिया।
आपको बस इतना जानना है कि लोग आपको सम्मान की नज़र से देखेंगे। ये वे लोग हैं जो आपके करीब हैं, जो आपकी परवाह करते हैं।
उस समय आपको यह जानना होगा कि आप जो कर रहे हैं वह सही है। आपको यह जानना होगा कि आप जो करेंगे उससे सब कुछ हमेशा के लिए ठीक हो जाएगा।
आपको यह चुनाव करना होगा, चाहे वह अच्छा हो या बुरा। आप ही हमारे संसार का भविष्य तय करेंगे।

***

अंततः कैस्पर ने घोषणा की, “मैं तुम ही हूँ, मैनफ्रेड। तुम मैं हो और मैं तुम। हम दोनों एक जैसे हैं। हम भाई नहीं हैं। हम चचेरे भाई नहीं हैं। हमारा खून का रिश्ता भी नहीं है। लेकिन तुम मैं हो, क्योंकि मैंने वर्षों पहले एक गलती की थी। एक ऐसी गलती जिसका मुझे बहुत पछतावा है,” उसने आह भरी।
“यह पूरी तरह से तुम्हारी गलती है, कैस्पर। तुम्हारे दोस्त खतरे में हैं क्योंकि
तुम्हारी वजह से। तुम्हारे माता-पिता तुम्हारी वजह से मरे। तुम्हारी बहन तुम्हारी वजह से मारी गई।

तुम्हारी वजह से तुम्हारी धरती नष्ट होने वाली थी। तुमने गलती की। आप
आप

कैस्पर, जानते हो ये कितनी बड़ी गलती है? तुमने ही मुझे इस दुनिया में लाया है।
तुम्हारे बनाए पोर्टल के ज़रिए। मैं तुम्हारी गलती था,” मैनफ्रेड ने जवाब दिया।
एक मुस्कान।

***

कैस्पर ने देखा कि दानव अपने शिकार की तलाश में इधर-उधर देख रहा था।
रसोई छोटी थी, लेकिन फिर भी उसमें सब लोग समा सकते थे। वह एक अज्ञात शक्ति से जूझ रहा था, जिसे केवल वही देख सकता था। उसे नहीं पता था कि वह क्या है या वह ऐसा क्यों कर रहा है। उसे बस इतना पता था कि उसे कुछ करना होगा। वह यह सोचे बिना नहीं रह सका कि उस प्राणी ने उसे अभी तक मारा क्यों नहीं।
उसने इसे एक अवसर समझा और दानव की ओर चिल्लाते हुए बोला, "अरे तुम! आओ मुझसे मुकाबला करो!"
रसोई के दरवाजे की खिड़की से सटे चेहरों के बीच उलझन से भौंहें तन गई थीं। उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि कैस्पर क्या करने की कोशिश कर रहा है। उसके सामने कोई नहीं था, फिर भी वह जोर-जोर से चिल्ला रहा था।
राक्षस कैस्पर की ओर बढ़ा। लेकिन बीच रास्ते में ही वह रुक गया। मानो वह और आगे नहीं जा सकता था। उसने रसोई की ओर सिर घुमाया और मुस्कुराया।

***

मैं जवान था। मुझे पता नहीं था कि मैं क्या कर रहा हूं।
“खैर, तुमने अपनी बेगुनाही के कारण अपना जीवन बर्बाद कर लिया,” मैनफ्रेड ने जवाब दिया। “तुमने मेरे माता-पिता, मेरी बहन और मेरे कुत्ते को मार डाला और मुझे पिंजरे में बंद कर दिया।”

जहां से मैं भाग नहीं सका। फिर भी, मैं भाग निकला। मैंने तुम्हें मारने की कोशिश की, लेकिन तुमने मुझे जहर से घायल कर दिया और मुझे जीने के लिए मौत को बुलाना पड़ा,” कैस्पर ने स्वीकार किया। “कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है,

क्या तुम मेरी ही वास्तविकता का प्रतिबिंब हो? अगर तुम अराजकता हो, तो क्या तुम मुझे व्यवस्था की ओर ले जाओगी?”
मैनफ्रेड दिल खोलकर हँसा। “अब सब खत्म हो गया, कैस्पर सुकरात। सब खत्म। तुम फिर हार गए। मैं जीत गया। यही होना तय था। इस बार तुम कुछ नहीं कर सकते क्योंकि तुम मुझे मार नहीं सकते।”
कैस्पर सामने के खेतों को घूर रहा था, उसके कंधे हल्के से हिल रहे थे और वह हंसने लगा। मैनफ्रेड की मुस्कान गायब हो गई और वह थोड़ा घबरा गया। उसने तिरछी नज़र से कैस्पर की ओर देखा और समझने की कोशिश की कि आखिर क्या गड़बड़ हुई है। उसने क्या किया? कैस्पर क्यों हंस रहा था?
“ये क्या है? तुम ऐसा क्यों कर रहे हो? मैं जीत गया! मैं जीत गया! क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा? तुम हार गए!”
"मैनफ्रेड, यही तो तुम्हारी सबसे बड़ी कमजोरी है।"
मैनफ्रेड ने अपनी आँखें सिकोड़ते हुए पूछा, "तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
वह हकलाया। “तुम कहते हो कि हम एक जैसे हैं, कि हम एक ही पक्ष में हैं। लेकिन
तो, मुझे पता है...
मुझे समझ आ गया कि तुम क्या कहना चाहते थे। तुम्हें मेरे लिए सुराग छोड़ने की कला आती है। तुम हमेशा सफल होते थे क्योंकि मैं तुम्हारे सुराग कभी समझ नहीं पाता था। अब समझ गया। जब तुमने कहा कि हम एक जैसे थे, तो तुम्हारा मतलब सचमुच तुम ही थे। मेरी एक कमजोरी है, तो इसका मतलब है कि तुम्हारी भी एक कमजोरी है।
“तो मेरी कमजोरी क्या है?” मैनफ्रेड ने अपनी आवाज ऊंची करते हुए पूछा। छोटा। कैस्पर मैनफ्रेड की ओर बढ़ा। उसने उसके सिर की ओर इशारा किया। "ये लो। तुम्हारा दिमाग।"
“यही तुम्हारी सबसे बड़ी कमजोरी है,” उन्होंने कहा। “तुम इसलिए कमजोर हो क्योंकि तुम अपनी हार स्वीकार नहीं कर पाते। तुमने हमेशा सोचा कि तुम जीत सकते हो, कि तुम इतने बुद्धिमान और चतुर हो कि तुम्हारे सामने आने वाली किसी भी चुनौती को पार कर लोगे। तुम्हारे मन में हमेशा यही धारणा थी कि तुम जीतोगे। तुम तभी कमजोर पड़ते हो जब तुम्हें पता चलता है कि तुम हार गए हो, जब तुम्हें पता चलता है कि तुम जीत नहीं सकते।”

“नहीं, नहीं। तुम एक साधारण हीरो हो, कैस्पर।” मैनफ्रेड के चेहरे पर मुस्कान का कोई निशान नहीं था, जब उसने कैस्पर की धुंधली आँखों में गहराई से देखा। “तुम एक हीरो हो। तुम हमेशा से ही हीरो रहे हो।”
“लोग नायकों पर विश्वास करते हैं, लेकिन वे एक बात भूल जाते हैं। नायक होते ही नहीं, मैनफ्रेड।” वह मुस्कुराया। “नायक होते ही नहीं। केवल साहस से भरे मूर्ख ही होते हैं।”

***

एक दिन तुम्हें इन सब बातों को दरकिनार करके यह समझना होगा कि तुम्हारे लिए क्या महत्वपूर्ण है, बेटा। एक दिन तुम्हें यह तय करना होगा कि तुम अपने प्रियजनों के लिए खुद को कुर्बान कर दोगे या एक स्वार्थी और खेदजनक जीवन जिओगे।
बेटे, तुम्हें एक बात समझनी होगी। कोई भी हीरो नहीं होता, बल्कि हमारा विश्वास हीरो होता है।
एक बनाता है। हर किसी के भीतर एक खलनायक छिपा होता है, जो बाहर आ जाता है।
अंततः।
आपको बस इतना जानना होगा कि आपकी उम्र बहुत लंबी नहीं है। एक दिन, आपको एहसास होगा कि आप उसी इंसान में बदल रहे हैं जिससे आप कभी सबसे ज्यादा डरते थे।

***

राक्षस रसोई की ओर बढ़ा। कैस्पर ने एक कांटा उठाया।
उसने पलटवार किया और उस पर हमला करने की कोशिश की। किसी तरह, वह उस इकाई के आर-पार ऐसे निकल गया मानो वह
वे महज एक आभास थे। उन्होंने दोबारा गोता लगाया, लेकिन असफल रहे।
जब भी वह कुछ करने की कोशिश करता, बकरे के सिर वाला आदमी किसी तरह गायब हो जाता और
फिर से प्रकट हुआ।
सुंदर घुमावदार सींग चमक रहे थे और लंबा, घुमावदार जबड़ा था

कसकर भींचे हुए। राक्षस के मुस्कुराते हुए छोटे-छोटे दांत दिखाई दिए, उसकी धंसी हुई आंखें भरी हुई थीं।
हंसी।

बैफोटेम सिर्फ अंधाधुंध हत्याओं से कहीं अधिक कुछ चाहता था। उसे इस बात का पूरा यकीन था। किसी न किसी तरह, वह जानता था कि बैफोटेम सिर्फ एक सपना था। उसने राक्षस को रसोई के दरवाजे की ओर बढ़ते देखा, और उसने दरवाजा खोल दिया। उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया और कमरे में मौजूद लोगों का सार चूसने लगा। उसे क्रोध आ रहा था। इसलिए नहीं कि वे मर रहे थे, बल्कि इसलिए कि वह उन्हें बचाने के लिए कुछ नहीं कर सकता था। उसे ऐसा महसूस हो रहा था...
असहाय। कुछ ही सेकंड में, भोजनालय में मौजूद सभी लोग मर जाएंगे, और अंत में वह अकेला रह जाएगा।

***

मैनफ्रेड रेलिंग की ओर बढ़ा, यह सोचते हुए कि उसे आगे क्या कहना है। कैस्पर ने उसे अवाक कर दिया था।
“मान लो, तुम हार गए। मुझे तुम्हारी कमजोरी मिल गई। वो कमजोरी जिसे तुमने सबसे छिपाकर रखा था,” कैस्पर ने कहा।
“तुम सही हो, कैस्पर। तुम सही हो। तुमने मेरी कमजोरी ढूंढ ली। तुमने मुझे मारने का तरीका ढूंढ लिया। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि तुम मुझे रोक पाओगे। इसका मतलब यह भी नहीं कि मैं जो कर रहा हूँ, उसे करना बंद कर दूँगा।” मैनफ्रेड एक बार फिर मुस्कुराया। “मैं नहीं रुकूँगा और इस ब्रह्मांड को तहस-नहस कर दूँगा।”

कैस्पर ने अपना सिर हिलाया। "नहीं। नहीं!"
“कैस्पर, तुम तो बस साधारण हो, क्योंकि तुम एक हीरो हो। हीरो मुझे कभी हरा नहीं सकते। वे मुझसे कभी लड़ नहीं सकते। केवल बुरे लोग ही मुझे हरा सकते हैं, क्योंकि चट्टान को तोड़ने के लिए चट्टान की ही ज़रूरत होती है। इसलिए, कोई भी हीरो मुझे हरा नहीं सकता।”
फैसला लेना होगा। आप कौन हैं? वह जो सब कुछ खत्म कर देता है, या वह जो सब कुछ बचाता है?

“अगर मैं अब तुम्हें छोड़कर चली जाऊं, तो तुम फिर से अराजकता फैला दोगे।
मैं वो इंसान नहीं हो सकती जिसे मैं छोड़ दूं।”
जो सब कुछ खत्म करता है। मुझे ही सब कुछ की रक्षा करनी होगी," कैस्पर दृढ़ता से कहा गया।
मैनफ्रेड के चेहरे पर गुस्सा साफ झलक रहा था। "सिर्फ बुरे लोग, कैस्पर। याद है? सिर्फ बुरे लोग!"
“तो तुम्हें एक बात जाननी चाहिए, मैनफ्रेड।” कैस्पर उसके और करीब आ गया, उनके बीच बस थोड़ी सी जगह बची थी। “तुम्हें एक बात जाननी चाहिए और उसे अच्छी तरह याद रखना चाहिए।” वह मुस्कुराया। “मैं कोई हीरो नहीं हूँ!” इतना कहकर कैस्पर ने मैनफ्रेड को रेलिंग से धक्का दे दिया।
पूरा समूह कांच के दरवाजे से जल्दी से बाहर निकल गया, यह देखने की कोशिश करते हुए कि क्या हो रहा है। मैनफ्रेड ने कैस्पर का थैला पकड़ लिया था। कैस्पर मुस्कुराया और आंख मारी, और वे बालकनी से नीचे गिर गए।
आइवी हांफ उठी। बाल्थाज़ार का मुंह आश्चर्य से खुला रह गया। वे दोनों ही सबसे पहले इस घटना को देखने वाले थे। वे रेलिंग तक पहुंचे और नीचे देखा।
वहां कोई नहीं था। कोई भी हवा में नहीं गिरा था। ऐसा लग रहा था मानो मैनफ्रेड और कैस्पर गायब हो गए हों। मानो वे किसी अनपेक्षित द्वार से गुजर कर धरती से ओझल हो गए हों।
वे चले गए। हमेशा के लिए।

***

कैस्पर बकरे के सिर वाले आदमी की ओर बढ़ा, लेकिन इससे पहले कि वह कुछ कर पाता, वह प्राणी चिल्लाने लगा। फिर भी उसकी आवाज़ नहीं निकली। उसकी छाती से प्रकाश की एक तेज़ किरण निकली और सभी को अचंभित कर दिया। उसने प्रकाश से बचने के लिए अपना सिर अपनी बांह के मोड़ में छिपा लिया और ज़मीन पर गिर पड़ा।

प्रकाश कम हो गया। आँखें खोलते ही उसने देखा कि राक्षस गायब हो चुका था। वहाँ कोई नहीं था। किसी प्रेत का कोई निशान तक नहीं था। वह उठ खड़ा हुआ और रसोई में भागा, जहाँ उसने पाया कि सभी लोग सुरक्षित थे।
परिवार के सभी सदस्य एक-दूसरे को गले लगाकर यह तसल्ली देने की कोशिश कर रहे थे कि सब ठीक हैं। कॉर्पोरेट जगत का आदमी अपने सूट को घूरता हुआ वहीं नाचने लगा। शेफ और शेरिफ एक-दूसरे को गले लगाकर रोने लगे। गर्भवती महिला ने अपने पेट पर हाथ फेरकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि बच्चा ठीक है।
“हमने रोशनी देखी। एक बड़ी रोशनी। क्या सब खत्म हो गया? क्या सब ठीक है? क्या सब ठीक हैं?”
"सुरक्षित?" कैस्पर मुस्कुराया। उसका कभी सख्त चेहरा पल-पल नरम होता जा रहा था।
"हाँ हम

सुरक्षित। हम सुरक्षित हैं। अब यह सब खत्म हो गया है।

***

दो दिन बीत चुके थे।
कैस्पर सुकरात का कहीं कोई नामोनिशान नहीं था। वह गायब हो गया था। मृत्यु ने पुष्टि कर दी थी कि उसने कैस्पर और मैनफ्रेड की आत्माओं को अपने साथ नहीं लिया था। इसका मतलब था कि वे मरे नहीं थे। फिर भी वे कहाँ थे?
सब कुछ बदल गया था। आइवी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। वह बाकी समूह के साथ दाऊद के घर में रह रही थी, लेकिन अपने आस-पास की दुनिया में उसकी रुचि पूरी तरह खत्म हो गई थी। जब शहीद हुए नेफिलिमों के अंतिम संस्कार का समय आया, तो विवियन को भी दफनाया गया। उसकी मृत्यु सिर में गंभीर चोट लगने से हुई थी। उसकी मृत्यु से साइफन का दिल लगातार दुखता रहा।
अंतिम संस्कार से पहले कैसियस उसके पास गया था। "कैस्पर अभी तक नहीं लौटा है,"
लेकिन युद्ध में उनकी भूमिका का सम्मान करने के लिए, हमें उन्हें अंतिम संस्कार देना होगा। एक मानवीय अंतिम संस्कार।

आइवी ने सूजी हुई लाल आँखों से उसकी ओर देखा। कुछ देर तक वह चुप रही, फिर हिम्मत जुटाकर बोली, “जो मरा ही नहीं, उसका अंतिम संस्कार कैसे किया जा सकता है? यह न्यायसंगत नहीं है,” उसकी आवाज़ थोड़ी कठोर थी।
मुझे पता है, लेकिन हमें अंतिम संस्कार तो करना ही होगा। हमें किसी न किसी तरह से उन्हें श्रद्धांजलि देनी ही होगी।
आइवी ने सिर हिलाया, हालाँकि कुछ उसे रोक रहा था। वह नहीं चाहती थी कि सब कुछ इस तरह खत्म हो। वह कैस्पर का साथ देना चाहती थी। उसे अभी गले लगाना चाहती थी। उसके क्रूर स्वभाव और हमेशा इस्तेमाल होने वाले मूर्खतापूर्ण घमंडी लहजे के बावजूद, वह उसके लिए कुछ मायने रखता था।
अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। विवियन को नेफिलिम रीति-रिवाजों के अनुसार दफनाया गया। कफरनम को भी उसी रीति-रिवाजों के अनुसार दफनाया गया।
बाल्थाजार उड़ गया, पीछे मुड़कर देखने से इनकार कर दिया। उसने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने और अपने दर्द को व्यक्त करने से इनकार कर दिया।
हार्वर्ड अंतिम संस्कार में शामिल हुआ, उसके साथ साइफन और होप भी खड़े थे।
ताबूतों को पानी में धकेला गया जब तक कि वे गहरे पानी में डूब नहीं गए।
आइवी ने उसे साइफन के पास ले जाकर गले लगा लिया, हालाँकि उसके साथ उसका रिश्ता अच्छा नहीं रहा था। "मुझे आपके नुकसान का बहुत दुख है।"
साइफन ने सिर हिलाया और उसे एक उदास मुस्कान दी।
कोई नहीं जानता था कि वह क्या महसूस कर रही थी। जिन दो लड़कों से उसने प्यार किया था, वे अब इस दुनिया में नहीं थे। रयुन और कैस्पर। वह जानती थी कि प्रेम के मामले में वह बदनसीब है, उसका भाग्य किसी से भी रिश्ता न होने का है। उसे कभी पता नहीं चला कि क्या वह उसे पसंद करता था या नहीं। वह समझ गई थी कि अब वह जा चुका है और उसके बारे में उसके सारे सवाल अनुत्तरित रह गए हैं। वह उसे जाने नहीं दे पा रही थी।
साइफन चला गया और हार्वर्ड वापस वहीं लौट गया जहाँ उसे होना चाहिए था। सभी का अंतिम संस्कार हो चुका था। नेफिलिम मानव अंत्येष्टि में शामिल नहीं हुए।
लेकिन फिर भी उन्होंने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आइवी और लाजरस ही वहां मौजूद थे।
उपस्थिति। यह था

शरद ऋतु और मैदान में बहती ठंडी हल्की हवा। एक विलो पेड़ के नीचे।
एक पेड़ के नीचे एक समाधि-पत्थर था। उस पर कैस्पर सुकरात का नाम खुदा हुआ था।
पत्थर के पार।
आइवी के बगल में खड़े लाजरस ने उसे फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। उसने गुलदस्ता लिया और सावधानी से उसे कब्र पर रख दिया। वह उसके सामने घुटने टेककर बैठ गई और धीरे-धीरे अपनी हथेलियों से उसकी सतह को सहलाने लगी। “मास्टर सुकरात आपको बहुत पसंद करते थे, सुश्री डेमेट्रियस,” लाजरस ने कहा। “वह हमेशा से ही आपको पसंद करते थे। उन्होंने मुझे बताया भी था। वह आपकी बहुत परवाह करते थे। उन्होंने निर्दयी होने की कोशिश की, लेकिन वह निर्दयी नहीं थे। वह हमेशा उन लोगों की परवाह करते थे जिनसे वह मिलते थे।” “वह एक नेक इंसान थे। बेहद नेक इंसान, अपने पिता से भी बेहतर। मैंने उनका ख्याल रखने का वादा किया था, लेकिन अब मुझे लगता है कि मैं इसमें नाकाम रहा। मुझे इसका अफसोस है, लेकिन मैं जानता हूं कि मैंने उनकी अच्छी सेवा की।”
“मुझे नहीं पता कि वह क्यों गायब हो गया है और मैं पूछना भी नहीं चाहती क्योंकि मैं इसे गुप्त रखना चाहती हूँ। मैं इसे राज़ रखना चाहती हूँ।” उसने देखा कि उसकी आँखों से आँसू बह रहे थे। “मैं कार में इंतज़ार करूँगा, सुश्री डेमेट्रियस। जब आप तैयार हों, हम चलेंगे।”
आइवी ने सिर हिलाया। वह बीएमडब्ल्यू की ओर चल पड़ा। आइवी कब्र को देखती रही। वह इतनी निर्जीव, इतनी खाली और इतनी शांत लग रही थी। वह जानती थी कि ताबूत मिट्टी, रेत और कुछ ऐसी चीजों से भरा हुआ था जो कभी कैस्पर की थीं। उसके ऊपर पत्तियाँ सरसरा रही थीं और कई बादल छा गए।
“मैं चाहती हूँ कि तुम जानो कि...उम...मुझे तुम्हारी बहुत याद आती है। बहुत ज़्यादा याद आती है। उह...” आँसू रोकने की कोशिश में उसका गला भर आया। “मुझे तुम्हारी बहुत याद आएगी। मुझे पता है तुमने हम सबके लिए, इस दुनिया से अराजकता दूर करने के लिए, हमारे सारे दुख दूर करने के लिए खुद को कुर्बान कर दिया। तुम हमेशा कहते थे कि तुम्हें इस दुनिया में कभी सच्ची खुशी नहीं मिली और छोटी-छोटी चीज़ों से तुम्हें खुशी नहीं मिलेगी। तुम गलत थे। तुम खुश थे। बस तुमने इसे दिखाया नहीं।”

“मुझे पता था क्योंकि मैं तुम्हें पूरी तरह से समझ सकता था। पहले तो मुझे लगा कि तुम मुश्किल से ही इंसान हो, और तुम्हारे अंदर भावनाएं नहीं हैं, लेकिन...”
उसने अपनी आँखें कसकर बंद कर लीं और अपने आँसू रोकने की कोशिश की। “लेकिन मुझे लगता है कि तुम मेरी ज़िंदगी में मिले सबसे भावुक इंसान थे। तुम्हारे चमत्कारों ने बहुत फर्क डाला और तुम्हारी वो अजीब सी नादानी मुझे बहुत प्यारी लगती थी। उम...उह...और मैं बस इतना कहना चाहती हूँ कि...प्लीज़, वापस आ जाओ। प्लीज़, वापस आ जाओ कैस्पर! चाहे कुछ भी हो जाए, बस वापस आ जाओ! मैं तुमसे प्यार करती हूँ और तुम्हें बहुत याद करती हूँ।”
वह आंसू पोंछने में असमर्थ होकर कार की ओर भागी। वह अपनी सीट पर बैठ गई, रोते-रोते उसके कंधे कांप रहे थे।
लाजरस ड्राइवर की सीट पर बैठा इंतजार कर रहा था। "क्या आपके मन में कोई जगह है जहाँ आप जाना चाहती हैं, सुश्री डेमेट्रियस?"
उसने सिर हिलाया। "मुझे ठीक से पता है कि कहाँ जाना है, लाजरस।"

***

साइफन दरवाजे पर इंतजार कर रहा था। वह जानता था कि अंत आ गया है। वह सब कुछ जो उसे प्रिय था।
अब वह नष्ट हो चुका था। दरवाजा खुला। उसके अंदर एक आदमी खड़ा था जिसकी आँखें एकदम ठंडी थीं।
संगमरमर की तरह।
"साइफन, आपकी उपस्थिति अपेक्षित है।"
उसने कहा, "हाँ, ज़ेफिर।"
वह अंदर चला गया। यह एक सामान्य घर जैसा लग रहा था और इसमें कुछ भी खास नहीं था। पूरे कमरे में गर्माहट फैली हुई थी। वह एक शयनकक्ष की ओर बढ़ा। ज़ेफिर ने दरवाज़ा खुला रखा और वह अंदर चला गया, जहाँ उसे एक बूढ़ा आदमी मिला जो समय जितना ही प्राचीन लग रहा था।

उनका चेहरा झुर्रियों और रेखाओं से भरा हुआ था। वे कांपते हाथों में चम्मच पकड़े सूप पी रहे थे। लंबी सफेद दाढ़ी ने उनका पूरा चेहरा ढक रखा था और घनी भौहों ने उनकी नीली आंखों को छुपा रखा था।
"साइफन, कृपया बैठ जाइए।"
ज़ेफिर एक छोटा चार टांगों वाला स्टूल लेकर आया जो बिस्तर के पास रखा था। साइफन उसके पास गया और बैठ गया। उसने उस शांत, बूढ़े आदमी को हैरानी से देखा कि उसकी आवाज़ इतनी प्रभावशाली थी।
“मैं अपनी सज़ा भुगतने के लिए तैयार हूँ,” साइफन ने घृणा से कहा। “मैंने सब कुछ खो दिया है। अब मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं बचा है, इसलिए मैं तुम्हारे द्वारा सोचे गए किसी भी दर्द का सामना करने के लिए तैयार हूँ।” “सज़ा, मेरे बच्चे?” बूढ़े आदमी की आवाज़ में प्रसन्नता थी। “मैं उसे क्यों सज़ा दूँ जिसने पिता की सृष्टि को बचाया?” वह मुस्कुराया। उसने सूप एक तरफ रख दिया और अपना हाथ अपने सिर पर रख लिया। “सिफॉन, मैंने बहुत पहले एक गलती की थी। कफरनम नाम की एक गलती। मैंने उसे यातना दी और नीचे फेंक दिया और वह एक राक्षस बन गया। अब मुझे इसका पछतावा है। कफरनम मेरा भाई था। वह अपनी मृत्यु तक मेरा भाई बना रहा। उसने किसी को बताए बिना हमारी मदद की। वफ़ादारी यही होती है। मैं दोबारा ऐसी गलती नहीं करना चाहता।”
तो आपका मतलब है...?
बूढ़े व्यक्ति ने मुस्कुराते हुए कहा, “तुम स्वर्ग वापस जाओ और प्रधान देवदूत बनने का प्रशिक्षण लो। अब से तुम मेरे दाहिने हाथ रहोगे।” लेकिन...विवियन...
बूढ़े आदमी की मुस्कान फीकी पड़ गई। "मुझे खेद है कि मैं उसके लिए और कुछ नहीं कर सकता।"
हमने एक पैगंबर को खो दिया है, लेकिन आपके लिए... आपने अपना जीवन खो दिया है और मुझे इसका खेद है।"

साइफन ने कांपते हाथों से अपने बालों को सहलाया और रोने लगा।

“तुम अतीत को दोष नहीं दे सकते, साइफन। तुम्हें अपना भविष्य खुद बनाना होगा। भविष्य के बारे में सोचो,” बूढ़े व्यक्ति ने झुर्रियों वाली मुस्कान के साथ कहा। “मुझे उम्मीद है कि तुम इसे भूल जाओगे।”

मैं इसे कैसे भूल सकता हूँ?

“धन्यवाद। मुझे एक और मौका देने के लिए महादूत माइकल का बहुत-बहुत धन्यवाद।”

***

होप ने इस बात पर गौर किया कि उसकी जान भी जा सकती थी। उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि पिछले कुछ दिनों में उसे इन सब से गुज़रना पड़ेगा, लेकिन वह खुश थी कि सब कुछ खत्म हो गया। उसने अंगूठी मौत को दे दी थी, ताकि वह उसे कहीं सुरक्षित रख सके।
उसके बाद सब कुछ सामान्य हो गया। उसे आवाज़ें सुनाई नहीं देती थीं और वह जानती थी कि अब वह किसी को नहीं देखेगी। वह इस बात से खुश थी। सब कुछ खत्म हो गया था। उसके पिता अब खुशमिजाज दिखते थे और उन्हें सेल्समैन की नौकरी मिल गई थी। उसने भी कुछ हासिल कर लिया था।
दोस्तों के साथ उसकी दोस्ती फिर से मजबूत हो गई थी और उसने दोबारा स्कूल जाना शुरू कर दिया था और उसे हर विषय में अच्छे नंबर मिलने लगे थे। उसे अपनी जिंदगी वापस मिल गई थी।
शायद गुरुवार का दिन था, जब वह स्कूल से लौट रही थी और रास्ते में अपने दोस्तों से बातें कर रही थी, तभी उसकी नज़र पास के एक चर्च पर पड़ी। वह कभी चर्च नहीं जाती थी, क्योंकि उसे भगवान पर विश्वास नहीं था, लेकिन किसी अज्ञात कारण से, उसकी नज़र उस इमारत से हट ही नहीं रही थी। उसके दोस्त आगे निकल गए थे और उन्हें एहसास ही नहीं हुआ कि वह उनके साथ नहीं है। जब वे वापस उसके पास आए तो देखा कि वह वहीं खड़ी चर्च को घूर रही थी।
“क्या हुआ, होप?” घुंघराले बालों वाली एक लड़की ने पूछा। “क्या कुछ गड़बड़ है?”
“नहीं। उह...आप लोग आगे बढ़िए। मैं बाद में आ जाऊँगा।”

अपनी सहेली की नाराज़गी अनसुनी करते हुए वह कमर पर बैग लटकाए चर्च के अंदर भाग गई। उसने देखा कि वहाँ सीटों की एक कतार लगी थी और अंदर का हिस्सा सजा हुआ था। एक पादरी एक कतार में बैठा एक बड़ी, भूरी किताब से कुछ अंश पढ़ रहा था।
वह उसके बगल में बैठ गई और बोली, “हैलो। उम…” उसे थोड़ी असहजता महसूस हुई। “क्या बात है, बच्ची?” उसने पूछा।
"मुझे आपसे बात करनी है।"
मुस्कुराते हुए उसकी आँखों के कोने हल्के से सिकुड़ गए। "अच्छा, तो तुम मुझे बताओ कि क्या गड़बड़ है?"
होप को सुकून मिला और उसने भी मुस्कुराकर जवाब दिया।

***

एक बेहद छोटे से लड़के के सामने मौत खड़ी थी, जिसे इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि क्या हो रहा है। उसके हाथों में एक लंबी, नुकीली लाठी थी। उसने लड़के को घूरते हुए कहा, "तुम मेरे जल्लाद बनोगे। एक तरह से मेरे सलाहकार।"
फिर उन्होंने विस्तार से समझाया कि एक फिक्सर होने का क्या मतलब होता है। उन्होंने उसे बताया कि उसे फिक्सर के रूप में क्यों चुना गया है और उसकी क्या भूमिका होगी।
“यह कठिन है
नौकरी।" "क्या आप एक
क्या वह एक सख्त बच्चा है?
“हां,” लड़के ने आत्मविश्वास से कहा, लेकिन उसकी आवाज़ में जवाब को लेकर अनिश्चितता थी। “तो आप इसे कर पाएंगे।”
पहले तो वह हिचकिचाया, लेकिन फिर आखिरकार उसने पूछा, "क्या मैं तुम्हारा पहला हूँ?"
जल्लाद? मेरा मतलब है, क्या आपने सिर्फ मुझे ही चुना है या कोई और भी था? मुझसे पहले?"

मृत्यु उस लड़के के साथ औपचारिक व्यवहार करने की कोशिश कर रही थी, क्योंकि पहली मुलाकात में वह कभी मजाक नहीं करती या हंसती नहीं थी। उसने लड़के को एक छोटी सी, प्यारी सी मुस्कान दी। “एक था वो। वो ऐसा इंसान था जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा, बच्चे। वो सबसे अच्छा था। उसके बिना ये दुनिया वैसी नहीं होती जैसी आज है।”
“उसका नाम क्या था?” लड़के ने पूछा।
उत्साह। "कैस्पर सुकरात।"
"जहां वह अब है?"
मृत्यु की मुस्कान और चौड़ी हो गई। "वह छुट्टी पर गया है। एक लंबी, संतोषजनक छुट्टी पर।"

***

कई वर्षों बाद...

आइवी थकी हुई थी। दिन लंबा और उबाऊ था। उसने गहरी सांस ली और अपनी सारी मेडिकल किताबें बैग में रखकर उसे कसकर बंद कर लिया। वह कई सालों से सुकरात के घर में रह रही थी। हालांकि,
हाल ही में उसने लंदन में एक अपार्टमेंट खरीदा था, जहाँ वह पढ़ाई कर रही थी, जहाँ वह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेगी और सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ सकेगी। किसी के नाम पुकारने पर उसने सिर ऊपर उठाया।

“आइवी!”
वह मुड़ी। उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। हालाँकि काफी समय बीत चुका था, फिर भी उसे वह लड़के जैसा चेहरा, लंबे नुकीले बाल, आँखों में लगा काजल, टैटू से भरा नंगा सीना और राख से हरे और फिर काले रंग में तेज़ी से बदलते लंबे ओवरकोट याद थे।

“मौत!” उसने उलझन में बुदबुदाया। वह अपने अतीत के बारे में सोचना नहीं चाहती थी, लेकिन वह कुछ नहीं कर सकती थी। अतीत खुद उसके सामने आ गया था। “तुम यहाँ क्या कर रहे हो?”
“मैंने कैस्पर से युद्ध पर जाने से पहले एक वादा किया था। उसने कहा था कि जब तुम मेडिकल कॉलेज जाओगी या जीवन में अपनी मनचाही उपलब्धि हासिल करोगी, तो उस दिन मैं तुम्हें यह दूंगा।” उसने अपने कोट की तहों में से एक पत्र निकाला और उसे सौंप दिया। “मैं बस अपना कर्तव्य निभा रहा हूँ। यह उसकी आखिरी इच्छा थी और मेरा परम कर्तव्य है जिसे पूरा करना।”
आइवी ने कांपते हाथों से पत्र उठाया और सावधानी से लिफाफे पर उंगलियां फिराईं। अंगीठी में तेज़ आग जल रही थी, जिससे उसे और पूरे कमरे को गर्माहट मिल रही थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। वह पत्र खोलना चाहती थी, शायद उसके इस आखिरी पत्र में उसके सारे सवालों के जवाब मिल जाएं।
उसने खुद को ऐसा करने से रोका और ऊपर देखा। “सब लोग कैसे हैं? क्या आपको पता है?” उसने पूछा।
“बाल्थाज़र ने अपने परिवार को गौरवान्वित किया। उसके पिता ने उसे गले लगाकर घर में स्वागत किया और उनकी आँखों में आँसू आ गए।” वह हँसा। “हार्वर्ड अब समूह का नेता है। साइफन एक प्रधान देवदूत बन गया है और माइकल के लिए काम करता है, और सबसे अच्छी बात यह है कि कफरनम की मूर्ति स्वर्ग में बनी है और उस पर ‘वफादार सेवक’ लिखा है। जहाँ तक राफेल की बात है, वह... खैर, चलिए मान लेते हैं कि बाकी बागी देवदूतों की तरह वह भी गायब हो गया।” “यह तो वाकई बहुत अच्छा है।” वह खुशी से मुस्कुराई। यह उसकी पहली दिल खोलकर मुस्कुराई हुई मुस्कान थी।
वह महीनों बाद मान गई थी। "यह बहुत अच्छा है।"
“मैंने किसी को नहीं बताया, लेकिन कैस्पर जिस छड़ी का इस्तेमाल करता था, वह मेरी मुहर थी।” “लेकिन मुझे लगा कि आपने उसे उपहार में दी थी…”

“मैंने उसे अपनी मुहर उपहार में दी थी। वह सुरक्षित थी और सही हाथों में थी। अब वह उसे अपने साथ हर जगह ले गया है। जब उसे ज़हर दिया गया था, तो उसे लगा कि वह मरने वाला है। उस समय, उसे यह भी नहीं पता था कि उसकी एड़ी में कोई कमज़ोरी है, इसलिए उसे लगा कि वह मर जाएगा।” मौत अब आइवी से नहीं, बल्कि खुद से बात कर रही थी। “मैं उसके लिए कोई इलाज नहीं लाई थी। उसे खुद को ठीक करने में बस कुछ समय लगा।”
कैस्पर के जीवित होने, लेकिन लापता होने का ख्याल वह सुनना नहीं चाहती थी। उसके कान दुखने लगे। उसने मौत का सामना न करने के लिए चिट्ठी की तरफ देखा। क्या तुम इसे खोलने वाले हो?
आइवी लिफाफे को देखती रही। वह पत्र... उसे पूरा यकीन था कि उसमें कैस्पर के बारे में सब कुछ खुल जाएगा, वह सब कुछ जो वह इतने लंबे समय से सबसे छिपाने की कोशिश कर रहा था। शायद इससे यह पता चल जाए कि वह ऐसा क्यों था और वह और मैनफ्रेड एक-दूसरे को कैसे जानते थे, उसका अतीत क्या था। शायद इसमें यह भी बताया गया हो कि उसे उसकी कमजोरी कैसे मिली और वह इस हालत में कैसे पहुँच गया। पत्र में उसके हर सवाल का जवाब था, वह सब कुछ जिसकी उसे तलाश थी।
वह अंगीठी के पास गई और चिट्ठी को आग में डाल दिया। उसने उसे धीरे-धीरे जलते हुए देखा, जैसे-जैसे आग कागज को अपनी चपेट में लेकर राख में बदल रही थी। जलते हुए कागज के टुकड़े को देखने के बजाय, उसने कुछ और देखा। उसने देखा कि उसके सवालों के जवाब अब पीछे छूट गए थे। वह जानती थी, जैसे एक लौ दूसरी को पकड़ रही हो, उसे कभी भी अपने सवालों के जवाब नहीं मिलेंगे। फिर भी, किसी तरह, वह जानना नहीं चाहती थी। शायद यह उसकी पसंद थी। शायद अब वह यही चाहती थी।

“तुमने ऐसा क्यों किया?” मृत्यु ने पूछा।
"कभी-कभी, सच जानने से बेहतर झूठ के साथ जीना होता है," उसने जवाब दिया, उसकी आँखों में आंसू चमक रहे थे।

उपसंहार

कई दिन बीत चुके थे।
जिस दिन उसकी मौत हुई थी और उसने चिट्ठी जला दी थी, उसके बाद आइवी को लग रहा था जैसे उसे एक नया जीवन मिल गया हो। अतीत बीत चुका था। अब वह वर्तमान और भविष्य की ओर देख रही थी। बर्फीली दोपहर उसके लिए एक सर्द अनुभव थी। वह ऐसे मौसम की आदी नहीं थी।
चलते हुए और अपने गर्म चमड़े के बूटों की धमक के साथ, वह अपने कंधों पर एक बैग लटकाए विश्वविद्यालय की ओर चल पड़ी। द्वार विशाल थे और पास ही फर वाली जैकेट पहने सुरक्षा गार्ड खड़े थे, जो अपनी नंगी हथेलियों पर अपनी गर्म सांसें छोड़ रहे थे।
जैसे ही वह द्वार के करीब पहुंची, वह थम सी गई। उसने भौंहें चढ़ाईं और पीछे मुड़ी, क्योंकि उसे किसी परिचित की जानी-पहचानी गंध महसूस हुई, दूर अतीत की कोई गंध, जिसने उसकी इंद्रियों को झकझोर दिया था। उसने चारों ओर देखा, उस व्यक्ति का पता लगाने की कोशिश की।
तभी उसकी नज़र पास के कई पेड़ों की छाया में छिपी एक बेंच पर पड़ी। कोई वहाँ बैठा इंतज़ार कर रहा था। बेंत को देखकर उसकी आँखें चौड़ी हो गईं।
“मैडम, क्या आप आ रही हैं?” गार्ड ने पूछा।
चिड़चिड़ाहट। "रुको!" उसने धीमी आवाज़ में कहा।
उसने अपना बैग गिरा दिया और दौड़ पड़ी।
बेंच। ऐसा नहीं हो सकता। ऐसा नहीं हो सकता!
वह वापस आ गया है!
दौड़ते हुए ठंडी हवा में सांस लेने से उसकी छाती में जलन हो रही थी, फिर भी उसे परवाह नहीं थी। वह बस देखना चाहती थी, यह जानना चाहती थी कि क्या वह वापस आ गया है। क्या वह वहीं बैठा उसे देख रहा है? जैसे ही वह करीब पहुंची, उसने देखा कि परछाईं बेंच को ढक नहीं पा रही थी। उस पर कोई नहीं बैठा था।

आइवी ने अपना माथा रगड़ा। धिक्कार है! चिंता भरी आह भरते हुए वह मुड़ी, तभी उसकी नज़र किसी चीज़ पर पड़ी। उसे कुछ जाना-पहचाना सा लगा, कुछ ऐसा जो उसे अपने अतीत से याद था। बेंच पर एक छोटी, लाल रंग की आयताकार डायरी रखी थी। कैस्पर की डायरी। वह बर्फ में घुटनों के बल बैठी और कांपते हाथों से डायरी की ओर बढ़ी। डायरी खाली थी। उसने पन्ने पलटे और देखा कि एक पन्ना खाली था।

मुझे पता ही नहीं था कि तुम डायरी भी लिखते हो, होशियार कहीं के।
उसे याद आया कि सुलेमान के वंशज को खोजने जाने से पहले उसने कैस्पर से यही बात कही थी।
मुझे हमेशा से ऐसा ही एक चाहिए था। मैं हमेशा से अपने मन की बातें कागज पर लिखना चाहती थी। काश मेरे पास भी तुम्हारे जैसा एक होता।
उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा। उसने अनुरोध किया था...नहीं...उसने उसे साफ़- साफ़ कह दिया था कि उसे इनमें से एक चाहिए। उसने उसके लिए एक खरीद लिया था। लेकिन यह यहाँ कैसे पहुँच गया?
यह एक चौंकाने वाला विचार था जिसे वह पीछे छोड़ना चाहती थी, लेकिन अंततः इसका कोई हल नहीं निकला।
एक निष्कर्ष पर वापस। वह एक विचार जिसे स्वीकार करने में उसे कठिनाई हो रही थी। बेंच पर एक डायरी पड़ी थी, वही डायरी जो वह पहले चाहती थी, जिसका केवल एक ही अर्थ हो सकता था।

वह वापस आ गया था!

***** *****

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [